महानगर नई दिल्ली रविवार 13 अक्तूबर, 2019, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

महापौर बनना चाहते हैं प्रधानमंत्री का ख्वाब देखने वाले

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

डेनमार्क यात्रा पर राजनीतिक घमासान के बीच दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने शनिवार को कहा कि एक वो भी दिन था जब आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल देश के प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे थे। लेकिन अब दिन ऐसे बदले कि महापौर बनने का सपना देख रहे हैं। मनोज तिवारी ने 'जनसत्ता बारादरी' कार्यक्रम में यह कटाक्ष उस वक्त किया जब उनसे अरविंद केजरीवाल को डेनमार्क के सम्मेलन में जाने के लिए इजाजत नहीं मिलने के बाबत सवाल किए गए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल दिल्ली नगर निगम के काम का भी श्रेय लेना चाहते थे, इसलिए महापौर स्तर के कार्यक्रम में खुद जाना चाह रहे थे।

मनोज तिवारी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की इस यात्रा को विदेश मंत्रालय द्वारा मंजूरी नहीं दिए जाने को केंद्र सरकार का सही फैसला ठहराया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के नगर निगम डेंगू की रोकथाम और स्वच्छता के लिए काम कर रहे हैं। इन प्रयासों के बाद से दिल्ली में डेंगू का प्रकोप कम हुआ है। अब हालत यह है कि मुख्यमंत्री चुनाव सिर पर होने की वजह से इन कामों को भी अपने नाम करने की कोशिश कर रहे हैं। पोस्टर-बैनर व अन्य प्रचार माध्यमों से वे इस पर विवाद पैदा करना चाह रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि यह सम्मेलन दुनिया भर के महापौर के लिए था। दिल्ली सरकार ने इसके लिए कभी भी निगमों के महापौर को भेजने के लिए पहल नहीं की। मालूम हो कि यह कार्यक्रम डेनमार्क के कोपनहेगन शहर में सी-40 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन के तहत होना था। बाद में मुख्यमंत्री ने इसे वीडियो कांफ्रेंस से संबोधित किया।

मनोज तिवारी ने कहा कि साढ़े चार साल के कार्यकाल में दिल्ली बाकी पेज 8 पर

आम आदमी पार्टी की राजनीति पर खुल कर बोले मनोज तिवारी

उन्होंने कहा, महापौर स्तर के कार्यक्रम में जाना चाह रहे थे केजरीवाल

जनसत्ता बारादरी

मनोज तिवारी से बारादरी बैठक का पूरा साक्षात्कार पढ़ें पेज 7 पर

स्वच्छता-सेनानी

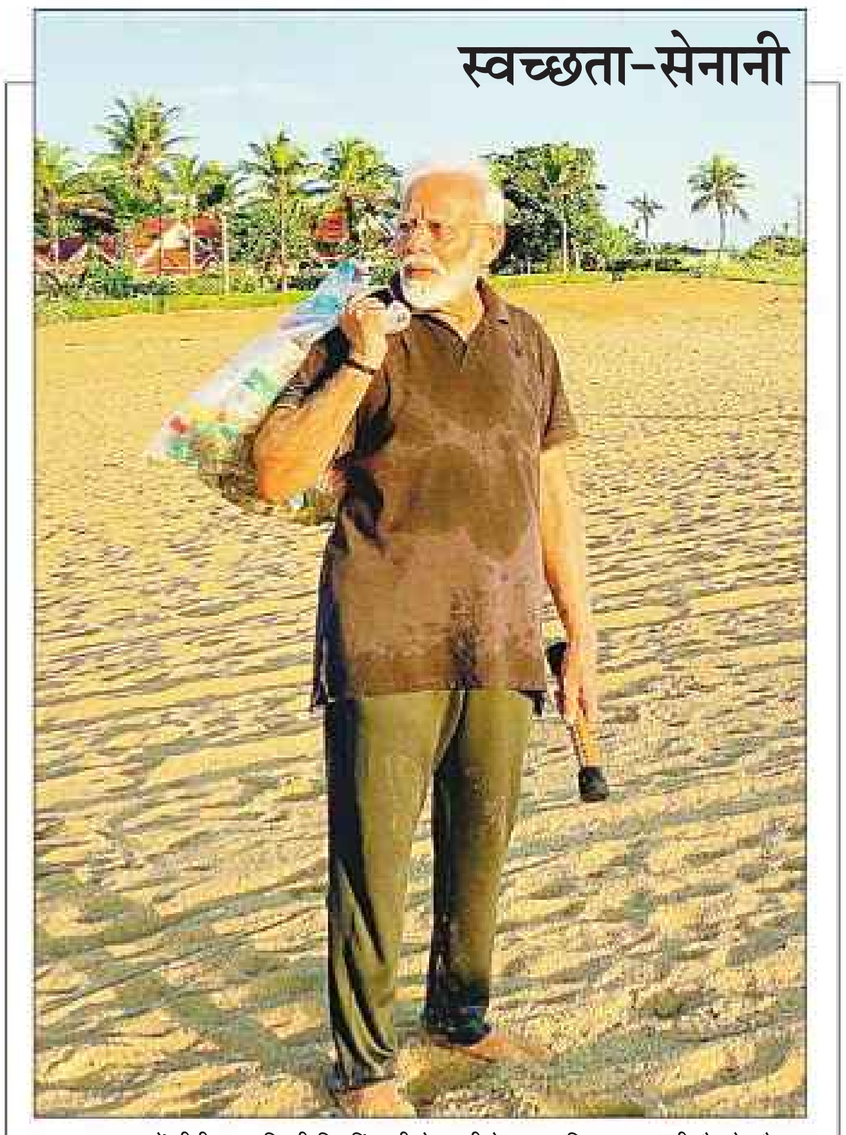

मामल्लापुरम में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मेजबानी के बाद शनिवार सुबह की सैर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सफाई का भी जिम्मा उठाया और वहां बिखरा कूड़ा इकट्ठा किया। इसके बाद उन्होंने सार्वजनिक स्थानों को साफ सुथरा रखने की अपील भी की। -खबर पेज 8 पर

सम-विषम में सीएनजी वाहनों को छूट नहीं

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

दिल्ली में सम-विषम व्यवस्था के दौरान दोपहिया वाहनों को राहत मिल सकती है। शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस राहत के संकेत दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोपहिया सवारों को राहत देने के सुझाव पर सरकार विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में सम-विषम के दौरान इस बार भी महिलाओं को छूट दी जाएगी लेकिन निजी सीएनजी वाहनों पर यह व्यवस्था लागू रहेगी। जुर्माना समेत अन्य प्रावधान जल्द ही दिल्ली सरकार सामने लेकर आएगी।

महिलाओं को राहत

इस बार भी महिलाओं को छूट दी जाएगी

दोपहिया वाहनों को भी राहत देने पर विचार

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में 70 लाख के करीब दोपहिया वाहन हैं। अगर ये वाहन इस दायरे से बाहर होते हैं तो दिल्ली सरकार के लिए सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था उपलब्ध कराना बाकी पेज 8 पर

मतभेदों को सुलझाने का भारत-चीन का संकल्प

कारोबार बढ़ाने के लिए नया तंत्र स्थापित करने का निर्णय

मामल्लापुरम (तमिलनाडु), 12 अक्तूबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच छह घंटे से अधिक समय तक आमने-सामने बातचीत के बाद भारत और चीन ने शनिवार को सहयोग के नए अध्याय के शुरुआत करने तथा मतभेदों को विवेकपूर्ण ढंग से सुलझाने का संकल्प जताया। दोनों देशों ने कारोबार, निवेश और सेवा क्षेत्र से जुड़े विषयों पर एक नया तंत्र स्थापित करने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री ने जिनपिंग को उनके चित्र वाला रेशम का शॉल भेंट किया -खबर पेज 8 पर

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी ने कारोबार, निवेश को बढ़ाने एवं विश्वास बहाली के उपायों सहित कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मोदी-शी अनौपचारिक शिखर वार्ता की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि कारोबार एवं निवेश को बढ़ाने के लिए एक तंत्र स्थापित करने पर सहमति तथा प्रस्तावित क्षेत्रीय समग्र आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) को लेकर भारत की चिंताओं को दूर करने के लिए विचार विमर्श करने एवं सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए विश्वास बहाली और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने का विषय रहा।

विदेश सचिव विजय बाकी पेज 8 पर

मामल्लापुरम में शनिवार को दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की अगुआई करते प्रधानमंत्री मोदी व राष्ट्रपति शी जिनपिंग।

चीनी पर्यटकों के लिए ई-वीजा की सुविधा में पांच साल का विस्तार

बेजिंग, 12 अक्तूबर (भाषा)।

अधिक से अधिक चीनी पर्यटकों को आकर्षित करने की मुहिम के तहत भारत ने चीनी पर्यटकों के लिए ई-वीजा के नियमों में ढील दी है। यहां भारतीय दूतावास ने शनिवार को यह जानकारी दी।दूतावास की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के बाकी पेज 8 पर

बेहतर संबंधों के लिए शी ने दिया छह सूत्रीय फार्मूला

बेजिंग, 12 अक्तूबर (भाषा)।

चेन्नई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लंबी वार्ता के बाद भारत-चीन संबंधों के विकास के लिए दीर्घकालिक योजना का आह्वान करते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि द्विपक्षीय मतभेदों को आपसी सहयोग बाकी पेज 8 पर

भूषण पावर एंड स्टील की चार हजार करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर (भाषा)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) की 4,025 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय जांच एजंसी ने कहा कि उसने धनशोधन निरोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ओड़ीशा में कंपनी की जमीन, इमारत, संयंत्र और मशीनरी कुर्क की है। एजंसी के इस अस्थायी आदेश के तहत कुल 4,025.23 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई है। इस मामले में यह कुर्की की पहली कार्रवाई है।

ऋण धोखाधड़ी-धनशोधन मामला

इस मामले में यह कुर्की की पहली कार्रवाई है। आगे और कार्रवाई की जा सकती है।

आगे और कार्रवाई की जा सकती है। प्रवर्तन निदेशालय ने बयान में आरोप लगाया कि भूषण पावर एंड स्टील ने विभिन्न बैंकों से लिए कर्ज की राशि का हेरफेर करने के लिए कई तरीके अपनाए। इसमें बाकी पेज 8 पर

श्रीनगर में ग्रेनेड हमला, सात लोग घायल

श्रीनगर, 12 अक्तूबर (भाषा)।

श्रीनगर के एक इलाके में शनिवार को संदिग्ध आतंकवादियों के ग्रेनेड हमले में सात लोग घायल हो गए। आतंकवादियों ने दोपहर के समय लाल चौक सिटी सेंटर से कुछ ही दूर हरि सिंह हाई स्ट्रीट बाजार में ग्रेनेड फेंका जो सड़क किनारे फटा। पुलिस ने यह जानकारी दी। घायलों को नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बताया कि राज्य के करीब 99 फीसद इलाकों में लगे प्रतिबंधों हटा लिए गए हैं।

राज्य सरकार के प्रवक्ता रोहित कंसल ने शनिवार को कहा कि बाहरी समर्थन प्राप्त आतंकवादियों को राज्य में शांति भंग करने से रोकने के लिए ये पाबंदियां लगाईं गईं थीं। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार हिरासत में लिए गए नेताओं समेत अन्य की रिहाई के लिए समीक्षा कर रही है।

ग्रेनेड हमले में जख्मी हुए एक व्यक्ति को इलाज के लिए ले जाते परिजन।

सरकार हिरासत में लिए गए नेताओं समेत अन्य की रिहाई के लिए भी समीक्षा कर रही है।

कंसल ने कहा, 'आठ से 10 थाना क्षेत्रों को छोड़ बाकी हर जगह से प्रतिबंध पूरी तरह हटा लिए गए हैं। जम्मू- कश्मीर के 99 फीसद इलाकों में आवाजाही पर कोई रोक-टोक नहीं है।' कंसल ने कहा कि पर्यटकों का राज्य में स्वागत है और बाकी पेज 8 पर

सोमवार को बहाल होंगी पोस्टपेड मोबाइल सेवाएं

श्रीनगर, 12 अक्तूबर (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सोमवार से सभी पोस्टपेड मोबाइल फोन सेवाएं बहाल करने की शनिवार को घोषणा की। अधिकारियों ने बताया कि सेवाएं शनिवार को बहाल की जानी थीं लेकिन कुछ तकनीकी खामी के कारण इसे टाल दिया गया।

सरकारी बाकी पेज 8 पर

बंगाल में गोली मारकर भाजपा कार्यकर्ता की हत्या

कृष्णनगर (पश्चिम बंगाल), 12 अक्तूबर (भाषा)।

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में भाजपा कार्यकर्ता बताए जा रहे एक दुकानदार की अज्ञात बदमाशों ने उसकी पत्नी के सामने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि 52 वर्षीय हरलाल देवनाथ को शुक्रवार रात हबीबपुर में गोली मार दी गई।

तृणमूल नेताओं ने घटना में संलिप्तता से किया इनकार

देवनाथ की पत्नी चंदना ने बताया, 'हम अपनी दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। दो लोग ग्राहक बनकर आए और कुछ सामान मांगा। जब मेरे पति उन्हें सामान देने के लिए मुड़े तो उन्होंने गोली चला दी और फरार हो गए।' देवनाथ को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

स्थानीय भाजपा सांसद जगन्नाथ सरकार ने देवनाथ को पार्टी कार्यकर्ता बताते हुए इस हत्या के लिए तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। नदिया दक्षिण से भाजपा अध्यक्ष मानवेंद्रनाथ रॉय ने कहा, 'वह हमारा बूथ स्तर का कार्यकर्ता था और 1995 से भाजपा में था। टीएमसी ने पहले भी उसे धमकी दी थी। अब उन्होंने उसे मार दिया।' हालांकि स्थानीय टीएमसी नेताओं ने हत्या में संलिप्तता से इनकार किया है। सत्तारूढ़ पार्टी ने आरोपों को खारिज कर दिया है। राणाघाट जिले के पुलिस अधीक्षक वीसीआर अनंतनाग ने कहा, 'हम मामले की तफ्तीश कर रहे हैं।'

पूर्व उपमुख्यमंत्री के विश्वासपात्र ने खुदकुशी की

बंगलुरु, 12 अक्तूबर (भाषा)।

कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर के विश्वासपात्र ने शनिवार को यहां कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। आयकर विभाग के अधिकारियों ने कुछ दिन पहले पूर्व उपमुख्यमंत्री के आवास, कार्यालय और शिक्षा संस्थानों पर छापे मारे थे। पुलिस ने बताया कि सुबह भारतीय खेल प्राधिकरण के मैदान के निकट एक बाकी पेज 8 पर

छापों से जुड़े तार!

आयकर विभाग ने दो दिन पहले पूर्व उपमुख्यमंत्री परमेश्वर के ठिकानों पर छापे मारे थे।

दरअसल

ट्रेन रोकने के मामले से बरी | **बीस साल बाद** | **शूटिंग के दौरान चेन खींचने का आरोप**

सनी देओल और करिश्मा को मिली राहत

जयपुर, 12 अक्तूबर (भाषा)।

जयपुर की एक स्थानीय अदालत ने अभिनेता और सांसद सनी देओल और अभिनेत्री करिश्मा कपूर को शूटिंग के दौरान ट्रेन रोकने के 20 साल से अधिक पुराने मामले में आरोप मुक्त कर दिया। सनी देओल और अभिनेत्री करिश्मा कपूर के वकील एके जैन ने शनिवार को बताया कि जयपुर की अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के बाद दोनों कलाकारों को आरोप मुक्त कर दिया।

उन्होंने बताया कि अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत के न्यायाधीश पवन कुमार ने दोनों कलाकारों की ओर से पेश अर्जी की सुनवाई के बाद उन्हें आरोप मुक्त करने का निर्णय दिया। अर्जी में अभिनेता और सांसद सनी देओल और अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने एक फिल्म की शूटिंग के दौरान चेन-पुलिंग के मामले में रेलवे अदालत के फैसले को सत्र अदालत में चुनौती दी थी।

चेन-पुलिंग की यह कथित घटना 1997 में फिल्म 'बजरंग' की शूटिंग के दौरान हुई। इसमें सनी देओल और करिश्मा कपूर पर ट्रेन 2413-ए अपलिंक एक्सप्रेस की चेन बिना वजह खींचने का आरोप लगाया गया था जिस कारण ट्रेन 25 मिनट लेट हो गई थी। सनी देओल और करिश्मा कपूर के वकील जैन ने कहा, 2009 में दोनों कलाकारों के खिलाफ सारांश आरोप पढ़े गए थे जिसे हमने अप्रैल 2010 में सत्र अदालत में चुनौती दी थी। सत्र अदालत ने 24 बाकी पेज 8 पर

चेन-पुलिंग की यह घटना 1997 में फिल्म 'बजरंग' की शूटिंग के दौरान हुई। इसमें सनी देओल और करिश्मा कपूर पर ट्रेन 2413-ए अपलिंक एक्सप्रेस की चेन बिना वजह खींचने का आरोप लगाया गया था जिस कारण ट्रेन 25 मिनट लेट हो गई थी।

इस मामले में सनी देओल और करिश्मा कपूर के अलावा स्टंटमैन टीनू वर्मा और सतीश शाह भी आरोपी हैं लेकिन उन्होंने तब इन आरोपों को सत्र अदालत में चुनौती नहीं दी थी।

रविवारी
13 अक्तूबर, 2019

कुदरत का कहर या इंसानी भूल

पिछले कुछ सालों से बाढ़ के चलते लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस साल देश के विभिन्न हिस्सों में लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हुए। बाढ़ की वजहों और उससे होने वाले नुकसान के बारे में बता रही हैं **नाज खान**।

• **कहानी**/ मधु अरोड़ा • **प्रसंग**/ कविता भाटिया • **समाज**/ राजेंद्र प्रसाद शर्मा • **शख्सियत**/ रामचंद्र शुक्ल • **दाना-पानी**/ मानस मनोहर • **सेहत**/ रविवारी डेस्क

अंदरूनी खूबसूरती है जरूरी
• प्रियंवदा सहाय

• **कविता**/ प्रयाग शुक्ल • **कहानी**/ सुमन बाजपेयी

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

It is for general information that I, Divyansh Sahai S/o Surinder Kumar R/o G-33, 2nd-Floor, Gali No.17, Jagat puri Krishna Nagar Delhi-110051,inform that name of mine hasbeen wrongly written as Anshul in my LIC Policy No.122835196.The actual name of mine is Divyansh Sahai which may be amended accordingly. 0040515850-10

I, Zuebisha Kals W/o Sh. Manikjeet Singh Kals R/o House No 3601, DLF Phase-IV, Gurugram, Haryana-122009, have changed my name Zuebisha Sanjay Gandhi to Zuebisha Kals for all future purposes. 0040515802-1

I, Yogendera S/o Vijay Kumar R/o-70-A, New Gopal-Naga- Extention Phase-1, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to Yogender. 0040515827-4

I, Vimla Srivastava Alias Munni W/O Jivendra, H.No-714, Indira -Nagar Colony, Dehradun, Uttarakhand-248001, Changed My Name To VIMLA Srivastava. 0040515843-3

I, TANNU SHARMA D/o. Sh. NARENDER KUMAR SHARMA, R/o RZ 104, Gali No.3, T-Block, Uttam Nagar, New Delhi-110059, do hereby informs that my father's name is Sh. Narender Kumar Sharma, but the same was wrongly mentioned as Narender Sharma in my 10th Class certificate, duly issued by CBSE, New Delhi. Sh. Narender Kumar Sharma and Sh. Narender Sharma are one and same person. 0040515789-1

I, Simple Khatri W/o Arun Kumar R/o-T-496/A, Baljeet Nagar, Patel Nagar, New Delhi-110008 have changed my name to Simple Kaur. 0040515850-6

I, Shruti Gupta W/o Rahul Aggarwal R/o 23, Vivekanand puri, Sarai Rohilla, Delhi-110007 have changed my name to Shruti Aggarwal after marriage. 0040515635-3

I, Shashi D/o Ramu W/o Vijay Khari R/o-273 Gujar-Chowk Kumhar Wali-Gali, Rampura Delhi-110035,That I was called by the Name of Tej Pali, D/o- Ramu, before my marriage. 0040515784-1

I, Shalu Agarwal W/o Tarun Agarwal R/o B-1/1 Malka Ganj Delhi have changed my name to Somya Agarwal after marriage. 0040515850-1

I, Sangeeta Singh Sankhla W/o Manohar Singh Sankhla R/o C-1304, Cosmos Executive Apartment, Palam Vihar, Gurgaon(HR)-122017, have changed my name to Sangeeta Sharma. 0040515801-1

I, Sonia W/O, Jagdish Koli R/o H.no- D-7/189, Gali No-7, Gamri Extension. Bhajanpura, North East Delhi, Delhi-110053 have changed my name to Sonia Mahour for all purposes. 0040515834-1

I, Ranjeet Kaur W/o Mohinder Singh R/o-G-72 Mansarover-Garden Delhi.,have changed my name to Ranjit Kaur. 0040515827-8

I, Rakesh S/O Ranbir Singh Phore, Address-DG3 Flat No-328, Top Floor, Vikaspuri, New Delhi-18,Changed My Name to Rakesh Phore. 0040515810-3

I, Rakesh Phore Address -DG3 Flat No-328, Top-Floor Vikaspuri, New Delhi-110018. Changed my minor son's name Daksh to Daksh Phore. 0040515810-5

I, Rakesh Bansal, S/o-Madan Lal Bansal R/o-231-232, PKT-8, Sector-24, Rohini, Delhi-110085, changed my minor son's name from Kshitiz Bansal,to Kshitij Bansal. 0040515827-3

I, Rajnish Tiwari S/o Om Parkash Tiwari R/o-H.No.-210, Vill-Sarhol Banjara Basti, Sector-18, Gurgaon, Haryana, have changed my name to Sujit Kumar Ojha. 0040515810-7

I, Rajeev Kumar S/o Madan Prasad Srivastva R/o A-60, Sector-33,Noida (U.P.),have changed my name to Rajeev Srivastva for all future purposes. 0040515824-2

I, Prit Kiran D/o Dev Kumar Singh R/o P-16, Sharma Colony, Budh-Vihar, Phase-II, Near Rohini Sector-24, Delhi-110086, have changed my name to Preet Kiran. 0040515800-1

I, Prem Pal S/O Raghuvir Singh R/O-M-11/A-3, Dilshad-Garden, Shahdara, Delhi-110095 Have Changed my Name to Pranav Kumar Shastri. 0040515810-1

I, Manoj Kumar R/O D-338, Pul Prahlad Pur New Delhi 110044 have changed my name to Manoj Kumar Thakur. 0070678563-1

I Nilufar Yasmin W/o Ser No 6940133A Havilder Abdul Gani R/o Flat 565 Type II MS Flats Timarpur Delhi 54 declared that my name has been recorded in my husband's service records wrongly as Begum Nilufar Yasmi instead of Nilufar Yasmin. Begum Nilufar Yasmi and Nilufar Yasmin both names are mine. 0070678560-1

व्यक्तिगत

I, Pramod Kumar Gupta S/O-Sughan Chand Gupta R/O-G-7/316, Sector-16, Rohini, Delhi-110089, have changed my name to Parmod Kumar Gupta. 0040515810-8

I, Poonam W/O Rakesh Phore Address-DG3 Flat No-328, Top-Floor, Vikaspuri, New Delhi-110018. Changed my name to Poonam Phore. 0040515810-4

I, Nilofor Zaki @ Firdose Zaki W/O Mohammad Zaki R/O-8843, Gali-Nai Wali Naya-Mohalla Pul-Bangash Delhi-110006,Have Changed My Name To Firdose Zaki. 0040515823-4

I, Nikitha Rani Mittal W/o-Arihant Jain R/o-594/7-B/1, S/F, Plot.No.113-A, Block.No.7, Vishwas-Nagar, Delhi-110032, have changed my name to Nikitha A Jain. 0040515823-8

I, Naresh Kumar S/O Tara Chand Joshi R/O-C-39, T/F, Panchsheel-Vihar, Malviya-Nagar, Delhi-110017 Have Changed My Name To Naresh Kumar Joshi. 0040515823-6

I, Munendra Mishra S/O Upendra Mishra, R/O-B-93, Gali No-11, Shashi-Garden, Mayur Vihar Phase-I, N.Delhi-110091, Changed My Name To MUNINDRA Mishra. 0040515843-2

I, Mohan Kumar S/O SH Shyam Lal, Residing at RZ-14, Sayed Nangloi, Paschim Vihar, New Delhi-87 have changed the name of my minor daughter Dimpy aged 8 years and she shall hereafter be known as Poorvika. 0130012944-1

I, Mohammad Shafiq Khan S/O Rafiq Khan R/O-96, Model-Basti Near-Filmstan Cinema Delhi-110005, Have Changed My Name To Mohammad Shafiq. 0040515823-5

I, Mirza Ubaid Kishwar S/O Mirza Kishwar Beg R/O House No.-62, Third-Floor, Hauz-Rani, Malviya-Nagar, New Delhi-17, have changed my name to Mirza Ubed, for all future purposes. 0040515850-8

I, Gurmeet Singh S/O. Manjeet Singh Malhotra R/O.WZ- H-3, Sant Nagar extn., Tilak Nagar, New Delhi-110018, have changed my name to Gurmeet Singh Malhotra for all purposes. 0040515827-5

I, Kumari Alpana Shrivastawa D/o Satyendra Kishore Shrivastav R/o A-60, Sector-33,Noida(U.P.) have changed my name to Alpana Srivastava W/o Rajeev Srivastva R/o Above for all future purposes. 0040515824-1

I, Kishan Dutt Kaushik,S/o Late Sh.J.N Sharma R/o-B10/6B, Second-Floor, Rana Pratap-Bagh, Delhi-110007, have changed my name to Krishan Dutt Kaushik. 0040515823-2

I, Karan Singh Jasrotia S/o Late Shri Pune Chand R/o-G-253B, Sector-22, Noida-201301, have changed my name to Karan Singh Permanently. 0040515852-1

I, Kamal S/o Chhitar Mal R/o C-466, J.J. Colony, Camp No. 2, Nangloi, Delhi-41 do hereby solemnly affirm and informs that my father's name Chhaitar Mal & Chhitar Mal both are same and one person. Correct name is Chhitar Mal for all future purposes. 0040515813-1

I, Jyothi Kumari W/o-Surender Singh R/o-RZ-40/5,Gali-5, Rajnagar-1,Dada Chhattriwala Marg,Palam Colony,New Delhi-110077 have changed, my name,from Jyothi Kumari to Jyothi Rana for,future purposes. 0040515824-3

I, Jagdish S/O, Chote Lal R/o H.No- D-7/189, Gali No-7, Gamri Extension. Bhajanpura, Delhi-53, have changed my name to Jagdish Koli for all purposes. 0040515837-1

I, Inderjit Singh Anand S/O Charanjit Singh R/o-WZ-150-B Gali.No-8 Krishna Park Tilak-Nagar Delhi, have changed my name to Inderjeet Singh. 0040515827-7

I, Imran R/o I-1568 Jahangir puri North West Delhi-110033 have changed my name to Imran Khan. 0070678558-1

I, Gautam Rai S/o Mr. Suresh Roy R/o C-91, Bhagya Vihar, Mubarakpur Dabas, Delhi-110081 have changed my name to Gautam Roy. 0040515850-7

I, DIVYA MODI alias DIVYA TONGYA D/o BHUPENDRA KUMAR MODI & W/o RISHABH TONGYA, R/O 36, Amrita Shergill Marg, New Delhi-110003, have changed my name from DIVYA TONGYA to DIVYA MODI TONGYA for all purposes 0040515817-1

I Mandeep Kaur Arora W/O Simrat Singh R/O-H-259 Vikaspuri New Delhi-110018 Have Change My Name To Mandeep Kaur for all purposes. 0040515843-4

I Kusum Lata Punj W/o Parveen Kumar R/o-WZ-243/1, GaliNo-9, Hastsal-Road, Uttam Nagar, N.Delhi-110059 Have Changed my Name to Kusum Lata. 0040515823-10

I Krishna Devi D/o Om Parkash R/o 537, Gali No.5, Gopal Nagar-II Najafarh, Delhi-110043, have changed my name to Krishna Sehrawat 0040515799-1

I Neeraj,S/O Sh.Vinod Kumar Bhatia R/O-A-32, Giri-Marg, Mandawali-Fazalpur, Delhi-110092. Have Changed My Name Neeraj to Neeraj Bhatia, for Future All Purposes. 0040515827-9

I, Bhoopendra Sharma S/O-Mehar Chand Sharma R/O-H.No-52 Village-Sehatpur-Extention Sector-91, Faridabad, Haryana-121003, change my name to Bhupender Sharma. 0040515827-10

I, Bhagwandei Nayal W/o Yogamber Singh Nayal R/o B-6, Type-III, Tower No.16, East Kidwai Nagar, New Delhi-23, have changed my name Bhagwandei Nayal to Bhagwati Nayal for all future purposes. 0040515796-1

I, Bhagwan Dass Pahuija S/o-Shanti Ram R/o-A-53 (G.F.)Backside-Dayanand-Colony Lajpat-Nagar-4 Delhi-110024. Have Changed My Name To Bhagwan Dass Pahuja. 0040515810-10

I, Arun S/o Umed Singh Mahalwal R/o-H.No.2, Village-Madangir, New-Delhi-110062,I declare that Arun & Arun Kumar, Arun Mahalwal are name of same person, and I shall be known as Arun Mahalwal, for future purpose. 0040515810-2

I, Archna Jain W/o Sanjay Jain R/o 1/5728-F, Street No.16, Balbir Nagar, Shahdara, Delhi-110032, have changed my name to Anjali Jain. 0040515800-2

I, Anu Kaushik W/o Krishan Dutt Kaushik R/o-B10/6B, Second Floor, Rana Pratap-Bagh, Delhi-110007, have changed my name to Asha Rani. 0040515823-1

I, Deepak Chauhan S/o Hardeep Raj Singh R/o HP-127 (FF), Pitampura, Delhi-110034 have changed my name to Deeak Raj Singh. 0040515635-2

I, Anjali D/o Sohanpal R/o H.No-10126, Street No.1, Near Rajmata Mandir, West Gorakh Park, Shahdara, Delhi-110032, have changed my name to Anjali Mahour for all purposes. 0040515841-1

I, Anil Kumar S/o Ved Parkash Taneja R/o A-41 Rama-Park Uttam-Nagar Delhi, have changed my name to Anil Taneja. 0040515827-6

I, Amina Haroon W/O Mohammad Uzari Zaki R/O-8843, Gali Nai Wali Naya Mohalla Pul Bangash Delhi-110006,Have Changed My Name To Ameenah Uzair 0040515823-3

I, Alok Singh s/o Shivji Singh, R/o-434 Sunlight-colony-2 Harinagar Ashram Delhi-14, changed my name to KUMAR Alok Pratap. 0040515810-6

I, Akif Ahmed S/O-Syed Masood Ahmad R/O-H-2 Haji-Colony Ghaffar-Manzil, Jamia-Nagar, Okhla, Delhi-110025,have Changed My Name To Mohammad Akif, For All Future Purposes. 0040515823-7

I, Aditya, S/o-Jagdish Mutharia, R/O-97, Okhla-Village, Jamia-Nagar, New-Delhi-110025.have added my surname as given in my matriculation-certificate to read as Aditya Mutharia so that my name will read as"Aditya Mutharia." 0040515827-2

I, ASAD S/o HUMAYUN PARWEZ R/o Plot No.105/3, 1st Floor, Gali No.9, Near Amina Masjid, Wazirabad Village, Delhi-110084, have changed my name to ASAD HUMAYUN for all future purposes. 0040515803-1

I Vijay Lal R/O-H.No-C-54, Old Dlf Sector-14 Gurugram, Haryana Do Hereby Solemnly Affirm And inform As Under That I Am Resident At The Above Mentioned Address That Dhaval Is My Son,His Actual Date-Of-Birth 13-12-2004 That His Date-Of-Birth Is Wrongly-Mentioned As 13-08-2005 In His Birth-Certificate That Consider His Date-Of-Birth 13-12-2004 For All Purpose In Future, Which Is True And Correct That It Is My True Statement. 0040515850-9

I Surender Singh S/O Satpal Singh H.No-15-A, Street no-9, Vikas-Vihar Chander-Vihar Nilothi-Extn Delhi-110041, changed my name to Surinder Singh. 0040515843-1

I Simrat Singh Arora S/O Gurbax Singh Arora R/O-H-259 Vikaspuri New Delhi-110018 Have Change My Name To Simrat Singh for all purposes. 0040515843-5

I Rishabh S/o Parveen Kumar R/O-WZ-243/1, GaliNo-9, Hastsal Road, Uttam Nagar, New Delhi-110059 Have Changed my Name to Rishabh Parashar. 0040515823-9

I Raju Sharma Flat No-A-704, Vikram-Vihar Awho-Society, Sector-27, Panchkula-Extension Haryana. Changed My Minor Son Name Anirudh Sharma To Aniruddh Sharma. 0040515843-8

I Raju Sharma Flat No-A-704, Vikram Vihar Awho Society, Sector-27, Panchkula-Extension Haryana.Changed My Minor Son Name Ansh Sharma To Anssh Sharma. 0040515843-9

I Doorohan Kumar S/o Sh.Shivnandan Prasad Yadav, Permanent R/o Village-Barerwa, P.O.-Bhura, P.S.-Triveniganj, Sub-Division Triveniganj, Distt. Supaul, Bihar-852139, presently residing at H.No. C-20, 2nd Floor, New Acharya Kriplani Road, Adarsh Nagar, Delhi-110033 have changed my name to Doorohan Kumar Duhit for all purposes. 0040515786-1

व्यक्तिगत

मैं अकाश दहिया पुत्र श्री राजेश दहिया, निवासी मकान नं. ई-30, ऊपरी भूतल, भगवान दास नगर, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026 ने अपना नाम बदलकर आकाश दहिया रख लिया और भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों के लिए इसी नाम से जाना जाये।

मेरे भाई करन सिंह कोरंगा के सैन्य अभिलेख नं. 4208428 में मेरी जन्मतिथि 16.06.2002 गलत दर्ज है। सही जन्मतिथि 16.06.2001 नाम योगेश सिंह पुत्र कुंवर सिंह निवासी- शामा कपकोट है।

I Raju Sharma Flat No-A 704, Vikram-Vihar Awho-Society, Sector-27, Panchkula-Extension Haryana. Changed My Minor Son Name Aruj Sharma To Arooj Sharma. 0040515843-10

I Prabhjot Kaur Sahni W/O Jaspreet Singh R/O-C-94 (SF) Fateh-Nagar New Delhi-110018 Have Change My Name To Prabhjot Kaur. 0040515843-6

I, Akash S/o Brij Mohan Maurya R/o-D/556, Maurya-Gali, 3rd-Pusta , Sonia-vihar, Delhi-110094 have changed my name to Aakash Maurya. 0040515827-1

I Nazirkhan Chandkhan S/O Chandkhan R/O Bithoor, Nasirabad-Ajmer, Rajasthan-305601 Have Changed My Name To Nazir Khan 0040515850-2

I Manmeet Singh Gandhok S/O Swinder Singh Gandhok R/O- Uc-30 (SF) Jail-Road Usha-Park N.Delhi-110064 Have Change My Name To Manmeet Singh Gandhoke. 0040515843-7

I Kanika R/o 932, Sector-21, Panchkula, Haryana, 134112 Have Changed My Name To Kanika Arora for All Purposes. 0070678489-1

I Harvinder Kaur Matharoo w/o Avtar Singh r/o-167 IInd Floor State-Bank-Colony Delhi-110009 have changed name Harvinder Kaur for future. 0040515850-4

I Dipika Narula w/o Shyam Narula r/o-F-118 Ashok Vihar Phase-1 Delhi-110052. have changed name Deepika Narula for future 0040515850-5

I, Shree Pal Jain S/O Jugal Kishore Jain R/O-82, Pal Gali, Mukesh-Nagar, Shahdara, Delhi-110032,Changed My Name To Shri Pal Jain. 0040515406-2

I, Gyanwati W/o Asha Ram R/o 117, Jhul Jhuli Village, Delhi-110073, have changed my name to Shakuntala. 0040515810-9

CHANGE OF NAME

I, **SURENDRA SABHANI, S/o JAI RAM LAL SABHANI,** residing at, 69, Shubham Vihar, Phase- 3rd, Karmyogi Enclave, Kamla Nagar, Agra, Uttar Pradesh, 282005, India, changed my name from SURENDRA KUMAR SABHANI to SURENDRA SABHANI vide affidavit dated **27.9.2019** sworn before Notary **ASHOK KUMAR at AGRA.** Henceforth, I shall be known as **SURENDRA SABHANI** for all purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BABLI GAUTAM D/O SH. BRAHAM PAL SINGH R/O H.No. 584, Street No. 32, D-Block, Harsh Vihar, North East Delhi-110093 declare that name of my father has been wrongly written as BRAHMPAL SINGH, in my SC Caste Certificate vide No. 50/84/41/2803/12/6/2006/17828 dated 30/06/2006. The actual name of my father is BRAHAM PAL SINGH which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Informed to the public at large that the address i.e. 6/11-B, Tilak Nagar, Delhi, pertains to my clients Ms. Monika Kapoor & Himanshu Kapoor, who are running their business of travel & tourism under name & style of "True Blue Travels" & "True Blue Travels Pvt. Ltd." It is found that the address of my clients is being misused without knowledge of my clients. Anyone found to be involved in the same, shall be liable to be prosecuted as per law. My clients shall not be responsible for any kind of losses/damages to anybody, by personating/misusing the address of my clients.

Sd/-
Shveta Malhotra Pahal (Advocate)
OFFICE AT: 54, SHEETAL APARTMENT, SECTOR-14ROHINI, DELHI-110085

PUBLIC NOTICE

It is to be known to the public at large that my clients Mukesh Nath Tiwari S/o Sh. Gyaneshvar Nath Tiwari and his wife Laxmi, both R/o 481 Ground Floor, Pocket-1, Paschimpuri, New Delhi-63, have purchased property No. 481 Ground Floor, Pocket-1, Paschimpuri, New Delhi vide a registered sale deed dated 25/10/2019, Registration No. 5,263 Book No.1 Volume No. 2925 at page No. 22 to 27. The entire chain of property documents except sale deed has been lost somewhere, anybody among the public if found please return to my clients at the above address.

K. B. HINA (Advocate)
130, LIG FLATS, POCKET-3, PASCHIMPURI, NEW DELHI-63

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOWN that my client Sh. Vasdev Narang s/o Lt. Sh. P N Narang through his Attorney Sh. Baldev Narang had entered into Agreement to Sell for sale of Plot No. 40, in Pkt-12, Sector-A-5, Narela Residential Scheme, Narela, Delhi. As per this Agreement my client had received the Bayana amount and was to further receive balance payment by 05.07.2019 for completion of transaction. As the purchasers Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Tilak Raj Wadhwa and Sh. Vinay Kumar Ahluwalia s/o Sh. Vijender Kumar Ahluwalia have failed to make payment by due date, the Agreement to Sell stands cancelled and it is null and void. Anybody entering into any deal with above two persons in respect of the above said property shall be doing it at his own risk and cost. By cancellation of Agreement to Sell dated 07.03.2019 my client has now clear title of above said property without any blemish.

Sd/-
Ashok Tejwani (Advocate)
Enrl. No. D-940/2017
Mob.: 9811337037

PUBLIC NOTICE

This is to certify that my client Smt. Durga Devi w/o Late Shri Kulwant Rai r/o 1527C/13, First Floor, Govindpuri, New Delhi-110019, is disconding/ disassociate and debarred her son Mahesh Kumar, aged 32 years, from all rights, liens, titles and interest in her all properties, fixed assets, liquidate, bank accounts, LIC, Pension, Share, Jewellery etc. etc. from today. He has no rights, interest, liens and titles in respect of all movable and immovable properties & assets and he will never make any claim, dispute, court case etc. in respect of properties and assets.

SANYOGITA (Advocate)
R-16, Kalkaji Main Road, New Delhi-110019.

खोया+पाया

Lost C- Form FY-2015-16,Bakshi Hardware Store,1st & 2nd Quarter No.PB AA/C 9868142,Rs.151085.00 & PB AA/C 9868152,Rs.203803 And Princep Corner 3rd Quarter NO.19021610438135 Rs.44880.00.Lost in Kashmere Gate Delhi if found then Please Contact.Mr. R.C. Bareja- 9310202080. 0040515839-3

I, PIYUSH Arora S/o Devender Arora R/o C-78 jhilmil colony Delhi-95 have lost my original certificate class-12th year-2012 Rollno-9118842 CBSE Delhi 0040515852-2

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि फ्री होल्ड भवन MIG फ्लैट स. 94. प्रथम तल, पॉकेट-A, सैक्टर-13, द्वारका, नई दिल्ली-78, जो की मेरी श्री पंकज भार्गव तथा श्री मति शशि संगर की है। श्री कुलदीप कुमार व श्रीमति प्रीति सिंह द्वारा केनरा बैंक के पास मूल Conveyance. Deed. (जो कि मुझसे खो गई है। के बिना, गिरवी रखने का प्रस्ताव है। जिस किसी को भी उपरोक्त सम्पति को गिरवी रखने से आपत्ति हो तो वह व्यक्ति 7 दिन के अंदर, कैनरा बैंक RAH-II, J-6, सामुदायिक भवन, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली मे दर्ज करवा सकते है

LOST AND FOUND

It is hereby informed that in the auction held on 8.12.1980 the commercial built up office flat No 1 (Second Floor), Block-J, Pocket-B, in L.S.C Malvia Nagar Extn. (Saket), New Delhi-17 was purchased by Shri K.V. Krishnamurthi s/o Shri K.S. Madhava Rao. He expired on 01.02.1985. Mutation of the above property was allowed by DDA vide letter No. F-5(20)80/Impl/1718 dated 13.4.2004 in favour of Smt. K. Vanaja Krishnamurthi, wife, Shri K.V. Rajagopal, Shri K. Chandra Mohan Sons and Smt. Usha Prabhakar, daughter of late Shri K.V. Krishnamurthi.

Smt. K. Vanjara Krishnamurthi, expired on 25.10.2015 and Shri K. Chandra Mohan expired on 03.11.2018. The legal heirs of deceased and other legal heirs have sold the said property and executed the registered GPA and Agreement to sell 17.9.2019 in favour of M/s. PAHUJA HOMES PRIVATE LIMITED, Regd. Office 160-A, Khirki Ext. Colony, Carriapa Marg, Sainik Farms, New Delhi-110062 through its Director, Shri Pankaj Pahuja.

The original documents i.e. original demand letter, possession letter, possession slip, mutation letter etc of the commercial built up office flat No. 1 (Second Floor), Block-J, Pocket-B, in L.S.C Malvia Nagar Extn. (Saket), New Delhi-17 have lost. If any person have found of these documents the same may kindly be returned to the undersigned. Please note that use of the documents of the said property will be illegal and void in the eyes of law.

PANKAJ PAHUJA
Director Authorized Signatory
M/s. PAHUJA HOMES PRIVATE LIMITED.
Regd. Office 160-A, Khirki Ext. Colony, Carriapa Marg, Sainik Farms, New Delhi-110062

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that my clientess Smt. Prem Kumari W/o Late Sh. Umrao Singh R/o E-131, Gali No. 17B, Sadh Nagar, Palam Colony, New Delhi- 110045, has disowned and disinherited her sons (1) Rajesh Kumar, his wife Smt. Pooja @ Nirmal and their children Gungun @ Dhruv and Chinu @ Alisha (2) Kamal Kishore, his wife Smt. Neelam and their children Anmol and Sakshi and (3) Jitender Singh and his wife Robina from all her properties movable and immovable, whatsoever and wheresoever situated and also severed all her relations, social and economical with them. Anybody dealing with them shall be at his/her / their risks and my clientess shall not be responsible for the same.

Sd/-
PARTAP SINGH (Advocate)
Chamber NO. 650, Dwarka Courts, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that my clientess **Smt. Padma** wife of Late Shri Ramesh Chand, R/o D-1135, J.J. Colony-2, Nangloi, Delhi-110041 **disowned her son Nikhil and his wife Smt. Rashu @ Vaishali and their Children**, from her all movable immovable properties as they have abusing and quarreling with my clientess and other family members and my clientess has broken all relations from them and my clientess have no concern with any liabilities or any transactions belongs to them in any manner.

G. L. GOSWAMI (Advocate)
3530, QUTAB ROAD, DELHI-110006

PUBLIC NOTICE

My client Sh. Puran Singh S/o Late Sh. Chander Singh & Smt. Urmila Devi W/o Sh. Puran Singh both R/o H-74, Street No. 3, Puran Nagar, Palam Colony, New Delhi-45 has disowned/ disowned his son Krishan Kumar & his wife Smt. Renuka Sharma from his moveable & immoveable properties with immediate effect because of harassment, torture, cruelty & atrocities committed by them against my client. Anybody dealing with them in any manner whatsoever will be doing so at his/her own cost, risk & responsibilities thereto & my client shall be in no way responsible for any acts, deeds & things done by them.

Sanjay Kapoor & Associates
768, Tis Hazari Court, Delhi

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that my clientess Smt. Rita Rani W/o Sh. Ramesh Lal Arora, R/o U-148, Budh Vihar Phase-1, Delhi has disowned and debarred her son Dheeraj Kumar Arora, S/o Sh. Ramesh Lal Arora from all of their moveable & immoveable properties including property No. U-148, Budh Vihar Phase-1, Delhi & has severed all of her relations with her. My clientess and her family members have left with no relation or concern, whatsoever with said Sh. Dheeraj Kumar Arora and none of them shall be responsible for acts and deed of said Sh. Dheeraj Kumar Arora.

Charanjit Sharma (Advocate)
Ch. No. 1422, Rohini Courts, Delhi-85

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की यह सूचना श्रीमती [illegible] 28-सी/1, [illegible] नई दिल्ली-110040 [illegible] 19/01/2017 [illegible] 27/12/2016 [illegible]

Juris NextGen LLP
E-56, LGF,Greater Kailash Enclave,Part-I,New Delhi-48
#011-42662177,78,79

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुअक्किल श्री गोवर्धन सिंह पुत्र स्व. श्री लाला राम -RZH-244A, राज नगर-II, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली 110077, अपने पुत्र साचिन राणा व उसकी पत्नी शालू देवी को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल अचल सम्पति से बेदखल कर सम्बन्ध विछेद कर लिया है उनके किसी कार्य लेन देन हेतु मेरा मुअक्किल जिम्मेदार नहीं होगा।

RITU VERMA (ADVOCATE)
Enrl No:-D/1126/92

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को विदित हो कि मेरे मुवक्किलों नरेश कुमार पुत्र स्व. श्री मोती लाल एवं श्रीमती बीना पत्नी श्री नरेश कुमार, निवासीगण 5981, सेकेण्ड फ्लोर चौक सिंघाड़ा, फैक्ट्री रोड, नबी करीम, नई दिल्ली-110055 ने अपने पुत्र दिनेश कुमार एवं इसकी पत्नी श्रीमती रेणू एवं इनके बच्चों को अपनी हर चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है और अपने समस्त रिश्ते नाते समाप्त कर लिए हैं क्योंकि वह मेरे मुवक्किलों के आज्ञाकारी नहीं रहे हैं और उनका व्यवहार मेरे मुवक्किलों एवं अन्य परिवार के प्रति ठीक नहीं है। मेरे मुवक्किलों को उनसे खतरा है। अतः भविष्य में वह अपने समस्त कार्यों व लेन-देन के लिए स्वयं जिम्मेवार होगा, मेरे मुवक्किलों व उसके अन्य परिवारजनों का कोई लेना-देना नहीं होगा।

जी.एल. गोस्वामी (अधिवक्ता)
3530, कुतुब रोड, दिल्ली-110006

PUBLIC NOTICE

My Client Sh. Lokesh Gupta S/o Lt. Shri Srinivas Gupta aged about 63 years R/o 14/7, Ground Floor, Shakti Nagar, Delhi-110007 has disowned and disinherited his disobedient son Mr. Vinay Gupta and Daughter in law Mrs. Shefali Gupta from all his movable and immovable properties. Any person dealing with them shall be doing so at his own risk and responsibility.

C.S. PARASHER-ADVOCATE
Ch. No. 25, Supreme Court of India,
800, W.Wing, Tis Hazari Court, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

The public at large is hereby informed that my client Ram Phal S/o Late Sardar Singh R/o H.No. 177, Near Hanuman Mandir Wali Gali, Sanjay Colony, Narela Delhi-110040 [illegible]

RAVINDER KHATRI-ADVOCATE
Ch. No. V-15, Western Wing,
Tis Hazari Courts, Delhi-110054

PUBLIC NOTICE

General Public is Hereby inform that My Clients Mr. Nand Kishore S/O Late Munshi Ram And Mrs. Sharda Kumari W/O Nand Kishore R/O-JB/13-C, Hari Enclave, Hari Nagar, New Delhi-110064 Have Disowned their Sons Dupendra Kumar Bharti And Mohit Bharti From Their All Movable And Immovable Properties. As Such, Whosoever Deals With Them Shall Deal On Their Own Risk And My Clients Will Not Be Responsible.

RITU VERMA (ADVOCATE)
Ernl No: D/1126/92

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MY CLIENTS RAJ SINGH S/O LATE SH. SHER SINGH AND HIS WIFE SMT. BIMLA, BOTH RESIDENT OF HOUSE NO. 274, VILLAGE SULTAN PUR DABAS, DELHI 110039 HAVE SEVERED ALL THEIR RELATIONS AND CONNECTION WITH THEIR SON SH. DEEPAK DABAS AND HIS WIFE KAREENA DABAS AND MY CLIENTS HEREBY DISWON AND DEBAR THEM FROM INHERITING ANY OF THEIR MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES. ANYBODY DEALING WITH THEM SHALL BE DOING SO AT HIS/HER OWN COST AND PERIL AND FOR WHICH MY CLIENTS SHALL NOT HELD LIABLE OR RESPONSIBLE.

Sd/-
YUDHVIR SINGH CHAUHAN (ADVOCATE)
Ch. No. 276, Block-II, Delhi High Court
New Delhi

संघ का उद्देश्य पूरे समाज को संगठित करना है : भागवत

भुवनेश्वर, 12 अक्तूबर (भाषा)।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संघ का उद्देश्य भारत में परिवर्तन तथा उसे बेहतर भविष्य की ओर ले जाने के वास्ते देश के सभी समुदायों को संगठित करना है न कि केवल हिंदू समुदाय को।

उन्होंने यहां बुद्धिजीवियों की सभा में कहा कि सही तरीका यह है कि ऐसे उत्कृष्ट इंसान तैयार किए जाए जो समाज को बदलने तथा देश की कायापलट करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके क्योंकि 130 करोड़ लोगों को एकसाथ बदलना मुमकिन नहीं होगा। संघ प्रमुख ने कहा कि समाज में बदलाव लाना जरूरी है ताकि देश की किस्मत बदले और इसके लिए उत्कृष्ट इंसान तैयार करना आवश्यक है, ऐसा इंसान जिसका साफ-सुथरा चरित्र हो और जो प्रत्एक सड़क तथा शहर में नेतृत्व करने में सक्षम हो।

भागवत ओड़ीशा के नौ दिन के दौरे के लिए शनिवार को यहां पहुंचे।

सूत्रों ने बताया कि इस दौरान वह अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की पहली बैठक में शिरकत करेंगे। इस दौरान उनके साथ भैयाजी जोशी भी होंगे। उन्होंने बताया कि आरएसएस कार्यकारिणी समिति की बैठक यहां एक निजी विश्वविद्यालय में 16 से 18 अक्तूबर तक होगी।

हरियाणा में इनेलो का चुनावी घोषणा पत्र

किसानों-व्यापारियों के 10 लाख तक के कर्ज माफ

चंडीगढ़, 12 अक्तूबर (जनसत्ता)।

कांग्रेस के एक दिन बाद इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) ने भी शनिवार को चंडीगढ़ में हरियाणा विधान सभा चुनाव के लिए अपना चुनाव घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इसमें किसानों एवं छोटे व्यापारियों के 10 लाख रुपए तक के कर्ज माफ करने, कृषि ट्यूबवैलों के बिजली बिल माफ करने, स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू करने, 15 हजार रुपए प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने, प्रत्येक घर में नौकरी समेत 108 वादे किए गए हैं।

इनेलो के इस समारोह में चौटाला परिवार का कोई सदस्य नहीं था। चुनाव घोषणा पत्र का विमोचन करने वाले इनेलो के हरियाणा के अध्यक्ष बीरबल दास ढालिया ने कहा कि चूंकि चौटाला परिवार के सदस्य चुनाव प्रचार में व्यस्त है, इसलिए नहीं आ पाए।

चंडीगढ़ में इनेलो के कार्यालय में चुनाव घोषणा पत्र जारी करने का समारोह मात्र 10 मिनट में ही निपट गया।

108 लोकलुभावन वादे, 15 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता, शगुन योजना में पांच लाख रुपए देने का वादा
घोषणा पत्र में एसवाईएल नहर निर्माण के बाद राज्य के हिस्से का नदियों का जल प्रदेश में लाए जाने का किया वादा
इनेलो के इस समारोह में चौटाला परिवार का कोई सदस्य नहीं था।

पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र में एसवाईएल नहर निर्माण के बाद राज्य के हिस्से का नदियों का जल प्रदेश में लाया जाना, दादूपुर नलवी नहर का निर्माण, मेवात फीडर नहर से भी हरियाणा के हिस्से का जल दिलवाना, किसानों का ट्यूबवैल का बिजली का पूरा बिल और घरेलू बिल 200 यूनिट तक माफ करना, गरीब परिवार की लड़की की शादी में सरकार की ओर से पांच लाख रुपए का कन्यादान, बुढ़ापा पेंशन पांच हजार रुपए प्रतिमाह, प्रत्येक घर में एक नौकरी/रोजगार, 35 से 60 वर्ष आयु तक गरीब महिलाओं को एक हजार रुपए प्रतिमाह की दर से भत्ता, निजी कंपनियों में राज्य के युवाओं को 75 फीसद आरक्षण, आंगनवाड़ी और आशा वर्कर को सरकारी कर्मचारी का दर्जा और जीएसटी समाप्त करने समेत कुल 108 लोकलुभावन वादे किए गए हैं।

सिमी कार्यकर्ता हैदराबाद से गिरफ्तार

रायपुर, 12 अक्तूबर (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के निवासी सिमी के एक कार्यकर्ता को राज्य की एटीएस ने हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। बोधगया और पटना बम विस्फोट के आरोपी इस कार्यकर्ता को पुलिस रायपुर ले आई है।

रायपुर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आरिफ शेख ने शनिवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने अजहरुद्दीन उर्फ अजहर उर्फ केमिकल अली (32) को शुक्रवार को हैदराबाद स्थित विमानतल से गिरफ्तार किया।

नक्सलियों ने तीन को अगवा किया

रायपुर, 12 अक्तूबर (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले से नक्सलियों ने दो सरकारी अधिकारियों और सड़क निर्माण से जुड़े ठेकेदार के एक कर्मचारी का अपहरण कर लिया है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीनों का अपहरण शुक्रवार की शाम चार बजे पटोली गांव से किया गया। इस गांव में सड़क निर्माण का काम चल रहा था। उन्होंने बताया कि अपहृत व्यक्तियों की पहचान पीएमजीएसवाइ के उप अभियंता अरुण मरावी, मनरेगा के तकनीकी सहायक मोहन बघेल और निर्माण ठेकेदार के अकाउंटेंट के रूप में की गई है।

Classifieds
EXPRESS EDUCATION

LAW AMBITION LAW INSTITUTE
BIHAR JUDICIARY MOCK INTERVIEW 2019...
IS SCHEDULED ON
12th Oct. 10:00am to 4:30pm
&
PANEL MOCK
13th Oct. 10:00am to 5:00pm
REGISTER AS SOON AS POSSIBLE
Contact No.- 8800660301
Email- ambitionlaw1@gmail.com

New batch for IAS law optional
Hurry up limited seats
8800662140 10th NOV.

MUKHERJEE NAGAR: JUDICIAL FOUNDATION 17 OCT. WEEKEND 20 OCT. CLAT 14 OCT.
880066-0301 / 2130 / 0380
KAROL BAGH / PUSA ROAD: JUDICIAL 16 OCT. IAS (LAW) 10 NOV. CLAT 15 OCT.
880066-2140 / 011-49841810
B-10, 1st Floor, Above Maharashtra Bank, Mukherjee Ngr, Delhi -9
011-47532639 / 8800660301
www.ambitionlawinstitute.com
Toll Free No. 1800-12000-2001

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, Katra

Short Term Tender Notice

For and on behalf of the Chairman, Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, sealed tenders are invited on the prescribed format, duly affixed with revenue stamps worth Rupees six only for the supply of **"1121 Steamed Basmati Rice in 50&10 Kg packing"** for a period of one year F.O.R. at Non-Engineering Store Banganga, Katra. The tenders should reach this office by or before **23.10.2019 upto 3.00 PM IST.** The Tender documents containing detailed terms and conditions and Tender Format can be had from the Central Office of the Shrine Board Katra against cash payment of Rs. 300/- (Non-transferable and non-refundable) on any working day and same can be downloaded from our website www.maavaishnodevi.org.

No. Co/Pur/NE/168-VI/7784
Dated 11.10.2019

Sd/- (Amit Vermani) KAS
Dy. Chief Executive Officer
Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board Katra

epaper.jansatta.com

सम-विषम योजना लागू करने की तैयारी में जुटी दिल्ली सरकार

राहत के लिए लगेंगी दो हजार निजी बसें

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

सम-विषम योजना लागू करने के लिए दिल्ली सरकार पूरी तैयारी में जुटी है। इसी कड़ी में बसों की कमी को पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार निजी बसों की मदद लेगी। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बताया कि इसके लिए करीब 2000 बसों को इस मुहिम से जोड़ा जाएगा। इन बसों को क्लस्टर सेवा के समझौते के तहत शुल्क का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था के लिए निजी संस्थाओं से बात की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि पहली बार जब सम-विषम की व्यवस्था लागू की गई थी तो बड़े स्तर पर सिविल डिफेंस कर्मचारियों को लगाया था और लोगों को फूल देकर उनसे गाड़ी नहीं चलाने का आग्रह किया गया था। उन्होंने कहा कि हमारा मकसद जुर्माना लगाना नहीं है, प्रदूषण कम करना है। उल्लंघनकर्ताओं पर तय नियम के अनुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि ओला-उबर की अधिक वसूली रोकने के लिए जल्द ही दिल्ली सरकार इन्हें चेतावनी जारी करेगी। इसके तहत चालक केवल 1.5 गुना से पैसा वसूल सकेंगे।

महिलाओं के लिए जारी राहत : योजना में महिलाओं को राहत रहेगी। इसके लिए दिल्ली सरकार ने प्रावधान करने का फैसला लिया है। सरकार के मुताबिक ऐसे वाहन जिसमें अकेली महिला हो, केवल महिलाएं हों, जिस वाहन में महिला के अतिरिक्त 12 वर्ष तक का बच्चा हो। उसे चलने की छूट दी जाएगी। सरकार ने महिला सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह राहत देने का फैसला लिया है। सरकार ने यह भी फैसला लिया है कि सीएनजी के निजी वाहनों को इस बार छूट नहीं होगी। केवल सार्वजनिक वाहन में चल रही गाड़ियों को ही यह राहत रहेगी। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के लिए पिछली बार दिल्ली सरकार ने स्टीकर जारी किए थे लेकिन इस बार इतना समय नहीं। इसके अतिरिक्त पहले सीएनजी स्टीकर का दुरुपयोग हुआ था। इसलिए इसे लागू कर पाना मुश्किल है। इसलिए सम-विषम में निजी गाड़ियों को छूट के दायरे से बाहर रखने का फैसला लिया है। सरकार चार से 15 नवंबर तक सम-विषम व्यवस्था को लागू करने जा रही है।

खुद माना सार्वजनिक परिवहन नहीं है, तो सम-विषम क्यों : भाजपा

दिल्ली वाले पहले ही बसों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। इस कमी के बाद भी दिल्ली में सम-विषम व्यवस्था लागू की जा रही है। इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने सवाल खड़ा किया है और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि खुद मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया है कि सार्वजनिक परिवहन की हालत ठीक नहीं है। इसके बाद भी दिल्ली वालों पर सम-विषम व्यवस्था को लादा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल बांटो और राज करो की नीति पर काम करते हैं। उनको लगता है कि दुपहिया सवार अधिक हैं और अगर इन्हें भी सम-विषम में शामिल किया जाता है तो उनकी नाराजगी दिल्ली सरकार को उठानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली सरकार से जवाब चाहते हैं कि जब सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था दुरूस्त नहीं है तो सम-विषम क्यों थोपा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र व स्थानीय निकायों के कार्य को सराहा

प्रदूषण के क्षेत्र में केंद्र सरकार व स्थानीय निकायों के कार्यों की मुख्यमंत्री ने सराहना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी व पश्चिमी कॉरिडोर बन जाने से दिल्ली को प्रदूषण से बड़ी राहत मिली है। सबके प्रयासों से प्रदूषण के स्तर में कमी आई है और दिल्ली में यह स्तर 25 फीसद तक कम किया जा चुका है। अब दिल्ली में धुंआ आने लगा है। इसका हमें डर था। पिछले तीन-चार दिन में लगातार हालत खराब होती जा रही है, ये चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी राज्य सरकारों व एंजसियों से अपील है कि इस धुंए को रोकने के लिए तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए।

गांधी यात्रा के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर फेंका पटाखा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

शुक्रवार देर रात गांधी यात्रा के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी की गांधी यात्रा में भाजपा नेताओं पर एक पटाखा फेंका गया है। इस मामले में शनिवार को भाजपा ने खजूरी खास थाने में शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत सह मीडिया प्रमुख आनंद तिवारी की तरफ से दर्ज कराई गई है। शिकायत में कहा गया है कि जिस दौरान भाजपा के नेता कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे, उस समय यह पटाखा मनोज तिवारी के नजदीक फेंका गया है। इस वजह से उनके साथ खड़े पूर्व विधायक मोहन सिंह बिष्ट पर भी चिंगारी आई है। इस मामले में भाजपा ने जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। यह यात्रा शनिवार को करावल नगर व दयालपुर में निकाली गई थी।

भाजपा ने 1100 दीप जलाकर दी पुष्पाजंलि

महर्षि वाल्मीकि जयंती की पूर्व संध्या पर 1100 दीप जलाकर भाजपा ने महर्षि वाल्मीकि को अपनी पुष्पाजंलि दीं। इस मौके पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री थावर चंद गहलोत ने कहा कि धर्म संस्कृति से जुड़कर भाजपा सकारात्मक राजनीति से जुड़ रही है। भाजपा के नेता जनसंघ के समय से ही एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण देने के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने इस तरह के धार्मिक आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए दो लाख रुपए की निर्धारित राशि को बढ़ाकर पांच लाख करने का फैसला लिया है। इससे आने वाले दिनों में भाजपा ऐसे क्षेत्रों तक भी पहुंच सकेगी, जहां अब तक पहुंचना असंभव था। इस मौके पर प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, महामंत्री कुलजीत चहल, महापौर सुनीता कांगड़ा व मोर्चा अध्यक्ष मोहनलाल गिराहा समेत अन्य नेता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

गांधी संकल्प यात्रा के साथ चलाया सफाई अभियान

शनिवार को गांधी संकल्प यात्रा के साथ गांधी जी की तरह वेशभूषा पहनकर व्यक्ति भी शामिल हुआ। इस यात्रा की अगुआई दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी ने की। यात्रा के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने साध नगर इलाके में सफाई अभियान भी चलाया और लोगों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं जो तिरंगा लेकर चल रही थीं। सांसद ने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे स्वदेशी को अपनाएं। केंद्र सरकार भी इस पहल से जनता को जुड़ने की अपील कर रही है। इसके तहत मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट लागू किए जा रहे हैं। इसी के तहत हाल ही में नई वंदेभारत को शुरू किया गया है और इसे दिल्ली से सीधे कटरा के लिए जोड़ा गया है। इसकी मदद से अब आम जनता मात्र आठ घंटे में कटरा तक की यात्रा कर सकती है। यह यात्रा साध नगर, मधु विहार, महावीर एन्क्लेव और पालम क्षेत्र में निकाली गई।

'कुव्यवस्था फैलाना चाहती है दिल्ली सरकार'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सम-विषम व्यवस्था को लागू कर सरकार दिल्ली में कुव्यवस्था फैलाने जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को सम-विषम व्यवस्था को लागू करने से पूर्व दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था को दुरूस्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में परिवहन व्यवस्था की बदहाली का अंदाजा सिर्फ इसी बात से लगाया जा सकता है बीते सालों में बसों की संख्या कम होने की वजह से 25 फीसद रूट को बंद कर दिया गया है। इस प्रकार दिल्ली में बीते छह माह में 1200 बसों के फेरे कम हुए हैं और सार्वजनिक परिवहन से सफर करने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। अगर दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाती है तो निजी वाहनों की संख्या भी कम होगी और इस प्रकार की पहल करने की आवश्यकता भी नहीं रहेगी।

> "सरकार को सम-विषम व्यवस्था को लागू करने से पूर्व दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था को दुरूस्त करना चाहिए - विजेंद्र गुप्ता"

'29 अक्तूबर से मुफ्त होगा महिलाओं के लिए सफर'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि 29 अक्तूबर से दिल्ली में महिलाओं के लिए बस की यात्रा मुफ्त होगी। वे सुलतानपुरी व वजीरपुर में वाल्मीकि प्रकाशोत्सव में शामिल हुए और वाल्मीकि मंदिर में उन्होंने पूजा अर्चना भी की। उन्होंने कहा कि मेरा सपना है कि दलित समाज का हर बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर बने। ऐसा करने से बाबा साहब भीम राव आंबेडकर का सपना सच होगा। 13 अक्तूबर को देश भर में वाल्मीकि जयंती मनाई जाएगी।

बदमाशों ने सिविल लाइंस में महिला से झपटा बैग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

गुजराती समाज भवन के गेट के सामने बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

घटनास्थल से चंद कदम की दूरी पर है दिल्ली के उपराज्यपाल का निवास

दिल्ली के पॉश इलाके में शुमार सिविल लाइंस में शनिवार सुबह सात दो बदमाश एक महिला का बैग छीनकर फरार हो गए। स्कूटी सवार बदमाशों ने उपराज्यपाल निवास से महज चंद कदम की दूरी पर घटना को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार पीड़िता दमयंती बेन मोदी (40) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रह्लाद मोदी की पुत्री हैं। घटना के समय वे गुजराती समाज भवन के गेट पर खड़ी थीं, तभी बदमाश आए और उनका बैग झपटकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार बैग में दो मोबाइल फोन, करीब 56 हजार रुपए नकदी, आधार कार्ड, डेबिट और क्रेडिट कार्ड समेत अन्य महत्त्वपूर्ण दस्तावेज थे। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त मोनिका भारद्वाज ने बताया कि बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकाने पर छापामारी की जा रही है। पुलिस की कई टीम इस मामले की जांच में लगी हैं, जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पीड़िता दमयंती बेन मोदी (40) परिवार के साथ गुजरात के शहर सूरत में रहती हैं। परिवार में पति विकास मोदी और दो बच्चे हैं। वे परिवार के साथ कुछ दिन पहले घूमने के लिए निकली थी। उन्होंने दिल्ली के सिविल लाइंस स्थित गुजराती समाज भवन में एक कमरा किराए पर बुक करवाया था। वे परिवार के साथ अमृतसर से पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह करीब 6.15 बजे पहुंची थीं। वहां से ऑटो बुक करके वे सुबह करीब पौने सात बजे गुजराती समाज भवन पहुंचीं। उनके पति और वह ऑटो से सामान उतार रहे थे, तभी पीछे से स्कूटी सवार दो बदमाश आए और उनका बैग झपटकर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि वह सामने से उन बदमाशों को नहीं देख पाईं, लेकिन पीछे से उन्हें देख पाया। हालांकि, चंद सेकेंड के अंदर वे आंखों से ओझल हो गए। इस कारण वे स्कूटी का नंबर भी नहीं देख सकीं।

प्रदूषण पर सरकार कर रही है जनता को गुमराह : यूसुफ

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

दिल्ली कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हारुन यूसुफ ने कहा है कि सम-विषम योजना के नाम पर दिल्ली की जनता को आम आदमी पार्टी की सरकार गुमराह कर रही है। पूर्व में लागू की गई इस योजना के रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि इससे प्रदूषण पर कोई खासा असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि चाहे मोटरसाइकिल को छूट न देने को लेकर जो असमंजस की स्थिति बनी हुई है या फिर सीएनजी के वाहनों को छूट नहीं देने की बात इस बार की जा रही है। ये दोनों मुद्दे लोगों को परेशान करने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि बीते पांच साल में सरकार ने न तो दिल्ली में हरित क्षेत्र बढ़ाने पर जोर दिया और न ही दिल्ली में प्रदूषण कम हो इस ओर कोई अहम पहल की गई। हारुन यूसुफ ने आरोप लगाया कि अखबार और टीवी चैनलों में विज्ञापन देकर मुख्यमंत्री केजरीवाल वाहावाही लूटने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन के नाम पर कुछ हजार बसें ही डीटीसी के बेड़े में बची हैं।

पूर्व भुगतान मीटर के लिए 600 आवेदन

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

विधानसभा के चुनाव नजदीक आते ही दिल्ली सरकार की ओर से वादों और घोषणाओं का दौर शुरू हो गया है। एक के बाद एक कई घोषणाएं बीते दिनों सरकार की ओर से की गईं। बीते दिनों दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की थी कि दिल्लीवासियों को 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। साथ ही किराएदारों के लिए पूर्व भुगतान मीटर की व्यवस्था की जाएगी, ताकि वे किराएदार भी इस सुविधा का लाभ ले सकें, जिनके घरों में अलग से मीटर नहीं लगे हैं। राजधानी में बड़ी संख्या में लोग ऐसे मकानों में रहते हैं, जिनके घरों में अलग से बिजली का मीटर नहीं लगा है। मकान मालिक और किराएदार के लिए एक ही मीटर लगा है। हालांकि, मकान मालिक ने किराएदार के घर में निजी मीटर लगा रखा है, जिसके रिडिंग के आधार पर मकान मालिक बिल वसूलता है। बिजली वितरण करने वाली कंपनी बीएसईएस की ओर से कहा गया है कि कुछ दिनों पहले ही प्रीपेड मीटर कनेक्शन देने की शुरुआत की गई थी। अभी तक 600 किराएदारों ने मीटर कनेक्शन लेने के लिए आवेदन किया है।

बीएसईएस के प्रवक्ता चंद्र प्रकाश कामत का कहना है कि प्रीपेड मीटर देने की शुरुआत किए अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं। पर इस बीच करीब 5000 लोगों ने फोन कर या फिर ऑनलाइन के माध्यम से संपर्क साध कर इस योजना के बारे में जानकारी लेने के लिए रुचि दिखाई। इनमें से 600 लोगों ने आवेदन कर दिया है। साथ ही शुक्रवार तक तीन किरादारों ने मीटर लगवा भी लिया था। उन्होंने बताया कि उम्मीद है कि आने वाले दिनों में बड़ी संख्या में लोग मीटर लगवाने के लिए दिलचस्पी दिखाएंगे। आंकड़ों पर नजर डाले तो दिल्ली में फिलहाल 60 लाख बिजली के कनेक्शन हैं, जिनमें से 42 लाख कनेक्शन बीएसईएस के पास हैं।

सांकेतिक फोटो

सैकड़े में करना होगा भुगतान

बीएसईएस के अधिकारी ने बताया कि जो उपभोक्ता प्रीपेड बिजली का मीटर खरीदेंगे। उन्हें सैकड़े में भुगतान करना होगा। अगर कोई उपभोक्ता 150 या फिर 175 रुपए भुगतान करना चाहता है तो भुगतान सफल नहीं होगा। कम से कम 100 रुपए का भुगतान करना होगा। साथ ही 100 रुपए से अधिक टूकड़े में भुगतान मान्य नहीं होगा। इसके लिए 200 रुपए, 500 रुपए या फिर 1000 रुपए का भुगतान करना होगा।

छह हजार में मिलेगा कनेक्शन

नया कनेक्शन लेने के लिए किराएदार को करीब 6000 रुपए का भुगतान करना होगा, जिसमें 3000 रुपए रिफंडेबल (वापसी योग्य) हैं। रुपए जमा करवाने के कुछ दिन के भीतर ही उनके घर में बिजली का कनेक्शन और मीटर लगा दिया जाएगा। हालांकि, यह भुगतान एकमुश्त करना होगा।

घर बैठे कराएं मीटर रिचार्ज

दिल्ली में बिजली वितरण करने वाली कंपनी बीएसईएस ने किराएदारों के लिए घर बैठे मीटर रिचार्ज की सुविधा शुरू कर दी है। अब ऐसे लोगों को बिजली के बिल का भुगतान करने के लिए लंबी लाइन में लगकर भुगतान करने की जरूरत नहीं होगी। किराएदार घर बैठे पेटीएम या फिर फोनपे के माध्यम से बिजली बिल का भुगतान कर सकते हैं। इसके लिए बीएसईएस ने पेटीएम और फोनपे से समझौता भी किया है। हालांकि, जो लोग टैक्नो फ्रैंडली नहीं हैं। वे बीएसईएस के भुगतान काउंटर पर जाकर ऑफलाइन बिल का भुगतान कर सकते हैं। यह भुगतान सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक कर सकते हैं।

खबरों में शहर

एसआर हरनोट को कथाक्रम सम्मान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

कथाकार एसआर हरनोट को इस साल का 'आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान' दिया जाएगा। यह सम्मान कथाक्रम सम्मान समिति देगी। हिंदी के कथाकार हरनोट लगभग तीन दशक से लेखन में लगे हैं। उनकी रचनाएं पहाड़ के सीधे-सच्चे और सरल आदमी के संकट, संघर्ष और जिजिविषा का प्रामाणिक दस्तावेज हैं। उनकी कहानियां उस समाज के प्रवक्ता के रूप में हमारे सामने आती हैं। अब तक उनका एक उपन्यास हिडिंब और छह कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। यह सम्मान 10 नवंबर को लखनऊ में दिया जाएगा। हर साल एक वरिष्ठ कथाकार को आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान दिया जाता है जिसके अंतर्गत 15 हजार रुपए की धनराशि, सम्मान चिह्न व पत्रक प्रदान किया जाता है।

फ्लैटों की जांच करेंगे पीडब्लूडी के अधिकारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

दिल्ली के सरकारी फ्लैटों में अब हर माह लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के अधिकारी जांच करेंगे। जांच में देखा जाएगा कि किस आवास को कब खाली किया जाना था और उसे कब तक किस अधिकारी द्वारा प्रयोग किया गया है। दिल्ली सरकार ने पीडब्लूडी अधिकारियों को इस बाबत लिखित आदेश जारी किए हैं। इस जांच की एक विस्तृत रिपोर्ट बनाने के लिए भी कहा गया है। इससे ऐसे अधिकारियों की धरपकड़ की जा सकेगी, जो मकान खाली करने के नोटिस के बाद भी मकान को खाली नहीं कर रहे हैं। ज्ञात हो कि लोक निर्माण विभाग के पास सरकारी फ्लैट व बंगलों के रखरखाव का जिम्मा है।

लोहिया की पुण्यतिथि पर गोष्ठी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

समाजवादी नेता डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर शनिवार को जनता दल (यूनाईटेड) के राष्ट्रीय कार्यालय जंतर मंतर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने सच्चे समाजवाद की दिशा में लोहिया के पद चिन्हों पर चलने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अफाक अहमद खान ने किया जबकि संचालन सह सचिव आशीष रंजन ने की। इस मौके पर अनिल हेगड़े, मिथलेश प्रसाद, महेश, मोहम्मद निसार, समाजवादी विचारक और वरिष्ठ पत्रकार मनोहर सिंह, अरविंद सिंह, जन सरोकार मंच छत्तीसगढ़ के संयोजक सादात अनवर, पत्रकार विजया लक्ष्मी, संतोष सूर्यवंशी सहित कई लोग मौजूद थे।

वजीराबाद थाने को झरौंदा लाने की मांग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

बुराड़ी से भाजपा के पूर्व विधायक उम्मीदवार और भाजपा नेता गोपाल झा ने दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त और संयुक्त आयुक्त से मिलकर वजीराबाद थाने को तिमारपुर से झरौंदा लाने की मांग की है। उत्तरी क्षेत्र के विशेष आयुक्त कानून व्यवस्था संजय सिंह और मध्य क्षेत्र के संयुक्त आयुक्त से कहा कि झरौंदा वजीराबाद थाने की आबादी के बीच का हिस्सा है जहां से थाना क्षेत्र के सभी इलाकों की दूरी करीब एक किलोमीटर है। इससे लोग कम समय में थाने तक जा सकेंगे।

प्रगति मैदान में लगा सहकारी व्यापार मेला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला प्रगति मैदान में लगाया गया है। बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन योजना के तहत इस मेले में बिहार की सब्जी के अलग-अलग प्रकारों को किसानों ने प्रदर्शित किया है। मेले का उद्घाटन बिहार के सहकारिता मंत्री ने किया।

आज के कार्यक्रम

संगीत

इंडिया हैबीटाट सेंटर : गजल गायन, अमलतास आडिटोरियम, सेंटर परिसर, लोधी रोड, शाम सात बजे।

विविध

भारतीय अंतरराष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला : मेला, प्रगति मैदान, हाल नंबर-सात, भैरों रोड, सुबह 11 बजे।

कांग्रेस में दोबारा शामिल हुईं अलका लांबा ने कहा

इस बार मेरी हुई घर वापसी

- चांदनी चौक की पूर्व विधायक लांबा की विधानसभा अध्यक्ष ने खत्म की थी सदस्यता
- दिल्ली प्रभारी पीसी चाको ने उन्हें दिलवाई पार्टी की प्राथमिक सदस्यता

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

आम आदमी पार्टी से चांदनी चौक की पूर्व विधायक अलका लांबा शनिवार को दोबारा से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गईं। उन्हें दिल्ली प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पीसी चाको ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलवाई। बातचीत के दौरान अलका लांबा ने कहा कि इस बार उनकी घर वापसी हुई है। पार्टी जो भी जिम्मेदारी उन्हें देगी वह उसे बखूबी निभाएंगी।

पिछले दिनों जब उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात की थी, तभी से यह कयास लगाए जा रहे थे कि लांबा जल्दी ही पार्टी में शामिल हो सकती हैं। वहीं, चांदनी चौक विधानसभा सीट से चार बार कांग्रेस से विधायक रहे प्रहलाद सिंह साहनी के बीते दिनों आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद माना जा रहा है कि कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव में अलका लांबा को चांदनी चौक से मैदान में उतार सकती है।

कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बाद लांबा ने कहा कि आज की स्थिति में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के

अलका लांबा कांग्रेस की पर्ची दिखाते हुए।

कुशल नेतृत्व में देश विकास की राह पर अग्रसर हो सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में कोई भी ऐसा बुनियादी कार्य नहीं किया, जिससे दिल्लीवासियों के जीवन स्तर में सुधार हो सकता। सच्चाई तो यह है कि आम आदमी पार्टी में तानाशाह प्रवृत्ति के मुख्यमंत्री केजरीवाल कभी किसी कार्यकर्ता के सुझावों और शिकायतों पर गौर नहीं करते। अंत में लांबा ने कहा कि केवल कांग्रेस पार्टी दिल्लीवासियों की बेहतरी और सुनहरे भविष्य के लिए काम कर सकती है। यही कारण है कि कुछ दिन के विश्राम के बाद कांग्रेस में फिर से शामिल होने का फैसाला किया। आज खुश हूं कि फिर से एक ऐसे पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

बीते दिनों अलका लांबा के केजरीवाल से रिश्ते उस समय खराब हो गए थे जब विधानसभा में 'आप' सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का भारत रत्न वापस लेने के लिए प्रस्ताव पारित किया था। हाल ही में विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने लांबा की सदस्यता समाप्त कर दी थी। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चतर सिंह, जिला अध्यक्ष कैलाश जैन, मोहम्मद उस्मान, हरिकिशन जिंदल समेत कई मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे की तीन दर्जन ट्रेनें प्रभावित, कई रद्द

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

उत्तर रेलवे के हरिद्वार-लक्सर रेल खंड पर नॉन इंटरलॉकिंग के काम के चलते करीब तीन दर्जन से अधिक रेलगाड़ियां प्रभावित रहेंगी। इनमें से कई गाड़ियां 13 अक्तूबर से 22 अक्तूबर तक अस्थायी रूप से रद्द की गई हैं।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल पर कुछ गाड़ियां आंशिक रूप से रद्द रहेंगी तो कुछ को बदले रास्ते से चलाया जाएगा। प्रभावित रहने वाली वाली गाड़ियों के यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे गाड़ियों के बारे में पता करके ही यात्रा की योजना बनाएं। वहीं, कोच्चुवेली-देहरादून सुपरफास्ट एक्सप्रेस, हावड़ा-हरिद्वार कुंभ एक्सप्रेस, चंदौसी-ऋषिकेश-चंदौसी पैसेंजर, सहारनपुर-देहरादून-सहारनपुर पैसेंजर, मालदा टाउन-हरिद्वार एक्सप्रेस स्पेशल, जबलपुर-हरिद्वार एक्स स्पेशल, हरिद्वार-ऊना हिमाचल एक्स भी इस बीच रद्द रहेगी। 13 से 22 अक्तूबर तक अलीगढ़ जंक्शन-देहरादून एक्स, देहरादून-इलाहाबाद एक्स, काठगोदाम-देहरादून-काठगोदाम जनशताब्दी एक्स व अमृतसर-हरिद्वार-अमृतसर एक्स, अंबाला छावनी-ऋषिकेश-अंबाला छावनी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

कई अन्य रद्द ट्रेनें

14 से 21 अक्तूबर तक बीकानेर-हरिद्वार एक्सप्रेस, उदयपुर सिटी-हरिद्वार एक्सप्रेस,हरिद्वार-इलाहाबाद एक्सप्रेस, हरिद्वार-जम्मू तवी एक्सप्रेस। 15 से 22 तक हरिद्वार-बीकानेर एक्सप्रेस। 13 से 20 तक इलाहाबाद-हरिद्वार एक्सप्रेस, रामनगर-हरिद्वार-रामनगर एक्सप्रेस जम्मू तवी-हरिद्वार एक्सप्रेस, 16 से 21 तक अमृतसर-देहरादून एक्सप्रेस, 17 से 22 तक देहरादून-अमृतसर एक्सप्रेस, 15 से 21 तक बांद्रा टर्मिनस-देहरादून एक्सप्रेस, 17 से 23 तक देहरादून-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस, 16 से 21 तक माता वैष्णो देवी कटरा-ऋषिकेश एक्सप्रेस, 17 से 22 तक ऋषिकेश-माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस, 19 से 21 तक वाराणसी-देहरादून एक्सप्रेस।, 20 से 22 तक देहरादून-वाराणसी एक्सप्रेस, 16 से 17 तक उज्जैन-देहरादून एक्सप्रेस, 15 से 16 तक देहरादून-उज्जैन एक्सप्रेस, 13 से 22 तक नई दिल्ली-देहरादून, 15 से 18 तक हावड़ा-देहरादून उपासना एक्सप्रेस, 16 से 19 तक देहरादून-हावड़ा उपासना एक्सप्रेस, 19 से 20 तक इंदौर-देहरादून एक्सप्रेस और 18 को देहरादून-इंदौर एक्सप्रेस, ओखा-देहरादून उत्तरांचल एक्सप्रेस और वापसी में 20 अक्तूबर को यह ट्रेन रद्द रहेगी।

दूध लेने जा रहे जल बोर्ड के सेवानिवृत्त अधिकारी से लूट

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

भजनपुरा में दिल्ली जल बोर्ड से सेवानिवृत्त उपनिदेशक के साथ शनिवार सुबह लूटपाट का मामला सामने आया है। वह सुबह दूध लेने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। पिस्टल दिखाकर उनसे चेन लूटी और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित 62 साल के राकेश शर्मा की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, फरार होते समय बदमाश सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। हालांकि हेलमेट पहने होने के कारण अभी पहचान नहीं हो पाई है। मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर उनकी तलाश जारी है। राकेश शर्मा यमुना विहार में रहते हैं। वह 2018 में दिल्ली जल बोर्ड से सेवानिवृत्त हुए थे। शनिवार सुबह वह दूध लेने के लिए घर से थोड़ी दूर स्थित मदर डेयरी के बूथ पर जा रहे थे। रास्ते में काली पल्सर पर हेलमेट लगाए दो बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। बदमाश पिस्टल निकालकर चेन मांगने लगे। मना करने पर मोटरसाइकिल चला रहे बदमाश ने अपने साथी से गोली मारकर चेन छीनने को कहा। राकेश बुरी तरह से डर गए और चेन बदमाशों को दे दी। पीड़ित ने घटना की जानकारी परिवार और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

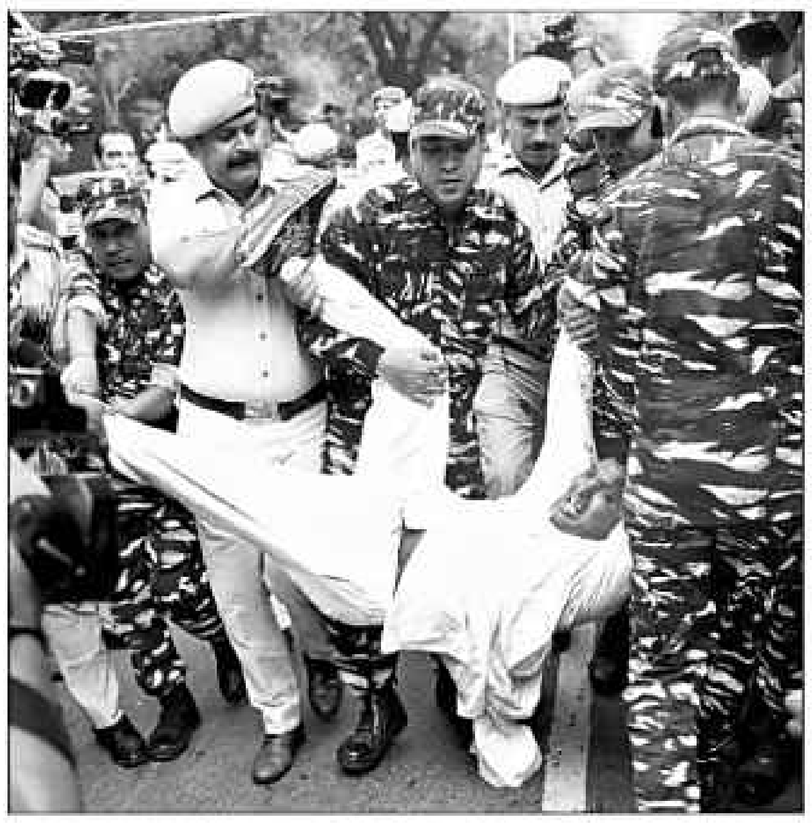
केंद्रीय वित्त मंत्री के आवास के बाहर एक प्रदर्शनकारी को पकड़ कर ले जाते जवान।

छापेमारी के खिलाफ युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

कांग्रेस के कई कर्मचारियों के परिसर में आयकर (आइटी) विभाग की छापेमारी को लेकर पार्टी की युवा इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के आवास के निकट प्रदर्शन किया।

भारतीय युवा कांग्रेस के नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार बदले की भावना से काम कर रही है और पार्टी के नेताओं के साथ अब कर्मचारियों को भी निशाना बना रही है। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि भाजपा को इतने नीचे नहीं गिरना चाहिए। अब वे कांग्रेस के कर्मचारियों को निशाना बना रहे हैं। सरकार की इस तरह की कार्रवाई देश के लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे नेताओं और कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और मंदिर मार्ग थाने लेकर गई। हालांकि, कुछ समय बाद सभी को छोड़ दिया गया। वहीं, संगठन के प्रवक्ता अमरीश रंजन पांडेय ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्रतिशोध की राजनीति कर रही है और सरकारी एजंसियों का खुला दुरुपयोग कर रही है। अमरीश ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार आर्थिक मोर्चा पर पूरी तरह से विफल हो गई है। साथ ही बेरोजगार, आर्थिक मंदी और सरकारी उपक्रम दिनों दिन ध्वस्त होते जा रहे हैं और सरकार केवल और केवल देश की जनता को बरगलाने का काम कर रही है।

स्कूटी सवार मां-बेटी को बस ने कुचला, बेटी की मौत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

ज्योति नगर में स्कूल जा रही स्कूटी सवार मां-बेटी को उत्तर प्रदेश रोडवेज की एक बस ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। टक्कर लगने से मां-बेटी जख्मी हो गई। जख्मी हालत में 30 साल की चेतना राघव और छह साल की उनकी बेटी दिव्या को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों ने दिव्या को मृत घोषित कर दिया।

चेतना को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। ज्योति नगर पुलिस ने चेतना के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। आरोपित चालक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लोनी में छापेमारी कर रही है। उधर पुलिस ने मौके से बस और क्षतिग्रस्त स्कूटी को जब्त कर लिया है। चेतना परिवार के साथ राजनगर कॉलोनी, गाजियाबाद में रहती हैं। वह गृहिणी हैं। उनकी दो बेटियां हैं। शुक्रवार सुबह चेतना स्कूटी से दिव्या को स्कूल छोड़ने जा रही थीं। जब उनकी स्कूटी लोनी गोल चक्कर से आगे दुर्गापुरी की तरफ बढ़ी पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने किनारे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्कूटी सवार मां-बेटी सड़क पर गिर गई। दिव्या का सिर सड़क के किनारे फुटपाथ से टकरा गया। चालक ने वहीं बस रोक दी और लोग वहां इकट्ठा हो गए। लोगों को देख चालक मौके से फरार हो गया। जख्मी हालत में चेतना ने ही बेटी को गोद में उठाया, लेकिन वह बेहोश हो चुकी थी। उन्होंने पति को इस घटना की खबर दी।

बसपा नेता और उनके भांजे की हत्या के दो आरोपी पकड़े गए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

बिजनौर के नजीबाबाद में बसपा नेता हाजी अहसान और उनके भांजे शादाब की हत्या के दो आरोपियों शहनवाज अंसारी और जब्बार को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार करने का दावा किया है। मई में दिनदहाड़े हुई हत्या के इस सनसनीखेज मामले के आरोपी अंसारी का जब्बार शूटर के रूप में काम करता है।

अंसारी के खिलाफ हत्या, लूटपाट, दंगा, फिरौती के लिए धमकियां सहित अन्य धाराओं में 20 मामले दर्ज हैं। जबकि जब्बार के खिलाफ हत्या और फिरौती के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। इनके खिलाफ 50 हजार और 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। सेल के उपायुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा के मुताबिक शुक्रवार को कड़कड़डूमा कोर्ट के पास जगतपुरी लाल बत्ती के पास से एक पुख्ता सूचना पर दोनों को दबोचा गया। वे पिछले पांच महीने से बसपा नेता की हत्या के बाद फरार चल रहे थे। दोनो के पास से दो पिस्तौल, आठ जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पता चला कि दोनों उत्तर प्रदेश पुलिस में शूटरों के रूप में दर्ज है। दोनों ने बसपा नेता हाजी अहसान शादाब की दिन में ही गोली मारकर हत्या कर दी थी। नजीबाबाद में मई महीने में दोनों अपने दफ्तर में थे तभी मोटरसाइकिल से आए शूटर दानिश कनकपुर और दानिश उब्बनवाला के साथ मिलकर इन दोनों ने ताबड़तोड़ गोली मारकर दोनों की हत्या को अंजाम देकर फरार हो गए। वारदात के बाद से जब्बार और शहनवाज फरार चल रहे थे। वे दिल्ली, मुंबई और अजमेर के विभिन्न होटलों

कृष्णानगर का लाल मार्केट दिवाली बाद से वाहन मुक्त

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

कृष्णानगर के लाल क्वार्टर मार्केट में शनिवार से वाहन मुक्त का प्रयोग खत्म हो गया। अब उसे दीपावली के बाद स्थायी रूप से शुरू करने की योजना है। दिल्ली में करोलबाग के बाद पूर्वी दिल्ली का कृष्णानगर मार्केट दूसरा भीड़ भाड़ वाला मार्केट हो जाएगा, जहां वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित होगा। इस फैसले से जहां खरीदारी करने वालों में खुशी है वहीं पार्किंग का स्थायी बंदोबस्त नहीं होने से कुछ लोगों में रोष भी है।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर का कहना है कि सात से 12 अक्तूबर तक के इस प्रयोग के बाद जो सर्वेक्षण और जांच की गई है उसमें इस दौरान प्रदूषण में कमी आने के साथ झपटमारी और चोरी की वारदातों पर लगाम लगी है। दुकान के आगे ठेला लगाकर बेचने वालों से सुविधा शुल्क लेने वाले अब कम हो गए हैं इसलिए कुछ लोग दिक्कतें खड़ी करने पर अमादा हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य दुकानदार खुश हैं। महिलाएं खरीदारी के पहले और बाद में मार्केट में लगे बेंच पर बैठ रही हैं। वे महसूस कर रही हैं कि यह बंदोबस्त स्थायी रहेगा। कपूर कहते हैं कि भीड़ में गाड़ियों के आपस में दुर्घटनाग्रस्त होने के साथ अन्य परेशानियां कम होगी। लिहाजा अब शनिवार को प्रयोग के बाद दीपावली के बाद इसे स्थायी रूप से अमल में लाया जाएगा।

एम्स के अध्ययन में 63 फीसद बच्चों में समस्या

रोज दो घंटे स्मार्टफोन चलाकर अकड़ रही बच्चों की पीठ

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

बच्चों में स्कूल बैग के बोझ, स्मार्ट फोन के उपयोग, टीवी व कंप्यूटर के आगे बैठे रहने की आदत और शारीरिक गतिविधियों की कमी से पीठ दर्द व मांसपेशियों में जकड़न की समस्या बढ़ रही है। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चों पर एम्स रूमेटोलॉजी विभाग की ओर से किए अध्ययन से खुलासा हुआ है कि 63 फीसद बच्चों में पीठ की मांसपेशियों व हड्डी में दर्द की समस्या पिछले एक साल से अभी तक है।

1600 बच्चों पर किए अध्ययन में पाया गया कि हफ्ते में पांच दिन और हर दिन दो घंटे स्मार्ट फोन चलाने वाले व रोजाना 60 मिनट से कम शारीरिक गतिविधि वाले बच्चों में खास कर लड़कियों में इस बीमारी का खतरा अधिक है। डॉ कुमार ने बस्तों का बोझ कम करने व शारीरिक गतिविधियां बढ़ाने के साथ खानपान में सुधार व फोन या टीवी का उपयोग कम करने की सिफारिश की है।

बस्तों के वजन के निर्देशों का पालन हो

डॉ कुमार ने कहा कि बस्ते के बोझ से होने वाली दिक्कतों को देखते हुए केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय के उस निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाना अनिवार्य हो, जिसमें बच्चों का बोझ कम करने की बात कही गई है। मंत्रालय ने कहा था कि कक्षा एक और दो के बच्चों के बस्ते का वजन डेढ़ किलो, कक्षा तीन से पांचवें दर्जे तक के बस्ते का वजन तीन किलों, कक्षा छह और सतवीं के बच्चों के बस्ते चार किलो से अधिक वजनी नही होने चाहिए।

एम्स रूमेटोलॉजी विभाग की मुखिया डॉ उमा कुमार ने बताया कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 1600 बच्चों पर पिछले साल अप्रैल से लेकर इस साल मार्च के बीच अध्ययन किया गया। 10 से 19 साल के बच्चों पर किए इस अध्ययन में 53 फीसद लड़के व 47 फीसद लड़कियां थीं। दक्षिणी दिल्ली के 100 स्कूलों में से केवल 10 स्कूल ही अध्ययन में शामिल होने के लिए तैयार हुए। इन बच्चों में से 63 फीसद बच्चों ने बताया कि उनको पिछले एक साल से हफ्ते में सातों दिन मासपेशियों व हड्डी में दर्द की समस्या बनी हुई है। उनमें से 32 फीसद बच्चों में दर्द पीठ के निचले हिस्से में रहता है। डॉ कुमार ने बताया कि यह देखा गया कि जिन बच्चों ने हफ्ते में पांच दिन और हर दिन दो घंटे या उससे अधिक समय फोन पर बिताया उनमें इस बीमारी का खतरा अधिक रहा। या फिर जिन बच्चों की रोजाना की शारीरिक गतिविधि एक घंटे से कम है अथवा वे टीवी देखते बैठे रहते हैं उनमें भी इस तरह की दिक्कत अधिक है।

डॉ कुमार ने बताया कि पीठ दर्द की यह समस्या या हड्डी व मांसपेशियों में सूजन लंबे समय तक बनी रहे तो उसके गठिया के रूप में बदलने का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में तनाव, घबराहट व अवसाद का भी हड्डी व मांसपेशियों के दर्द से कोई न कोई संबंध भी है। डॉ उमा ने बताया कि बस्ते के बोझ से भी इस बीमारी का सीधा व गहरा संबंध देखा गया। डॉ कुमार के मुताबिक, बच्चे के शारीरिक वजन के 10 फीसद से कम वजन का बैग उठाने वाले बच्चों की तुलना में ऐसे बच्चों में पीठ दर्द की समस्या दो गुना अधिक थी जिनके बस्ते का बोझ दस फीसद अधिक था।

डूबते बच्चों को बचाने तालाब में उतरी चाची, सभी की मौत

गुना (मप्र), 12 अक्तूबर (भाषा)।

मध्य प्रदेश में गुना जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर खेरखेड़ी गांव में तालाब में नहाने गए तीन बच्चों और उन्हें बचाने उतरी चाची की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि तीन बच्चे बिट्टू (9), अंकित (10) और करण (8) नहाने गए थे। नहाते हुए तीनों बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

उन्होंने बताया कि बच्चों को डूबते देख इनकी चाची सीमाबाई उन्हें बचानेउतर गई लेकिन गहराई ज्यादा होने की वजह से चारों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे हुई।

प्रधानमंत्री मोदी आठ नवंबर को करेंगे करतारपुर गलियारे का उद्घाटन

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान में स्थित श्री करतारपुर साहिब को जाने वाले करतारपुर गलियारे का आठ नवंबर को उद्घाटन करेंगे। बादल ने बताया कि मोदी भारत की तरफ समन्वित जांच चौकी का उद्घाटन करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया कि गुरुनानक देवजी की मेहर से श्री करतारपुर साहिब में 'खुला दर्शन दीदार' की सिख पंथ की अरदास अंततः सच्चाई बन रही है। आठ नवंबर को इतिहास बनेगा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी करतारपुर गलियारे (आइसीपी) का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 72 साल के शासन में जो संभव नहीं हो सका, प्रधानमंत्री मोदी ने उस गलती को अब सुधार दिया। पिछले हफ्ते, पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व उत्सव में हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया था। इसमें एतिहासिक करतारपुर गलियारे का उद्घाटन भी शामिल है।

ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने इस बारे में जानकारी दी।

पिछले साल नवंबर में, भारत और पाकिस्तान करतारपुर गलियारे को स्थापित करने को लेकर सहमत हो गए थे। यह गलियारा पंजाब के गुरदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे को करतारपुर में स्थित दरबार साहिब से जोड़ेगा। इस गलियारे से भारतीय सिख यात्री बिना वीजा के सिर्फ परमिट लेकर करतारपुर साहिब जा सकते हैं। इसकी स्थापना 1522 में सिख पंथ के संस्थापक गुरु नानक देव ने की थी।

छात्रों को दाल-चावल, खुद चिकन करी, शिक्षा अधिकारी निलंबित

भुवनेश्वर, 12 अक्तूबर (भाषा)।

ओड़ीशा में सुंदरगढ़ जिले के एक विद्यालय में छात्रों को मध्याह्न भोजन में दाल-चावल देने और खुद चिकन करी खाने के आरोप में शिक्षा विभाग के अधिकारी को निलंबित किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। हालांकि अधिकारी ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि उन्हें जो करी दी गई थी वह चिकन करी नहीं थी बल्कि शाकाहारी भोजन था जो एक शिक्षिका उनके लिए अपने घर से लाई थी।'

मध्याह्न भोजन में छात्रों को दाल-चावल देने और खुद चिकन करी खाने के आरोप में अधिकारी को निलंबित किया गया है।

सुंदरगढ़ के जिलाधिकारी निखिल पवन कल्याण ने बोनाई के प्रखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) विनय प्रकाश साय को निलंबित कर दिया है। दरअसल एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें स्कूली बच्चों के बीच बीईओ बाहर से मंगायी गई चिकन करी खाते हुए नजर आ रहे हैं।

जिलाधिकारी द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया, 'साय को ड्यूटी के दौरान कदाचार, कर्तव्यहीनता और अनपयुक्त व्यवहार को लेकर अनुशासनात्मक कार्रवाई होने तक तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।' यह घटना बोनाई के तिलीमाल परियोजना प्राथमिक विद्यालय की है जिसके निरीक्षण के लिए प्रखंड शिक्षा अधिकारी तीन अक्तूबर को गए थे। वह मध्याह्न भोजन कार्यक्रम की समीक्षा के लिए वहां पहुंचे थे।

विद्यालय पहुंचने पर साय का प्रधानाचार्य तुपी चंदन किसान और अन्य शिक्षकों ने स्वागत किया। मध्याह्न भोजन के रसोईघर के निरीक्षण के बाद साय विद्यार्थियों के साथ भोजन करने बैठे। वीडियो में दिख रहा है कि बीईओ के साथ बैठने से विद्यार्थी भी खुश हैं।

हालांकि साय ने आरोपों से इनकार किया और कहा, 'उन्होंने जो करी दी गई थी वह चिकन करी नहीं थी बल्कि शाकाहारी भोजन था जो एक शिक्षिका उनके लिए अपने घर से लाई थी।'

तमिलनाडु, गोवा में आयकर विभाग ने जब्त की करोड़ों की संपत्ति, नकदी

नई दिल्ली , 12 अक्तूबर (भाषा)।

आयकर विभाग ने कर चोरी करने वालों पर शिकंजा कसते हुए तमिलनाडु और गोवा में तलाशी अभियान चलाया जिसमें करोड़ों रुपए की बेहिसाब संपत्ति और नकदी जब्त की गई। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि आयकर विभाग ने तमिलनाडु के नामक्कल के एक व्यापार समूह के मामले में 11 अक्तूबर 2019 को तलाशी की कार्रवाई की। यह समूह मुख्य तौर पर शैक्षणिक संस्थानों और एनईईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थान चलाता है।

बयान में कहा कि इस तलाशी अभियान में समूह के प्रवर्तकों के घर सहित 17 परिसरों की तलाशी ली गई। ये परिसर तमिलनाडु के नामक्कल , पेरुंदुरई , करूर और चेन्नई में स्थित हैं। इसके अलावा आयकर विभाग ने गोवा में होटल खरीदने-बेचने के कारोबार में शामिल दो समूहों के 6 ठिकानों पर 10 अक्तूबर को तलाशी अभियान चलाया।

बयान में कहा गया है कि अभियान में 4.39 करोड़ की अघोषित संपत्ति जब्त हुई। इसमें 2.55 करोड़ की अघोषित नकदी और 1.84 करोड़ रुपए के आभूषण / कीमती सामान शामिल हैं। समूह ने कुल मिलाकर 124.41 करोड़ रुपए की राशि का खुलासा किया है। इसमें अघोषित आय भी शामिल है। समूह ने इसके साथ ही तुरंत कर का भुगतान करने की प्रतिबद्धता जताई है।

तमिलनाडु मामले के संदर्भ में, स्कूल परिसर में सभागार के अंदर एक तिजोरी में काफी मात्रा में नकदी पाई गई। करीब 30 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी मिली जिसे जब्त किया गया है। निजी निवेश के तौर पर अचल संपत्तियां हासिल करने के लिए बिना हिसाब किताब वाली रसीदों का उपयोग किया गया। इन संपत्तियों को बाद में अन्य शहरों में विस्तार के लिए ट्रस्ट को दीर्घकालिक पट्टे पर दिया गया।

गुजरात : सीमा के निकट पांच पाकिस्तानी नौकाएं जब्त

भुज, 12 अक्तूबर (भाषा)।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुजरात में भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट हरामी नाला क्रीक क्षेत्र से मछली पकड़ने में इस्तेमाल होने वाली पांच पाकिस्तानी नौकाएं जब्त की हैं। शनिवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि रात 10 बजकर 45 मिनट के करीब एकल इंजन वाली पांच नौकाएं जब्त की गईं। क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया जो अब भी जारी है। अब तक इस क्षेत्र से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। हरामी नाले से बीएसएफ बीते कुछ महीनों के दौरान छोड़ी गई कई पाकिस्तानी नौकाएं जब्त कर चुका है।

चेक बाउंस मामले में अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ वारंट

रांची, 12 अक्तूबर (भाषा)।

रांची की एक अदालत ने दो चेक बाउंस होने के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल और उनके सहयोगी के खिलाफ वारंट जारी किया है।

फिल्म 'देशी मैजिक' बनाने के नाम पर ढाई करोड़ रुपए एंठने का आरोप अमीषा पर

अदालत ने मई महीने में मामले का संज्ञान लेते हुए अमीषा के खिलाफ चेक बाउंस मामले में समन जारी किया था। समन के माध्यम से अमीषा को अदालत में अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया था, लेकिन चार तारीखों में उन्होंने मामले में पक्ष नहीं रखा।

इसके बाद मामले में न्यायिक दंडाधिकारी कुमार विपुल की अदालत ने अमीषा और उनके अधिकारी कमल गुमर के खिलाफ वारंट जारी किया है। आरोप है कि अमीषा से रांची निवासी अजय सिंह को फिल्म में पैसे लगाने का ऑफर मिला था। अजय ने ढाई करोड़ रुपए अमीषा पटेल के खाते में डेढ़ महीने के भीतर स्थानांतरित कर दिए थे। अमीषा पटेल पर फिल्म 'देशी मैजिक' बनाने के नाम पर अजय सिंह से ढाई करोड़ रुपए ऐंठने का आरोप है। अजय के अनुसार एकरारनामा के अनुसार जब फिल्म जून 2018 में रिलीज नहीं हुई तो उन्होंने पैसों की मांग की। टालमटोल के बाद अक्तूबर 2018 में ढाई करोड़ और 50 लाख रुपए के दो चेक अमीषा ने दिए जो बाउंस हो गए। इसके बाद अजय सिंह ने 17 नवंबर 2018 को इस मामले में मुकदमा किया था।

साल 2000 में हुई बाल ठाकरे की गिरफ्तारी पर अजित पवार माफी मांगें : राउत

मुंबई, 12 अक्तूबर (भाषा)।

शिवसेना के सांसद संजय राउत ने वर्ष 2000 में बाल ठाकरे की गिरफ्तारी को लेकर राकांपा के वरिष्ठ नेता अजित पवार के बयान के बाद उनसे माफी की मांग की है। एक दिन पहले पवार ने कहा था कि दिवंगत शिवसेना प्रमुख को गिरफ्तार करना एक 'भूल' थी।

शिवसेना के राज्यसभा सदस्य और संसद में पार्टी के मुख्य सचेतक राउत ने ट्विटर पर लिखा, 'आपको इस बात का एहसास करने में लंबा समय लगा कि बाला साहब ठाकरे को गिरफ्तार करना एक भूल थी। अगर आपके आंसू सच्चे हैं तो आपको उनकी गिरफ्तारी पर माफी मांगनी चाहिए।'

अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि उनके जैसे कुछ अन्य नेताओं के विरोध के बावजूद राकांपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने 2000 में बाला साहब ठाकरे की गिरफ्तारी पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'यह एक भूल थी।' महाराष्ट्र में कांग्रेस-राकांपा की सरकार के दौरान शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में सांप्रदायिक घृणा की भावना को कथित तौर पर उकसाने के आरोप में ठाकरे को गिरफ्तार किया गया था।

वर्ष 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के विषय पर ठाकरे का कथित भड़काऊ लेख 'सामना' में प्रकाशित हुआ था, जिसके बाद मुंबई में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे जिसमें 300 से अधिक लोग मारे गए थे।

हाल में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने अपने पिता की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा था कि महाराष्ट्र 'बदले और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित राजनीति' की सराहना नहीं करता है।

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना — **DCB BANK**

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	अनुबंध संख्या	ग्राहक का नाम	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1.	26741200003049	फहीम अहमद	21 एवं 22 अक्टूबर, 2019 श्री निखिल खन्ना टेलीफोन नं. 7081105511/ 18002095363/ 9719004676 डीसीबी बैंक लिमिटेड, 1/776, छावरा कॉम्प्लैक्स, अम्बाला रोड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश-247001
2.	26741200001434	शबन मलिक	
3.	26741200000976	अजय कुमार बथला	
4.	26741200001014	विनोद कुमार पहूजा	
5.	26741200002288	शगुफ्ता नदीम अंसारी	
6.	26741200001427	हरप्रीत सिंह आनंद	
7.	26741200002974	शलीम अहमद	
8.	26741200002868	राजेश कुमार	
9.	26741200002400	फरमान	
10.	26741200003117	अरशाद	
11.	26741200003056	इदरिश	
12.	26741200002370	शगुफ्ता नदीम अंसारी	
13.	26741200002912	गुलशेर	
14.	26741200000170	राज कुमार	

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को निपटारा करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे। हस्ता./-

तिथि: 13.10.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: सहारणपुर डीसीबी बैंक लिमिटेड

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank ...भरोसे का प्रतीक! ...the name you can BANK upon!

बी.ओ.: शालीमार बाग, नई दिल्ली

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(1)

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तालिका में नीचे वर्णित तिथि को जारी कर नीचे वर्णित ऋणधारकों/मार्टगैजरों/गारन्टरों को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि को वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

नीचे वर्णित ऋणधारक, इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक/मार्टगैजरों/गारन्टरों तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि तालिका में नीचे वर्णित तिथि को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा कर लिया है। ऋणधारक/गारन्टर/मार्टगैजर का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

विशेष रूप से ऋणधारकों एवं गारन्टरों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित संपत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन संपत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय उस पर आगे के ब्याज तथा अन्य चार्जेज/खर्चे के अतिरिक्त नीचे वर्णित राशि के लिये पंजाब नेशनल बैंक के चार्ज के अधीन होगा। यदि ऋणधारक/गारन्टर इस प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर बकाये राशि का भुगतान नहीं करते हैं तो बकाये की वसूली के लिये सम्पत्ति की बिक्री कर दी जायेगी।

ऋणधारक/मार्टगैजर, गारन्टर का नाम	गिरवी सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना तिथि एवं बकाया राशि धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना में यथा वर्णित	कब्जा की तिथि
मै. ईएमएस एंड एक्सपोर्ट्स (पार्टनरशिप फर्म) तथा उसके पार्टनर्स श्री अमरजीत सिंह कालरा पुत्र श्री सुरिन्दर सिंह कालरा तथा श्रीमती जगजीत कौर कालरा, पत्नी श्री सुरिन्दर सिंह कालरा, पंजी./कॉर्पोरेट कार्यालयः सी-130, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015, साथ हीः वर्क्स/फैक्ट्रीः सी-17 एवं 18, इंडस्ट्रियल इस्टेट, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड 244713; साथ हींः रूम नं. 301, दूसरा तल, डब्ल्यूजेड-15बी, उग्रसैन मार्केट, अशोक नगर, नई दिल्ली-110018; तथा गारन्टर श्रीमती सुरिन्दर कौर कालरा, पत्नी श्री अमरजीत सिंह कालरा, सी 130, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली-110015	काशीपुर, ऊधम सिंह नगर (उत्तरांचल) में विकसित साइट, इंडस्ट्रियल इस्टेट में स्थित पट्टाकृत प्लॉट नं. सी-17 एवं सी-18, क्षेत्रफल माप 1337.76 वर्ग मी. (1600 वर्ग याईस) में भूमि एवं भवन। चौहद्दीः उत्तरः प्लॉट नं. सी-3 एवं सी-4, दक्षिणः 40 फीट चौड़ी सड़क, पूर्वः प्लॉट नं. सी-16, पश्चिमः प्लॉट नं. सी-19	25.6.2019 25.6.2019 को बकाया रु 48,15,03,120.24 (रुपये अड़तालिस करोड़ पन्द्रह लाख तीन हजार एक सौ बीस तथा पैसे चौबीस मात्र) के साथ सम्पूर्ण भुगतान तक आगे का ब्याज एवं लागतों।	10.10.2019

तिथिः 10.10.2019, स्थानः नई दिल्ली हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक

MARUTI SUZUKI

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड

CIN: L34103DL1981PLC011375

[illegible]

www.marutisuzuki.com, investor@maruti.co.in

[illegible]

नई दिल्ली
12 अक्तूबर, 2019

KRBL LIMITED

CIN: L01111DL1993PLC052845

Regd. Off.: 5190, Lahori Gate, Delhi - 110006

Phone: 011-23968328, Fax: 011-23968327

Email: investor@krblindia.com; Website: www.krblrice.com

NOTICE FOR LOSS OF SHARE CERTIFICATE

Notice is hereby given to the general public that the following share certificate as per details given below has been reported lost/misplaced and are not traceable:

Name of Shareholder	Folio No.	Share Cert. No.	Distinctive Nos.	Face Value (Rs.)	No. of Shares
Vipulkumar Parsotamdas Patel	69	164	348551 - 349550	1	1000

Any person who has claim in respect of the said shares should communicate to the Company at the registered office within 15 days from the date hereof. The Company will proceed to issue duplicate share certificate after the expiry of 15 days and the original certificates shall stand cancelled. Any person dealing with these certificates shall be doing so solely at his/her own risk as to costs and consequences and the Company shall not be held responsible for it in any way.

For KRBL Limited
Sd-
Raman Sapra
Company Secretary

Date : 11 October 2019
Place: Delhi

इन्टीग्रेटेड कैपिटल सर्विसेस लिमिटेड

CIN: L74899DL1993PLC051981

पंजी. कार्यालय: 606, नई दिल्ली हाउस, 27 बाराखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही तथा छमाही के समेकित अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

(रु. लाख में)

	विवरण	अनंकेक्षित			
		समाप्त 3 महीने	समाप्त चालू अवधि की तिथि तक वर्ष का आंकड़ा	पूर्व वर्ष में समाप्त तत्स्थानीय 3 महीने	समाप्त पूर्व वर्ष की तिथि तक वर्ष का आंकड़ा
		30.9.2019	30.9.2019	30.9.2018	31.3.2019
1.	परिचालनों से कुल आय	25.11	65.92	54.10	157.70
2.	अवधि के लिये शुद्ध लाभ (कर से पूर्व)	4.64	14.78	(12.76)	(394.63)
3.	अवधि के लिये शुद्ध लाभ (कर के बाद)	6.83	11.46	(23.95)	(402.99)
4.	कुल व्यापक आय (अवधि के लिये कर के बाद लाभ/ हानि तथा अन्य व्यापक आय (कर के बाद) से शामिल कुल व्यापक आय	6.83	11.46	(23.95)	(403.16)
5.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (सम मूल्य रु. 1/- प्रति)	355.84	355.84	355.84*	355.84
6.	आय प्रति शेयर (रुपये 1/- प्रति सम मूल्य) (वार्षिकीकृत नहीं) मूल तथा तरल आय प्रति शेयर (रु. में)	0.02	0.03	(0.07)	(1.13)

* 30 सितम्बर, 2018 को कम्पनी की इक्विटी शेयरों की संख्या 361.50 लाख थी जो 01 अक्टूबर, 2016 की नियत तिथि से कम्पनी के साथ देवरा एसोसिएट्स प्राईवेट लिमिटेड (अंतरक कम्पनी, अब भंग कर दी गई) के समामेलन के परिणामस्वरूप घटकर 355.84 लाख हो गई। तदनुसार, 30 सितम्बर, 2018 (समाप्त तिमाही एवं छमाही) में प्रति शेयर आय की इक्विटी शेयरों की घटी हुई संख्या के आधार पर पुनर्गणना की गई है।

टिप्पणी:

1. उक्त अनंकेक्षित समेकित वित्तीय परिणामों की ऑडिट कमिटी द्वारा समीक्षा की गई तथा 11 अक्टूबर, 2019 को निदेशक मंडल की बैठक में उनके द्वारा अनुमोदित किया गया।
2. कम्पनी के सांविधिक अंकेक्षकों ने सेबी (सूचीयन दायित्व एवं उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के अनुपालन में उपरोक्त अनंकेक्षित स्टैंडएलॉन तथा समेकित वित्तीय परिणामों की सीमित समीक्षा की है तथा उस पर अपना सीमित समीक्षा रिपोर्ट जारी किया है।
3. कम्पनी तथा उसकी सहायकों/सहयोगियों के अनंकेक्षित समेकित वित्तीय विवरणों को कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 में निर्दिष्ट रूप में कम्पनी (भारतीय लेखा मानक) नियमावली, 2015 के अंतर्गत यथा अधिसूचित भारतीय लेखा मानक 110 (''इंड एएस'') के सिद्धातों एवं प्रक्रियाओं के अनुसार तैयार किया गया है।
4. कम्पनी (इंडएएस) नियमावली, 2015 के अंतर्गत यथा अनुसूचित इंडएएस-108 ''प्रचालन खंडों के प्रावधानों तथा कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अनुरूप कम्पनी का प्रचालन ''परामर्श तथा सलाह सेवाएं उपलब्ध'' कराने के शीर्ष के अंतर्गत आता है जिसे प्रबंधन द्वारा विवरण देने योग्य एक मात्र खंड माना गया है। धारक कम्पनी के उद्देश्य उपबंध में परिवर्तन के उपरांत कम्पनी का कार्य दिवाला तथा दिवालिया से संबंधित विषयों में परामर्श सेवाऐं उपलब्ध कराना है। कुछ पूर्वापेक्षाओं की पूर्णता के उपरांत कम्पनी दिवाला तथा दिवालिया संहिता, 2016 तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों/ विनियमनों के प्रावधानों के अनुसार इन्साल्वेन्सी प्रॉफेशनल एन्टिटी के रूप में पंजीकरण के लिये भारत दिवाला एवं दिवालिया मंडल में आवेदन करेगी।
5. इस वित्त वर्ष के दौरान कम्पनी ने समेकित वित्तीय विवरण के प्रकाशन का चयन किया है। 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही एवं छमाही के लिये कम्पनी के स्टैण्डएलॉन तथा समेकित परिणाम कम्पनी की वेबसाईट, www.raas.co.in तथा बाम्बे स्टॉक एक्सचैंज की वेबसाईट www.bseindia.com पर उपलब्ध है।
6. कम्पनी के मुख्य वित्त अधिकारी ने प्रमाणित किया है कि 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही तथा छमाही के वित्तीय परिणामों में कोई कोई भ्रामक या गलत विवरण शामिल नहीं हैं तथा ऐसी किसी भी भौतिक तथ्यों को छिपाया नहीं गया है जिससे कि विवरण अथवा उसमें शामिल आँकड़े भ्रामक लगे।
7. 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही तथा छमाही के लिए स्टैण्डएलॉन आधार पर कंपनी का वित्तीय विवरण

(रु. लाख)

क्रम सं.	विवरण	30 सितम्बर, 2019 को समाप्त छमाही	30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही
i)	टर्न ओवर	22.61	7.16
ii)	कर के बाद लाभ	(14.77)	(9.62)
iii)	कर के बाद लाभ जिसमें अन्य व्यापक आय शामिल है	(13.81)	(9.62)

8. उसे चालू वर्ष के वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए जहां भी जरूरी हुआ, समाप्त पूर्व तिमाही तथा छमाही के आँकड़े पुनर्वर्गीकृत/ पुनर्व्यवस्थित किए गए हैं।

बोर्ड के आदेश से
इन्टीग्रेटेड कैपिटल सर्विसेस लिमिटेड के लिये
हस्ता./-
सजीव देवरा (निदेशक)
DIN: 00003305

तिथि: 11 अक्टूबर, 2019
स्थान: नई दिल्ली

वसूली अधिकारी-I का कार्यालय
ऋण वसूली न्यायाधिकरण-III, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

आर.सी. सं. 785/2018 — बिक्री उद्घोषणा — दिनांक 25.09.2019

बैंक ऑफ इंडिया बनाम मैसर्स ऋषभ ट्रेडिंग कंपनी एवं अन्य

बैंक तथा वित्तीय संस्थाओं के बकाया ऋण की वसूली अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52(2) के तहत बिक्री की उद्घोषणा

सीडी नं. 1. मैसर्स ऋषभ ट्रेडिंग कंपनी
3238 / 101 और 102, प्रथम तल, अमरनाथ मार्केट, गली चौमुखा मंदिर, हौज काजी, दिल्ली - 06
सीडी नं. 2. सुषमा गुप्ता, पत्नी मुकेश गुप्ता,
3238 / 101 और 102, प्रथम तल, अमरनाथ मार्केट, गली चौमुखा मंदिर, हौज काजी, दिल्ली - 06
इसके अलावा: मकान नंबर 232, दया नंद विहार, दिल्ली - 92
इसके अलावा: एमपीएल नंबर 3534, भूतल, वार्ड नंबर IX, बाजार सीताराम, दिल्ली - 06
इसके अलावा: दुकानें प्राइवेट क्रमांक 312-313 / संपत्ति नंबर 3237-3239, वार्ड नं. VI, अमरनाथ मार्केट, चौमुखा मंदिर, हौजकाजी, चावड़ी बाजार, दिल्ली
सीडी नं. 3. मुकेश गुप्ता, मकान नंबर 232, दया नंद विहार, दिल्ली - 92
इसके अलावा: एमपीएल नंबर 3384 / 4, भूतल, हकीम मकान, हौज काजी, दिल्ली - 06

जैसा कि पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण-III, दिल्ली द्वारा जारी ओए नं. 2016 के 588 में रिकवरी प्रमाणपत्र के अनुसार आपके द्वारा देय **रु.1,29,68,025/- (रुपये एक करोड़ उनतीस लाख अड़सठ हजार और पच्चीस मात्र)** तथा उस पर 12% प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ प्रमाण पत्र के अनुसार इस **ओए यानि 26.07.2016** की दाखिल करने की तारीख से सम्पूर्ण वसूली भुगतान [illegible]।

तथा जैसा कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रमाण पत्र की संतुष्टि के लिए नीचे तालिका में वर्णित सम्पत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि स्थगन आदेश की अनुपस्थिति में **29.11.2019 को अप. 03.00 बजे से अप. 04.00 बजे के** बीच (यदि जरूरी हो, समाप्ति से पूर्व अंतिम 5 मिनट में बोली के मामले में स्वतः विस्तार प्रावधान के साथ) ई-नीलामी द्वारा उक्त संपत्ति की बिक्री की जाएगी तथा यह बोली "ऑन लाइन इलेक्ट्रानिक बोली" द्वारा मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि., उद्योग विहार, फेज-2, बिल्डिंग नंबर 301, गुरुग्राम, हरियाणा - 122015, सम्पर्क नंबर +91 7291981124/25/26 सम्पर्क व्यक्ति श्री विनोद चौहान मोबाइल नंबर 9813887931, ई-मेल: support@bankeauctions.com, वेबसाइट: https://www.bankeauctions.com के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: श्री नीरज रस्तोगी, सीएच बैंक के अधिकारी, मोबाइल नं. 987286178

यह बिक्री नीचे तालिका में नामित उपरोक्त प्रतिवादियों की संपत्ति की होगी तथा उक्त संपत्ति से जुड़ी देयताएं एवं दावें, जो अब तक सुनिश्चित हैं, वे प्रत्येक लॉट के समक्ष अनुसूची में निर्दिष्ट हैं।

[illegible]

1. संपत्तियों का विवरण, आरक्षित मूल्य और ईएमडी निम्नानुसार है:

क्र.सं.	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / ईएमडी
1.	तीसरी मंजिल पर 2 दुकानें, प्राइवेट नंबर 312-313, संपत्ति सं. 3237-3239, वार्ड VI, अमरनाथ मार्केट, चौमुखा मंदिर, हौजकाजी, चावड़ी बाजार, दिल्ली - 06 में स्थित हैं।	रु. 12,00,000/- (रुपए बारह लाख मात्र) ईएमडी: रु. 1,20,000/- (रुपए एक लाख बीस हजार मात्र)
2.	तीसरी मंजिल पर एक दुकान, प्राइवेट नंबर 302, बिना छत के अधिकार के, अमरनाथ मार्केट, म्युनिसिपल नंबर 3237 से 3239, वार्ड नं. VI, चौमुखा मंदिर, पीपल महादेव, चावड़ी बाजार, दिल्ली - 06	रु. 5,60,000/- (रुपए [illegible] लाख मात्र) ईएमडी: रु. 56,000/- (रुपए छप्पन हजार मात्र)

संपत्ति को आरक्षित मूल्य से कम में नहीं बेचा जायेगा।

2. वह राशि जिसके द्वारा बोली बढ़ाई जाएगी **क्र. सं. 1 की संपत्ति के लिए रु. 50,000/- (रुपए पचास हजार मात्र) और क्र. सं. 2 की संपत्ति के लिए रु. 50,000/- (रुपए पचास हजार मात्र)** है। [illegible]

3. [illegible]

4. **ईएमडी का भुगतान 27.11.2019 तक रिकवरी अधिकारी-I, ऋण वसूली अधिकरण-III, दिल्ली के पक्ष में देय डीडी/पे आर्डर** द्वारा जमा किया जायेगा। [illegible]

5. [illegible] **रिकवरी अधिकारी-I, डीआरटी-III, दिल्ली** [illegible]

6. [illegible] **3.00 बजे अप. तक ऊपर पैरा में वर्णित विवरणों के अनुसार** [illegible] **अंतिम बोली राशि के 25% का भुगतान** करना होगा।

7. [illegible]

8. **संपत्ति दिनांक 22.11.2019 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक** निरीक्षण के लिए खुली रहेगी।

9. [illegible]

10. संपत्ति की बिक्री **"जैसा है जहां है तथा जो भी वहां है आधार पर"** की जा रही है।

11. [illegible]

12. [illegible]

13. [illegible]

(अनिल कुमार यादव)
वसूली अधिकारी-I,
डीआरटी-III, दिल्ली

मेरे हस्ताक्षर और मोहर के साथ दिनांक 25.09.2019 को जारी किया गया।

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना — **DCB BANK**

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	अनुबंध संख्या	ग्राहक का नाम	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1.	22041200002127	दीपक नंदा	21 एवं 22 अक्टूबर, 2019 सुश्री गगनजीत कौर टेलीफोन नं. 18002095363 डीसीबी बैंक लिमिटेड, बी-4- 1504/ए, ईस्ट भाटिया नगर, जगाध्रि रोड, यमुनानगर- 135001
2.	22041200001182	रंजोत सिंह	
3.	22041200001304	नफीस अहमद	
4.	22041200002455	राजेश कुमार	
5.	22041200001007	हर्शिता सिक्का	
6.	22042100001755	राजेश कुमार	
7.	22042100000806	नफीस अहमद	
8.	22042100000055	संजीव कुमार	
9.	22041200002325	जतिन कुमार	
10.	22042100000046	सुखदेव शर्मा	
11.	22041200000639	सुखविन्दर सिंह	

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को निपटारा करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे। हस्ता./-

तिथि: 13.10.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: यमुनानगर डीसीबी बैंक लिमिटेड

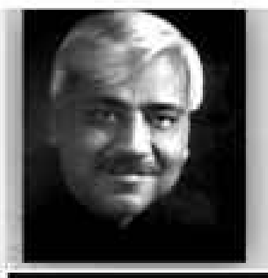

तीरंदाज

■ अश्विनी भटनागर

दबी हुई चुप्पी

'आपकी बातचीत कैसी रही?' अमेरिका में लेक ताहो के किनारे पर स्थित कलाकृतियां बेचने वाली दुकान के युवा मालिक ने मुस्करा कर पूछा।

मुझे उसका सवाल अटपटा-सा लगा था, क्योंकि दुकान में आने के बाद से मैंने एक शब्द भी नहीं बोला था। दुकान में लगी हुई कई कलाकृतियों को मैंने जरूर ध्यान से देखा था और फिर एक बड़े से लट्ठे से तराशी गई रेड इंडियन की आकृति को काफी समय तक निहारा था। लकड़ी की बनी लेक ताहो के मूल निवासी रेड इंडियन की जीवंत मूर्ति ने मुझे बेहद आकर्षित किया था। बुत की आखों में ममतामयी करुणा समाई हुई थी।

अपने सवाल से मुझे थोड़ा हतप्रभ देख कर युवा ने मूर्ति की ओर इशारा किया।

'उन साहब से आपके लंबे संवाद के बारे में पूछ रहा था।'

'दिलचस्प थी। अच्छा लगा उनसे मिल कर।' मैंने हंस कर कहा था।

'जरूर लगा होगा। एकतरफा संवाद सबसे प्रभावी संवाद है। कहने वाले को खूब सुख मिलता है उससे। वैसे अगर आप देखें, तो बुत हुए लोगों से संवाद की कशिश ही कुछ और है। मूकता से जीवंत संवाद इसीलिए वक्ताओं को बड़ा लाभकारी लगता है। वे अपने हिसाब से अपनी बात कर लेते हैं और फिर अपने हिसाब से ही जवाब की कल्पना करके अपने बयान से संतुष्ट हो जाते हैं।'

'आप कह तो ठीक रहे हैं। मैंने एक तरह से इस काठ की मूर्ति से संवाद ही किया था। उसकी आखों में झांक कर उसके विलुप्त जीवन को समझने की कोशिश की थी। पर यह मूर्ति आपने अपनी दुकान में क्यों सजा रखी है? इस इलाके से इसका क्या संबंध है?'

युवा दुकानदार (एक ठेठ अमेरिकी श्वेत व्यक्ति) अपना काउंटर छोड़ कर मूर्ति की तरफ बढ़ चला। 'मेरा इस स्थान से कोई सीधा संबंध नहीं है। इसका है। पर यह अपनी कहानी आपको बता नहीं सकता है। इसको जड़ कर दिया गया है।'

'मतलब?' मैंने उत्सुकता से पूछा।

दुकानदार ने आदमकद मूर्ति के कंधे पर दोस्ताना हाथ रखते हुए अपनी बात जारी रखी, 'क्रिस्टोफर कोलंबस ने जब अमेरिका की खोज की थी, तो उसने इनको यानी रेड इंडियंस को यहां रहते हुए पाया था। खोजने तो वह आपका देश निकला था- इंडिया और उसमें रहने वाले ब्राउन इंडियंस- पर पहुंच गया वह यहां और उसको जो मिले उनको देख कर उसने इंडियंस को रेड बता दिया था। ये सारे अमेरिकी महाद्वीप में फैले हुए थे। लेक ताहो में भी खूब थे। प्रेम और शांति के माहौल में उनकी एक अनूठी सभ्यता फल-फूल रही थी। इस झील का नाम दओ था और इसके चारो तरफ वषों नाम का कबीला रहता था। फिर 1848 में यहां की नदी में सोना मिलने की खबर फैल गई

> आधुनिक युग में शायद एक तरफ से कही गई बात को संवाद माना जाने लगा है। कहीं न कहीं दूसरे से हमारी अपेक्षा यह रहती है कि वह जुबान न खोले। सिर्फ सुने, बोले नहीं। बोलना सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक पाप माना जाने लगा है।

थी, दस साल बाद चांदी की खदान का भी पता चल गया था। फिर क्या था, गोरों की भीड़ यहां उमड़ पड़ी। रेड इंडियंस के लिए चमकीली धातुओं का कोई विशेष उपयोग नहीं था, पर हमारे लिए उसकी कीमत बहुत थी। पहले वे समझ नहीं पाए थे कि अचानक इतने बाहर के लोग क्यों उनके देश में घुसे चले आ रहे हैं। पर जब उन्हें समझ में आया तब तक बहुत देर हो चुकी थी।'

उसने एक लंबी सांस भरी और कहा, 'उनको मालूम नहीं था कि लालच संवाद नहीं करता है, अपनी पूर्ति के लिए सिर्फ संहार करता है। गोरों का लालच इनको लील गया। एकतरफा संवाद की परिणति आज आप इस काठ के पुतले में देख रहे हैं। इंडियंस नहीं रहे हैं, अब बस उनकी प्रतिमाएं बना कर हम संतुष्ट हो रहे हैं।'

उसकी बात सुन कर मैं कुछ सोच में पड़ गया। कुछ मिनट पहले जिसे मैं मात्र एक वस्तु विशेष के रूप में देख रहा था, वह फौरन एक रूह, शरीर और जुबान में तब्दील हो गया था। मैं उसकी आपबीती को उसकी गरम सांसों के जरिए महसूस करने लगा था। पुतला जी उठा था। कुछ देर पहले जो मैंने एकतरफा संवाद किया था, अपने तरीके से उसकी आखों से झलकती करुणा को समझ कर मूर्तिकार की कलात्मकता से अपने को संबद्ध किया था, वह सब यकायक बेमानी हो गया था।

मन ही मन अपनी बात कह कर मैं आश्वस्त था कि मैंने मूर्ति और अपने बीच एक रिश्ता कयाम कर लिया था, जबकि वास्तविक स्थिति यह थी कि सत्यता की बुनियाद के बिना कोई रिश्ता संभव ही नहीं था। अगर वह दुकानदार नहीं टोकता, तो मैं अपनी खामखयाली में मस्त रहता। मूक से संवाद कर अपने अनुभव को पूरी मुखरता से किसी और मूक से बयान करता और यह चक्र चलता रहता।

आधुनिक युग में शायद एक तरफ से कही गई बात को संवाद माना जाने लगा है। कहीं न कहीं दूसरे से हमारी अपेक्षा यह रहती है कि वह जुबान न खोले। सिर्फ सुने, बोले नहीं। बोलना सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक पाप माना जाने लगा है। हम अपने को विवेकशील और तर्कशील मनुष्य मानते हैं, पर अपने सामने वाले से मशीनी रोबोट होने की उम्मीद रखते हैं। हमें विश्वास हो चला है कि हम बिना कहे भी सब सुन चुके हैं और हमारा अनुभव बाकी सबके अनुभव से ज्यादा व्यापक, उचित और प्रासंगिक है।

वास्तव में बिना रेड इंडियन की कहानी सुने और बिना उनके अनुभव को जाने मैंने उस मूर्ति के संदर्भ के बारे में अपना मन बना लिया था। अपने पूर्वानुमानों के बूते पर एक समाज की प्रासंगिकता तय कर दी थी। उस पर अपने को थोप दिया था। न मैंने उस संस्कृति का मर्म समझा था और न ही उनके जीवन की विसंगतियों का आकलन किया था। बस एक सतही नजर डाल कर अपने हिसाब से निष्कर्ष निकाल लिया था। उसकी बेजुबानी मुझको सूट करती थी। मैं अपनी संवेदनशीलता से प्रसन्न था।

वैसे मूक से मुखर तक का सफर, जिसमें एकतरफा नहीं बल्कि दोतरफा संभाषण हो, हमारी कामना की वास्तविकता होनी चाहिए। रेड इंडियन लगभग विलुप्त हो गए हैं। यूरोप से आए हुए लोगों ने बंदूक और तोप के गोलों से उनका मुंह हमेशा के लिए बंद कर दिया था, जिसकी वजह से उन्होंने अपनी संस्कृति के साथ-साथ अस्तित्व भी गंवा दिया था। उनको उनकी मुखरता बचा सकती थी, पर बोल के बोलबाले की आवश्यकता से वे अनभिज्ञ थे। वे खत्म हो गए। उनकी कहानी सुनाने वाला भी अब कोई नहीं बचा है। चुप्पी उनकी मौत बन गई थी।

एक विश्व एक परिवार

स्वामी अग्निवेश

आज विश्व हिंसा की चपेट में है। धर्म, संप्रदाय, नस्ल और जाति के झगड़े में दिन-प्रतिदन मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। विश्व के अधिकांश देशों में राजनीति को धार्मिक कट्टरता और कॉरपोरेट की काली छाया ने ढंक लिया है। धार्मिक कट्टरपंथियों का मकसद लोगों को अंधविश्वास और पाखंड के मकड़जाल में फंसा कर अपना उल्लू सीधा करना है, तो विकास के नाम पर कॉरपोरेट का मकसद ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाना है।

आज समूचे विश्व में सत्ता और कॉर्पोरेट की मिलीभगत से प्राकृतिक संसाधनों की लूट मची है। जंगलों में रहने वाले आदिवासी समूहों को बेदखल किया जा रहा है। अफ्रीकी देशों और दक्षिण एशिया के अधिकांश देशों के साथ ही विकसित अमेरिकी और यूरोपीय देशों के मूल निवासियों के साथ बर्बरता का व्यवहार किया जा रहा है। उन्हें विकास की सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। प्रकृति के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। इस समय विश्व पर्यावरण भारी संकट में है, तो सदियों से प्रकृति के सहारे अपना जीवन यापन कर रहा आदिवासी समाज दर दर की ठोकरें खा रहा है।

एक और बात पूरे विश्व में आम है। यह है अपने पड़ोसियों के साथ वैर भाव। देशों में पड़ोसी मुल्कों के साथ परस्पर सहयोग और शांति की भावना न होकर शत्रुतापूर्ण व्यवहार देखने को मिल रहा है। इसके कारण आज विश्व के अधिकांश देशों में छद्म राष्ट्रवाद का जोर है, जो शासकों को बुनियादी मुद्दों को छोड़ कर हथियारों की खरीद की तरफ ले जा रहा है। जबकि यह सच्चाई है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद 'नेशन स्टेट' यानी 'राष्ट्र-राज्य' का कोई मतलब नहीं रह गया है। सब बाजार की शक्तियां तय कर रही हैं। आज बहुराष्ट्रीय कंपनियां इतनी शक्तिशाली हो गई हैं कि वे यह तय करती हैं कि अमुक देश का राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कौन होगा। इसके बाद भी उस देश को गुमान रहता है कि हम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री चुन रहे हैं।

ऐसी सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक परिस्थिति में विश्व भर में निराशा के गहरे बादल मंडरा रहे हैं। आम जनता बेबस है, तो युवा निराश हैं। बेरोजगारी से जूझ रहे युवा हिंसक और अतिवादी संगठनों के लिए आसान चारा बन गए हैं। ये संगठन उन्हें उकसा या उनका भावनात्मक दोहन कर उनके जरिए अपना मकसद साध रहे हैं। इसके अलावा विश्व भर में स्थापित सत्ता प्रतिष्ठानों के खिलाफ आक्रोश बढ़ रहा है। उसमें भी युवाओं की सहभागिता सबसे ज्यादा है। इस परिस्थिति से दुनिया भर के लोग बाहर निकलना चाह रहे हैं, लेकिन किसी साफ और स्पष्ट नीति के अभाव में पूरा विश्व समुदाय खुद को असहाय पा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र प्रति वर्ष इक्कीस सितंबर को विश्व शांति दिवस मनाता है। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने जलवायु संकट से जूझ रहे विश्व के लिए दुनिया के राष्ट्राध्यक्षों को चुनौती स्वीकार करने का आह्वान किया। लेकिन यह सिर्फ आह्वान से संभव नहीं है। जब तक संयुक्त राष्ट्र एक सौ तिरानबे देशों का, राष्ट्र-राज्यों का क्लब बना रहेगा, तब तक इन समस्याओं का कोई समुचित समाधान नहीं हो सकेगा और न ही युद्ध की विभीषिका से और युद्ध सामग्री पर होने वाले प्रति वर्ष दो हजार अरब डॉलर के अत्यंत नुकसानदायक खर्चे से निजात मिलेगी। इसके लिए सारे राष्ट्र-राज्यों को मिल कर पृथ्वी पर मानवता के एक आदर्श सपने को साकार करने की जरूरत है। क्योंकि इस तरह विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति के अतर्कित दोहन और शक्तिशाली बनने की होड़ में हथियारों का जखीरा जमा करते जाने से पूरी मानवता ही खतरे में है।

मैंने कोलकाता के सेंट जेवियर कॉलेज में प्रोफेसर की प्रतिष्ठित नौकरी छोड़ कर संन्यास लिया। स्वामी दयानंद सरस्वती के आदर्शों और विचारों ने मुझे एक जीवन-दृष्टि दी। जिसके कारण संन्यासी जीवन स्वीकार करने के बाद मैं किसी मठ और मंदिर में रह कर विलासिता का जीवन जीने के बजाय गरीबों की सेवा में अपना जीवन लगा दिया। आजीवन धार्मिक कट्टरता, पाखंड, अंधविश्वास, सामाजिक ऊंच-नीच और गैर-बराबरी के लिए संघर्ष करता रहा। अपने लंबे सामाजिक-अध्यात्मिक जीवन में मैंने देश-विदेश भर में भ्रमण किया। यात्रा के दौरान विभिन्न धर्मों, संप्रदायों और नस्लों के लोगों के जीवन और अनुभव से सीखने के बाद यह कह सकता हूं कि लंबे समय से संसार में सांप्रदायिकता और नस्लवाद साम्राज्यवादी शक्तियों के हाथ का सबसे मजबूत हथियार रहा है। साम्राज्यवादी ताकतों ने सांप्रदायिकता को बढ़ावा दिया। भारत की आजादी की लड़ाई में गांधीजी ने सर्व धर्म समभाव की वकालत की थी।

आज संपूर्ण धरती पर धर्म, संप्रदाय, जातिवाद को लेकर बढ़ती राजनीति और अमीर-गरीब के बीच चौड़ी होती खाईं को देखा और महसूस किया जा सकता है। राजनीतिक और धार्मिक लोगों के पास इस समस्या का कोई समाधान नहीं है। ऐसे में वेद के आदर्श वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से घृणा और हिंसा की अमानवीय राजनीति को समाप्त किया जा सकता है। अंधविश्वास और पाखंड की इस परिस्थिति में वैदिक आदर्शों को लेकर एक नया समाज बनाने के लिए और शिक्षा में जागतिक मूल्यों को प्रतिष्ठित करने के लिए एक आध्यात्मिक क्रांति का प्रयास किया जा सकता है। वसुधैव कुटुंबकम् का सनातन वाक्य एक न्यायसंगत और शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के निर्माण और सार्वभौमिक मानव एकता का आध्यात्मिक आंदोलन बन सकता है।

संदर्भ

> सही सोच-विचार रखने वालों का स्पष्ट मत है कि पृथ्वी पर तब तक शांति और न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित नहीं हो सकती जब तक कि लोगों के बीच धर्म आधारित असमानता और लोगों के बीच आपसी अविश्वास को दूर नहीं किया जाता है।

एक ईश्वर, एक ब्रह्मांड और एक विश्व परिवार- वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना और न्याय के साथ शांति हर मनुष्य की जिम्मेदारी है। यजुर्वेद के चालीसवें अध्याय और ईशोपनिषद में कहा गया है कि 'ईशा वास्यमिदं सर्वं यत्किंच जगत्यां जगत्/ तेन त्यक्तेन भुंजीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।' जिसका अर्थ है कि 'ईश्वर प्रदत्त इन संसाधनों का अपनी आवश्यकतानुसार और त्यागपूर्वक उपभोग करो, न कि अपने लालच और उपभोक्तावाद के वशीभूत होकर।'

सही सोच-विचार रखने वालों का स्पष्ट मत है कि पृथ्वी पर तब तक शांति और न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित नहीं हो सकती जब तक कि लोगों के बीच धर्म आधारित असमानता और लोगों के बीच आपसी अविश्वास को दूर नहीं किया जाता है। आध्यात्मिक आंदोलन के रूप में वसुधैव कुटुम्बकम्, इस तरह के परिवर्तन का उद्घोष करता है। यह अवधारणा भले ही वेदों से ली गई है, लेकिन यह हर तरह उप-पहचानों और बाधाओं के बिना एक दुनिया की कल्पना करता है; जिसमें सभी धर्म, संप्रदाय, जाति और क्षेत्र के लोग एक परिवार की तरह रह सकें।

हर इंसान इस विचार-दृष्टि को आसानी से ग्रहण कर सकता है, क्योंकि यह सभी धर्मों के आध्यात्मिक मूल में मौजूद है। यह वह प्रकाश है जो सांप्रदायिकता, धार्मिक कट्टरवाद और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए धर्म के दुरुपयोग से बाहर है। सभी धर्म अलग-अलग तरीकों से एक सृष्टिकर्ता ईश्वर में विश्वास करते हैं। लेकिन वे जोर देकर कहते हैं कि उनका भगवान ही एकमात्र सच्चा भगवान है। ऐसा करने के लिए वे परमेश्वर के विचार को विकृत करते हैं। विडंबना यह है कि ऐसा भगवान मनुष्यों के बीच भेदभाव, घृणा, अन्याय और हिंसा का स्रोत बनता है। इस तरह की धार्मिक कट्टरता ईश्वर के विचार का मजाक उड़ाती है।

इस प्रकार एक ईश्वर का विचार मानवीय एकता की बुनियाद है। वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार हमें धार्मिक कट्टरता से दूर तटस्थ दृष्टि और आध्यात्मिक विचार प्रदान करता है, जिसमें स्वामी दयानंद सरस्वती की सांप्रदायिक सद्भाव की विरासत, कार्ल मार्क्स का चिंतन, महात्मा गांधी का सत्याग्रह और आंबेडकर का संघर्ष समाहित है। इस विचार को लोगों में रोप कर ही विश्व शांति की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

लोकतंत्र बनाम भीड़तंत्र

कभी वे दिन थे जब मेरे जैसे लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को गंभीरता से नहीं लिया करते थे। उनकी शाखाओं में मैं भी जाती थी दिल्ली के झंडेवाला इलाके के एक मैदान में, तो सिर्फ समझने के लिए कि इस संस्था में कौन-सी चीज है, जो अच्छे-खासे समझदार लोग इसमें शामिल हो जाते हैं बचपन में और फिर इससे जुड़े रहते हैं उमर भर। इस खोज में मेरी अच्छी दोस्ती एक सरसंघचालक से भी हुई थी, जिनको रज्जू भैया कहते थे। शाखा देखने के बाद मैं उनके साथ उनके कमरे के बाहर एक बरामदे में बैठ कर चाय पर चर्चा करती थी। देशभक्ति की बातें हुआ करती थीं, लेकिन राजनीति की बहुत कम।

जबसे संघ के एक प्रचारक भारत के प्रधानमंत्री बन गए हैं, मैंने देखा है कि इस तथाकथित सांस्कृतिक संस्था ने अपना भेस बदल कर राजनीतिक बना लिया है। यह भी देखने को मिला है कि देश के महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर बात करने लगे हैं संघ के सरसंघचालक। पिछले साल उन्होंने दिल्ली के विज्ञान भवन में एक विशाल पत्रकार सम्मेलन बुलाया था, जिसमें शामिल होने गए थे दिल्ली के जाने-माने पत्रकार और टीवी एंकर। याद है मुझे कि उस सम्मेलन में मोहन भागवत ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि गुरु गोलवलकर ने जो कभी सुझाव दिया था कि भारत की मुसलिम समस्या को खत्म करने के लिए हमको वही करना चाहिए जो हिटलर ने यहूदियों के साथ किया था, उसको अब आरएसएस नहीं मानता है। दौर के साथ सोच भी बदल गई है। लेकिन पिछले हफ्ते भागवत का दशहरा वाला भाषण सुन कर मेरे दिल में वही पुराने सवाल उठने लगे।

इन सवालों में सबसे अहम सवाल यही है कि क्या अरएसएस के हिंदू राष्ट्र में मुसलमानों के लिए बराबर का दर्जा मिलेगा या क्या उनको आदत डालनी होगी दूसरे दर्जे के नागरिक होने की? यह सवाल तब उठा जब भागवत ने स्पष्ट किया कि किसी भी भारतीय भाषा में लिंचिंग शब्द है ही नहीं, सो जो लोग भारत को लिंचिंग्स के लिए बदनाम कर रहे हैं उनका मकसद ही गलत है। इशारा किया सरसंघचालक ने कि ये इल्जाम लग रहे हैं पश्चिमी देशों की एक सोची-समझी साजिश के तहत।

ऐसा बिल्कुल नहीं है भागवतजी। कोई साजिश नहीं है। बदनाम भारतीय जरूर हुआ है, इन भीड़ हिंसाओं के कारण और वह इसलिए कि किसी सभ्य देश में जब किसी निहत्थे आदमी को सरेआम पीट-पीट कर मारा जाता है और उसके गर्व से विडियो बनाते हैं लोग, तो एक देश अपने आप को सभ्य कहने का अधिकार खो देता है।

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

> नुकसान हुआ है अगर तो भारत की लोकतांत्रिक छवि को, क्योंकि लोकतंत्र का आधार है कानून-व्यवस्था। जिन देशों में लोग आदत डाल लेते हैं कानून को अपने हाथों में लेने की, उन देशों में लोकतंत्र धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है।

मैंने कुछ ऐसी बातें ट्वीट करके कही भागवत के भाषण के बाद, तो मेरे पीछे पड़ गए मोदी के सोशल मीडिया समर्थक। गालियां खूब सुनाई और बार-बार पूछा मुझसे कि मेरा दिल सिर्फ मुसलमानों के लिए क्यों दुखता है। आंकड़े पेश किए गए, साबित करने के लिए कि इस साल मुसलमानों से कितने ज्यादा हिंदू मारे गए हैं भीड़ों द्वारा।

ऐसा हुआ भी होगा, लेकिन क्या ऐसा कोई हादसा हुआ है, जिसमें किसी हिंदू युवक को खंभे से घंटों बांध कर उससे अल्लाह-ओ-अकबर कहलाया गया हो? और वह भी डंडों और लाठियों से पीट-पीट कर? ऐसा झारखंड में हुआ था, तबरेज अंसारी के साथ। उससे जय श्रीराम कहलाया गया और उसने बार-बार कहा, लेकिन भीड़ का अत्याचार बंद नहीं हुआ। जोर-जोर से पड़ती रहीं उस गरीब पर लाठियां और सरिए। फिर पुलिसकर्मी को बुला कर उसे गिरफ्तार करवाया गया। चार दिन बाद अंदरूनी जख्मों के कारण हिरासत में उसकी मौत हो गई।

लिंचिंग इसको कहते हैं। कुछ दिनों पहले जब दो दलित बच्चों को मार डाला गया था, इसलिए कि वे खुले में शौच कर रहे थे, उसको लिंचिंग नहीं कह सकते। वह निर्मम हत्या थी। दंगों को लिंचिंग नहीं कह सकते हैं और न ही उसको लिंचिंग कह सकते हैं, जब किसी संघ कार्यकर्ता के घर पर मुसलमान हमला करके जान से मार डालते हैं पूरे परिवार को। वह भी हत्या होती है सिर्फ।

लिंचिंग उसी हिंसा का नाम है, जो की जाती है सरेआम लोगों में भय पैदा करने के लिए। ऐसा करते आए हैं गोरक्षक गायों की तस्करी रोकने के बहाने। लेकिन संदेश यह गया है मुसलमानों को कि पशुपालन करना अब मुश्किल है। और वृद्ध गायों को मारना भी। नतीजा यह कि पुष्कर के पशु मेले में बिक्री सत्तानबे फीसद कम रही। नतीजा यह भी देखने को मिल रहा है कि वृद्ध गायों को इतनी बड़ी तादाद में खुला छोड़ा जा रहा है कि फसलें खाने लगी हैं।

ऐसा होना शुरू है जब से सितंबर, 2015 में दादरी के बिसाहड़ा गांव में मोहम्मद अखलाक और उसके बेटे को उनके घर के अंदर से घसीट कर मारा गया था इस शक पर कि उन्होंने अपने घर की फ्रिज में बीफ रखी हुई थी। अखलाक वहीं मर गया, उसका बेटा दानिश जिंदा है, अस्पताल में इलाज करवाने के बाद।

इसके बाद शुरू हुआ वह लिंचिंग का दौर, जो अब तक चला आ रहा है। आम आदमियों को जब इजाजत मिल जाती है कानून को अपने हाथ में लेने की, तो इस तरह की हिंसा बढ़ती रहती है। सो, कई हादसे हुए हैं, जिनमें भीड़ ने बच्चा चोरी के शक पर लोगों को मार डाला है।

नुकसान हुआ है अगर तो भारत की लोकतांत्रिक छवि को, क्योंकि लोकतंत्र का आधार है कानून-व्यवस्था। जिन देशों में लोग आदत डाल लेते हैं कानून को अपने हाथों में लेने की, उन देशों में लोकतंत्र धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। इसलिए भागवतजी, बहुत जरूरी है कि आप लिंचिंग का असली मतलब समझ जाएं ताकि आप अपने कार्यकर्ताओं को लगा दें इस शर्मनाक, कायर हिंसा को रोकने में।

वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति

आए दिन हजारों लोग चैनलों में रोते-बिलखते दिखते रहे। वे रोज पीएमसी बैंक के आगे खड़े होकर नारे लगाते रहे। सरकार के हजूर में गुहार लगाते रहे कि हमारा पैसा और हमें क्यों नहीं मिल रहा?

इसे देख हुजूर का दिल पिघला और कह दिया कि छह महीने में एक हजार रुपए बैंक से निकाल सकते हैं। लोग बोले कि हुजूर! एक हजार में आप ही छह महीने अपने परिवार का पेट पाल कर दिखा दें, तो हुजूर ने तरस खाकर छह महीने में पच्चीस हजार रुपए निकालने को कह दिया!

लेकिन लोगों का रोना-धोना कम न हुआ। एक भक्त चैनल ने इस बैंक घोटाले पर पहली बार बहस कराई, जिसमें भक्त-प्रवक्ता ने दुखी प्राणियों से कुछ इस भाव से कहा मानो अहसान कर रहे हो कि 'पच्चीस हजार रुपए तक' कर तो दिया! इस पर एक भुक्तभोगी रोषपूर्ण स्वर में बोली कि हम क्या भीख मांग रहे हैं आपसे? हमारा पैसा है। हमें वो चाहिए! गनीतम रही कि उन्होंने उसे देशद्रोही न कहा!

शुरू में सिर्फ एक चैनल ने पीड़ितों की खबर दी। उसी में कई दलों के बड़े नेताओं के नाम भी आए, जिनकी कृपा से यह बैंक डूबा। लेकिन उसके बाद किसी चैनल पर किसी का नाम न आया। सिर्फ तीन घोटालेबाजों के चेहरे और नाम दिखते रहे। अपने यहां अक्सर ऐसा होता है कि पहले सत्य पर दूसरे, तीसरे सत्य का लेप चढ़ाया जाता रहता है और इस तरह पहला सत्य 'आउट' कर दिया जाता है।

जब लोग 'प्रोटेस्ट' करने लगे और महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों के बीच मार्मिक खबर बनाते रहे, तो कुछ आंसू पोंछने का प्रयास हुआ।

वित्तमंत्री जी आईं। पीड़ितों से बात की। फिर मीडिया से मुखातिब हुईं, जिसमें उन्होंने बैंकों की दोहरी-तिहरी व्यवस्था के बारे में पत्रकारों का ज्ञानवर्धन अधिक किया और 'नियमों में परिवर्तन किया जाएगा ताकि ऐसा फिर न हो' का आश्वासन दिया!

इस बीच नाराज लोगों को कैमरे दिखाते रहे : एक बोला कि मैंने किडनी बदलवाई है, मुझे पांच हजार की दवाई रोज चाहिए। बताइए, मैं कैसे जिंदा रहूं? दूसरा अचानक बेहोश-सा होने लगा, तो उसको लोग पानी पिलाते दिखे। एक रोते-रोते कहता रहा कि सर कुछ तो करिए। ऐसे कैसे जिएंगे।

बहरहाल, हम तो सोचते रहे कि दशहरे के दिन रावण-दहन ही बड़ी खबर बनेगा और एंकर जन 'बुराई पर अच्छाई की जीत' का जाप करेंगे, लेकिन असली बड़ी खबर रफाल ने बनाई और उससे भी बड़ी खबर राजनाथ सिंह द्वारा रफाल की जन्मभूमि पर 'शस्त्र पूजा' करने ने बनाई।

कांग्रेस को यह पूजा फूटी आंख न सुहाई। यही नहीं, कांग्रेस ने सेक्युलर सवाल दागे और भाजपा के हाथों जम कर ठुंकी!

विधानसभा के चुनाव नजदीक हैं। एक रिपोर्टर हरियाणा के

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

> एक दिन संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 'लिंचिग' शब्द के 'भारतीय' न होने पर आपत्ति जता कर चैनलों में विवाद पैदा कर दिया। जवाब में एक ने कहा कि 'लिंचिंग' अंग्रेजी का हो या किसी का, 'हिंसा' तो 'हिंसा' है।

एक शहर में स्वयं को बेरोजगार बताने वाले एक युवक से पूछती दिखी कि किसे वोट देंगे, तो वह कहने लगा कि ठीक है कि रोजगार चाहिए, लेकिन सुरक्षा भी तो चाहिए और वह प्रधानमंत्री ने दी है!

अब भी पूछते हो कि वोट किसे?

फिर वह एक अन्य शहर के एक किसान जैसे व्यक्ति से यही सवाल पूछती दिखी, तो भी ऐसा ही जवाब आया कि ठीक है कि परेशानी है, लेकिन वोट भाजपा को ही देंगे!

फिर भी पूछते हो कि वोट किसे?

एक अंग्रेजी चैनल आर्थिक ठंडी पर एक लंबी विद्वतचर्चा करा और बता चुका है कि कोई रास्ता नहीं दिखता! लेकिन वोट की पूछो तो इस सबका कोई असर नहीं दिखता!

क्या यह प्रकारांतर से किसी पक्ष का प्रचार नहीं?

राष्ट्रवाद के नए नेरेटिव पर जनता का मूड भांपने के लिए आयोजित एक अंग्रेजी चैनल-चर्चा के दौरान पहले एक चर्चक ने कहा कि बेरोजगारी है, मंदी है, सब कुछ है लेकिन 'राष्ट्रवाद' का विचार जनता के बीच बैठा हुआ है, वही वोट को तय करता है। जवाब में एक कांग्रेसी टाइप व्यक्ति कहता रहा कि ऐसा नहीं हो सकता।... तब लेखक चेतन भगत ने अपनी एक सूत्रीय शैली में इस शंका का समाधान किया कि अपने लोग सोचते हैं कि वे आधी रोटी खा लेंगे, लेकिन इमरान को ठिकाने लगाएंगे!

ऐसे ही एक शाम एक चैनल 'सिद्धांतिकिया' सवाल पूछने लगा कि क्या संघ गांधी को 'एप्रोप्रिएट' कर सकता है? आम भाषा में कहें तो क्या संघ गांधी को 'पचा' सकता है?

एक अन्य चैनल पर देर तक कुछ चर्चक गांधी के आदर्शों की चर्चा करते हुए बताते रहे कि संघ उनके ऐन विपरीत सोचता है और गोडसे ने गांधी की हत्या की थी, जो हिंदुत्ववादी विचारों से प्रभावित था। एक संघ भक्त ने उवाचा कि गोडसे एक 'स्ट्रे' व्यक्ति था, तो एक ने जवाब दिया कि सच यही है कि वह संघ के विचारों से प्रभावित था। गोडसे के भाई ने तो यहां तक बताया है कि वह संघ का सदस्य था है और रहेगा, लेकिन एक ने कहा कि संघ की सदस्यता का कोई रिकार्ड नहीं होता। यानी कि 'सदस्य' सदस्य हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता!

इस बार दशहरे के दिन रावण से अधिक लाइव कवरेज रफाल ने लिया। रफाल को देखते ही एंकरों की भुजाएं फड़कती दिखीं और देशप्रेम में पगे वे एक से एक वीर रस से युक्त काव्य पक्तियां गढ़ने लगते हैं, ताकि जनता भी इनको देख कर वीरासन में बैठ जाए, जैसे कि 'ये उड़ता है दुश्मन कांपते हैं', 'आया रफाल दुश्मनों का काल', 'हमें आंख दिखाओगे बहुत पछताओगे', 'जिसका नाम सुनते ही दुश्मन थर्राते हैं', 'गेम चेंजिंग ड्रीम मशीन, 'इमरान वाच आउट राफेल इज हियर', अंग्रेजी चैनल जब तब वीर रस में मदमाते रहे और मौका लगते ही हिंदी में वीर रस बरसाते रहे हैं!

एक दिन संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 'लिंचिग' शब्द के 'भारतीय' न होने पर आपत्ति जता कर चैनलों में विवाद पैदा कर दिया। जवाब में एक ने कहा कि 'लिंचिंग' अंग्रेजी का हो या किसी का, 'हिंसा' तो 'हिंसा' है।

यानी 'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति'!

नए लिफाफे में पुरानी घोषणाएं

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी का कहना है कि सरकारें पांच साल के लिए बनती हैं, पांच महीने के लिए नहीं। आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरे कार्यकाल में कुछ नहीं किया और अब चुनाव नजदीक देख जनता को गुमराह करने वाले वादों का पिटारा लेकर आ गई है। उन्होंने कहा कि जो सरकार पहले अपनी सारी नाकामियों का ठीकरा केंद्र पर फोड़ कर काम न करने देने का आरोप लगाती थी, अब उन्हें काम कौन करने दे रहा है? उन्होंने दावा किया कि जनता हमें पांच साल के लिए चुने, हम तीन साल में दिल्ली की सूरत बदल देंगे। बातचीत कार्यक्रम का संचालन किया कार्यकारी संपादक मुकेश भारद्वाज ने।

बारादरी की बैठक में मनोज तिवारी

सभी फोटो : अरुष चोपड़ा

मनोज मिश्र : दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। अगर जनता ने भाजपा को जीत दिलाई तो क्या दिल्ली की कमान किसी पूर्वांचल के चेहरे को मिल सकती है?

मनोज तिवारी : एक तो अच्छी बात यह हुई है कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह जी और प्रधानमंत्री मोदी जी और दिल्ली के हमारे वरिष्ठ नेताओं ने माना कि हमें पूर्वांचल को एक मौका देना चाहिए। इसलिए मुझे मौका मिला। मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई, उसे मैंने पूरा करने का भी प्रयास किया। सब कहते थे कि हम नगर निगम हार जाएंगे, पर हमने ऐतिहासिक जीत हासिल की। लोकसभा के चुनाव में हमने पिछली बार की तुलना में काफी अंतर से विजय हासिल की। अब निश्चित रूप से पूर्वांचल के लोगों को जो सम्मान भाजपा ने दिया है, उसका प्रतिफल तो उसे मिलेगा। दिल्ली इस नेतृत्व को बहुत प्यार देती है। इसलिए हमने दिल्ली को सजाने की एक योजना बनाई है। उसमें 'यमुनोसा' भी है, जिसे हमने सिंगापुर के सिंटोसा से लिया है। हमें पूरा विश्वास है कि दो-ढाई साल में दिल्ली को ऐसा रूप दे दें, जो विश्वस्तरीय हो। इलेक्ट्रॉनिक बसें चलेंगी, लोगों को सुरक्षित रखने के लिए एनआरसी लागू होना बहुत जरूरी है।

पंकज रोहिला : इस समय प्रदूषण एक बड़ा मुद्दा है। अभी दिल्ली की सरकार ने दावा किया है कि वह प्रदूषण के स्तर में काफी कमी लाने में कामयाब हुई है। इसके साथ ही उन्होंने सतर्क भी कर दिया है कि पराली का धुआं आने वाला है। इसे आप किस तरह देखते हैं?

● प्रदूषण कोई नया मुद्दा नहीं है। यह हर साल अक्तूबर-नवंबर में आता है। पराली की बात भी हर साल आती है। फिर वे किसकी आंख में धूल झोंकने का प्रयास कर रहे हैं? सवाल

है कि प्रदूषण से तो दिल्ली जूझ रही है, पर अरविंद केजरीवाल सरकार ने क्या किया? प्रदूषण को कम करने के लिए यातायात की सघनता को कम करना चाहिए। इसके लिए हम मेट्रो के चौथे चरण को जल्दी से जल्दी पूरा करना चाहते हैं, मगर अरविंद केजरीवाल ने जानबूझ कर इसे रोका। इसके चलते मेट्रो का बीस हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। जितने पैसे में पहले छह योजनाएं पूरी होनी थीं, अब उतने में तीन हो पा रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार को आखिरकार इनको किनारे करते हुए इसे खुद पूरा करने का निर्णय किया। बवाना की मेट्रो को जानबूझ कर इन्होंने रोका। दिल्ली में ग्रीन टैक्स के जो अठारह सौ रुपए इकट्ठा हुए, उसमें से एक पैसा दिल्ली में खर्च नहीं हुआ। इसके अलावा, जब पेरीफेरी रोड बनाने की बात आई, तो केंद्र ने तो अपने हिस्से का पैसा भुगतान कर दिया पर दिल्ली सरकार ने उसका चार सौ चौरासी करोड़ रुपए अब तक नहीं दिया। इसी तरह बवाना-नरेला यूवीआर सड़क के निर्माण में इन्होंने अड़ंगा डाला। सीलमपुर रोड बनाने के लिए हमें आमरण अनशन पर बैठना पड़ा। सो, सवाल है कि किस तरह अरविंद केजरीवाल प्रदूषण कम करना चाहते हैं! आप पराली को दोष दे रहे हैं। हरियाणा सरकार ने पराली खरीदनी शुरू कर दी है, उससे बिजली बनती है। अगर दिल्ली सरकार भी अपने विज्ञापन का दस फीसद पैसा भी पराली खरीदने में लगाती, तो यह समस्या नहीं पैदा होती।

अजय पांडेय : केजरीवाल सरकार ने पिछले दिनों जो कुछ फैसले किए, कुछ हद तक मुफ्त बिजली, महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा आदि, वे आपके लिए कितने चुनौतीपूर्ण हैं?

● ये फैसले हमारे लिए बहुत फायदेमंद हैं। अरविंद केजरीवाल की नकारात्मक सोच को जनता में बताने के लिए, उन्होंने जो लालचपूर्ण काम किए हैं, उनके बारे में बताने के लिए कि इन्हें काम करने का मौका था, पर इन्होंने किया नहीं। साढ़े चार साल इन्होंने कुछ नहीं किया। जो कर सकते थे, वह भी नहीं किया, क्योंकि सिर्फ मोदी जी को दोष देना है, तो अब पांच महीने में क्या कर पाएंगे? यही केजरीवाल हैं, जो साढ़े चार साल तक यह कहते रहे कि मोदी जी कुछ करने नहीं दे रहे। फिर अब कैसे कर रहे हैं, अब भी तो मोदी जी की सरकार है? इसका मतलब है कि इनकी काम करने की नीयत नहीं थी। जब हम यह बात लोगों को समझाते हैं, तो लोग ताली बजाते हैं कि हां, बात तो सही है। सरकार पांच साल की होती है, पांच महीने की नहीं। इसलिए उन्होंने जो इधर अपना बहुरूपियापन दिखाते हुए कुछ फैसले किए हैं, वह हमें बताने में मदद करेगा कि केजरीवाल जनता के हितैषी नहीं हैं, सिर्फ भ्रम, साजिश और काम रोक कर राजनीति चमकाने के पक्षधर हैं।

मुकेश भारद्वाज : अभी अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि लोग पांच सौ रुपए का टिकट खरीद कर दिल्ली आते हैं और पांच लाख रुपए का मुफ्त इलाज करवा कर चले जाते हैं। तो क्या इसे दिल्ली सरकार के खजाने पर बोझ की तरह देखा जा रहा है?

● बोझ तो तब देखा जाता है न, जब आपका पैसा कम पड़ जाए! पिछले चार सालों में नौ सौ से तेरह सौ करोड़ रुपए हर साल बिना खर्च किए वापस हुआ है दिल्ली सरकार का। फिर आप यह कैसे कह सकते हैं कि हम पर बोझ पड़ रहा है! यह जो नफरत की भाषा उन्होंने बोली, उसका लोगों पर बुरा असर पड़ा है। एक मुख्यमंत्री के स्तर से जब ऐसी बातें कही जाती हैं, तो उससे गलत संदेश जाता है। यहां देश के सारे बड़े अस्पताल हैं, तो लोग तो आएंगे ही। अस्पताल वालों को इससे कोई परेशानी नहीं है, वे तो पैसा लेकर ही इलाज करते हैं। मगर उस मुख्यमंत्री ने एतराज जताया, जिसने आयुष्मान योजना अब तक लागू नहीं की है।

निर्भय पांडेय : दिल्ली सरकार ने खेल विश्वविद्यालय खोलने की बात कही है। कहीं यह भी चुनावी मसला भर तो नहीं है?

● यह तो विचित्र बात है! साहिब सिंह वर्मा के समय में इस विश्वविद्यालय का शिलान्यास हुआ था। इसकी सारी प्रक्रिया उसी समय पूरी हो गई थी। मगर इतने समय तक कांग्रेस दबाए रही, ये लोग भी दबाए रहे। मगर चुनाव आया, तो इन्हें होश आया। या तो इनकी पूरी मशीनरी फेल है कि कहां, क्या योजना बनी हुई है या तो इन्हें पता था, ये करना चाहते थे और अब सिर्फ चुनावी मुद्दा बनाने के लिए इसे उठा लिया है। मुझे आश्चर्य है कि जितने स्कूल और कॉलेज बने हुए हैं सब भाजपा के समय के हैं, जितनी कॉलोनियां अधिकृत करने की बात है, वे सब मदनलाल खुराना के समय की हैं, मगर उन सबका श्रेय कांग्रेस और केजरीवाल सरकार ले रही हैं। एक भी ऐसा काम नहीं है, जिसे केजरीवाल सरकार ने शुरू किया और पूरा किया हो। सिग्नेचर ब्रिज पर क्या-क्या लफड़े हुए, सबको पता है। दुख है कि दिल्ली में आज भी लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं, यहां बसों की संख्या मात्र अट्ठाईस सौ रह गई है। आठ हजार तो केजरीवाल जी के समय में थी। दिल्ली के अस्पतालों की हालत दयनीय है। कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां केजरीवाल सरकार की उपलब्धियां गिनाई जा सकें।

अजय पांडेय : केजरीवाल ने तो यहां तक कहा कि अगर एनआरसी लागू होगा, तो मनोज तिवारी को भी दिल्ली छोड़ कर जाना पड़ सकता है।

● अब इसे मैं उनकी नासमझी कहूं या फिर परप्रांतीयों से उनकी नफरत कहूं! क्या एनआरसी का मतलब अपने देश के लोगों को हटाना है! इसके तहत बाहरी देशों से आए अवैध घुसपैठियों को हटाना है। हम तो अब जान चुके हैं कि केजरीवालजी के मन में नफरत है। यह नफरत देश की प्रगति के प्रति भी है।

गजेंद्र सिंह : क्या आप केजरीवाल सरकार द्वारा जनता को मुफ्त सुविधाएं देने की योजनाओं का विरोध करते हैं? अगर करते हैं, तो क्यों?

● हमने विरोध नहीं किया। हम उसका समर्थन कर रहे हैं। मगर हम तो कहते हैं कि पांच महीना क्यों, पांच साल क्यों नहीं? इनका नारा तो पांच साल का था न, फिर पांच महीना क्यों? अगर यह सरकार देने में सक्षम है, तो उसे देना ही चाहिए। 2015 में उनका नारा था-बिजली हाफ, पानी माफ। फिर 2019 में पानी का बिल माफ करने की नौबत क्यों आई? यह तो स्पष्ट है सबके सामने कि कहा, पर किया नहीं। इसलिए यह इनका धोखा है। अब बताइए कि किराएदारों को कैसे बिजली मुफ्त मिलेगी? इसलिए हम उनकी इस नीयत का विरोध कर रहे हैं कि उन्होंने चुनाव को ध्यान में रख कर सुविधाएं मुफ्त देने की घोषणा क्यों की।

सूर्यनाथ सिंह : इस बात से तो कोई इनकार नहीं करेगा कि दिल्ली में पिछले पांच सालों में बिजली की दरें नहीं बढ़ीं। इसी तरह स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार आया है। मगर दिल्ली से सटे हरियाणा और उत्तर प्रदेश में स्थिति इसके उलट है। भाजपा शासित राज्यों की सरकारों ने केजरीवाल सरकार से प्रेरणा क्यों नहीं ली?

● आपकी जानकारी बिल्कुल गलत है। दिल्ली में बिजली का फिक्स रेट बढ़ाया गया है और पांच गुना बढ़ाया गया है। जिन लोगों का बिल पहले एक हजार रुपए आता था, उनका बिल छब्बीस सौ, अट्ठाईस सौ रुपए आया है। फिक्स रेट से साढ़े नौ हजार करोड़ रुपए अतिरिक्त वसूले गए। इस संदर्भ में आरटीआइ से मिली सूचना में जानकारी मिली है कि बिजली के नाम पर पूरी दिल्ली से तेईस हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त वसूली हुई है। हम पूछना चाहते हैं कि वह पैसा कहां गया? दिल्ली में किसान और व्यवसायियों के बिजली की दरें अलग हैं। अब जिसका मकान है, उसकी दुकान भी तो है! यह धोखा क्यों? हमारे जितने भाजपा शासित प्रदेश हैं वहां बिजली की दरें सबके लिए समान हैं।

आयेंद्र उपाध्याय : अगर दिल्ली में आपकी सरकार आती है, तो क्या इन मुफ्त की सेवाओं को लागू रखेंगे या बंद कर देंगे?

● हमें जो भी करना है, पांच साल के लिए करना है, पांच महीने के लिए नहीं। हम इनकी सारी राहत योजनाओं का हिसाब निकाल रहे हैं। जितनी राहत ये दे रहे हैं, उससे पांच गुना अधिक राहत भाजपा देने वाली है। यह हमारा दावा है।

पंकज रोहिला : पिछले बीस सालों से भाजपा सत्ता से बाहर है। यहां लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मत फीसद में भारी अंतर है। उस अंतर को कैसे पाटेंगे?

● अभी भाजपा को जो बढ़त मिली है, इसलिए मिली है कि अरविंद केजरीवाल की सारी बातें थोथी हैं। नहीं तो 2019 के चुनाव में वे कम से कम अपनी विधानसभा में तो बढ़त ले लिए होते! वहां भी उनकी पार्टी ग्यारह हजार वोटों से पीछे रही। मेरा मानना है कि हम पचपन से पैंसठ फीसद तक बढ़त लिए हुए हैं। इसमें हम झुग्गी बस्तियों, अनधिकृत कॉलोनियों आदि में रहने वाले लोगों की भावनाओं का भी अध्ययन कर रहे हैं। उनके लिए योजना बना रहे हैं। हम उन लोगों के दिलों में भी जगह बना चुके हैं, जो हमारे साथ नहीं थे। हम मान रहे हैं कि पचास के आसपास सीटें मिलेंगी।

अजय पांडेय : क्या आने वाले दिनों में अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की दिशा में कोई फैसला आएगा?

● सौ प्रतिशत। जिस ढंग से हमने पूरी तैयारी कर रखी है और एलजी के नेतृत्व में एक समिति भी गठित है, उनकी सहमति भी मिल चुकी है। इसमें छह महीने से ज्यादा समय नहीं लगने वाला है, जब अनधिकृत कॉलोनियों को उनका मालिकाना हक मिलेगा। फिर बाकी सुविधाएं देने में थोड़ा वक्त जरूर लग सकता है।

मृणाल वल्लरी : दिल्ली में नगर नियोजन खस्ता हाल है। कोई हादसा होता है, तो उससे निपटना पहले ही चुनौतीपूर्ण है, फिर भी अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करना सभी राजनीतिक दलों के एजंडे में रहता है। पहले उन्हें नियमित किया जाता है, फिर उसमें सुविधाएं देने का प्रयास किया जाता है। इस पर पहले ही विचार क्यों नहीं कर लिया जाता?

● हम तो इस पर लगातार दबाव बनाने का प्रयास करते रहे हैं, पर हम पिछले बीस सालों से सत्ता में हैं ही नहीं और जो समस्याएं आप बता रही हैं, वे इन्हीं बीस सालों में पैदा हुई हैं। हमारी सरकारें जो भी कॉलोनियों की योजनाएं तैयार करती हैं, उसे व्यवस्थित तरीके से करती है। कोटपुतली में झुग्गी बस्तियों के लिए एक व्यवस्थित कॉलोनी बना कर दे रहे हैं।

साढ़े चार साल इन्होंने कुछ नहीं किया। जो कर सकते थे, वह भी नहीं किया, क्योंकि सिर्फ मोदी जी को दोष देना है, तो अब पांच महीने में क्या कर पाएंगे? यही केजरीवाल हैं, जो साढ़े चार साल तक यह कहते रहे कि मोदी जी कुछ करने नहीं दे रहे। फिर अब कैसे कर रहे हैं, अब भी तो मोदी जी की सरकार है? इसका मतलब है कि इनकी काम करने की नीयत नहीं थी।

सूर्यनाथ सिंह : भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने में कहां अड़चन आ रही है?

● इसमें कुछ प्रगति हुई है। सरकार ने विदेशों में भी व्यवहृत होने वाली तीन भाषाओं को आठवीं अनुसूची में शामिल करने का फैसला कर लिया है-भोजपुरी, राजस्थानी और भोटी। यह हो जाता पिछले साल ही, पर ब्रज ने भी दावा ठोक दिया। इसलिए कुछ विवाद हो गया है। मुझे लगता है कि अगले सत्र में इसका कुछ न कुछ फैसला हो जाएगा।

अजय पांडेय : दिल्ली विधानसभा के अगले चुनाव में आपका मुकाबला कांग्रेस से है या आम आदमी पार्टी से?

● जो अखबार बोल रहे हैं, उसमें तो आम आदमी पार्टी बहुत पीछे चली गई है। मैं मानता हूं कि कांग्रेस और आप मिल कर पैंतीस फीसद में सिमट गई हैं। अब वे आपस में फैसला कर लें कि कौन बीस पर रहेगा और कौन पंद्रह पर। हमारा तो पैंसठ प्रतिशत है।

मृणाल वल्लरी : अभी तो विधानसभा में आपके तीन लोग हैं, फिर पचास तक कैसे पहुंचेंगे?

● इस समय हमारी पार्टी बहुत मुस्तैदी से काम कर रही है। अगर हममें एकजुटता नहीं होती, तो शायद हम इतनी बड़ी-बड़ी विजय हासिल नहीं कर पाते। जावडेकर जी हमारे प्रभारी हैं, उनके साथ मिल कर हमारे सभी वरिष्ठ नेता काम कर रहे हैं, इसलिए यह कामयाबी हमसे दूर नहीं है।

प्रस्तुति: सूर्यनाथ सिंह / मृणाल वल्लरी

जनसत्ता बारादरी

मनोज तिवारी

उत्तरी पूर्वी दिल्ली से दूसरी बार सांसद और भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष। भोजपुरी गायक और अभिनेता के रूप में जाना-पहचाना नाम हैं। जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कबीर चौरा में एक फरवरी, 1971 को हुआ। काशी हिंदू विश्वविद्यालय से शारीरिक शिक्षा में परास्नातक करने वाले मनोज तिवारी ने कांग्रेस की दिवंगत नेता और दिल्ली की तीन बार की मुख्यमंत्री रहीं शीला दीक्षित को हराकर 2019 के लोकसभा चुनाव में अपना परचम लहराया। मौजूदा दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार को लेकर हमलावर हैं और विभिन्न मंचों पर भाजपा के दमदार चेहरे के रूप में सक्रिय हैं।

किताबें मिलीं

ढलते सूरज की रोशनी

मॉरिशस के बहुचर्चित हिंदी कथाकार रामदेव धुरंधर विश्वभर में उसी तरह प्रशंसित हैं, जैसे अभिमन्यु अनत। सच कहा जाए तो अपनी प्रयोगधर्मिता और चेतनापरक रचनाशीलता के लिए उनके जैसा कथाकार अपनी एक विशेष पहचान रखता है।

'ढलते सूरज की रोशनी' उनकी ऐसी ही रचना है, जिसे एक नया उपन्यास प्रयोग कहा जा सकता है। इस उपन्यास में मुख्य चरित्र ही रचनाकार से बगावत कर उठता है। उसकी इस बगावत के साथ ही रचना का पलड़ा भी फिर उसी की ओर झुक जाता है। इस मर्जी को आकार देने में उसके भीतर के पुरुष की मस्ती अहम रोल अदा करती है। वास्तव में यह चरित्र है एक आईना, जिसमें हम मॉरिशस के समकालीन समाज का बिंब देख सकते हैं।

रामदेव धुरंधर की विशेषता यह है कि इस चरित्र विशेष के सहारे वह उस बड़े जाल का पर्दाफाश करते हैं, जो अपने निजी स्वार्थों के लिए पूरे एक देश को खोखला कर डालने से भी नहीं हिचकता। इस उपन्यास के कथारस के प्रवाह में संभ्रांत नजर आने वाले लोगों की असल छवि तो प्रस्तुत होती ही है, पाठकीय विवेक भी खूब जागृत होता है।

इस उपन्यास में कथा के अनेक मोड़ हैं, जिनमें एक संभ्रांत चरित्र अपनी ही हरकतों से अपनी ही नजर में गिर जाता है। उसकी हताशा ऐसे में उसे कर्णिका जैसे चरित्र से भी छोटा कर देती है। कर्णिका जो अपनी मर्जी से अपना जिस्म बेचकर अपना दुख भुलाने पर विवश है। राजनीतिक हथकंडे ही नहीं, अवैध व्यापार की मूल्यहीनता कथा का एक ऐसा संजाल बुनती है कि पाठक कथा के आकर्षण में आ फंसे। यहां जीवन की थीसिस भी है, एंटीथीसिस भी और सिंथेसिस भी। इस रचना-समय में यह उपन्यास एक उपलब्धि ही है, क्योंकि यहां कथा में भारत भी है और मॉरिशस भी।

ढलते सूरज की रोशनी : रामदेव धुरंधर; सामयिक बुक्स, 3320-21, जटवाड़ा, दरियागंज, एनएस मार्ग, नई दिल्ली; 695 रुपए।

स्वर्ग में पांच दिन

असगर वजाहत जाने-माने लेखक होने के साथ-साथ यायावर भी हैं, जो अपने को सामाजिक पर्यटक या सोशल टूरिस्ट कहते हैं। उनकी यायावरी के अनेक रंग हैं। वे यात्रा में केवल स्थानों को नहीं देखते, बल्कि वहां के लोगों को जानने और समझने की कोशिश करते हैं। वे विवरण इतने सजीव तरीके से देते हैं मानो पाठक उनके साथ स्वयं यायावरी कर रहा है। 'स्वर्ग में पांच दिन' यूरोप के सुंदरतम देश, हंगरी की यात्राओं की पुस्तक है। इस पुस्तक में लेखक हंगरी की सुंदर प्रकृति, जनजीवन और वहां के लोगों से इतने प्रभावित हुए कि वे इसे जन्नत या स्वर्ग की उपमा देते हैं। उन्होंने हंगरी की कई बार यात्राएं कीं और कुल मिलाकर वहां पांच वर्ष व्यतीत किए। हंगरी में बिताए प्रत्येक वर्ष को वे एक दिन के बराबर मानते हैं और इसलिए इस पुस्तक का शीर्षक 'स्वर्ग में पांच दिन' है, जो अपने ढंग की अनूठी पुस्तक है। इसमें इस जन्नत के कोरे चित्र ही नहीं बल्कि हंगरी का जीवन उन्होंने पन्नों पर उतारा है।

स्वर्ग में पांच दिन : असगर वजाहत; राजपाल एंड सन्ज, 1590 मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली; 395 रुपए।

नई जमीन नया आकाश

इस संग्रह में तेजेंद्र शर्मा की लंदन में बसने के बाद लिखी गई कहानियां संकलित हैं। संकलन में शामिल 'अभिशप्त' लंदन प्रवास के बाद लिखी गई उनकी पहली कहानी है। यह भारत से अच्छे जीवन की उम्मीद में लंदन जाकर बस गए रजनीकांत की कहानी है, जो वहां भी सुख नहीं पाता। बीए करने के बाद भारत में कथित छोटे काम वह नहीं करता, लेकिन वहां बोझा ढोने का काम करने में उसे कोई हिचक नहीं होती। अपने से बड़ी लड़की से विवाह करता है और धीरे-धीरे उसके द्वारा उपेक्षित होने लगता है। जल्द ही यह उपेक्षा और उदासी उसका जीवन बन जाती है। धन के आगे कैसे मानवीय संबंधों से लेकर खुद मनुष्य तक का अस्तित्व बौना होता जा रहा है, इस सामाजिक विसंगति को 'कब्र का मुनाफा' कहानी में बड़े अनूठे ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इस कहानी का जो तथ्यपरक ढंग से व्यंग्यात्मक अंत लेखक ने किया है, वह इसे हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों में शुमार कर देता है। 'कोख का किराया', 'ये क्या हो गया', 'पासपोर्ट का रंग' उल्लेखनीय कहानियां हैं।

'कोख का किराया' सरोगेसी के मुद्दे पर व्यापक परिप्रेक्ष्य में बात करती है। 'पासपोर्ट का रंग' कहानी में मुख्य पात्र बाऊजी की पीड़ा यह है कि उन्हें लंदन में बसे बेटे के साथ रहने की मजबूरी में भारत की नागरिकता छोड़ उस ब्रिटेन की नागरिकता लेनी पड़ रही है, जिसके खिलाफ आजादी की लड़ाई में वे गोलियां खा चुके हैं। इस कहानी में उन बुजुर्ग भारतीयों के देशप्रेम और प्रवास की विवशता के बीच के द्वंद्व को तो चित्रित किया ही है, प्रवासी भारतीयों के प्रति भारत सरकार की ढुलमुल कार्यप्रणाली को सामने लाने में भी प्रभावी ढंग से सफल रहा है।

नई जमीन नया आकाश : तेजेंद्र शर्मा; यश पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 1/10753, सुभाष पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली; 450 रुपए।

नई दिल्ली

सरकारी खुलासों से आरटीआइ की जरूरत में कमी आई

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर (भाषा)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मोदी सरकार का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा सूचनाओं को सक्रियता से सार्वजनिक पटल पर रखना है ताकि आरटीआइ आवेदन दायर करने की जरूरत को कम किया जा सके। शाह ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) के 14 वें वार्षिक सम्मेलन में कहा कि आरटीआइ आवेदनों की अधिक संख्या में किसी सरकार की सफलता नहीं छिपी होती।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए शाह ने कहा, 'आरटीआइ आवेदन दायर करने के सहज तरीके उपलब्ध होने के बावजूद उनकी संख्या कम होने का अर्थ है कि सरकार का काम संतोषजनक है। आरटीआइ आवेदन का ज्यादा होना सरकार की सफलता को नहीं दर्शाता।' उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसा तंत्र लाना चाहते हैं जहां लोगों को सूचना पाने के लिए आरटीआइ आवेदन दाखिल करने की जरूरत न महसूस हो।' गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाई गई डैशबोर्ड प्रणाली ने सुनिश्चित किया कि हर किसी को बिना आरटीआइ आवेदन दायर किए देश में जारी योजनाओं की ऑनलाइन जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा, 'डैशबोर्ड के प्रयोग के जरिए, हमने एक नए पारदर्शी युग की शुरुआत की। एक व्यक्ति डैशबोर्ड पर जाकर देख सकता है कि कितने शौचालय बनाए गए। डैशबोर्ड का प्रयोग कर लोग जान सकते हैं कि सौभाग्य योजना के तहत बिजली कनेक्शन कब मिलेगा। एक निरक्षर महिला डैशबोर्ड पर क्लिक कर जान सकती है कि उसे गैस सिलेंडर कब मिलेगा।'

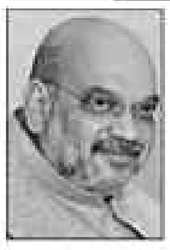

डैशबोर्ड प्रणाली ने सुनिश्चित किया कि हर किसी को बिना आरटीआइ आवेदन दायर किए देश में जारी योजनाओं की ऑनलाइन जानकारी मिल सके। – अमित शाह

आरटीआइ होना चाहिए इस बात पर जोर देते हुए शाह ने कहा कि सरकार पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कानून से दो कदम आगे बढ़ गई है। उन्होंने कहा, 'सरकार ने प्रशासन का काम इतना पारदर्शी बना दिया है कि आरटीआइ आवेदन दायर करने की बहुत कम जरूरत है। यह प्रणाली इस तरह से काम करेगी कि हमें आरटीआइ आवेदनों को दाखिल करने की जरूरत न हो।'

गृहमंत्री ने कहा, 'मेरा सीआइसी से एक अनुरोध है कि आप न सिर्फ आरटीआइ आवेदनों का निपटान करें बल्कि लोगों को उन कदमों से भी अवगत कराएं जो सुनिश्चित करते हैं कि हमें आरटीआइ आवेदन दायर करने की जरूरत नहीं है।' शाह ने कहा कि कानून बनाने की पीछे की मंशा को पूरा करने में देश पिछले 14 साल से सफल रहा है। सूचना का अधिकार (आरटीआइ) कानून बनाने के बीच मूल विचार व्यवस्था में लोगों का विश्वास बढ़ाना था।

उन्होंने कहा, 'व्यवस्था संविधान के चार कोणों पर चलती है। कानून का मुख्य उद्देश्य लोगों में विश्वास पैदा करना है कि व्यवस्था संविधान के अनुसार चल रही है।

गृह मंत्री ने कहा, 'जब हम आरटीआइ के परिणामों का आकलन करते हैं तो हम देखते हैं कि पारदर्शिता बढ़ी है, भ्रष्टाचार खत्म हुआ है और इस कानून की वजह से सुशासन की गति भी बढ़ी है। हम डिजिटल रूप से सशक्त समाज की तरफ बढ़ रहे हैं।'

उपहार मामल्लापुरम में शनिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को उनके चित्र वाला हाथ का बुना रेशम का शॉल भेंट करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

सोमवार को बहाल होंगी पोस्टपेड मोबाइल सेवाएं

पेज 1 का बाकी

प्रवक्ता एवं वरिष्ठ आइएएस अधिकारी रोहित कंसल ने कहा कि सेवाएं 14 अक्तूबर दोपहर 12 बजे से बहाल कर दी जाएंगी। उपभोक्ताओं को हालांकि इंटरनेट सेवाओं के बहाल होने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।

केंद्र सरकार के पर्यटकों के लिए घाटी खोलने का परामर्श जारी करने के कुछ दिन बाद यह कदम उठाया गया है। पर्यटन संघ निकाय ने प्रशासन से संपर्क कर कहा था कि बिना मोबाइल सेवाओं के कोई पर्यटक घाटी नहीं आना चाहेगा।

महापौर बनना चाहते हैं प्रधानमंत्री का ख्वाब देखने वाले

पेज 1 का बाकी

सरकार ने केवल कोरी घोषणाएं की हैं। आज के समय में आम आदमी पार्टी अपनी एक भी ऐसी योजना का दावा नहीं कर सकती, जिसका शिलान्यास उसने किया और उस परियोजना को बीते सालों में जनता को समर्पित किया हो। केवल केंद्र सरकार के कामों का श्रेय लेकर एक माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। इसी तरह दिल्ली के लिए मुफ्त बिजली-पानी जैसी घोषणाएं कर एक माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। इन घोषणाओं को दिल्ली सरकार ने अपने पिछले चुनावी घोषणा पत्र में भी शामिल किया था। अब जब फिर से चुनाव सामने आ गए हैं तो इन्हें नए लिफाफे में डालकर परोसने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुफ्त बिजली-पानी और महिलाओं के लिए मुफ्त सफर जैसी घोषणाओं का खेल आम जनता समझ चुकी है। इस बार विधानसभा चुनाव में जनता गुमराह नहीं होगी। सभी घोषणाओं का जवाब आम आदमी पार्टी को इस चुनाव में मिल जाएगा।

सम-विषम में सीएनजी वाहनों को छूट नहीं

पेज 1 का बाकी

दिल्ली सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। सरकार को कम से कम 35 लाख लोगों के लिए प्रतिदिन सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोस्तों को साथ कार पूलिंग करें, ताकि इस मुहिम को सफल बनाया सके। इस व्यवस्था के दौरान सम तारीख के दिन सम नंबर की गाड़ी ओर विषम तारीख पर विषम नंबर की गाड़ी चलाने की अनुमति होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम-विषम व्यवस्था में महिलाओं को राहत रहेगी। दिल्ली सरकार के मुताबिक ऐसे वाहन जिसमें अकेली महिला या कई महिलाएं हो, जिस वाहन में महिला के अतिरिक्त 12 वर्ष तक का बच्चा हो, उसे मार्ग पर चलने की छूट दी जाएगी। सरकार ने महिला सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह राहत देने का फैसला किया है। सरकार ने यह भी फैसला किया है कि सीएनजी के निजी वाहनों को इस बार सम-विषम में छूट नहीं होगी। केवल सार्वजनिक वाहन में चल रही गाड़ियों को ही राहत रहेगी।

श्रीनगर में ग्रेनेड हमला, सात लोग घायल

पेज 1 का बाकी

सरकार उनके दौरे को सुगम बनाने की व्यवस्था करेगी। पर्यटन स्थलों पर उन लोगों की मदद के लिए इंटरनेट सुविधाएं शुरू कर दी गई हैं जो इसका प्रयोग करना चाहते हैं।

सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि पाबंदियां यह सुनिश्चित करने के लिए लगाई गई थीं कि आतंकवादी घटना के चलते किसी की जान न जाए। कंसल ने कहा कि यह भली भांति ज्ञात है कि आतंक को बढ़ावा देने के लिए सीमा पार से लगातार कोशिशें की जा रही हैं। पूर्व में भी और पिछले दो महीनों से और ज्यादा।

उन्होंने कहा कि लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन लोगों को आतंकित करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी को रोकने के मकसद से ये पाबंदियां लगाई गईं थी। कश्मीर में हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई के बारे में पूछे जाने पर कंसल ने कहा कि प्रत्येक मामले की समीक्षा की जा रही है।

वक्फ संपत्तियों की खरीद-फरोख्त में अनियमितता की सीबीआइ जांच की सिफारिश

लखनऊ, 12 अक्तूबर (भाषा)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड और सुन्नी वक्फ बोर्ड द्वारा गलत तरीके से वक्फ संपत्तियों की खरीद-फरोख्त और अंतरण संबंधी मामलों की शनिवार को सीबीआइ जांच की सिफारिश कर दी।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक प्रदेश सरकार द्वारा कोतवाली इलाहाबाद एवं कोतवाली हजरतगंज पर पंजीकृत अभियोग तथा उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड एवं उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा अनियमित रूप से क्रय विक्रय तथा स्थानांतरित की गई वक्फ संपत्तियों की जांच/विवेचना सीबीआइ से कराए जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह निर्णय इस सिलसिले में दर्ज कराए गए मुकदमे में किए गए अनुरोध के आधार पर लिया गया है। प्रदेश के गृह विभाग ने इस संबध में सीबीआइ के साथ-साथ कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय को भी पत्र लिखा है।

मामल्लापुरम तट से प्रधानमंत्री ने हटाया कूड़ा-कचरा

मामल्लापुरम, 12 अक्तूबर (भाषा)।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक शिखर वार्ता के लिए यहां मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुबह की सैर के दौरान एक बीच पर से प्लास्टिक का कूड़ा, पानी की बोतलें और दूसरे किस्म का कचरा उठाते देखा गया।

मोदी ने ट्विटर पर तीन मिनट का एक वीडियो जारी किया जिसमें वे कूड़ा एकत्र करते हुए नजर आए। उन्होंने लोगों से अपील की कि सार्वजनिक स्थानों को साफ एवं सुंदर रखा जाए।

उन्होंने ट्वीट किया, 'मामल्लापुरम में आज सुबह एक बीच पर 'प्लॉगिंग' करते हुए। यह करीब 30 मिनट तक चला। साथ ही मैंने 'एकत्र' किया हुआ कूड़ा जयराज को थमाया जो होटल के स्टाफ हैं।' प्रधानमंत्री ने लिखा, 'हम सब सुनिश्चित करें कि हमारे सार्वजनिक स्थान साफ एवं सुंदर रहें। चलिए, सुनिश्चित करते हैं कि हम स्वस्थ एवं सेहतमंद रहें।' 'प्लॉगिंग' का मतलब जॉगिंग करते या दौड़ते वक्त प्लास्टिक की उपयोग की हुई बोतल जैसा कूड़ा-कचरा उठाना होता है।

एक अन्य ट्वीट में मोदी ने कहा, 'मामल्लापुरम में खूबसूरत तट के किनारे तरोताजा करने वाली सैर और कसरत।' इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मोदी ने देश को एकल प्रयोग प्लास्टिक से मुक्त बनाने के अभियान की घोषणा की थी।

प्रधानमंत्री ने जिनपिंग को उनके चित्र वाला रेशम का शॉल भेंट किया

चेन्नई, 12 अक्तूबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को हाथ से बनी रेशम की एक बड़ी शॉल भेंट की। दोनों नेताओं की दो दिवसीय अनौपचारिक शिखर वार्ता के समापन वाले दिन यह दी गई।

शॉल में सुनहरे रंग के जरी के काम से शी की तस्वीर बनाई गई है और इस शॉल की पृष्ठभूमि चटक लाल रंग की है। मोदी ने मामल्लापुरम में शी को यह शॉल भेंट की। प्रधानमंत्री ने बाद में हाथ से बने रेशम का एक चित्र भी शी को भेंट किया, जिसे कोयंबटूर स्थित बुनकरों ने बनाया था। इससे पहले मोदी शी को एक हथकरघा प्रदर्शनी में ले गए, जहां तमिलनाडु के हस्तशिल्पयों ने अपनी कला को प्रदर्शित किया।

प्रधानमंत्री ने शी को तमिलनाडु की हस्तकलाओं के बारे में जानकारी भी दी। शी ने चीनी मिट्टी के बर्तन से बना एक स्मृति चिह्न भेंट किया, जिसमें मोदी का चित्र बना था।

चीनी पर्यटकों के लिए ई-वीजा की सुविधा में पांच साल का विस्तार

पेज 1 का बाकी

अनुसार भारत ने चीनी सैलानियों के लिए एकाधिक प्रवेश सुविधाओं के साथ पांच साल के टूरिस्ट ई-वीजा की घोषणा की।

अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब चीनी राष्ट्रपति भारत यात्रा पर आए हैं। इसके अनुसार, 'यह अपेक्षित है कि चीनी नागरिकों के लिए इस एकपक्षीय ई-टूरिस्ट वीजा को उदार बनाने से दोनों देशों के बीच लोगों का लोगों से संपर्क बढ़ेगा और इससे पर्यटन स्थल के तौर पर चीनी सैलानी भारत का चयन करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।' भारत पहले से ही चीनी पर्यटकों को ई-वीजा की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। फिर भी, चीनी पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय इजाफा नहीं हुआ है। पिछले साल सिर्फ ढाई लाख चीनी सैलानी भारत आए थे जबकि भारत से साढ़े सात लाख पर्यटक चीन गए थे।

अब फिर चीनी नागरिकों के लिऐ ई-वीजा सुविधा में ढील दी गई है। अधिकारियों ने यहां बताया कि भारत ने शुक्रवार को पांच वर्षीय ई-सुविधा में चीनी नागरिकों को शामिल करने की घोषणा की, जो कई देशों के पर्यटकों को दी जाती है। विज्ञप्ति के अनुसार पांच वर्षीय एकाधिक प्रवेश के लिये वीजा शुल्क 80 अमेरिकी डॉलर होगा। इसके अलावा यह भी फैसला किया गया है कि संभावित सैलानी पहले से कम दर यानी 25 अमेरिकी डॉलर के वीजा शुल्क पर 30 दिन के एकल प्रवेश की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। अप्रैल से जून के समय यह वीजा शुल्क सिर्फ 10 अमेरिकी डॉलर होगा।

सनी देओल और करिश्मा को मिली राहत

पेज 1 का बाकी

अप्रैल, 2010 को आरोपों को खारिज कर दिया था। लेकिन रेलवे अदालत ने 17 सितंबर को अभिनेता अभिनेत्री के खिलाफ आरोपों को देखते हुए उन्हें फिर से आरोपी बनाया है।

उन्होंने कहा, 'हमने रेलवे अदालत के फैसले को सत्र अदालत में चुनौती दी है क्योंकि उन्हें तो पहले ही आरोपों से बरी किया जा चुका है।' इस मामले में सनी देओल और करिश्मा कपूर के अलावा स्टंटमैन टीनू वर्मा और सतीश शाह भी आरोपी हैं लेकिन उन्होंने तब इन आरोपों को सत्र अदालत में चुनौती नहीं दी थी। नरेना के तत्कालीन सहायक स्टेशन मास्टर सीताराम मालाकर ने इस बारे में रेलवे पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई थी।

प्रसाद ने हिंदी फिल्मों की कमाई के आंकड़ों से आर्थिक सुस्ती को नकारा

मुंबई, 12 अक्तूबर (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री रविशंकर ने शनिवार को बॉलीवुड फिल्मों की सफलता का उदाहरण देते हुए अर्थव्यवस्था में सुस्ती की बात को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि दो अक्तूबर को तीन फिल्मों ने 120 करोड़ रुपये की कमाई की। यह अर्थव्यवस्था में मजबूती का संकेत देती है।

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और विधि मंत्री ने बेरोजगारी पर राष्-ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) की रिपोर्ट को भी गलत बताया। इसमें कहा गया था कि साल 2017 में बेरोजगारी की दर पिछले 45 साल में सबसे ज्यादा रही। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने भी कुछ दिन पहले कहा कि भारत और ब्राजील में आर्थिक सुस्ती इस साल कुछ ज्यादा साफ दिखती है। प्रसाद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग योजनाबद्ध तरीके से सरकार के खिलाफ लोगों को बेरोजगारी की स्थिति के बारे में गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा, दो अक्तूबर को अवकाश के दिन तीन हिंदी फिल्मों ने 120 करोड़ रुपए की कमाई है। यदि अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होती तो केवल तीन फिल्में एक दिन में 120 करोड़ रुपए का कारोबार कैसे करतीं? केंद्रीय मंत्री भाजपा के चुनाव प्रचार के लिए मुंबई पहुंचे थे।

एनएसएसओ की रिपोर्ट पर उन्होंने कहा, मैं आपको 10 मापदंड बता सकता हूं जहां अर्थव्यस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है लेकिन एनएसएसओ की रिपोर्ट में इनमें से किसी को नहीं दिखाया गया है। इसलिए मैं इस रिपोर्ट को गलत कहता हूं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री के विश्वासपात्र ने खुदकुशी की

पेज 1 का बाकी

पेड़ से रमेश को लटकते हुए पाए गए। उन्होंने बताया कि रमेश रामनगर में मेल्लईहल्ली के रहने वाले थे।

रमेश ने एक टाइपिस्ट के रूप में कांग्रेस के साथ अपना कार्यकाल शुरू किया था और वह परमेश्वर के करीबी बन गए थे। विभाग के अधिकारियों ने दो दिन पहले परमेश्वर के आवास, कार्यालय और सिद्धार्थ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में छापे मारे थे और रमेश से भी पूछताछ की थी। परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने रमेश को साहसी बनने और स्थिति का निडरतापूर्वक सामना करने के लिए कहा था।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'पता नहीं उसने क्यों आत्महत्या कर ली। आज सुबह भी मैंने उससे बात की और उनसे निडर बने रहने को कहा था।' इस बीच आयकर विभाग के अधिकारियों ने परमेश्वर को मंगलवार को उनके समक्ष पेश होने के लिए कहा है। परमेश्वर ने बताया कि उन्होंने (आइटी अधिकारियों) उन्हें मंगलवार को बुलाया है।

उन्होंने यहां कहा, 'इसलिए मैं मंगलवार को वहां जाऊंगा।' कांग्रेस नेता ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने उनसे कहा है कि कुछ छात्रों की शिकायतों के बाद छापे की कार्रवाई की गई थी।

उन्होंने छापों को कोई राजनीतिक रंग देने से इनकार करते हुए कहा कि वह आयकर अधिकारियों के निष्कर्षों का जवाब तैयार कर रहे है। आयकर विभाग ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि उसने कर्नाटक में नौ अक्तूबर को एक प्रमुख व्यवसाय समूह के परिसरों पर छापे मारे थे और यह समूह कई शैक्षणिक संस्थानों का संचालन करता है।

भूषण पावर एंड स्टील की चार हजार करोड़ की संपत्ति कुर्क

पेज 1 का बाकी

कहा गया है कि कंपनी के तत्कालीन सीएमडी संजय सिंघल और उनके परिवार के सदस्यों ने भूषण पावर एंड स्टील में पूंजी के रूप में 695.14 करोड़ रुपए दिखाए। यह राशि बीपीएसएल के बैंक ऋण का दुरुपयोग कर कृत्रिम तौर पर सृजित दीर्घकालिक पूंजी प्राप्ति में से पेश की गई। जब यह राशि दिखाई गई, तब दीर्घकालिक पूंजीगत प्राप्ति को आयकर से छूट प्राप्त थी।

ईडी ने कंपनी, सिंघल और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में सीबीआइ की ओर से दर्ज प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद धनशोधन का मामला दर्ज किया है। एजंसी ने कहा कि बीपीएसएल ने पूंजीगत वस्तुओं की फर्जी खरीद दिखाकर विभिन्न इकाइयों को आरटीजीएस के माध्यम से भुगतान किया। ईडी ने कहा कि आरटीजीसी भुगतान के बदले में इन इकाइयों ने बीपीएसएल को नकदी हस्तांतरित की।

मतभेदों को सुलझाने का भारत-चीन का संकल्प

पेज 1 का बाकी

गोखले ने शनिवार को बताया कि वार्ता के दौरान कश्मीर का मुद्दा नहीं उठा और चीनी नेता ने मोदी को इस सप्ताह के शुरू में पाकिस्तानी राष्ट्रपति इमरान खान की बेजिंग यात्रा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने मित्रतापूर्ण माहौल में विचारों का आदान-प्रदान किया और दीर्घकालीन एवं सामरिक तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने मतभेदों को विवेकपूर्ण ढंग से सुलझाने और उन्हें विवाद का रूप नहीं लेने देने का निर्णय किया है। हमने तय किया है कि हम एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशील रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'चेन्नई संपर्क' के जरिए भारत और चीन के संबंधों में सहयोग का आज से एक नया युग शुरू होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन पिछले 2,000 साल में ज्यादातर समय वैश्विक आर्थिक शक्तियां रहे हैं और धीरे-धीरे उस चरण की तरफ लौट रहे हैं। मोदी ने पिछले साल चीनी शहर वुहान में शी के साथ अपनी पहली अनौपचारिक शिखर वार्ता के परिणामों का जिक्र करते हुए कहा कि वुहान की भावना ने हमारे संबंधों को नई गति एवं विश्वास प्रदान किया। 'चेन्नई संपर्क' के जरिए अब सहयोग का नया युग शुरू होगा। राष्ट्रपति शी ने मोदी को तीसरे अनौपचारिक शिखर वार्ता के लिए चीन आने का न्योता दिया और मोदी ने उसे स्वीकार कर लिया। चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन पर कदम उठाने सहित महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

विदेश सचिव गोखले ने यह भी बताया कि इस अनौपचारिक शिखर सम्मेलन में शी ने आश्वासन दिया कि क्षेत्रीय समग्र आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) को लेकर भारत की चिंताओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बातचीत वुहान शिखर सम्मेलन के बाद की प्रगति पर केंद्रित रही। राष्ट्रपति शी ने दोनों देशों के बीच और अधिक संपर्क पर जोर दिया और खास तौर पर रक्षा क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने का जिक्र किया। विदेश सचिव ने बताया कि शी और मोदी दोनों ने ही कहा कि दोनों देशों को भविष्य की ओर देखने की जरूरत है। साथ ही दोनों नेताओं ने इस बात पर भी सहमति जताई कि दोनों देशों को आतंकवाद की चुनौती से निपटने के लिए साथ काम करना चाहिए। गोखले ने यह भी बताया कि दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि व्यापार और निवेश संबंधी मुद्दों के लिए एक नया तंत्र स्थापित किया जाएगा जो कारोबार, निवेश एवं सेवा क्षेत्र से जुड़ा होगा। चीन की तरफ से वहां के उप प्रधानमंत्री और भारत की तरफ से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसका नेतृत्व करेंगी। उन्होंने कहा कि इसकी रूपरेखा राजनयिक चैनलों के जरिए तय हो जाएगी। चीनी राष्ट्रपति ने आइटी और फार्मा क्षेत्र में भारत की ओर से चीन में निवेश का स्वागत किया। दोनों देशों ने इस प्रस्तावित तंत्र के जरिए विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। गोखले ने बताया कि चीन के राष्ट्रपति ने रक्षा सहयोग बढ़ाने की जरूरत के बारे में बात की और आश्वासन दिया कि क्षेत्रीय समग्र आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) को लेकर भारत की चिंताओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। दोनों देशों ने आतंकवादी समूहों को प्रशिक्षण, वित्तपोषण एवं समर्थन के खिलाफ ढांचे को मजबूत बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच बिना भेदभाव के संयुक्त प्रयास को मजबूत बनाने के महत्त्व को रेखांकित किया।

वार्ता के परिणाम के संबंध में 16 अहम बिंदुओं पर जारी बयान में कहा गया है कि उनका मानना है कि भारत और चीन नियम आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली के तहत शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं समृद्ध विश्व के लिए काम करने का साझा उद्देश्य रखते हैं जहां सभी देश विकास के पथ पर आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नियम आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली के महत्त्व पर जोर दिया।

बेहतर संबंधों के लिए शी ने दिया छह सूत्रीय फार्मूला

पेज 1 का बाकी

को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। चीन की सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार चीनी राष्ट्रपति ने विवादों को संबंधों पर प्रभाव डालने की अनुमति दिए बगैर संबंधों के निरंतर विकास के लिए छह सूत्री फार्मूले का प्रस्ताव दिया। शिन्हुआ ने शी के हवाले से कहा, 'प्रथम, हमें एक दूसरे के विकास का सही अवलोकन करना चाहिए और रणनीतिक परस्पर विश्वास बढ़ाना चाहिए।' शी ने कहा, 'भले ही कोई भी दृष्टिकोण हो, लेकिन चीन और भारत को अच्छा पड़ोसी एवं साझेदार होना चाहिए, जो सद्भाव के साथ रहें और हाथ में हाथ डालकर आगे बढ़ें।' उन्होंने कहा, ' ड्रैगन (चीन का प्रतीक) और हाथी (भारत का प्रतीक) का उल्लास मनाना ही चीन और भारत का एक मात्र सही विकल्प है, जो दोनों देशों और उनके लोगों के मौलिक हित में है।' शी ने कहा कि दोनों देशों के बीच मतभेदों को सही तरीके से देखा जाना चाहिए। हमें उसे द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण हितों को कमजोर नहीं करने देना चाहिए। साथ ही, हमें संवाद के माध्यम से आपसी समझ बनाने की कोशिश करनी चाहिए तथा लगतार मतभेदों को सुलझाना चाहिए। अगले कुछ सालों को दोनों देशों के लिए अहम बताते हुए उन्होंने कहा, 'दोनों देशों को दोस्ताना सहयोग के उज्ज्वल मार्ग पर जाना चाहिए और दोनों ऐसा कर सकते हैं।' 3488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सीमा विवाद के संबंध में उन्होंने कहा कि राजनीतिक मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार हमें सीमा मुद्दे का निष्पक्ष एवं तार्किक समाधान खोजना चाहिए, जो दोनों पक्षों को मंजूर हो।

नई दिल्ली

खबर कोना

तुर्की सेना की कार्रवाई के खिलाफ फ्रांस में प्रदर्शन के दौरान कुर्दिस्तान के झंडे को अपने चेहरे पर रंगे युवती।

चीन के साथ एक 'ठोस' व्यापार समझौते पर पहुंचे हैं : ट्रंप

वाशिंगटन, 12 अक्तूबर (भाषा)।

अमेरिका और चीन के बीच पहले चरण की व्यापार सौदा संबंधी 'बहुत मजबूत' बातचीत हुई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को यहां इसकी जानकारी दी। इस घोषणा के बाद न्यूयॉर्क में शेयर बाजार में उछाल देखने को मिला। ट्रंप ने अमेरिका के दौरे पर आए चीनी उपराष्ट्रपति लियू हे के साथ बैठक के बाद व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, 'हम पहले चरण के मजबूत सौदे पर पहुंचे हैं।' हालांकि इस घोषणा के साथ ही एक शर्त भी लागू है कि सौदे को अब भी कागज पर उतारना शेष है जिसमें कम से कम तीन से पांच हफ्ते तक का समय लग सकता है।

अमेरिका के कार्यवाहक गृह मंत्री मेकअलीनन का इस्तीफा

वाशिंगटन, 12 अक्तूबर (एएफपी)।

अमेरिकी प्रशासन से एक-एक कर बाहर हो रहे अधिकारियों की लंबी सूची में अब एक और नाम जुड़ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को बताया कि कार्यवाहक गृहमंत्री केविन मेकअलीनन ने इस्तीफा दे दिया है। ट्रंप ने ट्वीट किया, 'केविन मेकअलीनन ने कार्यवाहक गृह मंत्री के तौर पर बेहतरीन काम किया है। हमने बॉर्डर क्रॉसिंग विषय पर साथ में अच्छा काम किया है।'

अर्दोआन बोले सीरिया पर नहीं रोकेंगे कार्रवाई

तुर्की पर प्रतिबंध लगाने की अमेरिका ने दी धमकी

वाशिंगटन, 12 अक्तूबर (भाषा)।

उत्तरी सीरिया में जारी सैन्य हमलों और नागरिकों को निशाना बनाए जाने की आशंका के बीच ट्रंप प्रशासन ने तुर्की पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। इस बीच पेंटागन के एक प्रवक्ता ने कहा कि तुर्की के सैन्य ठिकानों द्वारा शुक्रवार को उत्तरी सीरिया सीमा के पास तोप से किए गए हमलों की जद में अमेरिकी सैनिक भी आ गए थे। प्रवक्ता ने आगाह किया कि अमेरिका 'तत्काल रक्षात्मक कार्रवाई' के साथ किसी भी आक्रामकता से निपटने के लिए तैयार है।

वित्त मंत्री स्टीवन म्नुशिन ने पत्रकारों से कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक नए शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं, जिससे वित्त मंत्रालय को 'बेहद महत्त्वपूर्ण नए प्रतिबंध अधिकार' मिल सकते हैं और जिससे तुर्की सरकार से जुड़े किसी भी व्यक्ति को निशाना बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, 'ये प्रतिबंध प्रत्यक्ष या परोक्ष दोनों होंगे।' म्नुशिन ने कहा, 'राष्ट्रपति जारी सैन्य हमलों और नागरिकों, बुनियादी ढांचों, नस्ली या धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की आशंका को लेकर चिंतित हैं। साथ ही राष्ट्रपति यह भी स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि यह भी जरूरी है कि तुर्की आइएस के एक भी लड़ाके को बचकर न निकलने दे।' हालांकि मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तुर्की पर फिलहाल कोई प्रतिबंध नहीं लगाए गए हैं।

विश्व भर में कुर्दों का प्रदर्शन

उत्तरी सीरिया में तुर्की सेना की कार्रवाई के खिलाफ जर्मनी, फ्रांस से लेकर स्विडन के कुर्द सड़कों पर उतर चुके हैं। ये तस्वीर जर्मनी की है।

पाक ने कार्रवाई का किया समर्थन

पाकिस्तान सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने 'समर्थन और एकजुटता' प्रकट करने के लिए तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन को फोन किया। खान ने अर्दोआन से कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद पर तुर्की की चिंताओं, और चुनौतियों को समझता है। खान ने कहा, 'तुर्की ने सीरिया में सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और शांतिपूर्ण समाधान खोजने की जो कोशिश की है वह पूरी तरह से सफल हो।'

तुर्की ने सीरियाई शहर रास अल-ऐन पर किया कब्जा

इस्तांबुल, 12 अक्तूबर (एएफपी)।

तुर्क बल ने सीरियाई सीमावर्ती शहर रास अल-ऐन को अपने कब्जे में ले लिया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट किया कि शांति के लिए चलाए जा रहे अभियान की सफलता के तौर पर फरात के पूर्व में रास अल-ऐन के शहरी क्षेत्र को नियंत्रण में ले लिया गया है।

न्यूयार्क में गोलीबारी में चार लोगों की गई जान

न्यूयार्क, 12 अक्तूबर (एएफपी)।

अमेरिका के न्यूयार्क में एक सामाजिक क्लब में शनिवार की तड़के गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

न्यूयार्क पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी के सिलसिले में अभी किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। यह घटना ब्रुकलिन में हुई। अधिकारी ने बताया कि अभी यह पता नहीं चल सका है कि किन परिस्थितियों में यह गोलीबारी हुई। इस घटना के मकसद का भी पता नहीं चल सका है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और दो पुरुष और एक महिला घायल हो गए। इससे पूर्व खबरों में कहा गया था कि गोलीबारी में पांच लोग घायल हुए हैं।

जापान में शक्तिशाली तूफान 'हेजिबीस' से दो की मौत

तोक्यो, 12 अक्तूबर (एएफपी)।

शक्तिशाली तूफान हेजिबीस ने शनिवार को जापान में दस्तक दे दी। इसकी चपेट में आने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। तूफान के आने के बाद देश के बड़े हिस्से में 'अभूतपूर्व' बारिश हुई, जिससे बाढ़ आ गई और भूस्खलन हो गया। प्रशासन ने 73 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी है। अधिकारियों ने भीषण बाढ़ और भूस्खलन की कई घटनाओं की रिपोर्ट दी है। इन घटनाओं में कम से कम तीन लोग लापता हुए हैं और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। चार गंभीर रूप से घायल हैं।

तूफान के आने से पहले ही इसके प्रभाव के चलते तेज बारिश हुई। रग्बी विश्व कप के दो मैचों को भी रद्द कर दिया गया है। तूफान की वजह से जापानी ग्रैंड प्रिक्स में देरी हुई और तोक्यो क्षेत्र में सभी उड़ानें रोक दी गईं।

जापान मौसम विज्ञान विभाग (जेएमए) ने बताया कि तूफान ने स्थानीय समयानुसार शाम करीब सात बजे से पहले मुख्य होंशू द्वीप पर दस्तक दी। इसके बाद यह तोक्यो से दक्षिण पश्चिम एक प्रायद्वीप इजू की ओर मुड़ गया।

तूफान कमजोर पड़ गया है, लेकिन समुद्र तट पर पहुंचने से पहले अब भी यह 216 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल रहा है। तट पर दस्तक देने से पहले तूफान की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। पूर्वी तोक्यो के चिबा में तूफान के कारण एक कार पलट गई जिससे ड्राइवर की मौत हो गई।

प्रशासन ने 73 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी है। *तूफान* के कारण कम से कम तीन लोग लापता हुए हैं और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। चार गंभीर रूप से घायल हैं।

तूफान के कारण इसुजू नदी में आए उफान को देखते लोग

जेएमए के अधिकारी यासुशी काजीवारा ने पत्रकारों को बताया, 'शहर में भीषण भारी बारिश हो रही है इसी कारण शहरों और गांवों के लिये आपात चेतावनी जारी की गयी है।'

कैलिफोर्निया के जंगल में भीषण आग, लाखों लोग बेघर

लॉस एंजल्स, 12 अक्तूबर (एएफपी)।

दक्षिणी कैलिफोर्निया के जंगल में हवा से फैलती जा रही आग ने भीषण रूप ले लिया है। इसकी वजह से शुक्रवार को करीब 1,00,000 लोगों को वहां से निकलना पड़ा। आग में दर्जनों घर भी नष्ट हो गए। अधिकारियों की माने तो आग बुझाने में कई दिन लग सकते हैं।

दमकल अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को शाम तक जंगल की आग और भयावह हो गई। आग सैन फर्नांडो वैली में 7,542 एकड़ तक फैल गई। उन्होंने बताया कि आग की वजह से कम-से-कम 31 घर नष्ट हो गए हैं। वहीं अपना घर बचाने का संघर्ष कर रहे एक बुजुर्ग की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

अधिकारियों की मानें तो आग बुझाने में कई दिन लग सकते हैं। *अपना* घर बचाने को संघर्ष कर रहे एक बुजुर्ग की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई।

लॉस एंजल्स अग्निशमन विभाग के प्रमुख राल्फ टेरेजास ने बताया कि यह एक बहुत ही भयंकर आग है।

पाक आतंकवादी संगठनों की मदद करना बंद करे : मैगी हसन

वाशिंगटन, 12 अक्तूबर (भाषा)।

अमेरिका की एक शीर्ष सांसद ने कहा कि पाकिस्तान को तालिबान और अन्य आतंकवादी संगठनों की मदद करना बंद कर देनी चाहिए। इस्लामाबाद में पाकिस्तानी नेतृत्व से मुलाकात के एक दिन बाद सीनेटर मैगी हसन ने भारत पहुंच कर यह बयान दिया।

हसन ने कहा, 'अफगानिस्तान में स्थिरता लाने और आतंकवाद के खिलाफ ठोस प्रयासों तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में पाकिस्तान की अहम भूमिका है।' अमेरिकी सांसदों- हसन और क्रिस वैन होलेन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान, सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अधिकारियों से मुलाकात की थी।

उन्होंने कहा, 'आतंकवादी हमलों को रोकने और आतंकवादी विचारधारा के प्रसार को रोकने के लिए और क्या किया जा सकता है इस पर पाकिस्तान के प्रमुख नेताओं से बातचीत करना विशेष रूप से उपयोगी था।' हसन ने कहा, 'इसके अलावा, पाकिस्तान के वरिष्ठ नेतृत्व से यह प्रत्यक्ष रूप से कहना आवश्यक था कि उसे तालिबान और अन्य आतंकवादी संगठनों की मदद करना बंद कर देना चाहिए। इसके साथ ही कश्मीर में जारी तनाव के बीच यह महत्त्वपूर्ण है कि हम दोनों तरफ तनाव को कम करने में मदद करने के तरीके खोज पाएं।'

मेक्सिको में प्रवासियों को ले जा रही नाव डूबने से दो की मौत

मेक्सिको सिटी, 12 अक्तूबर (एएफपी)।

अफ्रीकी प्रवासियों को ले जा रही एक नौका के दक्षिणी मेक्सिको तट के पास शुक्रवार को डूब जाने से दो लोगों की मौत हो गई और एक लापता हो गया। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि नाव दक्षिणी सीमावर्ती राज्य चियापास से निकलते हुए एक तरफ झुक गई और उसमें सवार व्यक्ति पानी में गिर गए। बयान में कहा गया कि एक 39 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई जिसका शव तट पर पाया गया।

दूसरा शव पहले वाले शव से कुछ सौ मीटर की दूरी पर पाया गया। अभियोजक कार्यालय के अनुसार बचाव अभियान में आठ लोगों को जीवित बचा लिया गया जबकि एक अभी लापता है। सभी व्यक्ति कैमरून के निवासी हैं।

कैमरून में फ्रेंच और अंग्रेजी भाषी समुदायों में संघर्ष की स्थिति है जिसके कारण तमाम लोग देश छोड़ने पर मजबूर हैं। मेक्सिको से अमेरिका जाने वाले प्रवासियों के लिए चियापास एक प्रमुख ठिकाना है। बिना कागजात वाले प्रवासी दक्षिणी मेक्सिको में अधिकारियों से बचने के लिए अकसर नाव का प्रयोग करते हैं। मेक्सिको ने अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए हजारों सुरक्षाकर्मियों तैनाती की है।

नेपाल में बस खाई में गिरी, 11 की मौत

काठमांडू, 12 अक्तूबर (एएफपी)।

मध्य नेपाल में क्षमता से ज्यादा यात्रियों को ले जा रही एक बस पहाड़ी से नीचे गिर गई। इसमें कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 108 लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

बस सिंधुपाल चौक से काठमांडू जा रही थी। तभी एक मोड़ पर फिसलकर 50 मीटर से अधिक नीचे गिर गई। जिले की एक अधिकारी ने बताया कि छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पांच और मौतें अस्पताल ले जाते वक्त और इलाज के दौरान हो गईं। हादसे में 108 लोग घायल हुए हैं जबकि 39 लोगों का इलाज चल रहा है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

बस सिंधुपाल चौक से काठमांडू जा रही थी।

सऊदी अरब में अतिरिक्त तीन हजार अमेरिकी सैनिक होंगे तैनात

वाशिंगटन, 12 अक्तूबर (भाषा)।

अमेरिका ने तेल संयंत्रों पर ड्रोन हमलों के कारण खतरे की बढ़ती आशंका के मद्देनजर सऊदी अरब में अतिरिक्त 3,000 सैनिकों को तैनात करने की घोषणा की है। अमेरिका ने इन हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है।

ईरान के लिए विशेष अमेरिकी दूत ब्रायन हुक ने विदेश विभाग में संवाददाताओं से कहा, 'आज 3,000 अतिरिक्त सैनिक सऊदी अरब जाएंगे।' अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने एक ट्वीट में कहा, 'सऊदी अरब की रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाने और ईरानी हमले का जवाब देने में मदद करने के लिए अमेरिका वहां अतिरिक्त बलों और सैन्य उपकरण तैनात कर रहा है।'

हांगकांग में प्रदर्शन जारी, उमड़े हजारों प्रदर्शनकारी

हांगकांग, 12 अक्तूबर (एपी)।

हांगकांग में प्रदर्शनकारियों का मार्च अब भी जारी है। हालांकि पहले की रैलियों की तुलना में इस बार की रैली में प्रदर्शनकारियों की संख्या कम दिखी। कोवलून में शनिवार दोपहर आयोजित रैली में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। तेज बारिश के बीच शांतिपूर्ण तरीके से नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला गया।

हांगकांग द्वीप पर पुलिस मुख्यालय के बाहर करीब 200 लोग शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा हुए। कुछ ने अधिकारियों को अपशब्द कहे, लेकिन उन्होंने कोई हस्तक्षेप नहीं किया।

हांगकांग द्वीप पर पुलिस मुख्यालय के बाहर करीब 200 लोग शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा हुए। *कुछ* ने अधिकारियों को अपशब्द कहे, लेकिन उन्होंने कोई हस्तक्षेप नहीं किया।

प्रदर्शनकारियों में अधिकतर सेवानिवृत्त कर्मचारी थे। चार महीने से अधिक समय की अशांति के दौरान भारी संख्या में दिखे प्रदर्शनकारियों की तुलना में इस बार के प्रदर्शन में लोगों की संख्या कम रही। इन प्रदर्शनों के चलते चीनी अर्द्ध स्वायत्त क्षेत्र में असंतोष पैदा हो गया था।

AMTEK AUTO LIMITED

CIN No.:L27230HR1988PLC030333

Regd. Off.: Plot No.16, Industrial Area, Rozka MEO, P.O. Sohna, Gurgaon Gurgaon HR 122003 IN

Tel: +91-11-4234444 | Fax: +91-11-423444000 | E-mail: amtekautolimited@gmail.com | Web.: www.amtek.com

EXTRACT OF THE STATEMENT OF CONSOLIDATED UN-AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED 30th JUNE, 2019.

(Amount in Lacs except per share data)

S. NO.	Particulars	Consolidated			
		Quarter Ended			Year Ended
		30.06.2019 (Un-Audited)	31.03.2019 (Un-Audited)	30.06.2018 (Un-Audited)	31.03.2019 (Audited)
1	Total Income from operations	107,482	116,071	116,843	481,567
2	Net Profit/ (Loss) for the period (before tax, exceptional &/or extraordinary items)	(10,377.00)	(3,051.00)	(9,360.00)	(27,396.00)
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exceptional and/or extraordinary items)	(10,434.00)	(15,510.00)	(10,824.00)	(36,357.00)
4	Net Profit for the period after tax (after exceptional and/or extraordinary items)	(9,862.00)	(16,967.00)	(10,637.00)	(38,007.00)
5	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and other Comprehensive Income (after tax)	(9,269.00)	(16,511.00)	(10,093.00)	(35,185.00)
6	Paid-up Equity Share Capital (Face Value of Rs 2/- per share	4,965.00	4,965.00	4,965.00	4,965.00
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year				(907,806.00)
8	Earnings per Share(of Re 2/- each) for continuing and discontinued operations)-				
	a Basic	(3.97	(6.74)	(4.11)	(14.93)
	b Diluted	(3.97)	(6.74)	(4.11)	(14.93)

Note:

1. The company has been under Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP) since July 24 & July 27, 2017 under the provisions of The Insolvency and Bankruptcy Code 2016 (Code). Pursuant to the order, Mr. Dinkar T. Venkatasubramanian was appointed as Interim Resolution Professional (IRP) and subsequently as per Section 22 (1) of the Code, the Resolution Professional (RP) to perform the functions as laid down in the Code. Since then the RP is managing the Company's business and assets on going concern basis.
2. The Un-Audited Consolidated financial results of the Company for the quarter ended June 30, 2019 are available on the Company's Website (http://www.amtek.com).
3. The above is an extract of the detailed format of Un-Audited Consolidated financial result for the quarter ended June 30, 2019, filed with stock exchanges under regulation 33 of SEBI (Listing obligation and Disclosure Requirements) Regulation, 2015. The full format of Un-Audited Financial Results of the Company for the quarter ended June 30, 2019 are available on websites of BSE Limited (https://www.bseindia.com) & www.nseindia.com

FOR AMTEK AUTO LIMITED

Date: October 11, 2019
Place: New Delhi

Sd/-
Vinod Kumar Uppal
Chief Financial Officer

Sd/-
Dinkat T. Venkatasubramanian
Insolvency Professional

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी सह बिक्री हेतु

सार्वजनिक सूचना

DCB BANK

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि डीसीबी बैंक लिमिटेड (इसमें आगे "बैंक" कहा गया है), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन गठित एक कम्पनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400013 में स्थित है, द्वारा बैंक में बंधक रखे स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी सह बिक्री "जैसा है जहां है आधार", "जैसा है जो भी है आधार", "जो भी वहां है आधार" तथा "कोई वापसी नहीं आधार" पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के निम्नवर्णित कर्जदारों के ऋण खाते के संबंध में बैंक को प्रदान किए गए थे और बंधक रखे गए थे। निम्नवर्णित स्वर्ण आभूषण बैंक अधोवर्णित ऋण खातों के बकाया राशि की वसूली के लिए बेचे जाएंगे :–

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम	क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम
1	Dgl735002033	अनिल कुमार प्रसाद	40	09241200001571	Gyan Chand
2	18541200001106	मधु सुदन	41	09241200001304	Sunil Kumar
3	18341200002943	कमल मदन	42	11941200006488	Shailesh Garg
4	19141200002745	रजनी देवी	43	18341200001755	Sarakoodadeen Sarakoodan
5	30941200000189	विभान इंटरप्राइजेज	44	09341200001304	Amjad Khan
6	18741200000490	गीता गर्ग	45	17941200002714	Sachin Jain
7	17941200000971	नितीन सिंह	46	17941200001823	Dinesh Sharma
8	17941200004145	सुमित अली	47	30941200000231	Dinesh Sharma
9	19141200005678	विनीता चौधरी	48	09241200001755	Gyan Chand
10	06941200000879	रूबी जैन	49	18541200000868	Anita Bhatt
11	17941200003988	नितीन सिंह	50	18341200000550	Jagmohan Thakur
12	11941200007931	सचीन कुमार	51	09141200000620	Ankit Sharma
13	18341200000155	श्रीपाल सिंह यादव	52	09241200001274	Minu Jha
14	06941200000958	सयद तफजील नकवी	53	18941200001083	Rohit
15	17941200004077	श्यामा नंद	54	19141200007788	Kamruddin
16	09341200001250	रंजय कुमार विसेन	55	11941200007108	Dhyan Singh
17	17941200001304	दिनेश शर्मा	56	06941200000222	Rishikesh Poddar
18	18541200001441	सुंदर	57	18341200002851	Nasimuddin
19	18341200001847	राहूल त्यागी	58	11941200005500	Sunil Sunil
20	18741200002097	हेमलता	59	17941200003537	Mohd Javed Idrishi
21	18341200000981	मिसमीना वेगम	60	11941200006910	Sunita Tiwari
22	17941200001045	निरज कुमार जिंदल	61	17941200001106	Pawan Kumar
23	18541200001410	सतेन्द्र सिंह	62	Dgl755000543	Amardeep Kaur
24	17941200002448	नीशा जैन	63	Dgl755001260	Deepak Prasad
25	07041200002660	अजीत सिंह	64	Dgl755001261	Deepak Prasad
26	17941200004053	श्याम नंद	65	Dgl737001184	Kamvir A
27	17941200000384	राम अवतार	66	Dgl719000773	Sandeep Basoya
28	09341200000532	अमजद खां	67	Dgl737001200	Manoj Kumar Chouhan
29	18341200001526	पुनीत बस्सीट	68	Dgl735001746	Sudhir Gogia
30	09241200000046	इंतीयाज अली	69	Dgl737001258	Shakuntala Shakuntala
31	18741200001397	विकाश	70	Dgl737001276	Vikas Vikas
32	11941200008525	शैलेश गर्ग	71	Dgl740002014	Praveen Kumar Verma
33	18341200002226	मोहमद जाहीद	72	Dgl735002034	Anil Kumar Prasad
34	11941200007849	नंद किशोर अंडोला	73	Dgl735002002	Anil Kumar Prasad
35	18341200002585	कुनाल राधव			
36	18341200000230	नेह शुक्ला			
37	09141200000383	मोहमद फैजान			
38	17941200000162	दिनेश शर्मा			
39	16541200001304	दर्शन लाल			

नीलामी तिथी: 21 और 22 अक्टूबर 2019

सम्पर्क व्यक्ति: अनुज कुमार शर्मा टेलीफोन नं. 9711058550

नीलामी स्थान: डीसीबी बैंक लिमिटेड, ए–सेट बिल्डिंग फस्ट फलोर प्लॉट नं. 7/56 देशबंधु गुप्ता रोड करोल बाग नई दिल्ली–110005

जबकि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषण बिक्री करने का निर्णय किया है, आज प्रकाशित नीलामी सह बिक्री की इस सूचना के माध्यम से संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक बिक्री उपरिवर्णित तिथियों एवं स्थानों पर की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता अतिरिक्त जानकारी के लिए बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी की तिथि को या उससे पहले सम्पर्क कर सकते हैं।

संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को उपरोक्त बकाया राशियों का पूर्ण भुगतान तत्संबंधी ब्याज और प्रभारों सहित, नीलामी की तिथि से एक दिन पहले तक करने का अंतिम अवसर प्रदान किया जाता है, जिसमें असफल रहने पर ये स्वर्ण आभूषण उपरोक्त कार्यक्रम के अनुसार बेचे जाएंगे।

यहां ऊपर विनिर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संबंध मे विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं जानकारी के अनुसार प्रकाशित किया गया है, जो तथापि उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन, विलोपन, विसंगति अथवा कमी के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

तिथि : 13.10.2019,
स्थान : दिल्ली

हस्ता/–
प्राधिकृत अधिकारी
डीसीबी बैंक लिमिटेड

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम में ज्यादातर बिना बिके फ्लैट सस्ते मकानों की श्रेणी के

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर (भाषा)।

राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में बिना बिके मकानों में आधे से ज्यादा ऐसे हैं जो सस्ते मकानों की श्रेणी में आते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन क्षेत्रों में जुलाई अंत में कुल 1.09 लाख मकान बिके नहीं थे। इनमें से 54 फीसद फ्लैट ऐसे थे, जिनका दाम 45 लाख रुपए और इससे कम है।

रीयल्टी कारोबार पर नजर रखने वाली ब्रोकरेज फर्म प्राप टाइगर की रिपोर्ट में कहा गया है कि सस्ते मकानों की श्रेणी वाले इन मकानों की बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। आवास ऋण पर ब्याज दर कम होने और 45 लाख रुपए तक के मकानों के आवास ऋण के ब्याज भुगतान पर डेढ़ लाख रुपए की अतिरिक्त कर कटौती का लाभ उपलब्ध कराए जाने से सस्ती श्रेणी के मकानों के लिए मांग बढ़ने की उम्मीद है।

प्राप टाइगर ने एक रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रमुख बाजारों में रीयल एस्टेट डेवलपर के पास जुलाई 2019 अंत तक कुल 1,08,937 बिना बिके फ्लैट थे। इनमें से 58,516 फ्लैट के दाम 45 लाख रुपए या इससे कम थे। रिपोर्ट के अनुसार गुरुग्राम क्षेत्र की बात की जाए तो इसमें भिवाड़ी, रेवाड़ी, नीमराणा और धारूहेड़ा क्षेत्र भी शामिल हैं। हाउसिंग डॉट कॉम, प्राप टाइगर डॉट कॉम और मकान डॉट कॉम की मालिक कंपनी एलारा टेक्नालाजीज के समूह मुख्य परिचालन अधिकारी मणि रंगराजन ने कहा कि बिल्डरों के दिवाला प्रक्रिया में जाने के बढ़ते मामलों से नोएडा संपत्ति बाजार सहित समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाजार धारणा बुरी तरह प्रभावित हुई है। बिक्री कम होने से इन भूसंपत्ति बाजारों में बिल्डरों के पास काफी मात्रा में बिना बिके तैयार फ्लैटों का स्टॉक जमा हो गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बिक्री की मौजूदा जो रफ्तार है, उसके मुताबिक बिल्डरों के पास नोएडा, ग्रेटर नोएडा में जो तैयार मकान हैं, उन्हें बेचने में तीन से साढ़े तीन साल का समय लग सकता है। वहीं गुरुग्राम में बिना बिके मकानों को बेचने में 28 माह तक का समय लग सकता है। रंगराजन ने कहा कि जुलाई अंत की यह स्थिति एक तरह से चिंता बढ़ाने वाली है। लेकिन दूसरी तरह से देखा जाए तो यह खरीदारों के लिए मकान खरीदने का बेहतर अवसर भी है। ग्राहकों को बिल्कुल तैयार मकान मिल रहे हैं। आवास ऋण पर ब्याज दर नीचे है। साथ ही 45 लाख तक की कीमत वाले सस्ते मकानों के ब्याज भुगतान पर 3.5 लाख रुपए तक की कर कटौती का लाभ उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि सस्ते मकानों के लिए जीएसटी दर को भी एक फीसद किया गया है। इसका लाभ भी खरीदार उठा सकते हैं। इन संपत्ति बाजारों में कीमतों में भी हाल के दिनों में कुछ सुधार आया है। गुरुग्राम में पिछले तीन साल के दौरान दाम 10 फीसद कम हुए हैं जबकि नोएडा में दाम 2.5 फीसद तक घटे हैं।

धान के नकली बीज से किसानों की दो सौ बीघा फसल बर्बाद

मथुरा, 12 अक्तूबर (भाषा)।

जिले के नौहझील ब्लॉक के दो गांवों में किसानों द्वारा भूलवश नकली बीज इस्तेमाल किए जाने से उनकी लगभग दो सौ बीघा में लगाई गई धान की फसल बर्बाद हो गई है।

किसानों की शिकायत है कि अलीगढ़ के कस्बा खैर स्थित खाद व बीज की एक दुकान के मालिक के खिलाफ शिकायत की गई है कि उसके यहां से दिए गए बीज से रोपी गई पूरी फसल बर्बाद हो गई। इस संबंध में नौहझील गांव के सल्ल व सद्दीकपुर के किसान गजेंद्र सिंह, रविंद्र कुमार, लेखराज सिंह आदि ने जिलाधिकारी के यहां शिकायत की तो उनके आदेश पर कृषि विभाग की टीम ने बाकायदा सर्वे कर स्थिति की रिपोर्ट पेश की है।

रिपोर्ट के अनुसार, किसानों की शिकायत सही पाई गई है। उन्होंने सहायक कृषि निदेशक डॉ विजय सिंह को बताया कि पौध बनने के बाद धान की रोपाई कराई गई, लेकिन फसल पकने के समय खेत में दो किस्म के धान दिखाई देने लगे। इसमें 40 फीसद फसल में बाली ही नहीं आई है। इससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है।

सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार विभागीय विशेषज्ञों की टीम ने किसानों की समस्या का निदान करने के लिए मौका मुआयना कर एक रिपोर्ट तैयार की है, जो जल्द ही जिलाधिकारी को भेजी जा रही है। संभव है कि इस रिपोर्ट के आधार पर खाद-बीज विक्रेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के प्रयास किए जाएंगे।

मोदी-जिनपिंग बैठक रणनीतिक संबंधों की मजबूती के लिए बेहतर : फियो

चेन्नई, 12 अक्तूबर (भाषा)।

निर्यातकों के प्रमुख संगठन फियो ने शनिवार को कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अनौपचारिक बैठक एशिया के इन दो बड़े देशों के बीच व्यापार सहित विभिन्न मुद्दों को सुलझाने के अलावा रणनीतिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में बेहतर संकेत देती है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के अध्यक्ष शरद कुमार सर्राफ ने शनिवार को एक बयान में कहा कि चेन्नई शिखर सम्मेलन व्यापार और अन्य मुद्दों को सुलझाने का रचनात्मक और व्यावहारिक तरीका है। उन्होंने कहा कि दो पड़ोसी देशों के बीच मतभेद होना कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है। इन मतभेदों को रचनात्मक संपर्क और बातचीत के जरिए सुलझाना अहम है।

सर्राफ ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा चिंता का विषय है और पिछले वित्तवर्ष में यह 53 अरब डॉलर पर था। उन्होंने कहा कि दूसरी बड़ी चिंता बाजार पहुंच है, जोकि भारतीय निर्यात की राह में बाधा खड़ी करती है जिससे भारतीय निर्यात अपनी वास्तविक क्षमता को हासिल नहीं कर पाता है। भारत से डेयरी उत्पादों, सोयाबीन उत्पादों और कई फलों को चीन में बाजार पहुंच हासिल नहीं है। भारतीय औषधि कंपनियों के लिए भी वहां अपने उत्पादों को निर्यात करना काफी मुश्किल काम है क्योंकि उनके पंजीकरण में बहुत समय लग जाता है।

सर्राफ के अनुसार भारत एक बड़ा बाजार है। चीन में कॉरपोरेट कर की दर 25 फीसद की तुलना में यहां 15 फीसद की दर भारत को निवेश आकर्षित करने में बेहतर स्थिति में खड़ा करती है। फियो ने भारत में चीन के नागरिकों के लिए पांच साल का विविध प्रवेश सुविधा वीजा का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि चीन भी इसी तरह की सुविधा भारतीयों के लिए उपलब्ध कराएगा जिससे कि पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध में सुलह की कोशिशों का उद्योग जगत ने किया स्वागत

बेजिंग, 12 अक्तूबर (एपी)।

अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध में शांति को उनके बीच चल रहे 15 माह पुराने शुल्क युद्ध के समाधान की दिशा में एक संभावित कदम बताते हुए कंपनियों ने उसका स्वागत किया है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों ने आगाह किया है कि इसमें प्रौद्योगिकी जैसे मूल विवादित मुद्दों सहित वैश्विक वृद्धि के लिए जोखिम बने विभिन्न मुद्दों के समाधान की दिशा में बहुत कम प्रगति दिखाई देती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका, चीन के 250 अरब डालर के आयात होने वाले माल पर मंगलवार से प्रस्तावित शुल्क वृद्धि को निलंबित रखेगा। इसके बदले में चीन ने अमेरिका से 50 अरब डालर के कृषि उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई है। अन्य संभावित समझौते के बारे में ब्योरा तुरंत उपलब्ध नहीं हो पाया। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार में चीन की अधिशेष की स्थिति और प्रौद्योगिकी को लेकर बढ़ती महत्त्वाकांक्षा से वैश्विक व्यापार में समस्या पैदा हुई है। अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि दोनों देशों के बीच अंतिम समझौता होने में सालों लग सकते हैं।

इन सब मुद्दों के बावजूद बातचीत के हर दौर से पहले वित्तीय बाजारों में वृद्धि देखने को मिलती है और जब उसमें कोई प्रगति नहीं होती है तो ये वापस गिर जाते हैं। कंपनियों ने दोनों देशों के बीच शुक्रवार को हुए समझौते को एक सामान्य कदम बताया है और दोनों देशों की सरकारों से अपील की है कि वह आपसी लड़ाई को कम करने के लिए प्रयास तेज करें। उनकी इस लड़ाई से विनिर्माण और किसानों को काफी नुकसान पहुंच रहा है। हालांकि, अमेरिका अभी भी 15 दिसंबर से 160 अरब डालर के स्मार्टफोन और अन्य आयातों पर शुल्क वृद्धि की योजना बना रहा है।

ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नवंबर में चिली में आर्थिक सम्मेलन में मिलने वाले हैं। उनकी आमने-सामने होने वाली इस मुलाकात से किसी प्रगति की उम्मीद बंधती है। ट्रंप ने कहा कि शुक्रवार के समझौते को अभी कागजों में उतारा जाना है साथ ही कहा कि हम इसे अगले चार सप्ताह के दौरान करने में सक्षम होंगे। उधर, चीन की सरकार ने इस व्यापक प्रगति का स्वागत किया है लेकिन संभावित समझौते के बारे में कोई ब्योरा नहीं दिया।

बीएसएनएल को बंद करने के पक्ष में नहीं वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर (भाषा)।

वित्त मंत्रालय सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल को बंद करने के पक्ष में नहीं है। दूरसंचार विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को यह संकेत दिए। यह पूछे जाने पर कि क्या वित्त मंत्रालय बीएसएनएल को बंद करने के पक्ष में है, इस पर दूरसंचार विभाग के सचिव अंशु प्रकाश ने कहा कि यह जानकारी गलत है।

दूरसंचार सचिव ने मोबाइल टावर से जुड़े उद्योग संगठन ताइपा की सालाना आम बैठक के मौके पर अलग से यह बात कही। गृह मंत्री अमित शाह की अगुआई वाले मंत्रियों के समूह ने दूरसंचार विभाग की प्रस्तावित पुनरुद्धार योजना को मंजूरी दी है। मंत्रियों के समूह ने जुलाई में घाटे में चल रही दूरसंचार कंपनियों के पुनरुद्धार के लिए प्रस्तावित पैकेज को मंजूरी दे दी थी। इस समूह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और दूरसंचार मंत्री रविशंकर प्रसाद भी थे। हालांकि, बाद में वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने इस प्रस्ताव पर 80 से अधिक आपत्तियां उठा दी थीं।

दूरसंचार मंत्रालय ने बीएसएनएल के उद्धार के लिए 74,000 करोड़ रुपए की योजना का प्रस्ताव किया है, क्योंकि इसको बंद करने में भी सरकार को 95,000 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार 437.83 अरब डॉलर के नए उच्च स्तर पर

मुंबई, 12 अक्तूबर (भाषा)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में 4.24 अरब डॉलर बढ़कर 437.83 अरब डॉलर के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया।

रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 5.02 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 433.59 अरब डॉलर पर पहुंचा था। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 3.99 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 405.61 अरब डॉलर रहीं। इस दौरान स्वर्ण भंडार 23.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 27.17 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू

अति अल्पकालीन ई0-निविदा आमंत्रण सूचना

ई- निविदा सूचना संख्या -EE/RDSD/PALAMAU-10/2019-20

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :-

क्रम सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	पलामू जिला के [illegible] पथ पर पुल निर्माण।	3,99,70,700.00	7,99,500.00	10000.00	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि - 14.10.2019
3. ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय - 21.10.2019 अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू/ मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ0 एफ0 पी0 भवन, धुर्वा, रॉंची में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि, Bank Credit Certificate एवं Affidavit जमा करने की तिथि एवं समय 22.10.2019 अपराह्न 05:00 बजे तक
5. निविदा खोलने का स्थान - मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रक्षेत्र, एफ0 एफ0 पी0 भवन, धुर्वा, रॉंची
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 23.10.2019 अपराह्न 2:00 बजे
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :- कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू।
8. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० - 7761911061 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
9. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू के पदनाम से देय हो देना होगा।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

बूंद - बूंद नहीं बरतेंगे तो बूंद को तरसेंगे

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू

PR 219510 Rural Development (19-20)_D

वेलक्योर ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लि.

पंजी. कार्यालयः बी-9 एवं 10, लक्ष्मी टावर्स, एल.एस.सी., ब्लॉक-सी, सरस्वती विहार, दिल्ली-34
Ph: 011-47511000; Fax: 011-27023256
CIN No.: L24232DL1996PLC227773

सूचना

सेबी (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के विनियमन 47 के साथ पठित विनियमन 29 के अनुपालन में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक शनिवार, 19 **अक्टूबर, 2019 को 1.00 बजे अप.** में ई-1052, सरस्वती विहार, नई दिल्ली-110034 में आयोजित की जायेगी जिसमें अन्य विषयों के अलावे 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त दूसरी तिमाही तथा छमाही के अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों पर विचार तथा अनुमोदन किये जाएंगे। उक्त सूचना तथा उपरोक्त बोर्ड बैठक का विस्तृत विवरण स्टॉक एक्सचैंज की वेबसाईट www.bseindia.com पर देखी जा सकती है।

हस्ता./-
स्थानः नई दिल्ली (सुधीर चन्द्रा)
तिथिः 12.10.2019 प्रबंध निदेशक

दक्षिण मध्य रेलवे

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारी वेबसाइट www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है।

PUB/1198

नवम्बर एवं दिसम्बर-2019 माह हेतु नीलामी कार्यक्रम

नवम्बर ई-नीलामी-2019

तिथि	डिवीजन/डिपो
01.11.19	रायनापाडु, नांदेड़
04.11.19	गुंताकल, गुंटूर
05.11.19	सिकन्दराबाद
06.11.19	विजयवाड़ा
07.11.19	हैदराबाद, तिरुपति
08.11.19	लल्लागुडा
11.11.19	रायनापाडु
12.11.19	गुंताकल, नांदेड़
13.11.19	सिकन्दराबाद, गुंटूर
14.11.19	विजयवाड़ा
15.11.19	हैदराबाद, तिरुपति
18.11.19	रायनापाडु
19.11.19	लल्लागुडा
20.11.19	गुंताकल, नांदेड़
21.11.19	सिकन्दराबाद, गुंटूर
22.11.19	विजयवाड़ा
25.11.19	हैदराबाद, तिरुपति
26.11.19	लल्लागुडा
27.11.19	रायनापाडु
28.11.19	गुंताकल, नांदेड़
29.11.19	सिकन्दराबाद, हैदराबाद, गुंताकल, गुंटूर, विजयवाड़ा, नांदेड़, लल्लागुडा, रायना पाडा, तिरुपति

दिसम्बर ई-नीलामी-2019

तिथि	डिवीजन/डिपो
02.12.19	रायनापाडु
03.12.19	गुंताकल, नांदेड़
04.12.19	सिकन्दराबाद, गुंटूर
05.12.19	विजयवाड़ा
06.12.19	हैदराबाद, तिरुपति
09.12.19	रायनापाडु
10.12.19	लल्लागुडा
11.12.19	गुंताकल, नांदेड़
12.12.19	सिकन्दराबाद, गुंटूर
13.12.19	विजयवाड़ा
16.12.19	हैदराबाद, तिरुपति
17.12.19	लल्लागुडा
18.12.19	रायनापाडु
19.12.19	गुंताकल, नांदेड़
20.12.19	सिकन्दराबाद, गुंटूर
23.12.19	विजयवाड़ा
24.12.19	हैदराबाद, तिरुपति
26.12.19	लल्लागुडा
27.12.19	रायनापाडु
30.12.19	गुंताकल
31.12.19	सिकन्दराबाद, हैदराबाद, गुंताकल, गुंटूर, विजयवाड़ा, नांदेड़, लल्लागुडा, रायनापाडु, तिरुपति

प्रिंसिपल मुख्य सामग्री प्रबंधक,
ए1661 सिकन्दराबाद

अधिक निविदा शर्तों/विवरण तथा निविदा दस्तावेज अग्रसारित करने हेतु कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in तथा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

Syndicate Bank

POSSESSION NOTICE
(For Immovable Property) Rule-8(1)

जैसा कि प्रतिभूतिकरण व वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ते हुए अनुच्छेद-13 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सिंडिकेट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने सम्बन्धित ऋणी के नाम के सामने दर्शाये गये खाते में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों पर नोटिस की तारीख/उक्त नोटिस की तारीख से 60 दिनों में बकाया राशि अदा करने के लिए मांग नोटिस जारी किया गया था। ऋणियों/गारन्टरों द्वारा राशि अदा करने में असफल रहने पर ऋणी और जन सामान्य को नोटिस दिया जाता है कि खाते के सामने दी गई तारीख को उक्त नियमों के नियम-8 के साथ पढ़ते हुए उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दी गई सम्पत्ति का कब्जा नीचे लिखी तिथि को ले लिया गया है। उधारकर्ता(ओं) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों के एवज में उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 (8) के प्रावधानों के लिए आमंत्रित किया है। ऋणियों/गारन्टरों को विशेष रूप से एवं जन सामान्य रूप से यह चेतावनी दी जाती है कि वे उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी प्रकार का लेन-देन न करें। इन सम्पत्तियों में किसी प्रकार का लेन-देन सिंडिकेट बैंक, संबंधित शाखाओं को देय राशि एवं उस पर अर्जित ब्याज के चार्ज के पूर्ण भुगतान के पश्चात ही किया जा सकता है।

क्र. सं.	शाखा का नाम एवं ऋणी/गारन्टर के नाम	बंधक सम्पत्ति का विवरण एवं सम्पत्ति स्वामी का नाम	मांग नोटिस की तिथि	कब्जा लेने की तिथि	बकाया राशि
1.	ऋणीः श्रीमति रेनू। शाखाः भागल उर्फ भामला।	आवासीय प्लॉट जिसकी माप 75.29 स्क्वेयर मीटर, हजारी लाल मार्किट के पीछे मालिक रेनू शर्मा। **जिसकी सीमाएं- उत्तर** में श्री नानक चन्द का प्लॉट, **दक्षिण** में श्री श्याम भूषण का प्लॉट, **पूर्व** में 15 फिट और **पश्चिम** में 7 फिट चौड़ा रोड और श्रीमति दीप्ति अग्रवाल का प्लॉट।	10.07.2019	10.10.2019	रु0. 8,29,397.13 + ब्याज एवं अन्य व्यय
2.	ऋणीः श्रीमति पुष्पा सोलंकी। शाखाः भागल उर्फ भामला।	आवासीय प्लॉट नं0. 20 (खेत नं0. 524/2 का हिस्सा) जिसकी माप 83.60 स्क्वेयर मीटर 100 स्क्वेयर यार्ड के बराबर मौ0. नरेन्द्र पुरम कस्बा गुलावठी परगना अगौता तहसील जिला बुलन्दशहर मालिक पुष्पा सोलंकी। **जिसकी सीमाएं- उत्तर** में रेखा गोयल का प्लॉट, **दक्षिण** में विक्रेता की भूमि, **पूर्व** में श्रीमति आरती का प्लॉट नं0. 17 और **पश्चिम** में रास्ता 20 फिट चौड़ा।	09.07.2019	10.10.2019	रु0. 4,22,145 + ब्याज एवं अन्य व्यय
3.	ऋणीः नूर मौ0.। शाखाः सिकन्दराबाद।	नूर मौ0 पुत्र [illegible] की सम्पत्ति जिसकी माप 83.59 स्क्वेयर मीटर मकान नं0. 879, खसरा नं0. 1693, [illegible] रोड सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर मालिक नूर मौ0. पुत्र [illegible]। **जिसकी सीमाएं- उत्तर** में [illegible] का प्लॉट, **दक्षिण** में रास्ता, **पूर्व** में [illegible] का घर और **पश्चिम** में मौ0. अली का घर।	10.07.2019	10.10.2019	रु0. 4,65,959.84 + ब्याज एवं अन्य व्यय
4.	ऋणीः [illegible] गारमेन्टस, ईशरत जहान। शाखाः सिकन्दराबाद।	मकान नं0. 361, जिसकी माप 96.98 स्क्वेयर मीटर मौ0. [illegible] कस्बा सिकन्दराबाद, बुलन्दशहर यू0पी0 203205 कुल माप 93.98 स्क्वेयर मीटर मालिक श्रीमति ईशरत जहान। **जिसकी सीमाएं- उत्तर** में मौ0. [illegible] का घर, **दक्षिण** में रास्ता गली, **पूर्व** में [illegible] का घर और **पश्चिम** में [illegible] का प्लॉट।	01.02.2019	10.10.2019	रु0. 9,22,444.69 + ब्याज एवं अन्य व्यय
5.	ऋणीः जितेन्द्र कुमार। शाखाः सलोनी।	आवासीय प्लॉट जिसकी माप 100 स्क्वेयर यार्ड या 83.61 मीटर [illegible] नगर वार्ड नं0. 9, परगना और तहसील गढ़मुक्तेश्वर जिला हापुड़ मालिक जितेन्द्र कुमार। **जिसकी सीमाएं- उत्तर** में 15 फिट चौड़ा रास्ता साईड लैन्थ 26.85 फिट, **दक्षिण** में [illegible] की सम्पत्ति अन्य साईड लैन्थ 26.85 फिट, **पूर्व** में श्रीमति कमला का प्लॉट साईड लैन्थ 33.8 फिट और **पश्चिम** में विक्रेता की भूमि साईड लैन्थ 33.8 फिट।	17.07.2019	10.10.2019	रु0. 4,65,641.46 + ब्याज एवं अन्य व्यय
6.	ऋणीः मरदुल एण्टरप्राईजेज। शाखाः खुर्जा।	दुकान जिसकी माप 12.55 स्क्वेयर मीटर पुराना जी.टी. रोड [illegible] कॉलोनी खुर्जा मालिक शैलेन्द्र कुमार [illegible]। **जिसकी सीमाएं- उत्तर** में पुराना जी.टी.रोड, **दक्षिण** में ओमप्रकाश सैनी का घर, **पूर्व** में जसवन्त सिंह की दुकान और **पश्चिम** में राकेश गिरी की दुकान।	26.06.2019	10.10.2019	रु0. 9,46,912.06 + ब्याज एवं अन्य व्यय
7.	ऋणीः श्री श्याम टैक्सटाईल्स, सुनील शर्मा। शाखाः एचपीडीए हापुड़।	फ्रीहोल्ड भूमि और ईमारत जिसकी माप 171 स्क्वेयर यार्ड खसरा नं0. 830 रामपुरा [illegible] परगना डासना तहसील हापुड़ मालिक [illegible] सिंह। **जिसकी सीमाएं- उत्तर** में [illegible] का प्लॉट, **दक्षिण** में रास्ता 10 फिट, **पूर्व** में रास्ता 20 फिट और **पश्चिम** में प्लॉट।	19.06.2019	10.10.2019	रु0. 7,63,468.57 + ब्याज एवं अन्य व्यय
8.	ऋणीः जगतपाल राठौर, अशोक कुमार। शाखाः [illegible]।	बही 1, जिल्द 3072, पेज 53 से 74, सिरीयल नं0. 6779, दिनांक 15.11.2011 कुल भूमि माप 50 स्क्वेयर मीटर मालिक जगत पाल। **जिसकी सीमाएं- उत्तर** में [illegible] की सम्पत्ति, **दक्षिण** में मनीष की सम्पत्ति, **पूर्व** में रास्ता 14 फिट और **पश्चिम** में 15 फिट सीमेन्ट रोड।	17.07.2019	11.10.2019	रु0. 2,52,958.58 + ब्याज एवं अन्य व्यय

दिनांकः 11-10-2019 क्षेत्रीय कार्यालयः हापुड़। प्राधिकृत अधिकारी

इफको ने उर्वरकों के दाम प्रति बोरी 50 रुपए तक घटाए

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर (भाषा)।

इफको ने रबी फसल से पहले किसानों को राहत देते हुए डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) समेत अन्य जटिल उर्वरकों के खुदरा मूल्य में शुक्रवार को 50 रुपए प्रति बोरी तक की कमी की। वैश्विक स्तर पर कच्ची सामग्रियों और तैयार उर्वरकों के दाम में आ रही कमी को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

इफको के प्रबंध निदेशक यूएसअवस्थी ने कहा कि कच्चे माल और तैयार उर्वरकों के दाम में वैश्विक स्तर पर आ रही कमी को देखते हुए हमने डीएपी व सभी जटिल उर्वरकों का खुदरा मूल्य कम किया है। उन्होंने कहा कि इफको ने डीएपी के 50 किलो की बोरी का अधिकतम खुदरा मूल्य 50 रुपए घटाकर 1,200 रुपए कर दिया है। पहले इसकी कीमत 1,250 रुपए थी। इसी तरह एनपीके-1 के बोरी का दाम 1,200 रुपए से घटाकर 1,175 रुपए जबकि एनपीके-2 की बोरी का दाम 1,210 रुपए से घटाकर 1,185 रुपए बोरी कर दिया गया है।

एनपी कॉम्पलेक्स का दाम भी 25 रुपए घटाकर 975 रुपए किया गया है। अवस्थी ने कहा कि संशोधित कीमतों में माल व सेवा कर (जीएसटी) शामिल है। नई कीमतें 11 अक्तूबर से प्रभावी होंगी। नीम कोटेड यूरिया के 45 किलो की बोरी की कीमत 266.50 रुपए ही रहेगी।

JAIPUR DEVELOPMENT AUTHORITY
Indira Circle, J.L.N. Marg, Jaipur-302004, Tel.: +91-141-2570678, 2569396 (7021, 7226, 1128)

No. F () JDA/OSD(RM)/2019-20/D-1354 Date : 10/10/2019

Opportunity for Purchase of Plots through e-Auction

Jaipur Development Authority, Jaipur is auctioning 3 Nos. Plots of Tilak Nagar Enclave Scheme, Jaipur through e-Auction from 11.10.2019 to 01.11.2019. Details of Plots, scheme map, Size, BSP, EMD, Starting & Last date of deposit of EMD and Start & Last date of Bidding etc. & other comprehensive detail may be accessed on JDA Website - www.jda.urban.rajasthan.gov.in

Samwad/C/3153/2019-2020 OSD (RM)

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा

अतिअल्पकालीन निविदा

ई-प्रोक्योरमेंट सूचना सं0-02/2019-20

ई-निविदा प्रसंग-RCD/JAMTARA/1297 दिनांक 11.10.2019

1	कार्य का नाम	मूर्गाबनी -राजनगर भाया कुण्डहित पथ(0.00 से 40.208 किमी0) में साधारण मरम्मति कार्य (Pot Patch सहित) वर्श 2019-20
2	प्राक्कलित राशि	रू0 125.00 लाख (एक करोड़ पचीस लाख)
3.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	2 (दो) महीना
4.	ई-निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एंव समय	22.10.2019 के दोपहर 12:00 बजे तक
5	ई-निविदा का वेबसाईट पर प्रकाशन की तिथि एंव समय	16.10.2019 के अपराहन 2:30 बजे से
6.	ई-निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एंव पता	कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, जामताड़ा।
7.	ई-प्रोक्यूरमेंट अधिकारी का संपर्क नं0/मोबाईल नं0	9905579737
8.	ई-प्रोक्यूरमेंट सेल का संपर्क सहायता नम्बर	0651-2401010

नोटः- प्राक्कलित राशि घट -बढ़ सकती है। निविदा संबंधी अन्य जानकारी http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ह0/
कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, जामताड़ा

बूंद - बूंद नहीं बरतेंगे तो बूंद को तरसेंगे

P.R.219501 Road(19-20):D

मप्र में भारी बारिश से उड़द की फसल को भारी नुकसान

इंदौर, 12 अक्तूबर (भाषा)।

मध्य प्रदेश में भारी बारिश से उड़द की फसल को नुकसान के कारण दाल मिलों के एक संगठन ने केंद्र सरकार से इस दलहन के एक लाख टन के अतिरिक्त कोटे के आयात की मंजूरी मांगी है।

ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने शुक्रवार को बताया कि हमने वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) से मांग की है कि प्रदेश में बारिश के प्रकोप के कारण दाल मिलों को उड़द के एक लाख टन के अतिरिक्त कोटे का आयात करने की मंजूरी दी जाए वरना कच्चे माल की कमी के कारण मिलें सुचारु रूप से लंबे समय तक नहीं चल सकेंगी। इस स्थिति में उड़द दाल के भाव बढ़ने से आम आदमी की थाली महंगी हो सकती है।

अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल में सरकार ने विदेशों से दलहन मंगाए जाने पर नियंत्रण करते हुए उड़द का आयात कोटा 1.5 लाख टन तय कर दिया था। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश प्रमुख दलहन उत्पादक क्षेत्र है। प्रदेश में करीब 12 लाख टन उड़द की सालाना पैदावार होती है। लेकिन इस बार भारी बारिश से फसल को नुकसान होने के कारण उड़द की पैदावार आठ लाख टन के आसपास रहने का अनुमान है।

इससे पूरे देश में उड़द का उत्पादन गिरकर 20 लाख टन रह जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके संगठन ने डीजीएफटी से मांग भी की है कि सभी दलहनों के आयात की अवधि को बढ़ाकर 30 नवंबर तक किया जाए, ताकि दाल मिल संचालक उड़द के अलावा तुअर (अरहर) और मूंग के आयात का निर्धारित कोटा मंगा सकें। अभी यह अवधि 31 अक्तूबर को खत्म हो रही है। भारत में उड़द का आयात मुख्यतया म्यांमा से किया जाता है।

देश का पहला राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र खोलेगा तेलंगाना

हैदराबाद, 12 अक्तूबर (भाषा)।

तेलंगाना सरकार देश का पहला राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र (एनडीसी) स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी व उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने शनिवार को यह बात कही।

राव ने 'वर्ल्ड डिजाइन एसेंबली' के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद में पहला राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र स्थापित करने के लिए भारत सरकार और उद्योग संवर्धन व आंतरिक व्यापार संबंधित विभाग के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र कंपनियों को डिजाइन से जुड़ी परामर्श सेवाएं देगा और देश में डिजाइन शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण में मदद करेगा। राव ने कहा कि राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र भारत में गुणवत्तापूर्ण डिजाइन को बढ़ावा देने, वैश्विक स्तर पर उनकी स्थिति मजबूत करने, डिजाइन के क्षेत्र में नवाचार बढ़ाने और डिजाइन को लेकर जागरूकता फैलाने में मदद करेगा।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तलाकशुदा तथाकथित पत्नी श्रीमती सरिता सिंह पुत्री श्री बी.एन. सिंह, निवासिनी 5 ए मानस नगर जियामऊ लखनऊ अपने दत्तक पुत्र सिद्धार्थ शर्मा उसकी पत्नी श्रीमती सौम्या शर्मा निवासी एस आर बी 72 बी शिप्रा रिवेरा इंन्दिरापुरम गाजियाबाद एवं हर्षवर्धन पुत्र श्रीमती सरिता सिंह को मेरे साथ क्रूर व्यवहार करने अपने सगे पुत्र सिद्धार्थ को दत्तक पुत्र बनाने में एवम मेरे साथ धोखाधड़ी करने के कारण अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। इसमें मेरा कोई उत्तरदायित्व नही होगा।

कपिल शर्मा पुत्र स्व. वी आर शर्मा 61 वशिष्ठ मार्ग निकट गुप्ता स्टोर सुभाष नगर क्लेमन टाउन देहरादून उत्तराखंड।

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना

DCB BANK

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	ऋण संख्या	ग्राहक का नाम	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1.	28142100001175	मनप्रीत सिंह	21 एवं 22 अक्टूबर, 2019 श्री जतिन्दर कुमार, टेलीफोन नं. 9034001426/73
2.	28142100001359	संजय कुमारम	
3.	28142100001076	राज लखमिन्दर सिंह	
4.	28142100001144	सुरजीत सिंह	

नीलामी का पताः डीसीबी बैंक लिमिटेड, गुरु टावर्स, डीएबी स्कूल के सामने, एनएच 65, अम्बाल रोड, महोबा, जिला कुरुक्षेत्र, राज्य हरियाणा, डीएबी स्कूल के सामने-136128

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को निपटारा करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./-

तिथिः 13.10.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः महोबा डीसीबी बैंक लिमिटेड

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी सह बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना

DCB BANK

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि डीसीबी बैंक लिमिटेड (इसमें आगे "बैंक" कहा गया है), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन गठित एक कम्पनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400013 में स्थित है, द्वारा बैंक में बंधक रखे स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी सह बिक्री "जैसा है जहां है आधार", "जैसा है जो भी है आधार", "जो भी वहां है आधार" तथा "कोई वापसी नहीं आधार" पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के निम्नवर्णित कर्जदारों के ऋण खाते के संबंध में बैंक को प्रदान किए गए थे और बंधक रखे गए थे। निम्नवर्णित स्वर्ण आभूषण बैंक अधोवर्णित ऋण खातों के बकाया राशि की वसूली के लिए बेचे जाएंगे :–

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम	नीलामी तिथि, सम्पर्क व्यक्ति
1	DGL1432001768	अमीत कुमार	21 एवं 21 अक्टूबर 2019 श्री सोभित गोयल टेलिफोन सं. 09045000782 / 9045000716 9045000726 / 9045000763
2	DGL1432000779	विशाल शर्मा	
3	DGL1432001497	गुलजार कुरेशी	
4	DGL1432001566	टेक करण थापा	

नीलामी स्थानः डीसीबी बैंक लिमिटेड, यूनीट नं. डीएफ–2, डीएफ–3, डीएफ–4, पीएलएस प्लाजा, 58, गांधी रोड, देहरादून, उत्तराखंड–248001

जबकि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषण बिक्री करने का निर्णय किया है, आज प्रकाशित नीलामी सह बिक्री की इस सूचना के माध्यम से संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक बिक्री उपरिवर्णित तिथियों एवं स्थानों पर की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता अतिरिक्त जानकारी के लिए बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी की तिथि को या उससे पहले सम्पर्क कर सकते हैं।

संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को उपरोक्त बकाया राशियों का पूर्ण भुगतान तत्संबंधी ब्याज और प्रभारों सहित, नीलामी की तिथि से एक दिन पहले तक करने का अंतिम अवसर प्रदान किया जाता है, जिसमें असफल रहने पर ये स्वर्ण आभूषण उपरोक्त कार्यक्रम के अनुसार बेचे जाएंगे।

यहां ऊपर विनिर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संबंध मे विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं जानकारी के अनुसार प्रकाशित किया गया है, जो तथापि उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन, विलोपन, विसंगति अथवा कमी के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। हस्ता/–

तिथि : 13.10.2019, प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : देहरादून डीसीबी बैंक लिमिटेड

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी सह बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना

DCB BANK

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि डीसीबी बैंक लिमिटेड (इसमें आगे "बैंक" कहा गया है), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन गठित एक कम्पनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400013 में स्थित है, द्वारा बैंक में बंधक रखे स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी सह बिक्री "जैसा है जहां है आधार", "जैसा है जो भी है आधार", "जो भी वहां है आधार" तथा "कोई वापसी नहीं आधार" पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के निम्नवर्णित कर्जदारों के ऋण खाते के संबंध में बैंक को प्रदान किए गए थे और बंधक रखे गए थे। निम्नवर्णित स्वर्ण आभूषण बैंक अधोवर्णित ऋण खातों के बकाया राशि की वसूली के लिए बेचे जाएंगे :–

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम	नीलामी तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं नीलामी स्थान
1	14642100004848	संदीप सिंह	21 एवं 21 अक्टूबर 2019 श्री राजेश कुमार गोयल टेलिफोन सं. (01743) 224811 / 12 डीसीबी बैंक लिमिटेड, लक्ष्मी कॉम्पलेक्स ग्राउंड फलोर गोहला रोड चिका, जिला केथल, हरियाणा–136034
2	14642100005621	यदविंदर सिंह	
3	14642100013837	गुरूविंदर सिंह	
4	14642100017426	गुरूप्रीत सिंह	
5	14642100013554	गुरूप्रीत सिंह	
6	14642100005272	मलक सिंह	
7	14642100012342	बलकार	
8	14642100009584	करनैल सिंह	

जबकि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषण बिक्री करने का निर्णय किया है, आज प्रकाशित नीलामी सह बिक्री की इस सूचना के माध्यम से संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक बिक्री उपरिवर्णित तिथियों एवं स्थानों पर की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता अतिरिक्त जानकारी के लिए बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी की तिथि को या उससे पहले सम्पर्क कर सकते हैं।

संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को उपरोक्त बकाया राशियों का पूर्ण भुगतान तत्संबंधी ब्याज और प्रभारों सहित, नीलामी की तिथि से एक दिन पहले तक करने का अंतिम अवसर प्रदान किया जाता है, जिसमें असफल रहने पर ये स्वर्ण आभूषण उपरोक्त कार्यक्रम के अनुसार बेचे जाएंगे।

यहां ऊपर विनिर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संबंध मे विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं जानकारी के अनुसार प्रकाशित किया गया है, जो तथापि उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन, विलोपन, विसंगति अथवा कमी के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। हस्ता/–

तिथि : 13.10.2019, प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : चिका डीसीबी बैंक लिमिटेड

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी सह बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना

DCB BANK

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि डीसीबी बैंक लिमिटेड (इसमें आगे "बैंक" कहा गया है), कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन गठित एक कम्पनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई – 400013 में स्थित है, द्वारा बैंक में बंधक रखे स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी सह बिक्री "जैसा है जहां है आधार", "जैसा है जो भी है आधार", "जो भी वहां है आधार" तथा "कोई वापसी नहीं आधार" पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के निम्नवर्णित कर्जदारों के ऋण खाते के संबंध में बैंक को प्रदान किए गए थे और बंधक रखे गए थे। निम्नवर्णित स्वर्ण आभूषण बैंक अधोवर्णित ऋण खातों के बकाया राशि की वसूली के लिए बेचे जाएंगे :–

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ग्राहक का नाम	नीलामी तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं नीलामी स्थान
1	26541200001304	रेनु किन्नर	21st & 22nd October 2019 Mr. Vikas Rostani - Telephone No. 7081105515 / 7081105517 DCB Bank Limited, G-1 (Part), G-1A (Part), G-2 Sampamjamp G-3, Vimal Towers, Block No. 19/4, Sanjay Place, Agra Uttar Pradesh - 282002
2	26541200000790	मनीष अग्रवाल	
3	26541200001199	सुनेना	
4	26541200001300	खालीद यूनूस	
5	26541200001083	खालीद यूनूस	

जबकि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषण बिक्री करने का निर्णय किया है, आज प्रकाशित नीलामी सह बिक्री की इस सूचना के माध्यम से संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक बिक्री उपरिवर्णित तिथियों एवं स्थानों पर की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता अतिरिक्त जानकारी के लिए बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी की तिथि को या उससे पहले सम्पर्क कर सकते हैं।

संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को उपरोक्त बकाया राशियों का पूर्ण भुगतान तत्संबंधी ब्याज और प्रभारों सहित, नीलामी की तिथि से एक दिन पहले तक करने का अंतिम अवसर प्रदान किया जाता है, जिसमें असफल रहने पर ये स्वर्ण आभूषण उपरोक्त कार्यक्रम के अनुसार बेचे जाएंगे।

यहां ऊपर विनिर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संबंध मे विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं जानकारी के अनुसार प्रकाशित किया गया है, जो तथापि उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन, विलोपन, विसंगति अथवा कमी के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। हस्ता/–

तिथि : 13.10.2019, प्राधिकृत अधिकारी
स्थान : आगरा डीसीबी बैंक लिमिटेड

फाइल नं 3/19/2018-एसडीसीएम (विज्ञापन नं0 23/2019)

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त न्यास)
11, मानसिंह रोड, नई दिल्ली – 110001

कनिष्ठ परामर्शदाता (राजभाषा) अनुबंध के आधार पर भर्ती हेतु

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र अपने राजभाषा एकक के लिए एक कनिष्ठ परामर्शदाता (राजभाषा) की अनुबंध के आधार पर भर्ती करना चाहता है।

साक्षात्कार दिनांक **18 अक्टूबर, 2019** को प्रातः **11:00** बजे इं0गां0रा0क0 केन्द्र के राजभाषा कार्यालय, सीवीमेस, जनपथ, नई दिल्ली – 110001 में किया जाएगा। उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे प्रातः **10:00** बजे मूल प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित हों।

पूर्ण विवरण हमारी वेबसाइट **www.ignca.gov.in** पर उपलब्ध है।

निदेशक (प्रशासन)

BEFORE DEBTS RECOVERY APPELLATE TRIBUNAL, DELHI

Appt. No.318, IIIrd Floor, Hotel Samrat, Kautilya Marg, Chanakyapuri, New Delhi-110021.
Appeal No. 309/2019
In S.A. No. 148/2019 (DRT-III, Delhi)

Kishan Kumar Garg ... Appellant
Vs
Tata Capital Finance Services Ltd. & Ors. ... Respondents
To

1	Pramod Kumar Rathore B-3/4, Yamuna Vihar, Delhi-110053.	Respondent 2

Take notice that an appeal from the order passed by the Presiding Officer of D.R.T. in the above case has been presented by the appellant on 03/07/2019 and is registered in the Tribunal. The matter was listed before Hon'ble D.R.A.T. on 01.10.2019 .

2. The above Appeal.No.309/2019.is ordered to be placed before the Registrar, D.R.A.T, Delhi on 08.11.2019 for hearing.
3. You may therefore remain present either in person or through your Counsel on the said date failing which the matter will be decided by this Appellate Tribunal on the basis of the material on record.

Given under my hand and Seal of the Tribunal, this 09th day of October, 2019

seal Sd/-
REGISTRAR

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना

DCB BANK

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	अनुबंध संख्या	ग्राहक का नाम	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1.	16442100000064	मोह. इदरीस	21 एवं 22 अक्टूबर, 2019 श्री सचिन शर्मा टेलीफोन नं. 9034001045/48/68 डीसीबी बैंक लिमिटेड, ऑरिएण्टल प्लाजा, 76-77 जी.टी. रोड, रोड लाइट क्रॉसिंग, पानीपत-132103
2.	16441200000639	नरेश कुमार	
3.	16441200000967	गुरविन्दर सिंह	
4.	16442100000222	सरोज सिंह	
5.	16441200000532	राजेश वर्मा	
6.	16442100000161	कुसुम कुसुम	
7.	16441200000143	कुसुम कुसुम	
8.	16441200001342	कपिल	

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को निपटारा करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./-

तिथिः 13.10.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः पानीपत डीसीबी बैंक लिमिटेड

स्वर्ण आभूषणों की नीलामी-सह-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना

DCB BANK

एतद्द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि डीसीबी बैंक लि. (यहां के बाद बैंक के रूप में वर्णित), कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निगमित कंपनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 601 एवं 602, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई- 400013 में स्थित है, के द्वारा सूचित किया जाता है कि यहां नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार ''जैसा है जहां है आधार'', ''जो भी वहां है आधार'', ''जैसा भी वहां है आधार'' तथा ''कोई उपचार नहीं आधार'' पर गिरवी रखी गई स्वर्ण आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी-सह-बिक्री आयोजित की जाएगी। ये सभी स्वर्ण आभूषण बैंक के नीचे वर्णित ऋणधारकों की ऋण खाता के संदर्भ में बैंक के पास गिरवी रखे गए हैं। नीचे वर्णित स्वर्ण आभूषणों की यहां नीचे वर्णित ऋणखाताओं के समक्ष वर्णित बकाए राशि की वसूली के लिए बिक्री की जाएगी।

क्रम सं.	अनुबंध संख्या	ग्राहक का नाम	नीलामी की तिथि, सम्पर्क व्यक्ति एवं पता
1.	21341200000107	शिखर अग्रवाल	21 एवं 22 अक्टूबर, 2019 श्री साहिल मजीठिया, टेलीफोन नं. + 91 7060002099 डीसीबी बैंक लिमिटेड, 29 140, पुष्पदीप गर्ल्स होस्टल बिल्डिंग, बेस्टर्न कचेरी रोड, मेरठ-250001
2.	21341200000134	जगमोहन माहेश्वरी	
3.	21341200000684	मोहम्मद जुबैर	
4.	21341200000356	सतीश कुमार	
5.	21341200000781	सलीम अहमद	

जैसा कि बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों के निपटारे का निर्णय लिया है, आज, नीलामी-सह बिक्री की यह सूचना विशेष रूप से संबंधित ऋणधारकों तथा आम जनता के लिए प्रकाशित की जाती है कि उपरोक्त स्वर्ण आभूषणों की उपरोक्त तिथि एवं स्थान पर सार्वजनिक रूप से बिक्री की जाएगी। किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता बैंक के प्राधिकृत अधिकारी से नीलामी तिथि को या उससे पूर्व संपर्क करें।

संबंधित ऋणधारकों/ गिरवी-कर्ताओं को नीलामी की तिथि के एक कार्य दिवस पूर्व तक सभी ब्याज तथा उस पर बढ़े हुए शुल्कों के साथ पूरी तरह से उपरोक्त ऋण खाताओं को निपटारा करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें विफल होने पर ऊपर-वर्णित कार्यक्रम के अनुसार इन स्वर्ण आभूषणों की बिक्री की जाएगी।

यहां ऊपर निर्दिष्ट स्वर्ण आभूषणों के संदर्भ में प्रकाशित विवरण बैंक के प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं ज्ञान में सही है, लेकिन कथित विवरणों में किसी प्रकार की त्रुटि, गलत-विवरण, खामियों, असंगतियों अथवा कमियों के लिए वे उत्तरदायी नहीं होंगे।

हस्ता./-

तिथिः 13.10.2019 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः मेरठ डीसीबी बैंक लिमिटेड

FORM A
PUBLIC ANNOUNCEMENT

[Under Regulation 6 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016]

FOR THE ATTENTION OF THE CREDITORS OF ROSEWOOD TREXIM PRIVATE LIMITED

RELEVANT PARTICULARS		
1	Name of Corporate Debtor	Rosewood Trexim Private Limited
2	Date of Incorporation of Corporate Debtor	August 31, 2007
3	Authority under which Corporate Debtor is Incorporated / Registered	Registrar of Companies - DELHI
4	Corporate Identity Number / Limited Liability Identification Number of Corporate Debtor	U51909DL2007PTC167571
5	Address of the Registered Office and Principal Office (if Any) of Corporate Debtor	**Registered Address:** C-1108, GROUND FLOOR, KALKAJI NEW DELHI DL 110019
6	Insolvency Commencement date in respect of Corporate Debtor	October 11, 2019, the date of receipt of Order by IRP (Hon'ble NCLT Delhi order dated October 10, 2019)
7	Estimated Date of closure of Insolvency Resolution Process	April 8, 2020, being 180th day from insolvency commencement date
8	Name and Registration Number of The Interim Resolution Professional	**Name:** Shailendra Singh **Reg. No.:** IBBI/IPA-002/IP-N00471/2017-2018/11372
9	Address and e-mail of the interim resolution professional, as registered with Board	**Registered Address:** H-29, 1st Floor, Jangpura Extension, New Delhi-110014 | **E-mail:** shailendrasr@gmail.com
10	Address and e-mail to be used for correspondence with the interim resolution professional	H-29, 1st Floor Jangpura Extension, New Delhi 110014 **E-mail:** rosewoodcirp@gmail.com
11	Last date for submission of claims	October 25, 2019, being 14th day from the date of receipt of the Hon'ble NCLT order by IRP
12	Classes of creditors, if any, under clause (b) of sub-section (6A) of Section 21, as ascertained by the interim resolution professional	Not applicable as per information available with IRP
13	Names of Insolvency Professionals identified to act as Authorised Representative of creditors in a class (Three Names for each class)	Not applicable as per information available with IRP
14	(a) Relevant Forms and (b) Details of authorized representatives are available at:	**(a) Web link for downloading claim forms:** www.ibbi.gov.in/downloadform.html **(b)** Not applicable as per information available with IRP

Notice is hereby given that the National Company Law Tribunal, Principal Bench, New Delhi has ordered the commencement of Corporate Insolvency Resolution Process of Rosewood Trexim Private Limited vide order No. CP No.IB-413(PB)/2019 dated October 10, 2019. (date of receipt of Order by IRP is October 11, 2019).

The creditors of Rosewood Trexim Private Limited are hereby called upon to submit a proof of their claims on or before October 25, 2019 to the interim Resolution Professional at the address mentioned against item 10.

The submission of proof of claims should be made in accordance with Chapter IV of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016. The proof of claims is to be submitted by way of following specified forms:-
Form B - for claims by Operational Creditors except Workmen and Employees
Form C - for claims by Financial Creditors
Form D - for claims by workmen and Employees
Form E - for claims by Authorised Representatives of Workmen and Employees
Form F - for claims by Creditors other than Financial Creditors and Operational Creditors
In order to get a copy of the Form, you may download the abovementioned Forms from the website of www.ibbi.gov.in.
The Financial Creditors shall submit their proof of claims by electronic means only. The Operational Creditors, including Workmen and Employees, may submit their proof of claims in person, by post or electronic means.
Submission of false or misleading proofs of claim shall attract penalties.

Date: October 12, 2019 Shailendra Singh
Place: New Delhi Advocate & Insolvency Professional
(Interim Resolution Professional)

NOVA IRON & STEEL LTD

Registered Office : Village Dagori, Tehsil - Belha, Distt Bilaspur (C.G)
Email: rai_nisl2007@yahoo.com, web: www.novaironsteel.com
(CIN: L02710CT1989PLC010052) Ph. : 07752-285225-26, Fax: 07752-285213

Extract from the Unaudited Financial Results for the Quarter Ended 30.06.2019
(Rs. in lacs)

Sr. No.	Particulars	Quarter Ending 30.06.2019	Year to date figures 31.03.2019	Corresponding 3 months ended in the previous year 30.06.2018
1.	Total income from operations	349.94	526.96	349.08
2.	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items#)	(37.74)	(296.82)	49.30
3.	Net Profit / (Loss) for the period before (before Tax, Exceptional and/or tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	(37.74)	67.03	48.30
4.	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	(41.25)	62.17	47.94
5.	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and other Comprehensive Income (after tax)]	(41.25)	69.26	44.08
6.	Equity Share Capital	3613.95	3613.95	3613.95
7.	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	(598.13)	(598.13)	(667.40)
8.	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) - 1. Basic & Diluted	(0.11)	0.17	0.13

Note: a) The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the websites of the Stock Exchange and the listed entity. (www.bseindia.com and www.novaironsteel.com)

For and on behalf of Board of Directors
For Nova Iron & Steel Ltd.
Sd/- (H.C. Verma)
Place: New Delhi Whole Time Director (DIN 00007681)
Date: 11.10.2019

फार्म जी
अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण

{दिवाला तथा दिवालिया (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिये दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 36ए (1) के अंतर्गत}

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	होमस्टीड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	22.11.2011
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत हैं	कम्पनी रजिस्ट्रार, रा.रा. क्षेत्र दिल्ली तथा हरियाणा
4.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का कॉर्पोरेट पहचान संख्या/सीमित दायित्व पहचान संख्या	U65923DL2011PTC227771
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय एवं प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	पंजीकृत कार्यालयः यूनिट नं. 502, बिल्डिंग डी मॉल, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, नई दिल्ली-110034 कॉर्पोरेट कार्यालयः प्लॉट नं. 15, 3 रा तल, सेक्टर-44, गुड़गाँव, हरियाणा-122001
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	14.1.2019 (आदेश की प्रमाणित प्रति 16.1.2019 को प्राप्त हुई)
7.	अभिरुचि की अभिव्यक्ति के आमंत्रण की तिथि	12.10.2019
8.	संहिता की धारा 25(2) (एच) के अंतर्गत प्रस्ताव आवेदकों की पात्रता उपलब्ध हैः	विवरण www.ibbi.gov.in पर उपलब्ध है। आगे विवरण, यदि कोई हो homesteadinfra370@gmail.com पर ईमेल भेजकर प्राप्त की जा सकती है।
9.	धारा 29ए के अंतर्गत लागू होने वाले अयोग्यता का मानक उपलब्ध है।	विवरण www.ibbi.gov.in पर उपलब्ध है। आगे विवरण, यदि कोई हो homesteadinfra370@gmail.com पर ईमेल भेजकर प्राप्त की जा सकती है।
10.	अभिरुचि की अभिव्यक्ति प्राप्ति की अंतिम तिथि	27.10.2019
11.	संभावित प्रस्ताव आवेदकों की अस्थाई सूची जारी होने की तिथि	6.11.2019
12.	अस्थाई सूची के प्रति आपत्ति जमा करने की अंतिम तिथि	11.11.2019
13.	संभावित प्रस्ताव आवेदकों की अंतिम सूची जारी होने की तिथि	21.11.2019
14.	संभावित प्रस्ताव आवेदकों को प्रस्ताव योजना के लिये सूचना मेमोरैण्डम, मूल्यांकन मैट्रिक्स तथा अनुरोध जारी होने की तिथि	11.11.2019
15.	प्रस्ताव योजना, मूल्यांकन मैट्रिक्स, सूचना मेमोरैण्डम तथा अधिक जानकारी प्राप्त करने का तरीका	संभावित प्रस्ताव आवेदक विधिवत निष्पादित नान-डिस्क्लोजर एग्रीमेन्ट/उद्घोषणा के बाद homesteadinfra370@gmail.com पर ई-मेल द्वारा अपना अनुरोध भेजकर सूचना मेमोरैण्डम तथा अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
16.	प्रस्ताव योजना जमा करने की अंतिम तिथि	11.12.2019
17.	प्रस्तावकर्मी के पास प्रस्ताव योजना जमा करने का तरीका	अंतिम सूची में संभावित प्रस्ताव आवेदक मुहरबंद लिफाफे में भौतिक रूप से प्रस्ताव योजना पंजीकृत/स्पीड डाक अथवा कूरियर से प्रस्ताव कर्मी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं।
18.	स्वीकृति के लिये निर्णायक प्राधिकरण के पास प्रस्ताव जमा करने की अनुमानित तिथि	5.1.2020
19.	प्रस्ताव कर्मी का नाम तथा पंजीकरण संख्या	श्री जितेश गुप्ता IBBI/IPA-002/IP-N00144/2017-18/10380
20.	बोर्ड में यथा-पंजीकृत प्रस्ताव कर्मी का नाम, पता तथा ई-मेल	श्री जितेश गुप्ता पताः 257, वर्धमान सिटी सेन्टर-2, शक्ति नगर रेलवे अंडर ब्रिज के निकट, नई दिल्ली-110052 ई-मेलः jitesh@jkgupta.com
21.	प्रस्ताव कर्मी के साथ पत्राचार के लिये प्रयोग करने के लिये पता तथा ईमेल	पताः 257, वर्धमान सिटी सेन्टर-2, शक्ति नगर रेलवे अंडर ब्रिज के निकट, नई दिल्ली-110052 ई-मेलः homesteadinfra370@gmail.com
22.	विस्तृत विवरण उपलब्ध हैं	प्रस्ताव आवेदक, नामः श्री जितेश गुप्ता, 257, वर्धमान सिटी सेन्टर, शक्तिनगर अंडर ब्रिज के निकट, गुलाबीबाग, दिल्ली-110052 के पास
23.	फार्म जी के प्रकाशन की तिथि	12.10.2019

हस्ता./-
तिथिः 12.10.2019 जीतेश गुप्ता
स्थानः नई दिल्ली (प्रस्ताव कर्मी)
कृत्ते, होमस्टीड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड
(कॉर्पोरेट दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के अधीन)
पंजीकरण संख्याः IBBI/IPA-002/IP-N00144/2017-18/10380
पंजीकृत पताः 257, वर्धमान सिटी सेन्टर-2, शक्ति नगर रेलवे स्टेशन अंडर ब्रिज के निकट, नई दिल्ली-110052

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा

[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]

मै. जीएसएस प्रोकॉन प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	मै. जीएसएस प्रोकॉन प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	27.9.2019
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/ पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार, रा.रा. क्षेत्र दिल्ली एवं हरियाणा में कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/ कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U70100DL2010PTC208777
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	यूनिट नं. 102, प्रथम तल, पर्ल्स बिजनेस पार्क, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, नई दिल्ली-110034
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	10.10.2019, एनसीएलटी आदेश आईबी-1896/ एनडी/ 2019 तिथि 10.10.2019 के माध्यम से
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	7.4.2020 (सीआईआरपी शुरू होने की तिथि से 180 दिन)
8.	प्रस्ताव प्रॉफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	श्री सुनील कुमार अग्रवाल, पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-002/IP-N00081/ 2017-18/10222
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का पता एवं ईमेलः	पताः ई-29, साउथ एक्स्टेंशन-II, नई दिल्ली-110049 ई-मेल का पताः aggarwalsk21@yahoo.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	पताः904, जीएफ, सेक्टर- 7 सी, फरीदाबाद-121006 ई-मेलः irpgssprocon2019@gmail.com aggarwalsk21@yahoo.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	20.10.2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल द्वारा सुनिश्चित किया गया	क्रेडीटरों का वर्ग- होम बायर्स
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	1. अजय कुमार सिवाच, IBBI पंजी.सं.: IBBI/IPA-002/IP-N00668/ 2018-19/12214, 2. अरविन्द कुमार, IBBI पंजी.सं.: IBBI/IPA-001/IP-P00120/ 2018-19/11865, 3. ज्ञानेश्वर सहाय, IBBI पंजी.सं.: IBBI/IPA-002/IP-N00130/ 2017-18/10546
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख) प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	वेबलिंकः https:// ibbi.gov.in/ downloadform.html भौतिक पताः श्री अजय कुमार सिवाच, पताः फ्लैट नं. 504, राम कृष्ण सोसायटी, सेक्टर- 2, फरीदाबाद, हरियाणा-121004, ईमेल- siwachajay@gmail.com, 2. श्री अरविन्द कुमार, बी -321, दूसरा तल, नेहरू ग्राउण्ड, एनआईटी फरीदाबाद, हरियाणा- 121001, ईमेलः caarvindchauhan@gmail.com, 3. श्री ज्ञानेश्वर सहाय, दूसरा तल, ओएस-2, द नेक्स्ट डोर सेक्टर-76, फरीदाबाद, हरियाणा- 121004, ईमेलः gyaneshwar.sahaigmail.com

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी), नई दिल्ली, पीठ ने आदेश IB-1896/ ND/ 2019 तिथि 10.10.2019 के माध्यम से मै. जीएसएस प्रोकॉन प्राईवेट लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। एतद्द्वारा मै. जीएसएस प्रोकॉन प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 24.10.2019 को या उससे पूर्व प्रमाण के साथ अपने दावे जमा करें।

फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं।

प्रविष्टि सं. 12 के समक्ष यथा सूचीबद्ध किसी वर्ग से संबंधित वित्तीय क्रेडीटर प्रपत्र सीए में वर्ग के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये प्रविष्टि सं. 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनलों में से प्राधिकृत प्रतिनिधि की अपनी पसंद को दर्शाएं।

दावे का प्रमाण भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिये दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के शीर्षक IV के अनुसार जमा किया जायेगा। प्रमाण के साथ दावे उसके समर्थन में दस्तावेजीय प्रमाण सहित निम्न विनिर्दिष्ट प्रपत्रों में जमा किये जा सकते हैं।

प्रपत्र बीः कर्मियों तथा कर्मचारियों को छोड़कर ऑपरेशनल क्रेडीटर्स द्वारा दावे
प्रपत्र सीः वित्तीय क्रेडीटरों द्वारा दावे
प्रपत्र सीएः किसी वर्ग में वित्तीय क्रेडीटरों द्वारा दावे
प्रपत्र डीः कर्मियों अथवा किसी कर्मचारियों द्वारा दावे
प्रपत्र ईः कर्मियों अथवा किसी कर्मचारियों के किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा जमा किये गये दावे
प्रपत्र एफः क्रेडीटरों द्वारा दावे वित्तीय क्रेडीटरों तथा ऑपरेशनल क्रेडीटरों के अतिरिक्त।

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाणों को जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

सुनील कुमार अग्रवाल
तिथिः 11.10.2019 अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल
स्थानः नई दिल्ली IBBI/IPA-002/IP-N00081/2017-2018/10222

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा

[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]

मै. सरश एक्स्पोर्ट्स सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	मै. सरश एक्स्पोर्ट्स सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	24.09.2009
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार-दिल्ली के पास कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U51909DL2009PTC194669
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय का पता	एम-70, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	30.9.2019 (आदेश की प्रति 11.10.2019 को प्राप्त की गई)
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	28 मार्च, 2020
8.	प्रस्ताव प्रॉफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के रूप में कार्यरत है	**राजीव कुमार राइजादा** **पंजीकरण सं.:** IBBI/IPA-001/IP-P01460/2018-19/12337
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल का पता एवं ईमेलः	फ्लैट नं. 402, सम्पत्ति सं. बी-159, फ्रीडम फायटर्स एन्क्लेव, इग्नू रोड, नई दिल्ली-110068, ईमेल आईडीः rajeevraizada@ymail.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	फ्लैट नं. 402, सम्पत्ति सं. बी-159, फ्रीडम फायटर्स एन्क्लेव, इग्नू रोड, नई दिल्ली-110068, ईमेल आईडीः rajeevraizada@ymail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	25 अक्टूबर, 2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल द्वारा सुनिश्चित किया गया	नहीं
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	एन.ए.
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख) प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	क) वेबलिंकः https://ibbi.gov.in/home/downloads ख) भौतिक पताः लागू नहीं

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, **नई दिल्ली ने 30 सितम्बर, 2019 को** मै. सरश एक्स्पोर्ट्स सर्विसेस प्रा. लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। एतद्द्वारा मै. सरश एक्स्पोर्ट्स सर्विसेस प्रा. लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्ट सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास **25 अक्टूबर, 2019 को** या उससे पूर्व प्रमाण के साथ अपने दावे जमा करें।

फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं।

प्रविष्टि सं. 12 के समक्ष यथा सूचीबद्ध किसी वर्ग से संबंधित वित्तीय क्रेडीटर प्रपत्र सीए में वर्ग के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये (वर्ग निर्दिष्ट करें) प्रविष्टि सं. 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनलों में से प्राधिकृत प्रतिनिधि की अपनी पसंद को दर्शाएं- आईआरपी को अद्यतन उपलब्ध जानकारी के अनुसार लागू नहीं।

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

हस्ता./-
राजीव कुमार राइजादा
तिथिः 12.10.2019 अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल
स्थानः नई दिल्ली पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-001/IP-P01460/2018-19/12337

एटलस साइकल्स (हरियाणा) लिमिटेड

पंजी. कार्यालयः इंडस्ट्रियल एरिया, एटलस रोड, सोनीपत-131001
CIN No. L35923HR1950PLC001614, टेलीः 0130-2200001-06, फैक्सः 0130-2200018
ईमेलः companysecretary@atlascycles.co.in, वेबसाईटः www.atlasbicycles.com

शेयरधारकों के लिये सूचना

(निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष (आईईपीएफ) प्राधिकरण में शेयरों के अंतरण के लिये)

एतद्द्वारा शेयरधारकों को सूचित किया जाता है कि निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष प्राधिकरण (लेखा, ऑडिट, अंतरण तथा रिफंड) नियमावली, 2016 (''नियमावली'') के प्रावधानों के अनुपालन में वित्त वर्ष 2011-12 के दौरान घोषित लाभांश जो पिछले सात वर्षों की अवधि से दावा-रहित रहा है, को 30 अक्टूबर, 2019 को आईईपीएफ में क्रेडिट कर दिया जायेगा। तत्स्थानीय शेयरों जिस पर लगातार सात वर्षों से लाभांश दावा-रहित था, को भी नियमावली में निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार अंतरित किया जायेगा। कम्पनी ऐसे शेयरों को आईईपीएफ में अंतरित नहीं करेगी जहाँ ऐसे शेयरों के किसी भी अंतरण पर न्यायालय/अधिकरण के आदेश विशेष द्वारा प्रतिबंध लगी है अथवा जहाँ शेयर डिपोजिटरीज अधिनियम, 1996 के अंतर्गत हाइपोथेकेटेड/गिरवी हैं।

नियमावली के अनुपालन में कम्पनी ने वित्त वर्ष 2011-12 से संबंधित ऐसे शेयरधारकों जिनकी शेयरों को 7 वर्षों के बाद आईईपीएफ में अंतरित किया जाना है, को व्यक्तिगत रूप से सूचित कर दिया है तथा आईईपीएफ में अंतरित किये जाने वाले ऐसे शेयरों का सम्पूर्ण विवरण हमारी वेबसाईट www.atlasbicycles.com पर उपलब्ध है। शेयरधारकों से अनुरोध है कि अनइन्कैश्ड लाभांश तथा आईईपीएफ में अंतरित किये जाने वाले शेयरों के विवरणों की जाँच के लिये लिंक देखें।

कृपया ध्यान रहे कि कम्पनी ने 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिये लाभांश राशि जो 7 वर्षों से अधिक से अप्रदत्त/दावा-रहित रही है, को निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में 30 अक्टूबर, 2019 को अंतरित कर दिया जायेगा। अतः ऐसे शेयरों के दावा-रहित लाभांश के संदर्भ में कोई भी शेयरधारक अपना दावा निवेशक शिक्षा तथा संरक्षण कोष प्राधिकरणों में करेंगे न कि इस कम्पनी में। पुनः शेयरधारकों से अनुरोध है कि वित्त वर्ष 2012-13 के दौरान घोषित लाभांश का इससे पूर्व की उसे आईईपीएफ में अंतरित किया जाये, अपना दावा प्रस्तुत करें।

भौतिक पद्धति में शेयर धारित करने वाले संबंधित शेयरधारकों जिनके शेयरों को आईईपीएफ में अंतरित किया जायेगा, यह ध्यान रखें कि कम्पनी नियमावली के अनुसार आईईपीएफ में शेयरों के अंतरण के लिये उनके द्वारा धारित मूल शेयर प्रमाण पत्र (त्रों) की जगह डुप्लिकेट शेयर प्रमाण पत्र (त्रों) जारी करेगी तथा उसे जारी करने के उपरांत डीमैट में डुप्लिकेट शेयर प्रमाणपत्रों को रूपांतरित करने तथा आईईपीएफ के पक्ष में अंतरण के लिये कॉर्पोरेट कार्रवाई के द्वारा डिपॉजिटरी को सूचित करेगी। उनके नाम में पंजीकृत मूल शेयर प्रमाणपत्र (त्रों) स्वतः निरस्त हो जाएंगे तथा उसे अविचारणीय माना जायेगा। डीमैटेरियलाईज्ड पद्धति में शेयर धारित करने वाले संबंधित शेयरधारक यह ध्यान रखें कि आईईपीएफ की डीमैट खाता के पक्ष में शेयरों के अंतरण के लिये कम्पनी कार्पोरेट कार्रवाई द्वारा डिपॉजिटरी को सूचित करेगी।

शेयरधारक यह भी ध्यान रखें कि उसकी वेबसाईट पर कम्पनी द्वारा अपलोड की गई विवरणों को नियमावली के अनुसार आईईपीएफ में शेयरों के अंतरण के लिये कम्पनी द्वारा डुप्लिकेट शेयर प्रमाणपत्र (त्रों) को जारी करने के संदर्भ में पर्याप्त सूचना माना जायेगा।

यदि कम्पनी को 9 जनवरी, 2020 तक संबंधित शेयरधारकों से इक्विटी शेयरों के संदर्भ में कोई वैध दावा प्राप्त नहीं करती है तो नियमावली की अपेक्षाओं का अनुसरण करने के उद्देश्य से कम्पनी 16 जनवरी, 2020 तक शेयरों को आईईपीएफ में अंतरित करेगी। कृपया ध्यान रहे कि आईईपीएफ में अंतरित दावा-रहित लाभांश राशि तथा इक्विटी शेयरों के संदर्भ में कम्पनी के प्रति कोई दावा नहीं की जा सकती है।

वित्त वर्ष 2011-12 से लगातार सात वर्षों से दावा-रहित रही लाभांश वाली शेयरों को भी आईईपीएफ में अंतरित किया जायेगा। ऐसी शेयरों पर उपचयित सभी लाभों, यदि कोई, हो, सहित आईईपीएफ में अंतरित लाभांश तथा तत्स्थानीय शेयरों के लिये शेयरधारक नियमावली में निर्दिष्ट प्रक्रिया का अनुसरण कर आईईपीएफ प्राधिकरणों से उसे प्राप्त करने का दावा कर सकते हैं।

उपरोक्त विषय पर किसी प्रकार की पूछताछ/आगे जानकारी/सूचना/स्पष्टीकरण के लिये शेयरधारकों से अनुरोध है कि टी-34, 2रा तल, ब्लॉक टी, ओखला इंडस्ट्रियल इस्टेट फेज-2, नई दिल्ली, दिल्ली 110020; फोनः 011-26387281, ईमेल आईडी-info@masserv.com पर कम्पनी के रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेन्ट मै. मास सर्विसेस लिमिटेड से सम्पर्क करें।

एटलस साइकल्स (हरियाणा) लिमिटेड के लिये
हस्ता./-
स्थानः सोनीपत, भारत निखिल बिन्दल
तिथिः 11.10.2019 (कम्पनी सचिव)

प्रपत्र जी
रूचि के अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण

[illegible]

प्रासंगिक विवरण		
1.	[illegible]	[illegible]
2.	[illegible]	23/06/2011
3.	[illegible]	रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज – दिल्ली
4.	[illegible]	U55101DL2011PTC221339
5.	[illegible]	[illegible]
6.	[illegible]	09.07.2019
7.	[illegible]	12.10.2019
8.	[illegible]	www.insolvencyandbankruptcy.in [illegible] RP व IPE [illegible]
9.	धारा 29 A [illegible]	www.insolvencyandbankruptcy.in [illegible] RP व IPE [illegible]
10.	[illegible]	25.10.2019
11.	[illegible]	31.10.2019
12.	[illegible]	02.11.2019
13.	[illegible]	07.11.2019
14.	[illegible]	04.11.2019
15.	[illegible]	[illegible]
16.	[illegible]	20.11.2019
17.	[illegible]	[illegible]
18.	[illegible]	[illegible]
19.	[illegible]	IBBI/IPA-003/IPA-ICAI-N-00211/2018-2019/12063
20.	[illegible]	[illegible] sn.anjum123@gmail.com
21.	[illegible]	[illegible] unnati.hotmart@aaainsolvency.com sn.anjum@aaainsolvency.com
22.	[illegible]	www.insolvencyandbankruptcy.in
23.	[illegible]	12.10.2019

[illegible]
IBBI/IPA-003/IPA-ICAI-N-00211/2018-2019/12063
[illegible] unnati.hotmart@aaainsolvency.com, sn.anjum@aaainsolvency.com
तिथि : 12.10.2019
स्थान : नई दिल्ली

खबर कोना

विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान शॉट लगाते तमिलनाडु के कप्तान दिनेश कार्तिक।

यूरो क्वालीफायर में जर्मनी ने एस्तोनिया को 8-0 से हराया

बर्लिन, 12 अक्तूबर (एएफपी)।

जर्मनी ने यूरो 2020 फुटबॉल क्वालीफायर के बेमेल मुकाबले में एस्तोनिया को 8-0 से हराया। इससे पहले गुरुवार को रोटरडम में जर्मनी ने उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से शिकस्त दी थी। जर्मनी, नीदरलैंड और आयरलैंड के 12 अंक हैं लेकिन आयरिश टीम ने एक मैच अधिक खेला है। फीफा रैंकिंग में एस्तोनिया जर्मनी से 88 पायदान नीचे है और यह अंतर इस मैच में साफ दिखा।

चेक गणराज्य से 2-1 से हारा इंग्लैंड

पेरिस, 12 अक्तूबर (एएफपी)।

इंग्लैंड को यूरो फुटबॉल क्वालीफायर में चेक गणराज्य के हाथों 2-1 से पराजय झेलनी पड़ी जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 699वें गोल की मदद से पुर्तगाल ने लक्जेमबर्ग को हराया। प्राग में खेले गए मैच में हैरी केन ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर इंग्लैंड के लिए गोल दागा। मार्च में इंग्लैंड से 5-0 से हारने वाली चेक टीम के लिए हालांकि जैकब ब्राबेक ने बराबरी का गोल दागा। वहीं स्थानापन्न खिलाड़ी देनेक ओंद्रासेक ने 85वें मिनट में विजयी गोल किया। इस हार के साथ ही क्वालीफाइंग दौर में एक दशक से चला आ रहा इंग्लैंड का अपराजेय अभियान खत्म हो गया जो 43 मैचों से चल रहा था।

डब्लूवाईसीसी में भारत ने जीते सात पदक, प्राग्ना को स्वर्ण

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर।

भारत के आर. प्राग्ना विश्व युवा चेस चैंपियनशिप के अंतिम दिन शनिवार को अंडर-18 ओपन वर्ग में चैंपियन बनकर उभरे। प्राग्ना ने शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए सोना जीता। चेन्नई के 14 साल के ग्रैंड मास्टर ने 11वें और अंतिम राउंड में जर्मनी के वालेनटिन बुकेल्स के खिलाफ ड्रॉ खेला और नौ अंकों के साथ विजेता बने। आइएम अर्जुन कल्याणा ने इस वर्ग में टॉप सीड अर्मेनिया के शांत एस. को बराबरी पर रोका। भारत के लिए इस चैंपियनशिप में कुल सात पदक आए। इसमें तीन रजत और तीन कांस्य शामिल हैं। यू-16 गर्ल्स कटेगरी में भारत की बीएम अक्षया पदक नहीं जीत सकीं। वह अनोशा माधियान से हाकर पदक से दूर हो गईं।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में मंजू रानी

मैरी कॉम और जमुना को कांस्य से करना पड़ा संतोष

उलान उदे, 12 अक्तूबर (भाषा)।

विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहली बार खेल रही मंजू रानी (48 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन के बूते फाइनल में प्रवेश किया। वहीं छह बार की चैंपियन एमसी मैरी कॉम (51 किलो) को शनिवार को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। छठी वरीयता प्राप्त मंजू रानी ने सेमी फाइनल में थाईलैंड की चुटहामत रखसत को 4-1 से शिकस्त दी। अब उनका सामना रविवार को फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त रूस की एकेटरीना पाल्टसेवा से होगा। मैरी कॉम के अलावा पदार्पण कर रही एक अन्य मुक्केबाज जमुना बोरो (54 किग्रा) को सेमी फाइनल में हारने से कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

तीसरी वरीयता प्राप्त मैरी कॉम को यूरोपीय चैंपियनशिप और यूरोपीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता तुर्की की बुसेनाज काकिरोग्लू से 1-4 से पराजय झेलनी पड़ी। जमुना बोरो को शीर्ष वरीय और एशियाई खेलों की कांस्य पदकधारी चीनी ताइपे की हुआंग सियाओ वेन से 0-5 से हार

मंजू रानी

हार की घोषणा से निराश मैरी कॉम।

मिली। भारतीय दल ने मैरी कॉम के फैसले का रिव्यू मांगा लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ की तकनीकी समिति ने उनकी अपील खारिज कर दी।

मैरी कॉम ने हार के बाद ट्वीट किया कि क्यों और कैसे। दुनिया को यह पता लगे कि यह फैसला कितना सही था या कितना गलत। पहले दौर में मैरी कॉम ने अच्छे जवाबी हमले किए और काकिरोग्लू अपने कद का फायदा नहीं उठा सकीं। दूसरे दौर में हालांकि उन्होंने शानदार वापसी की। आखिरी तीन मिनट में तुर्की की मुक्केबाज ने दबाव बना लिया। इस हार के बावजूद मैरी कॉम ने महिला विश्व चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा पदक जीतने का रेकार्ड अपने नाम किया। यह विश्व चैंपियनशिप का उनका आठवां और 51 किलोवर्ग में पहला पदक है।

हार से निराश, लेकिन अपने प्रदर्शन से खुश : मैरी कॉम

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर (भाषा)।

भारतीय मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम (51 किग्रा) सेमी फाइनल में मिली हार से निराश थीं लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें विश्व चैंपियनशिप अभियान में अपने प्रदर्शन पर गर्व है। इससे अगले साल दूसरा ओलंपिक पदक जीतने का उनका भरोसा मजबूत हो गया है। छत्तीस साल की इस महिला मुक्केबाज ने कांस्य से विश्व चैंपियनशिप में अपना आठवां पदक हासिल किया जिससे वह एमेच्योर विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल मुक्केबाज बन गई हैं।

छह बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज ने कहा कि वह सेमी फाइनल में यूरोपीय चैंपियनशिप और यूरोपीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता तुर्की की बुसेनाज काकिरोग्लू से 1-4 से पराजय झेलनी पड़ी। इस फैसले को चुनौती दी लेकिन सफलता नहीं मिली। मैरी कॉम ने कहा कि मैं निश्चित रूप से जजों के फैसले से खुश नहीं हूं। यह हार मैं स्वीकार नहीं कर पा रही हूं।

उन्होंने कहा कि मैं यह सोच ही नहीं पा रही कि मेरे साथ ऐसा होगा। मैं बहुत हैरान हूं। मैरी कॉम ने कहा कि मुझे लगता है कि मैंने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। अब यह परफेक्ट हो गया है, हां यह अनमोल ही है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैंने 51 किग्रा में इस विश्व चैंपियनशिप में सही सतुंलन हासिल किया।

सीनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए हॉकी इंडिया ने 22 खिलाड़ियों को चुना

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर (भाषा)।

हॉकी इंडिया ने एफआइएच ओलंपिक क्वालीफायर से पहले 14 अक्तूबर से भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम पर लगने वाले सीनियर महिला टीम के राष्ट्रीय शिविर के लिए 22 खिलाड़ियों को चुना है। इस शिविर में एक और दो नवंबर को अमेरिका के खिलाफ होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी पर जोर रहेगा।

हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर रानी रामपाल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने ब्रिटेन के खिलाफ पहला मैच 2-1 से जीता जबकि तीन मैच ड्रॉ खेले और आखिरी मैच गंवाया। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि यह अच्छा दौरा था जिसमें हम ब्रिटेन जैसी मजबूत टीम से खेले। एक सप्ताह के ब्रेक से खिलाड़ी शारीरिक व मानसिक रूप से तरोताजा हो गए हैं।

खिलाड़ियों के नाम की सूची : सविता, रजनी ई, दीप ग्रेस इक्का, रीना खोखार, सलीमा टेटे, गुरजीत कौर, उदिता, निक्की प्रधान, निशा, सुशीला चानू, मोनिका, लिलिमा मिंज, नेहा गोयल, नमिता टोप्पो, सोनिका, रानी, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी, नवजोत कौर, शर्मिला देवी, ज्योति, वंदना कटारिया।

द. अफ्रीका के खिलाफ भारत मजबूत

दूसरे टैस्ट के तीसरे दिन मेहमान टीम 275 पर सिमटी, भारत को 326 रनों की बढ़त

पुणे, 12 अक्तूबर (भाषा)।

पुछल्ले बल्लेबाजों केशव महाराज और वर्नोन फिलैंडर के जुझारू प्रदर्शन के बाद भी दूसरे क्रिकेट टैस्ट के तीसरे दिन शनिवार को दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत को विशाल बढ़त लेने से रोक पाने में नाकाम रहे। दक्षिण अफ्रीका की टीम 105.4 ओवर में 275 रन पर आउट हो गई। इससे पहले भारत ने पहली पारी में पांच विकेट पर 601 रन (घोषित) बनाए थे।

फिलैंडर और चोटिल महाराज ने नौवें विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की। फिलैंडर 44 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि महाराज ने 72 रन बनाए। दोनों ने संभलकर खेलते हुए ढीली गेंदों पर ही रन लिए। दोनों जिस समय क्रीज पर आए, दक्षिण अफ्रीका का स्कोर आठ विकेट पर 152 रन था। दोनों 43.1 ओवर तक क्रीज पर डटे रहे। भारत के लिए रविचंद्रन अश्विन ने 69 रन देकर चार विकेट लिए जबकि रविंद्र जडेजा को एक विकेट मिला।

महाराज ने अपनी पारी में 12 चौके लगाए लेकिन वह कंधे पर लगी चोट के कारण कराहते दिखे। आखिर में अश्विन की गेंद पर वह लेग स्लिप में रोहित शर्मा को कैच देकर लौटे। सुबह के सत्र में मोहम्मद शमी का शानदार स्पैल और ऋधिमान साहा का दर्शनीय कैच आकर्षण का

मैच के तीसरे दिन कैच लपकने के लिए डाइव लगाते भारतीय कप्तान विराट कोहली।

केंद्र रहा। इसके बाद स्पिनरों ने कमान संभाली। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डुप्लेसी (64) और क्विंटन डिकाक (31) पारी को संवारने की कोशिश में लगे थे। दोनों के बीच 75 रन की साझेदारी को रविचंद्रन अश्विन ने तोड़ा जब डिकाक उनकी गेंद पर आउट हुए।

शमी ने सुबह के सत्र में 10 ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिए जबकि उमेश यादव अब तक आठ ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट ले चुके हैं। बल्लेबाजों की मददगार लग रही पिच पर दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी जूझते नजर आए। एनरिच नोर्जे शुरू से असहज लग रहे थे। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने उनके लिए आक्रामक फील्ड लगाते हुए स्लिप में चार और गली में एक फील्डर लगाया। शमी की गेंद पर नोर्जे चौथी स्लिप में कोहली को कैच देकर लौटे।

थ्यूनिस डि ब्रून (30) ने कुछ अच्छे कवर ड्राइव लगाए लेकिन साहा के दर्शनीय कैच ने उनके पारी का अंत किया। यादव की गेंद पर उन्होंने बल्ल अड़ाया और विकेटकीपर साहा ने पहली स्लिप की ओर डाइव लगाते हुए उनका कैच लपका। डुप्लेसी और डिकाक ने समझदारी से बल्लेबाजी की। डुप्लेसी ने अपनी पारी में दस चौके और एक छक्का लगाया जबकि डिकाक ने सात बार गेंद को सीमारेखा तक पहुंचाया।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : पांच विकेट पर 601 रन (घोषित)
दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : डीन एल्गर बो उमेश 6, एडेन मार्कराम पगबाधा बो उमेश 0, थ्यूनिस डि ब्रून का साहा बो उमेश 30, तेम्बा बावुमा का साहा बो शमी 8, एनरिच नोर्जे का कोहली बो शमी 3, फाफ डुप्लेसी का रहाणे बो अश्विन 64, क्विंटन डिकाक बो अश्विन 31, सेनुरान मुथुस्वामी पगबाधा बो जडेजा 7, वर्नोन फिलैंडर नाबाद 44, केशव महाराज का रोहित बो अश्विन 72, कागिसो रबादा पगबाधा बो अश्विन 2
गेंदबाजी : ईशांत 10-1-36-0, उमेश 13-2-37-3, जडेजा 36-15-81-1, शमी 17-3-44-2, अश्विन 28.4-9-69-4, रोहित 1-1-0-0

रेकार्ड केन्या के दिग्गज धावक इलियुड किपचोगे ने दो घंटे से कम समय में मैराथन पूरा कर इतिहास रच दिया।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए घोषित हुई भारतीय टीम

गुवाहाटी, 12 अक्तूबर (भाषा)।

मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने बांग्लादेश के खिलाफ मंगलवार को होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान किया। डिफेंडर संदेश झिंगन और अनवर अली जूनियर चोट के कारण नहीं खेल सकेंगे जबकि हालीचरण नरजारी, फारूख चौधरी और निशु कुमार को बाहर रखा गया है।

झिंगन को बुधवार को नार्थ ईस्ट युनाइटेड के खिलाफ दोस्ताना मैच के दौरान चोट लगी थी। उन्हें ऑपरेशन कराना होगा और वह छह महीने के लिए बाहर भी हो सकते हैं।

एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ ड्रॉ रहे मैच में कप्तानी करने वाले गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने इसे टीम के लिए बड़ा नुकसान बताते हुए कहा कि यह दुखद है।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह बड़ा नुकसान है, खासकर इस वक्त। वह काफी मजबूत इंसान हैं और उसी मजबूती से वापसी करेंगे।

टीम : गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, कमलजीत सिंह, डिफेंडर : प्रीतम कोटल, राहुल भेके, आदिल खान, नरेंदर, सार्थक गोलुइ, अनस ई, मंदार राव देसाई, सुभाशीष बोस, मिडफील्डर : उदांता सिंह, निखिल पुजारी, विनित राय, अनिरूद्ध थापा, अब्दुल सहल, रेनियर फर्नांडिस, ब्रेंडन फर्नांडिस, लालियांजुआला छांगटे, आशिक कुरुनियन, फॉरवर्ड : सुनील छेत्री, बलवंत सिंह, मनवीर सिंह।

क्रिकेट सुरक्षाकर्मी की जवाबदेही पर उठाए सवाल — कहा, सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक मुद्दा

प्रशंसकों के सुरक्षा घेरा तोड़ने से गावसकर नाराज

पुणे, 12 अक्तूबर (भाषा)।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावसकर इस बात से काफी नाराज हैं कि शनिवार को एक प्रशंसक सुरक्षा घेरा तोड़कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टैस्ट के दौरान मैदान में प्रवेश कर गया। एक प्रशंसक स्टेडियम की सुरक्षा को तोड़ते हुए रोहित शर्मा के करीब पहुंच गया जो मैच के तीसरे दिन स्लिप में क्षेत्ररक्षण कर रहे थे। उसने रोहित के पैर छुए जिसके बाद सुरक्षा स्टाफ ने उसे मैदान से बाहर किया।

इस घटना से क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गावसकर काफी खफा हैं जिन्होंने मैदान के सुरक्षा स्टाफ की जवाबदेही पर सवाल उठाए। गावसकर कमेंटरी पैनल का हिस्सा हैं, उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं इसलिए होती हैं क्योंकि सुरक्षाकर्मी दर्शकों को नहीं देख रहे होते बल्कि मैच देख रहे होते हैं। भारत में हमेशा यह समस्या रही है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 12 अक्तूबर के मैच के दौरान मैदान पर पहुंचे प्रशंसक को रोकते सुरक्षाकर्मी।

उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मी यहां मुफ्त में मैच देखने के लिए नहीं हैं। वे इस तरह की घटनाएं रोकने के लिए हैं।

गावसकर ने कहा कि इस तरह की घटनाएं सुरक्षा के लिहाज से काफी जोखिम भरी हैं। उन्होंने कहा कि मैं कहता हूं कि सुरक्षा घेरे की ओर कैमरा रखिए और देखिए कि वे मैच देख रहे हैं या फिर दर्शकों को। उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक मुद्दा है जिसके लिए ही आपको तैनात किया गया है कि आप सुनिश्चित करें कि कोई भी मैदान में नहीं जा सके। इससे कोई भी खिलाड़ी को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसा पहले भी हो चुका है तो जोखिम क्यों लिया जाए।

दक्षिण अफ्रीका के भारत के मौजूदा दौरे पर यह तीसरी घटना है जब दर्शक मैदान में घुस गया हो। विशाखापत्तनम में पहले टैस्ट में एक प्रशंसक मैदान में घुस गया और उसने भारतीय कप्तान विराट कोहली से हाथ मिलाया और सेल्फी भी लेने की कोशिश की। इससे पहले मोहाली में दोनों टीमों के बीच दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी दो बार बाधा उत्पन्न हुई क्योंकि प्रशंसक मैदान में घुस गए थे।

निश्चित रूप से छेत्री खतरनाक खिलाड़ी : बांग्लादेशी कोच

कोलकाता, 12 अक्तूबर (भाषा)।

बांग्लादेश के सहायक कोच स्टुअर्ट वाटकिस ने शनिवार को कहा कि भारत के खिलाफ होने वाले विश्व कप क्वालीफायर मैच में उनका करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री उनके खिलाड़ियों के लिए खतरनाक साबित होगा। दोहा में एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ भारत के गोलरहित ड्रॉ में छेत्री को बुखार के कारण बाहर बैठना पड़ा था लेकिन वह यहां ग्रुप ई के इस मैच में खेलने को तैयार हैं।

वाटकिस ने कहा कि निश्चित रूप से, सुनील सबसे ज्यादा खतरनाक खिलाड़ी हैं जो उनके गोल की संख्या से भी पता चलता है। उन्होंने कहा कि वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं, जिनका गोल करने का भी शानदार रेकार्ड है। छेत्री ने गुवाहाटी में पिछले महीने ओमान से मिली 1-3 की हार वाले मुकाबले में अपना 72वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागा था। वाटकिस 2015-16 सत्र में पूर्व आई लीग क्लब भरत एफसी के साथ थे और छेत्री के खेल को देख चुके हैं।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 329, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता
रविवारी
• 13 अक्तूबर, 2019 •

कुदरत का कहर या इंसानी भूल

इस साल बरसात का कहर देश के लगभग सभी हिस्सों में देखा गया। हजारों गांवों की फसलें बाढ़ की वजह से चौपट हो गईं, तो सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। बहुत सारे मवेशी बह गए, अनेक लोगों के घर-बार उजड़ गए और उन्हें राहत शिविरों में पनाह लेनी पड़ी। विकसित कहे जाने वाले मुंबई, पटना, वाराणसी जैसे शहरों में लोगों को हफ्तों जलप्लावन से जूझना पड़ा। ऐसे में यह सवाल एक बार फिर गाढ़ा होकर उभरा कि बाढ़ जैसी आपदा कुदरत का कहर है या फिर इसके लिए मनुष्य की गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं। अनेक अध्ययनों से ऐसी आपदा की पोल खुल चुकी है। बाढ़ से पैदा हुए संकट का विश्लेषण कर रही हैं **नाज खान**।

इस बार की औसत से अधिक हुई बारिश करीब एक हजार नौ सौ लोगों की जिंदगी लील गई। पचीस लाख लोग बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याओं से प्रभावित हुए और अब जब बारिश रुकी है, तो बाढ़ग्रस्त इलाकों के ज्यादातर लोग डेंगू-चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के खतरे से जूझ रहे हैं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि इस बार देरी से लौट रहे मानसून की बारिश ने न सिर्फ आधे भारत को तर किया, बल्कि अपना रौद्र रूप दिखा कर जान-माल को भारी नुकसान पहुंचाया, जिसका असर लंबे समय तक रहने वाला है। यह तो साफ है कि यह प्रकृति से लगातार किए जा रहे खिलवाड़ का नतीजा है कि मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है और इसके एवज में जब-तब प्राकृतिक आपदाओं की सूरत में अंजाम भी भुगतना पड़ रहा है। इसे व्यवस्था की नाकामी और संबंधित विभागों की खामी के चश्मे से तो देखा ही जाएगा, मगर इसके लिए सिर्फ यही जिम्मेदार हों, ऐसा नहीं है।

समुद्र में लगातार बढ़ रही नमी की वजह से भी बारिश की मात्रा बढ़ जाती है। यह तब और भयावह रूप में सामने आती है जब लोगों के फेंके गए प्लास्टिक और कचरे की वजह से जल निकासी प्रणाली अवरुद्ध हो जाती है। इससे जल निकासी बाधित होती है और नतीजा जलजमाव के तौर पर सामने आता है।

1960 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि मानसून देरी से लौट रहा है। हालांकि हर साल अपने निर्धारित समय के अनुसार मानसून एक जून से तीस सितंबर तक खत्म हो जाता है। मगर इस बार मानसून न सिर्फ देरी से लौट रहा है, बल्कि लौटते मानसून में भी बारिश का भयावह रूप सामने आ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक इस साल जुलाई और अगस्त में हुई बरसात अनुमान से ढाई गुना ज्यादा दर्ज की गई। वहीं 1996 के बाद पहली बार अगस्त में इतनी बारिश दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार देश में बीते कुछ दशकों में जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और तालाबों पर अतिक्रमण की वजह से बाढ़ की घटनाओं में इजाफा हुआ है।

अप्रत्याशित तौर पर इतनी अधिक हुई बारिश की वजह से हालत यह है कि स्मार्ट सिटी बनाए जा रहे पटना में भी सब कुछ जलमग्न हो गया और पानी सड़कों पर है। दरअसल, पटना को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए योजना तो बनी, पर यहां की जल निकासी व्यवस्था पर काम पूरी तरह किया ही नहीं गया। फिर पटना से सटी कई नदियां पहले ही खतरे के निशान से ऊपर बह रही थीं और जब लगातार कई दिनों तक भारी बारिश हुई तो ऐसे में शहर के ड्रेनेज सिस्टम की क्षमता भी जवाब दे गई। हालात यह है कि यहां बाढ़ से आम आदमी तो क्या सरकार के मंत्री भी इसके प्रकोप से बच नहीं सके हैं। डिप्टी सीएम सुशील मोदी का सरकारी आवास बाढ़ के पानी की चपेट में आ गया और उनको उनके सरकारी आवास से निकालने के लिए एनडीआरएफ को आपदा प्रबंधन करना पड़ा। वहीं प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र वाराणसी भी बाढ़ का दंश झेल रहा है। करीब दो दशक बाद वाराणसी में भी इस तरह की बारिश हुई है। इससे पहले अगस्त 2009 में इस शहर ने ऐसी भीषण बारिश देखी थी।

कभी न सोने वाला शहर मुंबई भी बाढ़ से त्रस्त रहा। सड़कें बाधित रहीं और रास्ते सुनसान रहे। हालांकि 2005 और 2017 में भी मुंबई नगरी ऐसी ही बाढ़ का सामना कर चुकी है। 2005 में यहां चौबीस घंटों में 944 मिमी बारिश हुई थी और इसकी वजह से पांच सौ से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। वहीं दक्षिणी राज्य केरल इस बार भी बाढ़ की चपेट में है। केरल में पिछले साल भी बाढ़ से हुए हादसों में करीब साढ़े तीन सौ लोग मारे गए थे और करीब सवा तीन लाख लोगों को राहत शिविरों में रहने पर मजबूर होना पड़ा था।

ऐसा नहीं कि देश में पहली बार बाढ़ का प्रकोप छाया हो या सरकारी तंत्र की व्यवस्था के दावों की पोल खुली हो, लेकिन इस बार जलजमाव की भयावह स्थिति इस ओर संकेत जरूर कर रही है कि जिम्मेदार कोई भी हो, लेकिन प्रकृति अब बिल्कुल सहने के मूड में नहीं है। हर साल बाढ़ से प्रभावित होते क्षेत्रों की स्थिति को देखते हुए ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदियों को जोड़ने की योजना बनाई थी। समस्या के मद्देनजर लगभग हर राज्य में आपदा प्रबंधन बल का गठन किया गया है। मगर अक्सर इसकी भूमिका बाढ़ के भयावह रूप दिखाने के बाद ही देखी गई है। वहीं सरकारें भी बाढ़ की स्थिति में काफी सक्रियता दिखाती हैं, लेकिन अक्सर देखा यही गया है कि बाढ़ नियंत्रण संबंधी योजनाएं लंबे समय के लिए ठंडे बस्ते में डाल दी जाती हैं या फिर इनका काम ही बहुत ढुलमुल तरीके से चलता रहता है। ■

मानव जनित संकट

पर्यावरण विशेषज्ञ इस आपदा को अनियोजित विकास के परिणाम के तौर पर देख रहे हैं। ऐसे में बाढ़ का मुख्य कारण इंसानों की बनाई नीतियां हैं। इसे मानव निर्मित संकट कहते हैं। वहीं अनियमित बारिश के लिए जलवायु परिवर्तन के साथ वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी भी जिम्मेदार है। ऊंचे बांध, कार्बन उत्सर्जन और नदियों के किनारे निर्माण कार्यों को लेकर लगातार विशेषज्ञों की चेतावनी को नजरअंदाज करते जाना, यह इसी का नतीजा है कि जिन इलाकों में कुछ समय पहले सूखा था, वहां भी बाढ़ का कहर बरपा है। जब भी औसत से ज्यादा बारिश होती है, तो बाढ़ आ जाती है। इसके लिए जिम्मेदार सरकारों का प्रबंधन भी है। अभी तक बारिश के पानी के संचयन के लिए कोई कारगर योजना नहीं बनाई जा सकी है। सूखा और बाढ़ जैसी आपदाओं को रोकने के लिए स्थाई समाधान जरूरी है, जो जल प्रबंधन की कारगर योजनाओं के जरिए ही पूरा हो सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक जंगलों की अंधाधुंध कटाई की वजह से बारिश का चक्र बदला है। 1880 से 2013 तक देश के वनक्षेत्र में चालीस फीसद से ज्यादा की कमी आई है और यही वजह है कि कहीं औसत से ज्यादा बारिश हो रही है और कहीं कम। वनों के क्षेत्रफल में आई इस गिरावट का सीधा असर मौसम पर पड़ रहा है। एशियाई विकास बैंक और पोस्ट-डैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक अगले तीन दशकों में दक्षिण एशिया में बीस फीसद बारिश बढ़ जाएगी। इसकी मुख्य वजह जलवायु परिवर्तन है। यही वजह है कि ग्लेशियर पिघल रहे हैं और नदियों की स्वाभाविक प्रकृति प्रभावित हो रही है। पिछले 119 साल में 2018 छठवां सबसे गरम साल रहा है। जर्नल वेदर एंड क्लाइमेट एक्सट्रीम में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन की वजह से भारत में भविष्य में भारी बारिश और बाढ़ की घटनाओं में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है।

वहीं जिन बांधों का निर्माण कभी बाढ़ पर अंकुश लगाने के मकसद से किया गया था, अब वही बाढ़ की एक अहम वजह बन रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 1950 में 371 बांध थे, मगर अब इनकी तादाद कही ज्यादा है। दरअसल, नदियों पर बनने वाले बांध और तटबंध पानी के प्राकृतिक बहाव में रुकावट डालते हैं। ऐसे में जब पानी की अधिकता से नदियां उफनने लगती हैं, तो तटबंध टूटते हैं और इससे आसपास के इलाके डूब जाते हैं। यह बात सही है कि प्राकृतिक आपदाओं पर पूरी तरह अंकुश लगाना संभव नहीं है, लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के अलावा मानवीय गतिविधियों ने इस खतरे को कई गुना बढ़ा जरूर दिया है। ऐसे में बाढ़ प्रबंधन के जरिए इससे होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम जरूर किया जा सकता है। ■

प्लास्टिक कचरा अहम वजह

लगातार लोगों का फेंका हुआ प्लास्टिक कचरा नदियों, नालों से होता हुआ समुद्र में पहुंच रहा है। नदियों में डाला जा रहा यही प्लास्टिक कचरा नदियों के उफान के लिए भी जिम्मेदार है। हर साल समुद्रों में करीब अस्सी लाख टन प्लास्टिक कचरा मिलता है। दूसरे शब्दों में कहें तो प्रति मिनट एक ट्रक प्लास्टिक कचरा समुद्र में जा रहा है। यही स्थिति रही तो 2050 तक प्रति मिनट चार ट्रक कूड़ा समुद्र में जाने लगेगा।

दरअसल, प्लास्टिक के साथ समस्या यह है कि यह नष्ट नहीं होता। इस वजह से यह पूरी तरह निष्क्रिय भी नहीं हो पाता। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि समुद्रों में पंद्रह करोड़ टन प्लास्टिक कचरा मौजूद है। हमारे देश में हर दिन करीब छब्बीस हजार टन कचरा पैदा होता है, यह नालियों, नदियों, कूड़े में फेंक दिया जाता है।

यह भयावह सत्य है कि दुनिया भर में जो दस नदियां समुद्र में नब्बे फीसद से अधिक प्लास्टिक कचरा बहा कर ले जाती हैं, उनमें से तीन नदियां गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु भारत में बहती हैं। अकेले गंगा नदी ही लगभग बारह लाख टन सालाना कचरा समुद्र में डाल देती है। यह कचरा नालियों से होता हुआ नदियों के जरिए समुद्र में बह रहा है। शहरों में इस कचरे से नालियां जाम हो रही हैं, जल निकासी बाधित हो रही है और जलजमाव हो रहा है। वहीं इससे वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। ■

तबाही का मंजर

कई राज्यों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से बाढ़ग्रस्त इलाकों के 1.09 लाख मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर ढह गए। पहले से ही कई दिक्कतों का सामना कर रहे किसानों के साथ इस बार की बारिश ने भी कोई नरमी नहीं बरती है। बाढ़ का पानी करीब 14.14 लाख हेक्टेयर फसलों को बर्बाद कर चुका है। वहीं बीस हजार मवेशियों के भी लापता होने की खबर है। गरीब मजदूरों और किसानों के लिए इस मानसून की बारिश ने कई मुश्किलें पैदा कर दी हैं। बाढ़ग्रस्त इलाकों के लोग जहां रहने, खाने जैसी दिक्कतों से दो-चार हैं, वहीं अब चुनौती बाढ़ के बाद पनप रही बीमारियां भी हैं। बिहार में बाढ़ के बाद अब डेंगू-चिकनगुनिया की मार से लोग त्रस्त हैं। पूरे प्रदेश में डेंगू और चिकनगुनिया से प्रभावित लोगों की संख्या नौ सौ के पार पहुंच गई है। हालात बदतर हैं। ऐसे में बाढ़ग्रस्त इलाकों पर अब महामारी का खतरा मंडरा रहा है।

राज्यों में बाढ़ से हुई मौतें

गृह मंत्रायल के मुताबिक महाराष्ट्र में सबसे अधिक यानी 382 लोगों की मौत बाढ़ की वजह से हुई। इसके करीब बाईस जिले बाढ़ से प्रभावित रहे। वहीं 369 लोग घायल हुए है और करीब 7.19 लाख लोगों को शिविरों में शरण लेनी पड़ी। इसके बाद दूसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल है, जहां 227 लोगों की जान इस प्रकोप की वजह से गई। वहीं राज्य के करीब पैंतालीस हजार लोगों को शिविरों में शरण लेनी पड़ी। बिहार में अब भी स्थिति चिंताजनक है। यहां अभी तक करीब 165 लोगों की मौत हो चुकी है, तो एक लाख से अधिक लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। मध्यप्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और इससे हुई बाढ़ की वजह से 182 लोगों ने जान गंवाई है। वहीं कुछ लोग लापता भी हैं। साथ ही 32, 996 लोग शिविरों में शरण लेने पर मजबूर हुए हैं। केरल में भी हालात बेहद खराब हैं। राज्य में इस साल हुई बारिश में 181 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। साथ ही तेरह जिलों के पंद्रह लोगों के गुमशुदा होने की सूचना है। वहीं 4.46 लाख लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली है। असम में भी बाढ़ का कहर जारी है। यहां 97 लोगों की मौत हुई है और 5.35 लाख लोग शिविरों में रहने पर मजबूर हैं। कर्नाटक में भी 106 लोगों की मौत का कारण इस बार की बारिश बनी। गुजरात में जहां 170 लोगों की मौत हो गई, वहीं राहत शिविरों में भी सत्रह हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक भारत उन पांच शीर्ष देशों में शामिल है, जिन पर प्राकृतिक आपदाओं की मार विश्व में सर्वाधिक पड़ती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल प्राकृतिक आपदाओं से करीब सोलह सौ लोगों की मौत हो जाती है और देश की करीब अठारह सौ करोड़ रुपए की संपत्ति का नुक्सान होता है। वहीं रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 1998 से 2017 के बीच भारत को बाढ़, सूखा और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं की वजह से करीब अस्सी अरब डॉलर का भारी नुकसान हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की वजह से दुनिया भर में हर साल करीब दो करोड़ साठ लाख लोग गरीबी में जीवन बिताने को मजबूर हो जाते हैं। 1998 से लेकर 2017 के बीच दुनिया में आई सभी प्राकृतिक आपदाओं में चौवालीस फीसद हिस्सा बाढ़ का है। ■

निर्णय

कहानी

मधु अरोड़ा

चित्रः वाजदा खान

कब तक देखती यह नंगई! मेरी अपनी भी तो कोई जिंदगी थी, जिसके लिए निर्णय लेना था। कब तक इकतरफा प्यार देती। संवेदनाएं मरने लगी थीं। क्या अपना सब कुछ खत्म हो जाने दूं, कितने दिन सहूं यह सब। एक रात तुम फिर नशे में झूमते आए थे और बोले थे, 'देख कमला, मैं कहता था न कि मैं शैनी से शादी करूंगा और तू रखैल होगी। आज हम दोनों ने मंदिर में शादी कर ली है। यह देख फूलों की माला।' और तुमने जेब से गेंदे के फूलों की माला निकाल कर मेरे सामने लहरा दी थी।

शेखर, तुम ऐसा करोगे, कभी सोचा नहीं था। तुम अगर पहले ही बता देते कि तुम्हारे जीवन में मेरे सिवाय भी कोई लड़की थी, तो मैं पीछे हट जाती। तुमने सच क्यों छुपाया बोलो न... यदि पहले बता दिया होता तो आज ऐसी नौबत न आती। इन हालात के लिए तुम्ही जिम्मेदार थे और मुझे कोई अफसोस भी नहीं है।

मैं बुजदिल तो नहीं थी, यह तुम जानते थे। अपनी इज्जत को बचाने के लिए मैं किसी भी सीमा तक जा सकती थी, यह भी तुम्हें पता था... फिर भी तुमने ऐसा किया... मैं तुम्हारे लिए अपना घर-बार छोड़कर आई थी तुम्हारे साथ अपना घर-परिवार बसाने। तुम क्यों नहीं अपने माता-पिता को रोक पाए कि वे मेरे साथ बदसलूकी न करें। तुम क्यों अपने माता-पिता के साथ हो लिए और मुझे एकदम अकेला कर दिया!

शादी से पहले तुम प्यार जताते थे कि मेरे बिना नहीं रह सकते। तुम्हारे घर में मेरी पूरी इज्जत होगी। क्या इसी को इज्जत कहते हैं? मेरा यही कसूर था न कि तुम्हारे प्यार को कबूल कर लिया था और शादी के लिए राजी हो गई थी।

मेरे माता-पिता भी खुश थे कि लड़का जान-पहचान का था, खाते-पीते घर का था, मुझे खुश रखेगा... पर तुमने क्या किया शेखर, तुम नहीं जानते, तुमने मेरे परिवार का विश्वास तोड़ा था, सबसे अधिक मेरा दिल दुखाया था।

तुम्ही मुझे मिनी कश्मीर ले गए थे और अपने प्यार का इजहार किया था... तुम ही थे जो मेरे माता-पिता की अनुमति से मुझे अपने घर ले गए थे, यह कह कर कि तुम्हारे माता-पिता मुझे देखना चाहते थे।

बोलो, तुमने ही शुरुआत की थी न... मैं अजीब पेशोपेश में थी। कैसे भरोसा कर लेती तुम्हारी बात का। पूरी जिंदगी का सवाल था। तुम्हारे पास तो नौकरी भी नहीं थी। आखिर बोलना ही पड़ा, 'बिना नौकरी के तुम शादी की बात सोच कैसे सकते हो! तुम्हारी भावनाओं की कद्र करती हूं।'

इस पर तुम बोले थे, 'मेरे भाई का बिजनेस है। मेरी पार्टनरशिप है। मुझे नौ से पांच की नौकरी तो करना नहीं है। हां, ग्रेजुएशन जरूर करना है। मेरे घर में तुम रानी बन कर रहोगी। घर में किसी चीज की कोई कमी नहीं है। बहन तो एअर लाइन में है। खूब विदेशी चीजें आती हैं घर में। सभी तुम्हें पसंद करते हैं। तुम किसी बात का टेंशन मत लो।' बस, यहीं मैं धोखा खा गई थी।

तुमने बिल्कुल भी तो सोचने का समय नहीं दिया था। दोनों परिवारों की सहमति से अगस्त में शादी तय कर दी गई। अगस्त भी आना ही था। आया और हम दोनों शादी के बंधन में बंध गए। दोनों खुश थे।

मैं नई नवेली पैर में पायल की रुनक झुनक और चूड़ियों की खनखनाहट के साथ पूरे घर में घूमती। पूरे एक महीने हनीमून मनाया। तुम कॉलेज नहीं जाते थे। बस, घूमना, खाना और सोना... मैं रसोई में थोड़ा भी काम करती तो तुम्हारी मां निहाल हो जातीं। इस तरह छह महीने बीत गए थे।

शायद बुरे दिन कह कर नहीं आते। एक दिन तुम्हारी मां को कहते सुना, 'शेखर, अब तो तू ब्याह कर चुका है। कुछ काम भी कर। तेरे पिता की नौकरी खत्म होने को है। घर के खर्चे तो वही रहेंगे। बहन भी अपने घर चली जाएगी।' इस पर तुमने कहा था, 'भइया का बिजनेस है न। मैं उसके साथ काम कर लूंगा।' इसके बाद तुम्हारी मां ने जो कहा, वह बम फोड़ने से कम नहीं था।

'देख, तेरे बड़े भइया ने साफ मना कर दिया है तुझे पार्टनर बनाने से। उसका कहना है कि जिस तरह से तू होटलबाजी करता है और मंहगे शौक पाल रखे हैं, उनको पूरा करने में वह कंगाल हो जाएगा। दूसरे, अब कमला भी है। घर के खर्चे भी बढ़े ही हैं। हम सबकी राय है कि तू अलग घर ले ले। घर का भाड़ा हम दे दिया करेंगे। गृहस्थी के बर्तन-भांडे हम दे देंगे। अब तुझे अपने खर्चे खुद संभालने होंगे।'

यह सुन कर तुम सन्न रह गए थे। मैं चुप थी। तुम्हारी मां का कहना एक हद तक सही भी था। रात को मेरी और तुम्हारी बात हुई और तय किया कि अलग हो जाना ही ठीक होगा। इससे ज्यादा बेइज्जती ठीक नहीं।

इस तरह हमने अलग रहने का मन बना लिया था। हम दोनों के बीच बड़ी दुविधा की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। पर आने वाले हालात का सामना तो करना था। तुम्हारे पास नौकरी नहीं थी। मैं ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं थी।

तुम्हारे घरवालों ने यह कहकर पढ़ने नहीं दिया कि मुझसे कोई नौकरी तो करानी नहीं थी और न मेरी कमाई खाना था। सब कुछ तुम बच्चों का ही तो है। कैसे बरगला लिया था मुझे। मैं खुद को ठगी और छली महसूस कर रही थी। अचानक आकाश से जमीन पर फेंक दिया था। एक महीना जैसे तैसे काटा। बजटहीन थे हम।

हमें जैसे तैसे एक चाल में घर मिल गया। दो कमरे थे। किराया था दो हजार रुपए। मैंने अपने जेवर बेच कर पैसों का जुगाड़ किया था। सोच लिया था कि एक समय खा लेंगे, पर किसी के सामने हाथ नहीं पसारेंगे। जमीन पर एक गद्दा डलवा लिया। जरूरत का सामान ले लिया।

हां, मेरे पापा ने दो महीनों का राशन भरवा दिया था, ताकि रोटी की तंगी न हो। उनको मना भी नहीं कर पाई। अपनी कसम जो दे दी थी कि यह राशन लेना ही होगा मुझे। तुम नौकरी खोजने लगे थे। तुम्हारी बहन एअर लाइन में थी। सो, अपनी जान-पहचान से कार्गो में नौकरी लगवा दी।

तुम अचानक व्यस्त हो गए थे। सुबह नौ बजे जाना और रात के दस बजे वापस आना आम बात थी। घर आकर थक जाते थे तो एक पैग विस्की का लेते और खाकर सो जाते थे। मैं कभी प्यार की इच्छा जताती तो मुंह फेरकर सो जाते।

मैं यह सोच कर हैरान होती कि रोज पीने के लिए शराब का जुगाड़ कैसे करते थे। एक दिन मैंने तुमसे पूछा, 'तुम पहले तो नहीं पीते थे। ऐसे रोज पियोगे तो सेहत खराब हो जाएगी। फिर ये पैसे कहां से आते हैं?'

इस पर तुमने बताया, 'तुम तो जानती हो... मेरी बहन एअर लाइन में है तो वह मेरे लिए विदेश से अच्छी से अच्छी शराब लाया करती है। मैं तो दसवीं में था, तभी से पी रहा हूं। आज फोन करके उससे दो बॉटल भेजने के लिए कहता हूं।'

'शेखर, अच्छा नहीं लगता। अब हम अलग रह रहे हैं। ये चीजें मत मांगो।' मेरे यह कहने पर तुम चिढ़ गए थे और बोले थे, 'हम अलग हुए हैं। तुम मुझे मेरे परिवार वालों से क्यों अलग करना चाहती हो। हम दो सप्ताह से मिलने नहीं गए हैं। कल रविवार है। मिलने जाएंगे और मैं दो बॉटल भी ले आऊंगा। खत्म होने को है दारू।'

सच कहूं, मुझे तुम्हारी यह बेगैरती बिल्कुल अच्छी नहीं लगी थी। तुम इतनी शराब पीते थे शादी से पहले, मुझे हवा तक नहीं लगने दी थी तुमने अपने पीने की।

जिस तरह से उन्होंने हमें अलग किया था, मेरा बिल्कुल भी मन नहीं था वहां जाने का। लेकिन मन मार कर तुम्हारे साथ जाना पड़ा। जाते ही सासू मां ने कहा, 'कमला, मेरे बेटे को इत्ता भी बांध कर मत रख। उसे यहां आने से रोका मत कर।'

मैंने सिर्फ इतना ही कहा, 'मैं थोड़े ही रोकती हूं। ये रात को इतना थक जाते हैं कि रविवार ही मिलता है आराम करने को।' मैं चुपचाप सबकी सुनती रही। अब मैं उनके लिए बाहरी थी। तुम सबसे बातें करने में मशगूल हो गए थे। सबने खाना खाया।

घड़ी देखी तो शाम के साढ़े पांच बज गए थे। मैंने कहा, 'शेखर, अब घर चलना चाहिए।' तुम एक ही बार के कहने में चलने के लिए कैसे तैयार हो गए, यह देख कर ही मैं हैरान थी। चलते समय तुम्हारी बहन ने तुम्हें विदेशी विस्की की दो बोतल यह कहते हुए पकड़ा दीं, 'तुझे यह ब्रांड पसंद है न। इस बार अमेरिका गई थी। स्पेशली तेरे लिए लाई हूं और हां शेखू, तुझे शैनी याद कर रही थी। कभी मिल लेना।' इस तरह हम विदा होकर घर से निकले। रास्ते में मैंने पूछा, 'यह शैनी कौन है, कभी जिक्र नहीं किया।'

'अब हर बात बताना जरूरी है क्या, मेरी दीदी के साथ एअर लाइन में है। मेरी बहुत पुरानी दोस्त है।' दो दिन बाद ही तुम बोले, 'मैं शाम को शैनी से मिलने जा रहा हूं। डिनर करके आऊंगा। शादी के बाद से मिला नहीं हूं उससे।'

मैंने भी सोचा कि चलो पुरानी दोस्त थी। उसका भी तो हक बनता था कि कभी-कभार वह अपने दोस्त के साथ खाना खाए। बस, मेरी यही सोच मुझे भारी पड़ गई आगे चलकर। अब तुम सप्ताह में तीन बार शैनी से मिलने लगे थे और रात को नशे में ही घर लौटते थे। खाना भी खाकर ही आते थे।

तुम अक्सर नींद में बड़बड़ाते, 'शैनी, मैं तुझे कैसे भूल सकता हूं। कमला मेरी पत्नी है, पर तू तो मेरी सबसे पक्की दोस्त है। दोस्त हमेशा पत्नी से बेहतर होती है।' तुम्हारा यह बड़बड़ाना मुझे अंदर तक छील देता था। अब घर में शैनी को लेकर अक्सर झगड़े होने लगे थे।

कोई भी पत्नी नहीं चाहेगी कि घर के काम के लिए पत्नी और अय्याशी के लिए दूसरी लड़की और वह भी एअर लाइन की, ताकि शराब मुफ्त की मिलती रहे। मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं।

आखिरी कोशिश की और तुम्हारी मां के पास गई और घर के हालात बताए। उन्होंने यह कह कर अपने हाथ खड़े कर लिए, 'तुम पति-पत्नी के बीच के झगड़े हैं, खुद ही निपटाओ। तुम मेरे बेटे को नहीं संभाल सकतीं, यह तुम्हारी समस्या है। आइंदा मेरे बेटे की शिकायत लेकर मेरे पास मत आना।'

अब समझ में आ रहा था कि यहां तो सारा आंवा ही बिगड़ा है। मेरे ससुराल वाले गिरगिट की तरह रंग बदल रहे थे। मैं अपना-सा मुंह लेकर वापस आ गई। उस रात को तुम दो बजे घर आए थे। पूरी तरह नशे में। पैर लड़खड़ा रहे थे।

तुम जूते पहने ही गद्दे पर लेट गए थे और बोले थे, 'कमला, तू अपने को समझती क्या है, मुझे रोकने की कोशिश मत करना। शैनी से मेरा पुराना याराना है। उससे शादी करूंगा और तुझे 'कीप' की तरह रखूंगा। रहना हो तो मेरे साथ रह, नहीं तो घर के दरवाजे खुले हैं बाहर जाने के लिए।'

यह सुन कर मैं सन्न रह गई। पहली बार यह बात कही थी तुमने मेरे सामने। यह मेरे मुंह पर थप्पड़ था। पहली बार मेरा गुस्सा फूटा था। मैंने गुस्से से कांपते हुए कहा, 'शेखर, तुमने यह पहली बार कहा है, इसलिए जाने देती हूं। अगली बार कहा तो ठीक नहीं होगा।' यह सुन कर तुम झटके से उठे थे और बोले थे, 'क्या कर लेगी मेरा? मैं हजार बार कहूंगा। ले सुन, कीप...कीप...कीप' और यह कहते-कहते सो गए थे।

अब तुम मुझे 'तू' कहने लगे थे। नींद में तो तुम बार-बार मुझे रखैल कहते और अपनी ओर खींचते। मैं तुम्हारा हाथ झटक देती थी। अजीब-सी हिकारत पैदा होने लगी थी मन में तुम्हारे प्रति।

तुम्हारी बदतमीजियां और बदमिजाजी बढ़ती ही जा रही थी। अब तुम रात को गायब भी रहने लगे थे। मैं अकेली जाती भी कहां। अब तुम मेरी बजाय शैनी को बाइक पर घुमाने लगे थे। फटी फटी आंखों से सब देख रही थी।

कब तक देखती यह नंगई! मेरी अपनी भी तो कोई जिंदगी थी, जिसके लिए निर्णय लेना था। कब तक इकतरफा प्यार देती। संवेदनाएं मरने लगी थीं। क्या अपना सब कुछ खत्म हो जाने दूं, कितने दिन सहूं यह सब। एक रात तुम फिर नशे में झूमते आए थे और बोले थे, 'देख कमला, मैं कहता था न कि मैं शैनी से शादी करूंगा और तू रखैल होगी। आज हम दोनों ने मंदिर में शादी कर ली है। यह देख फूलों की माला।' और तुमने जेब से गेंदे के फूलों की माला निकाल कर मेरे सामने लहरा दी थी।

इससे ज्यादा मेरा अपमान क्या हो सकता था! मैंने कुछ नहीं कहा। उस दिन से मैंने अपने होठों को सिल लिया था। आंखों का पानी सूख गया था। मानो मेरी पूरी-पूरी रातें आंखों में कट रही थीं और मैं अपने में बड़बड़ाती रहती, 'नहीं, मैं तीन जिंदगियां बर्बाद नहीं होने दूंगी।' उस दिन पहली बार मैंने विस्की के दो पैग एक के बाद एक पिए और वह भी बिना पानी या सोडे के। यह पीना मेरे लिए जरूरी था। जो काम करने जा रही थी उसके लिए नशा जरूरी था। होश में तो कर ही नहीं सकती थी।

घड़ी की टिक-टिक ने रात के तीन बजाए और मैं उठी। पैर लड़खड़ा रहे थे, पर संभलना किसे था। मैंने किचन से सिल का लोढ़ा (बट्टा) उठाया और बाहर आकर पूरे जोर से तुम्हारे माथे पर दे मारा था। तुम्हारे माथे से खून की धार फूट पड़ी थी। मैं चुपचाप बहते खून को देख रही थी... किरच रहा था अंदर से कुछ... पर और कर भी क्या सकती थी। तुमने मेरे अस्तित्व को ललकारा जो था, निर्णय तो लेना ही था। ❑

आकांक्षा, स्वप्न और मुक्ति की छटपटाहट

प्रसंग

कविता भाटिया

हिंदी कविता के आरंभ से ही स्त्री अपनी वेदना, घुटन, प्रेम और अन्य अभिव्यक्तियों को स्वर देती रही है। वह निजी से लेकर पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय चिंताओं को भी अपनी कविता का विषय बनाती रही है। कविता के प्रारंभिक काल में उसने अपनी रचनाओं के जरिए अपने समाज की रूढ़ियों, परंपराओं और चुनौतियों के बीच अपनी चुप्पी को तोड़ अपनी स्वायत्त पहचान बनाते हुए अपनी मुक्ति की आकांक्षा को स्वर दिया। समाज के बने-बनाए जड़ चौखट को तोड़ कर उसने अपनी नई भूमिका स्थापित की। उन आरंभिक स्त्री आत्माभिव्यक्तियों में उसके व्यक्तिगत जीवन के कुछ ऐसे सूत्र हैं, जिनसे आगे चल कर स्त्री विमर्श सैद्धांतिकी की आधारभूमि तैयार हुई। यह सच है कि स्वतंत्रता और समानता मनुष्य की चेतना का अंग है, तो स्त्री को भी बहुत दिनों तक दबाया नहीं जा सकता- मध्ययुगीन स्त्री साहित्य इसका स्पष्ट प्रमाण रहा है।

एंजिल्स की पुस्तक 'द ओरिजन ऑफ फैमिली प्राइवेट प्रापर्टी' के अनुसार सृष्टि के प्रारंभ से ही पुरुष सत्ता स्त्री की चेतना और उसकी गति को बाधित करती रही है। यही नहीं, न्याय, धर्म और समाज जैसी संस्थाएं भी पुरुष के ही निजी हितों की रक्षा करती है और स्त्री को कमजोर तथा हीन साबित करती है। मध्यकाल में मीरा का विद्रोही रूप आत्मसंघर्ष से पूरित नारी का स्वरूप है, तो आधुनिक काल में छायावादी कवयित्री महादेवी वर्मा की 'पंथ रहने दो अपरिचित, प्राण रहने दो अकेला' जैसी पंक्तियों में नारी स्वाभिमान, 'तोड़ दो यह क्षितिज मैं भी देख लूं उस ओर क्या है' में विद्रोह और मुक्ति की आकांक्षा तथा 'भिक्षुक से फिर जाओगे जब लेकर अपना यह धन/ करुणामय तब समझोगे इन प्राणों का महंगापन' में नवजागृत नारी का अहं स्पष्ट दिखाई देता है। सच यह है कि मनुष्य के रूप में उसकी स्वीकृति की उसकी मांग अब तक पूरी नहीं हो पाई है।

स्त्री रचनाकारों ने अपनी कविताओं के माध्यम से न केवल स्त्री की दशा का चित्रण किया, बल्कि उनमें उभरी अस्मिता, स्वतंत्रता और जागरूकता की चेतना को भी व्यक्त किया है। हिंदी साहित्य के आरंभिक काल में पुरुषवादी वर्चस्व के कारण स्त्री लेखन कभी मुख्यधारा में नहीं रहा। सच है, जिस समाज में पुरुषों के गृहत्याग या गमन प्रसंग को सराहा जाता हो- 'नर यति कहा कर चल निकले/ नारी निकले तो असती है।' (विष्णुप्रिया- मैथिलीशरण गुप्त) उसी समाज में मीरा पग घुंघरू बांध, साधु-संतों के बीच लोकलाज खोकर अपने 'असती' होने को सिक्त करती हैं।

बदलते समय के साथ-साथ स्त्री लेखकों ने अपनी रचनाओं में मनुष्य विरोधी स्थितियों, भीतरी अंतर्द्वंद्वों और अपनी छटपटाहट को बखूबी व्यक्त किया है। उन्होंने स्त्री को दमित बनाए रखने वाले जिम्मेदार कारकों की पड़ताल कर अपने असंतोष और आक्रोश- दोनों को उजागर किया। उनकी कविता का मूल भाव अपने बैचेन मन के प्रश्नों का समाधान ढूंढ़ने की छटपटाहट तथा आवश्यक जागरूकता उत्पन्न करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

समकालीन स्त्री कविता में स्त्री पुरुष से अलग न पहचाने जाने की विडंबना की शिकार तो है ही, पुरुष उत्पीड़न और आतंक से सहमी हुई त्रस्त भी है। ऐसे में उसकी मुक्तिकामी चेतना अपने स्वत्व की पहचान में तड़पती है। युवा कवयित्री यथार्थ और जीवन के सहज अनुभवों को अपनी कविता का विषय बनाती है। पितृसत्ता के अंतर्विरोधों और विसंगतियों के प्रति विद्रोहात्मक प्रतिक्रिया का स्वर उसकी कविता में स्पष्ट सुना जा सकता है। आज की स्त्री बंनी-बनाई सीमा को तोड़ कर अनंत विस्तार और गहराई लिए समंदर छूने की आकांक्षी है।

हमारे समाज में लड़की का विवाह आज भी एक जटिल समस्या है। वर पक्ष की मांगों, दहेज की पूर्ति करने में तीन बेटियों के पिता की लाचारगी और उस बेटी की मनःस्थिति को ज्योति चावला की कविता 'फिर भाग गई लड़की' में स्पष्ट देखा जा सकता है। घर की चैहद्दी में कैद, अपने को मिटाते हुए 'घर' को रचने में व्यस्त होने की काबिलियत ही स्त्री को 'अच्छी पत्नियां' होना साबित करता है। जहां उनकी अपनी स्वतंत्र चाह और इच्छाओं का कोई मोल नहीं, उनके लिए स्वतंत्रता का अर्थ झरोखे की सलाखों से झांकता बित्ता भर आसमान है।

'आह भर आसमां का छोटा-सा टुकड़ा/ नहीं कल्पना करती थी उड़ने की.../ आंगन की देहरी तक था उनका दायरा।' (अनिता भारती)

सच है कि प्रेम में समर्पण, त्याग, उदारता, स्नेह, करुणा और दया जैसी अनेक कोमल भावनाएं समाहित है, पर जब दो युवा भाषा, जाति, वर्ण और धर्म की छद्म दीवारें तोड़ कर आपस में प्रेम करते हैं, तो खाप पंचायतों के रूप में पुरुष समाज की अहमन्यता और उनकी रूढ़िवादिता पर चोट लगती है, और फिर शुरू होता है उनके प्रतिरोध का तांडव। प्रेमी जनों को अमानवीय और हिंसक यातनाएं देकर उनके प्रेम का अंत कर दिया जाता है। शैलजा पाठक की 'निर्णायक' कविता में प्रेम के विरुद्ध खड़ी सफेद पगड़ियां पहने निर्णायकों, इज्जतदार भीड़ और प्रेमी युगल के अमानवीय हश्र का वर्णन है।

युवा कवयित्रियों ने केवल पितृसत्ता के दबाव में दबती स्त्री के दुखों और कष्टों का वर्णन नहीं किया, बल्कि उनका युवा मन उनकी उस संघर्ष चेतना पर भी विचार करता है, जो नई आशाओं और संभावनाओं को भी जन्म दे रही है। इसी संदर्भ में उन्होंने उन युवा स्त्रियों को भी अपनी कविता का विषय बनाया है, जिन्होंने समाज में अपनी विद्रोही भूमिका से अपनी अस्मिता और अस्तित्व को नए ढंग से रेखांकित किया। कवयित्री अनिता भारती पाकिस्तान की स्वात घाटी में लड़कियों की शिक्षा के लिए संघर्षरत मलाला युसूफजई और वहां की बेटियों के सुंदर भविष्य पर आततायियों की गिद्ध दृष्टि पर चिंता व्यक्त करती है। मणिपुर की मानवाधिकार कार्यकर्ता इरोम शर्मिला- जो पूर्वोत्तर राज्यों में सशस्त्र बल शक्तियां अधिनियम 1958 को हटाने के लिए लगभग सोलह वर्षों तक भूख हड़ताल पर रही, उनके संघर्ष को चित्रित करती विपिन चौधरी की कविता 'रोशनी की लकीर' युवा कविता के इतिहास में अपनी एक अलग पहचान दर्ज करती है।

इधर हाल की चर्चित कविताओं में भारत भूषण अग्रवाल से सम्मानित शुभम श्री की 'पोएट्री मैनजमेंट' कविता की जड़ता को तोड़ते हुए अपने नए ढंग और तेवर के लिए आलोचकों और काव्यप्रेमियों के बीच काफी विवादास्पद रही। यह रचना कविता के प्रचलित शिल्प में तोड़-फोड़ करती है।

अगर 'युवा स्त्री मन' की बात करें तो, एकाएक ध्यान विमला मेहरा और वर्तिका नंदा द्वारा संपादित 'तिनका तिनका तिहाड़' की ओर जाता है। इसमें तिहाड़ बंदीगृह की महिला कैदियों की कविताएं है, जो उन्होंने सीखचों के पीछे रह कर लिखी हैं। ये कविताएं बताती हैं उनका जिस्म कैद है, मन नहीं। ये स्त्रियां कवयित्री कतई नहीं हैं और न ही उनकी कविताएं कविताओं के इतिहास में कभी शुमार होंगी, पर उनके शब्द आंसुओं और सपनों से भीगे हैं। उनमें जिंदगी से जुड़ी तस्वीरें हैं, उम्मीद है और भविष्य की बेहतरी का सपना भी।

इस तरह समकालीन कवयित्रियों का 'युवा स्त्री मन' स्त्री के तनावों, दुखों, यातना और इन सबके बीच उसकी अदम्य जिजीविषा और भीड़ में अपनी अलग पहचान बनाने की इच्छा लिए हुए विपरीत परिस्थितियों से निरंतर संघर्ष करने की शक्ति को मुख्य स्वर दे रहा है। वह नारेबाजी, बड़बोलेपन और दुरूहता से दूर गहरी मानवीय संवेदना से लबरेज तथा सहजता से युक्त है। इनकी कविता यात्रा जीवन के प्रति अटूट आस्था लिए, सहानुभूति और मानवीय भागीदारी का समर्थन करती हैं। ❑

चित्रः श्रीगोपाल व्यास

समकालीन कवयित्रियों का 'युवा स्त्री मन' स्त्री के तनावों, दुखों, यातना और इन सबके बीच उसकी अदम्य जिजीविषा और भीड़ में अपनी अलग पहचान बनाने की इच्छा लिए हुए विपरीत परिस्थितियों से निरंतर संघर्ष करने की शक्ति को मुख्य स्वर दे रहा है।

अवसाद की गिरफ्त में आते लोग

समाज

राजेंद्र प्रसाद शर्मा

विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2018 की रिपोर्ट न केवल चेताने वाली, बल्कि गंभीर चिंता का विषय भी है। रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में कुल आबादी की करीब साढ़े छह फीसद आबादी किसी न किसी रूप में गंभीर मानसिक रोग से पीड़ित है। इससे पहले 2017 की रिपोर्ट में यह साफ हो चुका है कि पिछले आठ सालों में देश में अवसाद यानी डिप्रेशन के शिकार लोगों की संख्या में पचास फीसद की बढ़ोतरी हो रही है। यह भी गंभीर तथ्य है कि डिप्रेशन के अठारह प्रतिशत रोगी भारत में निवास करते हैं।

मजे की बात यह है कि अध्यात्म और योग के देश में डिप्रेशन की गिरफ्त में इतनी अधिक संख्या में होना और डिप्रेशन की बढ़ती दर आखिर हमारी जीवन शैली और सामाजिक ताने-बाने के नकारात्मक दिशा में बढ़ने की ओर साफ-साफ इशारा है। डिप्रेशन के शिकार आज युवा ही नहीं, बालक, वृद्ध सभी होने लगे हैं। कैरिअर की चिंता और माता-पिता की प्रतिस्पर्धा के शिकार बालक डिप्रेशन का शिकार होते जा रहे हैं। यही कारण है कि बालकों तक की आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। कोचिंग संस्थानों में कोचिंग लेते बच्चों के आत्महत्या करने की घटनाएं आए दिन होने लगी हैं।

समाज में गुस्सा अब आम होता जा रहा है। सहनशक्ति जवाब देने लगी है। रोड रेज की घटनाएं आम होती जा रही हैं, तो जरा-सी कहासुनी में जान तक ले लेना सामान्य बात होती जा रही है। आखिर यह सब हमारी जीवन शैली और सामाजिक व्यवस्था के बिखराब का ही संकेत है। हांलाकि यह साफ हो जाता है कि डिप्रेशन या मानसिक विकारों का कारण और समाधान हमारी सामाजिक व्यवस्था और जीवन शैली से ही निकाला जा सकेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार 2020 आते-आते डिप्रेशन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी बीमारी हो जाएगी। हांलाकि पहली बड़ी बीमारी दिल की बीमारी का एक कारण डिप्रेशन भी है। बदलती जीवन शैली और भागमभाग की जिंदगी में आज का युवा डिप्रेशन का शिकार होता जा रहा है। युवाओं में मनोरोग तेजी से पांव पसार रहा है। देश-दुनिया में मनोरोगियों की संख्या दिनो-दिन बढ़ती जा रही है। डिप्रेशन के कारण कुंठा, अवसाद, चिडचिड़ापन यहां तक कि आत्महत्याओं का ग्राफ भी दिनो-दिन बढ़ता जा रहा है। अधिक कमाने और अधिक सहेजने की होड़ में युवा खोता जा रहा है। संयुक्त परिवार का विघटन, नौकरी में लक्ष्य प्राप्ति के लिए अत्यधिक दबाव, अनावश्यक प्रतिस्पर्धा, दूसरे के सुख से दुबले होना आदि ऐसी प्रवृत्तियां विकसित होती जा रही हैं, जिनमें व्यक्ति कुंठाग्रस्त होकर डिप्रेशन का शिकार होता जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार कार्य क्षेत्र पर अत्यधिक दबाव और लक्ष्य आधारित वेतन भत्तों के चलते कारपोरेट क्षेत्र के करीब बयालीस फीसद युवा तेजी से डिप्रेशन का शिकार होते जा रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी खेलने-कूदने के दिनों में जिस तरह से डिप्रेशन का शिकार हो रही है वह किसी भी देश की भावी पीढ़ी के लिए उचित नहीं माना जा सकता है। सबसे मजे की बात यह है कि ग्लैमर या मौज-मस्ती की मानी जानी वाली नौकरियों में ही सर्वाधिक डिप्रेशन का शिकार होना पड़ रहा है। आज सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार मीडिया, खासतौर से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े युवा, दूरसंचार, आईटी, केपीओ, बीपीओ और मार्केटिंग से जुड़े क्षेत्र के युवा हो रहे हैं। यह सब तो तब है जब आज की युवा पीढ़ी स्वास्थ्य और खानपान के प्रति अधिक सजग होने लगी है। जिम जाना या भोजन में कोलेस्ट्रॉल, प्रोटिन, कार्बोहाईड्रेट या अन्य तत्त्वों की अधिक जानकारी रखते हुए, पर बाहरी भोजन खासतौर से फास्टफूड स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है।

डिप्रेशन के फैलाव का एक दूसरा पक्ष भी अब तेजी से सामने आने लगा है और वह है बुजुर्गों का डिप्रेशन का शिकार होना। दरअसल, हमारी परंपरा के अनुसार उम्र के जिस पड़ाव में बुजुर्ग बच्चों, पोते-पोतियों, नाती-नातियों का सान्निध्य पाने की ललक रखते हैं, उस उम्र में उन्हें एकाकीपन से जूझना पड़ता है। इससे बुजुर्गों में नैराश्य बढ़ने लगा है और यही नैराश्य और एकाकीपन बुजुर्गों को भी डिप्रेशन यानी अवसाद का शिकार बना रहा है। एक और परिवार छोटा होता जा रहा है। संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार लेने लगा है, तो नौकरी के कारण बच्चों को मां-बाप से दूर रहना पड़ता है। भागमभाग में एक स्थिति ऐसी आने लगती है जब व्यक्ति अपनों का सान्निध्य नहीं मिलने से डिप्रेशन का शिकार होने लगता है।

शहरीकरण के दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं। एक ही परिसर में अनेक परिवारों के रहने और आपसी बात तो दूर, जान-पहचान तक नहीं होना एकाकीपन को बढ़ाने में ही सहायक होता जा रहा है। रही-सही कसर टीवी चैनलों ने पूरी कर दी है और मजबूरन लोगों को टीवी के सामने बैठना मजबूरी होने लगी है। पार्कों को अलग कर दिया जाए तो अब शहरों में चंद मिनटों के लिए एक साथ बैठने का मोहल्लों, कॉलोनियों में किसी को न तो समय है और न ही इच्छा शक्ति।

गैलप की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार देशवासियों, खासतौर से ग्रामीणों में निराशा की भावना अधिक बढ़ रही है। बदलते सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने के कारण निराशा बढ़ना स्वभाविक भी लगती है। एक समय था तब हमारा आदर्श सादा जीवन-उच्च विचार होता था। जीवन की सीमित आवश्यकताओं के कारण जीवन जीने का अलग ही अंदाज होता था। आदमी दिखाने में कम विश्वास रखता था। दैनिक आवश्यकताएं एक सीमा तक होती थीं। दिखावे को सराहा नहीं जाता था, बल्कि भोंडेपन के रूप में देखा जाता था। सादगी की पहचान होती थी। व्यक्ति की पहचान उसके विचारों के आधार पर होती थी। आज स्थिति इसके उलट हो गई है। अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ने के साथ ही अमीर और अमीर के बीच ही दिखावे की अंतहीन प्रतिस्पर्धा होने लगी है। तेरी कमीज मेरी कमीज से अधिक उजली कैसे? इसी में मरे जा रहे हैं हम आज। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने विज्ञापनों के माध्यम से जो सब्जबाग दिखाया है, उसके कारण लोगों में जीवन जीने को लेकर असंतोष अधिक बढ़ा है।

डिप्रेशन के फैलाव को इसी से समझा जा सकता है कि दुनिया के देशों में वर्ल्ड मेंटल हैल्थ डे आयोजित कर दुनिया के लोगों को इसकी गंभीरता के प्रति सजग करने की आवश्यकता हो गई है। मानसिक विकार के रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका मानसिक विकार का हल हमें बहुत कुछ चिकित्सा विज्ञान में ढूंढ़ने की जगह हमारी सामाजिक व्यवस्था और जीवन शैली में खोजना होगा। इसके लिए समाज विज्ञानियों को आगे आना होगा, तभी जाकर कोई समाधान निकल पाएगा। ■

रामचंद्र शुक्ल

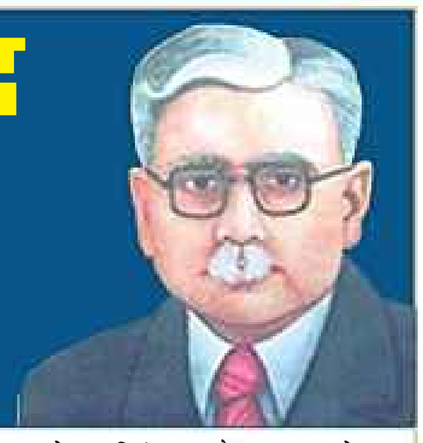

जन्म : 4 अक्तूबर, 1884
निधन : 2 फरवरी, 1941

शख्सियत

आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी के सुप्रसिद्ध आलोचक, निबंधकार और अनुवादक थे। 'हिंदी साहित्य का इतिहास' उनकी सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण पुस्तक है। आचार्य रामचंद्र शुक्ल का जन्म उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के अगोना गांव में हुआ था। उनके पिता प्रतिष्ठित राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) थे और उनकी नियुक्ति मीरजापुर में थी। इसी वजह से उनका पूरा परिवार गांव से उठ कर मीरजापुर में जाकर बस गया। रामचंद्र शुक्ल महज नौ वर्ष के थे तब उनकी माता का निधन हो गया। इसका उनके मन पर गहरा असर हुआ था।

रामचंद्र शुक्ल की प्रारंभिक पढ़ाई-लिखाई घर में ही संपन्न हुई। घर आने वाले शिक्षक से ही उन्होंने हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू भाषा का ज्ञान प्राप्त किया था। बड़ी कक्षा की पढ़ाई के लिए मीरजापुर के एक स्कूल में दाखिला लिया। मीरजापुर के लंदन मिशन स्कूल से 1901 में उन्होंने दसवीं की परीक्षा पास की। आगे की पढ़ाई के लिए वे इलाहाबाद आ गए। रामचंद्र शुक्ल के पिता चाहते थे कि वे भी कानून की डिग्री हासिल कर वकालत करें। लेकिन रामचंद्र शुक्ल की रुचि वकालत में तनिक भी न थी। उनका मन साहित्य में रमता था। इसका परिणाम यह हुआ कि वे एलएलबी की प्रवेश परीक्षा में ही फेल हो गए।

शिक्षक के रूप में नौकरी

सत्रह साल की उम्र में उनकी एक कविता और 'प्राचीन भारतीयों का पहिरावा' लेख हिंदी में और अंग्रेजी में 'वाट हैज इंडिया टू डू' लेख प्रकाशित हुआ था। 1903 से 1908 तक उन्होंने 'आनंद कादंबिनी' पत्रिका के सहायक संपादक के रूप में कार्य किया। 1904 से 1908 तक मीरजापुर के लंदन मिशन स्कूल में कला अध्यापक के रूप में नौकरी भी की। यह वही समय था जब उनके लेख पत्र-पत्रिकाओं में छपने लगे।

1908 में काशी नागरी प्रचारिणी सभा ने उन्हें 'हिंदी शब्दसागर' के सहायक संपादक का कार्यभार सौंपा, जिसे उन्होंने सफलतापूर्वक पूरा किया। वे नागरी प्रचारिणी पत्रिका के भी संपादक रहे। 1919 में उन्हें काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हिंदी का प्राध्यापक नियुक्त किया गया। वे इस पद पर 1937 तक रहे।

निबंधकार

रामचंद्र शुक्ल प्रख्यात निबंधकार भी थे। 1939 में उन्होंने 'चिंतामणि' लिखी, जो काव्य की व्याख्या करने वाला निबंधात्मक ग्रंथ है। इसके अलावा उन्होंने कुछ अन्य निबंध भी लिखे हैं, जिनमें मित्रता, अध्ययन आदि शामिल हैं। निबंधों के साथ उन्होंने ऐतिहासिक रचनाएं भी की। इसमें 'हिंदी साहित्य का इतिहास' उनका अनूठा ऐतिहासिक ग्रंथ है। उन्होंने इतिहास लेखन में रचनाकार के जीवन और पाठ को समान महत्त्व दिया।

प्रमुख कृतियां

उनकी अनूदित कृतियों में 'शशांक' बांग्ला से अनूदित उपन्यास और अंग्रेजी से 'आदर्श जीवन', 'मेगस्थनीज का भारतवर्षीय वर्णन', 'कल्पना का आनंद' आदि अनूदित रचनाएं प्रमुख हैं। आचार्य शुक्ल ने एडविन अर्नोल्ड की 'द लाइट ऑफ एशिया' का 'बुद्ध चरित' और जर्मन विद्वान अर्नस्ट हेकेल की प्रसिद्ध कृति 'द रिडल्स ऑफ यूनिवर्स' का 'विश्व प्रपंच' नाम से अनुवाद किया। संपादित ग्रंथों में हिंदी शब्दसागर, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, भ्रमरगीत सार, सूर, तुलसी, जायसी ग्रंथावली उल्लेखनीय हैं। हिंदी में पाठ आधारित वैज्ञानिक आलोचना का सूत्रपात उन्हीं द्वारा हुआ। हालांकि आचार्य रामचंद्र शुक्ल नियमित कहानीकार नहीं थे, इसके बावजूद उन्होंने हिंदी में लंबी-लंबी कहानियां लिखीं। उनकी रचनाएं को आज भी हिंदी के पाठ्यक्रमों में पढ़ाई जाती हैं।

निधन : हृदय गति रुक जाने से उनका देहांत हो गया। 1972 में उनके नाम पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल साहित्य शोध संस्थान की स्थापना की गई। ■

त्योहार की मिठाइयां

यह त्योहारों का मौसम है। इन दिनों मिठाइयों की खपत बढ़ जाती है। इसलिए अक्सर हलवाई मिठाइयों में मिलावट करते पाए जाते हैं। हालांकि उनके खिलाफ प्रशासनिक सख्ती बरती जाती है, पर फिर भी मिलावट पर पूरी तरह काबू पाना मुश्किल बना रहता है। ऐसे में हलवाई की मिठाइयों से सेहत को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहती है। तो फिर क्यों न घर में ही शुद्ध और स्वादिष्ट मिठाइयां बना ली जाएं। ये मिठाइयां उपहार में देने, मेहमानों के स्वागत के भी काम आ सकती हैं।

दाना-पानी

मानस मनोहर

नारियल के लड्डू

मिठाइयों में नारियल के लड्डू सबसे निरापद माने जाते हैं। इनमें किसी तरह की मिलावट वाली चीज के इस्तेमाल की आशंका नहीं होती। फिर इन्हें घर में बनाना बहुत आसान है। इतना आसान कि बच्चे भी बना लें। ये लड्डू खाने में भी बड़े मजेदार होते हैं और कई दिन तक खराब नहीं होते। तो, फिर बनाते हैं नारियल के लड्डू।

नारियल के लड्डू बनाने के लिए मुख्य रूप से नारियल का बुरादा, थोड़ा-सा घी और चीनी की जरूरत पड़ती है। इसके अलावा थोड़ा-सा खोया या कंडेंश्ड मिल्क यानी गाढ़ा किए हुए दूध की जरूरत पड़ती है, जो बाजार में आसानी से मिल जाता है और सुरक्षित होता है। कुछ मेवे और इलाइची पाउडर भी लिए जा सकते हैं।

नारियल का बुरादा दुकानों पर पैकेट में मिल जाता है। अगर न मिले तो कच्चे नारियल को घिस कर बुरादा तैयार किया जा सकता है। कच्चा नारियल न हो, तो पके हुए नारियल को भी घिस कर बुरादा तैयार किया जा सकता है।

कई लोग नारियल के लड्डू बनाने के लिए दूध का उपयोग करते हैं, पर इससे बने लड्डू जल्दी खराब हो जाते हैं। इसलिए आप कंडेंश्ड मिल्क का उपयोग करें, तो बेहतर रहेगा।

पहले एक कड़ाही में एक से डेढ़ चम्मच घी गरम करें और उसमें ढाई सौ ग्राम नारियल का बुरादा डालें। जरूरत के मुताबिक बुरादे की मात्रा बढ़ा भी सकते हैं। आंच को धीमी रखें और नारियल को लगातार चलाते हुए भूनें। जब उसमें से महक उठने लगे तो आंच बंद कर दें। ध्यान रहे कि नारियल जलना नहीं चाहिए, नहीं तो लड्डू कड़वा हो जाएगा।

अब इसी में इलाइची पाउडर, करीब डेढ़ सौ ग्राम कंडेंश्ड मिल्क और सौ ग्राम पिसी हुई चीनी डाल कर चम्मच की मदद से चलाते हुए ठीक से मिला लें। अगर मेवे डालना चाहते हैं, तो बादाम को बारीक काट कर डाल सकते हैं। मिश्रण हल्का गरम रहे, तभी इससे लड्डू बना लें। इन लड्डुओं को सूखे नारियल के बुरादे में लपेट कर रखते जाएं।

कंडेंश्ड मिल्क न हो, तो दूध या फिर खोए का उपयोग करके भी नारियल के लड्डू बनाए जा सकते हैं। जब नारियल का बुरादा ठीक से सेंक लें, तो उसमें एक कप यानी चौथाई लीटर दूध डालें और चलाते हुए गाढ़ा होने तक पकाएं। जब नारियल दूध को ठीक से सोख ले, तो उसमें डेढ़ सौ ग्राम चीनी डालें और मिश्रण के सूखने तक चलाते हुए पकाएं। फिर मिश्रण को ठंडा होने दें। हल्का गरम रहे, तभी उससे लड्डू बना लें और फिर नारियल के बुरादे में लपेट कर रख दें।

बेसन के लड्डू

नारियल की तरह बेसन के लड्डू बनाना भी बेहद आसान है। इसमें बहुत समय भी नहीं लगता। इसमें भी सिर्फ बेसन, चीनी और घी की जरूरत पड़ती है। सजाने के लिए बादाम या पिस्ते की कतरन ले सकते हैं।

बेसन के लड्डू बनाने के लिए अगर ढाई सौ ग्राम बेसन ले रहे हैं, तो डेढ़ सौ ग्राम चीनी लें। चीनी को पीस लें या इसकी जगह इतनी ही मात्रा में बूरे का उपयोग करें। इसमें करीब सौ ग्राम घी की जरूरत पड़ती है। अगर अधिक लड्डू बनाने हैं तो इसी अनुपात में सामग्री रखें। दुकानों पर बनने वाले लड्डू में चीनी की मात्रा अधिक रखते हैं, ताकि उसका वजन बढ़ जाए, पर आप बताए अनुसार ही मात्रा रखें।

अब एक कड़ाही में आधा घी गरम करें। आंच को मध्यम रखें और उसमें बेसन डाल कर लगातार चलाते हुए भूनें। जब महक उठने लगे, तो थोड़ी-थोड़ी देर में बचे घी में से थोड़ी-थोड़ी मात्रा डाल कर लगातार चलाते रहें। बेसन जलना नहीं चाहिए। एक चम्मच घी आखिर में डालने के लिए बचा कर रखें। जब बेसन घी छोड़ने लगे यानी उसमें तरलता आ जाए तो हाथ में थोड़ा-सा पानी लेकर छींटा मारें और चलाते रहें। इस तरह थोड़ी-थोड़ी देर में तीन बार पानी के छींटे मारें और चलाते रहें। ध्यान रहे कि सिर्फ छींटे मारने हैं, पानी डालना नहीं है। इस तरह लड्डू दानेदार बनते हैं। पानी के छींटे न मारने से लड्डू भुसभुसे बनेंगे। जब बेसन का रंग बादामी हो जाए, तो आंच बंद कर दें और ऊपर से बचा हुआ घी डाल कर मिला दें। इस तरह लड्डू में चमक आती है। बेसन को ठंडा होने दें।

जब बेसन ठंडा हो जाए, तो उसमें थोड़ी-थोड़ी करके पिसी हुई चीनी डालें और दोनों हाथों से मसलते हुए मिलाएं। इस तरह पूरी चीनी मिल जाए, तो मनचाहे आकार के लड्डू बनाते जाएं। ऊपर से पिस्ता या बादाम की कतरन डाल कर दबा दें। बाजार से अधिक शुद्ध और स्वादिष्ट लड्डू तैयार हैं। इनका उपयोग पूजा में रखने और उपहार देने में भी किया जा सकता है। ■

बदलते मौसम में बच्चों की देखभाल

सेहत

मौसम बदल रहा है, सुबह और शाम हल्की ठंड पड़ने लगी है। ठंड के साथ वातावरण में बैक्टीरिया और वायरस से पैदा होने वाली बीमारियां यानी बैक्टीरियल और वायरल संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है। मौसम का यह मिजाज हर साल लोगों को बीमार कर जाता है। बीमार पड़ने वालों में बच्चों की संख्या ज्यादा होती है। कारण कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, सो बदलते मौसम का असर उन पर सबसे पहले होता है। ऐसे में जरूरी है कि थोड़ा सर्तक रह कर और नीचे बताए गए उपायों को आजमा कर बच्चों को बीमार होने से बचाया जाए।

संतुलित आहार दें

अगर आपका बच्चा छह महीने से बड़ा है और आपने उसे कुछ ठोस आहार खिलाना शुरू कर दिया है, तो बच्चे को संतुलित आहार दें। संतुलित आहार, जिसमें विटामिन्स और मिनरल्स हों, ताकि बच्चे का शरीर अंदर से मजबूत हो और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत मिले।

नहलाने के समय में लाएं बदलाव

ज्यादातर नन्हे-मुन्नों को घंटों पानी में मस्ती करना और नहाना पसंद होता है। लेकिन मौसम बदल रहा है, सुबह ठंड बढ़ चली है, सुबह पानी भी ठंडा रहता है, ऐसे में बच्चे का लंबे समय तक पानी में बैठे रहना खराबी कर सकता है। इसलिए हो सके तो बच्चे के नहाने के समय में थोड़ा तबदीली कर दें। उसे सुबह की जगह बारह बजे के बाद नहलाएं। अगर हो सके, तो उसे धूप में नहलाने का प्रयास करें। दोपहर के समय स्नान कराने से उसे ठंड से बचाया जा सकता है।

अगर बच्चा स्कूल जाने लगा है, तो उसे सुबह में गुनगुने पानी से हाथ-मुंह धुला कर स्कूल भेजें। स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को हल्के गुनगुने पानी से नहलाएं।

पानी की कमी न होने दें

छोटे बच्चे पानी कम पीते हैं, ऐसे में इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बच्चे के शरीर में पानी या अन्य तरल पदार्थों की कमी न हो। बच्चे को समय-समय पर थोड़ा पानी जरूर पिलाते रहें। पानी की जगह जूस या सूप भी दे सकते हैं। इससे वायरल बुखार से निपटने में मदद मिलती है।

साफ-सफाई का रखें ध्यान

बाहरी संक्रमण से बचना है, तो बच्चों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। बच्चे को नहला-धुला कर साफ कपड़े पहनाएं और दिन भर में दो से चार बार उनके कपड़े जरूर बदल दें। इसके अलावा खाने की किसी भी चीज को लेने से पहले हाथ को अच्छी तरह धोना सिखाएं। बच्चे जब भी बाहर से घर आएं उनके हाथ-पैर धोएं या उन्हें हाथ-पैर धोने की आदत डालें।

संक्रमण से दूर रखें

इस मौसम में चारों ओर सर्दी-जुकाम और बुखार के जीवाणु फैले रहते हैं। इसलिए इस समय अपने बच्चों को उन बच्चों के संपर्क से दूर रखें, जिन्हें पहले से ही सर्दी- खांसी और बुखार हो। कारण कि खांसी या सर्दी-जुकाम से पीड़ित कोई बच्चा जब खांसता या छींकता है, तो उसके जीवाणु दूसरे बच्चे को भी अपनी चपेट में ले लेते हैं।

हल्दी वाला दूध

हल्दी एक बेहतरीन रोगाणुरोधक (एंटीसेप्टिक) है और सर्दी-जुकाम में भी यह काफी असरदार है। बच्चे में जैसे ही वायरल या सर्दी-जुकाम के लक्षण नजर आएं, उसे हल्दी वाला दूध यानी दूध में चुटकी भर हल्दी मिला कर देते रहें। इससे बच्चे के शरीर में बीमारियों से लड़ने की क्षमता में वृद्धि होगी, साथ ही खांसी में राहत मिलेगी।

अगर आपका बच्चा चावल खाना पसंद करता है तो चावल में थोड़ा हल्दी पाउडर डाल कर पकाएं, ऐसा करने से चावल का वादी प्रभाव कम हो जाता है और सर्दी-जुकाम होने की संभावना कम हो जाती है।

पूरे कपड़े पहना कर सुलाएं

अक्तूबर की रातें ठंडी हो चली हैं। पंखे में भी ठंड लगने लगी है, ऐसे में बच्चे को पूरी बाजू और पैर ढंके हुए कपड़े पहना कर सुलाएं। सोते समय उन पर हल्की चादर भी डाल दें। इस बात का विशेष खयाल रखें कि बच्चों की छाती खुली न हो। ताकि बदलते मौसम में वे खासी-जुकाम-बुखार जैसी बीमारियों से बचे रहें। रात में बच्चे के साथ घर से बाहर जाना हो तो उसे पूरे बाजू के कपड़े पहनाकर ले जाएं।

अगर इन तमाम उपायों के बाद भी आपका बच्चा बीमार हो जाता है, तो उसे तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। ■

अंदरूनी खूबसूरती है जरूरी

कहते हैं फैशन लड़कियों की पक्की सहेली होता है। सुंदर और आकर्षक दिखना हर कोई चाहता है, लेकिन फैशन की जानकारी के बिना इससे दोस्ती पक्की नहीं हो सकती। इसलिए जरूरी है कि फैशन की इतनी जानकारी तो रखी ही जाए जो आपको आकर्षक बनाने के साथ-साथ आत्मविश्वास से भी भर दे। यूरोप का फैशन पूरी दुनिया के सिर चढ़ कर बोलता है। फैशन दीवाने वहां के चलन को जानने के लिए बेताब रहते हैं। इसलिए वहां के फैशन की तर्ज पर हमारे यहां भी फैशन में बदलाव होते रहते हैं। ताजातरीन फैशन के बारे में बता रही हैं प्रियंवदा सहाय।

यूरोप को फैशन का महादेश कहा जाता है। बात मिलान, पेरिस, लंदन, बार्सीलोना, डेनमार्क या रोम की हो, सभी फैशन के मामले में नए ट्रेंड सेट करते रहते हैं। आइए आपको बताते हैं कि आखिर यूरोप के फैशन ट्रेंड में क्या खास है। सबसे पहले आपको बता दूं कि यहां के लोग सुंदर और आकर्षक दिखने के लिए केवल सौंदर्य प्रसाधनों पर ही निर्भर नहीं रहते बल्कि वे प्राकृतिक संसाधन, नियमित व्यायाम और खानपान पर भी विशेष ध्यान देते हैं। चेहरे की सुंदरता के साथ- साथ शरीर को सुडौल रखना भी यहां के महिला और पुरुष दोनों की प्राथमिकताओं में शामिल है।

आंखों का शृंगार

यहां आंखों के मेकअप से सुंदरता शुरू होती है। आईलैस को सजाने और उन्हें लंबा दिखाना सबको पसंद है। यहां के मेकअप इंस्टीट्यूट और ब्यूटी पार्लर में आईलैस इनहास्मेंट के खास पैकेज दिए जाते हैं। जिससे आंखों की छोटी पपनियां लंबी, घनी और आकर्षक दिखने लगती है। इसके साथ ही चेहरे पर फबने वाले आकार में आईब्रो यानी भौंहों को संवारा जाता है। यही नहीं भौंहों के आकार को स्थायी रूप देने की व्यवस्था भी है बस हर माह जरूरत के मुताबिक आईब्रो डाई कराना होता है ताकि भौंहें घने और काले नजर आए। यह फैशन यूरोप में काफी जोरों पर है। यहां लोग भले ही काला या गहरे नीले रंग के कपड़ों को पहनना ज्यादा पसंद करते हैं लेकिन आंखों की सजावट बड़ी ही चटकीली होती है। सर्दी के मौसम में काले या भूरे रंग की जैकेट और ओवरकोट में आपको हर दूसरी महिला नजर आ जाएगी। लेकिन उनकी आंखों के मेकअप लाल, नीला, पीला, सफेद या कॉम्बिनेशन के रंगो में नजर आते हैं।

यह भी जरूर ध्यान रखा जाता है कि चेहरे के रंग में समानता हो यानी आंखों के नीचे गहरे काले धब्बे, सिर पर उम्र की लकीरें या कोई निशान नजर नहीं आए। यहां की उम्रदराज महिलाएं भी इस बात का ध्यान रखती हैं कि उनके मेकअप बॉक्स में बेहतर फाउंडेशन, कंसिलर और आईलैस जरूर हो। हां यहां के फैशन में काजल को तरजीह नहीं मिली हुई है। इसकी जगह आई लाईनर को ज्यादा पसंद किया जाता है।

बालों का रंगीन जादू

आजकल यहां बालों को अलग-अलग रंगों में डाई कराने का चलन भी जोरों पर है। डाई केवल काले रंग में नहीं होता बल्कि लाल, पीला, नीला, हरा या कोई दूसरा रंग भी हो सकता है। हां, यूरोपीय महिलाएं अमूमन चटकीले रंगों की लिपस्टिक लगाने से बचती हैं। क्योंकि बालों और आंखों के गहरे रंगीन मेकअप की वजह से वे बेसिक रंगों की लिपस्टिक और लिप ग्लॉस को लगाना पसंद करती हैं। इससे चेहरे का मेकअप बैलेंस रहता है।

रंग-बिरंगे चश्मे

आजकल ट्रेंड में काले चश्मों की जगह रंग-बिरंगे चश्मे को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। यह बात अलग है कि काले कोट और काले चश्मों का फैशन कभी खत्म नहीं होता। जी हां, ये चश्मे केवल धूप से बचाव के लिए नहीं होते, बल्कि फैशन सिंबल भी माने जाते हैं। महिलाएं इसे अपने मेकअप या कपड़े से मैच करके पहनती हैं। इसलिए जाड़े के दिनों में भी जब धूप का नामोनिशान तक नहीं होता लोग रंग-बिरंगे चश्मों में बहुतायत में नजर आ जाएंकि हल्के रंगो की टोपी और बड़े आकार वाले हैट भी यहां के फैशन का हिस्सा है।

फिटिंग वाले कपड़े

यहां के लोग शरीर को सुडौल बनाने के लिए पुरजोर मेहनत करते हैं और खानपान का भी पूरा ध्यान रखते हैं। अब जब शरीर आकर्षक होगा तो निश्चित ही कपड़े ज्यादा फिट और सुंदर लगेंगे। इसलिए यहां ढीले कपड़ों की जगह फिट कपड़ों को पहनना लोग ज्यादा पसंद करते है। हालांकि ढीले पाजामे/पैंट के साथ फिट ब्लाउज व टॉप या फिर बैगीनुमा ढीले टॉप के साथ लेगिंग को पहनना भी पसंद किया जा रहा है। यहां के स्ट्रीट फैशन में कमाल की बात यह हुई है, कि महिलाओं के जींस पैंट की जगह योगा पैंट, लेगिंग ने ले ली है। गर्मी हो या जाड़े का दिन जींस लगभग अपना दबदबा खो चुकी है। इसकी जगह धारीदार पजामे, या लेगिंग ही नजर आते हैं। लेगिंग को केवल जिम खाने में और योगा पैंट को केवल योग ध्यान करते समय नहीं पहना जाता बल्कि इसे जैकेट, टॉप, शर्ट के साथ पहनने का ट्रेंड है। ठंड में योगा पैंट पर घुटने तक के लंबे बूट और ओवर कोट को पहनना भी यहां के फैशन ट्रेंड में है। हालांकि फैशन चाहे जैसा भी ट्रेंड करे, यह जरूरी है कि आप उस फैशन में कंफर्टेबल और कॉन्फिडेंट दिखें।

सपाट चप्पलों का चलन

अगर आप हाई हिल्स पहनकर खुद को ग्लैमरस दिखाना पसंद करती हैं तो कई बार ये आपके लिए खतरनाक भी साबित हो सकता है। यहां की महिलाएं हाई हिल्स की जगह ऐसे हिल्स को पहनना पंसद करती हैं जिसमें चलना आसान हो। चुंकि यहां के लोग सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल बहुतज्यादा करते हैं, पैदल ज्यादा चलते हैं इसलिए यहां के लोग अपने कपड़ों से मिलते-जुलते जूते पहनते हैं। यहां स्पॉट्र्स शूज में भी काफी रंग-बिरंगे ऑप्शन मिल जाते हैं। भारतीय परिदृश्य में भी इस फैशन को अपनाया जा सकता है जिसमें कपड़ों से मेल खाते रंगीन जूतों को पहने या ऐसे हिल्स को पहने जो आपके एड्डियों को ज्यादा नुकसान न पहुंचाएं। क्योंकि फैशन में यह भी जरूरी है कि आपकी चाल भी सही हो। इसलिए यहां लेदर, स्पोट्र्स शूज और हिल्स के ऐसे चपल ट्रेंड में रहते हैं जिसमें ज्यादा नुकीले हिल्स न हो।

कॉफी संस्कृति

एक रोचक बात यह है कि यूरोप में कॉफी का कल्चर ज्यादा है। यहां सबसे ज्यादा कॉफी पी जाती है। यहां कॉफी पीने से फैशन का एक बहुत ही रोचक संबंध है। वो यह कि कॉफी आपके वजन को घटाती है, चेहरे पर ग्लो देती है बशर्ते उसे आप चीनी और दूध के साथ इस्तेमाल न करें। ब्लैक कॉफी को सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। इसी को ध्यान में रखकर यहां के लोग ब्लैक कॉफी पीते हैं।

ऐसे ही रोजमर्या के खाने में सलाद ज्यादा लेते हैं। तेल में भी जैतून के तेल का ही इस्तेमाल करते हैं ताकि तेल उनके पेट को खराब न करें और उनकी सेहत दुरुस्त रहे।

संतुलित आहार

कम खाना कभी भी फैशन का हिस्सा नहीं हो सकता लेकिन संतुलित आहार ग्रहण करने को फैशन का एक हिस्सा माना जा सकता है। इसलिए यहां पर लोग दिनभर में एक निश्चित अंतराल पर कुछ न कुछ खाते रहते हैं। लेकिन इस खाने में कम चीनी कम घी-तेल और कम मसालों का इस्तेमाल करते हैं, ताकि उनकी सेहत बेहतर रहे। अगर उनकी सेहत अच्छी होगी तो उनका शरीर स्वस्थ रहेगा, शरीर स्वस्थ रहेगा तो उनके चेहरे पर निखार बनी रहेगी और उनका शरीर हमेशा सुडौल रहेगा।

दौड़ है जिंदगी

दौड़ यानी रनिंग यहां के लोगों की लाइफ लाइन है। यहां शायद ही कोई व्यक्ति हो जो रनिंग न करता हो। इसलिए यहां लोगों की औसत आयु काफी अच्छी होती है। यहां के लोग सेहत को लेकर काफी सजग होते हैं, शायद यही वजह है कि फैशन एन्हास होकर नजर आता है और लोग उसे फॉलो करते हैं। अमेरिका में मोटापे के शिकार लोग ज्यादा होते हैं पर यूरोप में ऐसा नहीं है। ठंडा देश होने के बावजूद यहां के लोग अपने शरीर में ग्रीस हमेशा लगाते हैं चाहे वो दौड़ के हो या व्यायाम करके हो या संतुलित आहार से हो। इसलिए यहां के लोग अपने फैशन को लेकर दुनिया भर में जाने जाते हैं। यही कारण है कि लोग यहां के फैशन की नकल करना चाहते हैं। इसके लिए उनका ब्यूटी बॉक्स ही काम नहीं आता बल्कि वे अंदरूनी ब्यूटी और अनुशासित जीवनशैली का अनुशरण करते हैं। किसी भी फैशन फॉलोअर के लिए इन बातों को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। ❑

नन्ही दुनिया

रावण मर गया

कहानी

सुमन बाजपेयी

कक्षा में बिलकुल सन्नाटा छाया हुआ था। यह बहुत ही आश्चर्य की बात थी, क्योंकि सातवीं कक्षा के बच्चे पूरे स्कूल में अपनी शरारतों के लिए प्रसिद्ध थे। एक तरफ जहां वे स्कूल में होने वाली हर गतिविधियों में हमेशा आगे रहते थे, वहीं दूसरी ओर हर तरह की गड़बड़ी के जिम्मेदार भी वही ठहराए जाते थे। यह बात अलग थी कि कई बार अन्य कक्षाओं के छात्र उनकी आड़ में शैतानी कर स्वयं बच जाते थे और बिना कसूर सातवीं कक्षा को सजा भुगतनी पड़ती थी। कहते हैं न बद से बदनाम बुरा।

सातवीं कक्षा में इस समय पूरी तरह खामोशी थी और उनके क्लास टीचर श्रीमान दूबे जी उन्हें जोर-जोर से फटकार रहे थे। वजह भी उचित ही थी, क्योंकि उन्हीं की कक्षा के किसी बच्चे ने अपने ही कक्षा की चीजें गायब करनी शुरू कर दी थीं। अभी इस बात का पता नहीं चल पाया था कि ऐसा चोरी के खयाल से किया गया था या शरारत ही थी कोई।

घंटी बजने के बावजूद सारे बच्चे आज बैठे रहे, और दिनों की तरह उन्होंने हल्ला नहीं मचाया। असल में इस कक्षा के छात्र चाहे कितने भी शरारती क्यों न हों, पर किसी की चीजें गायब करना या तंग करके किसी का दिल दुखाना इस कक्षा की परंपरा के विरुद्ध था।

'अनुराग, यह बात तो गलत हुई है।' संजय ने क्लास मॉनिटर से कहा।

'यही तो मैं सोच रहा हूं कि आखिर अनुज का पेन किसने चुराया है। उससे पहले माधुरी का स्केल गायब हो गया था। अपनी कक्षा में ऐसा कोई नहीं है, जिसे चोरी करने की आदत हो और फिर ऐसा हुआ भी पहली बार है। कहीं किसी और क्लास के बच्चे ने तो...'

'नहीं, यह संभव नहीं है...' रुचि ने बीच में ही बात काटते हुए कहा, 'हमारी कक्षा के छात्र के अलावा किसी को कैसे पता होगा कि माधुरी स्केल कहां रखती थी या अनुज के पास इतना कीमती पेन था और वह कल ही तो पहली बार स्कूल लाया था।'

रुचि की बात सभी को ठीक लगी। इस घटना के बाद कक्षा में शरारतें तो कम हुईं ही, साथ ही बच्चे अपनी चीजों के प्रति अधिक सतर्क रहने लगे, पर फिर भी एक दिन नेहा के बैग से पेंसिल बॉक्स गायब हो गया। सभी बहुत परेशान हो गए।

रघु के अजीब व्यवहार के कारण अनुराग को उस पर कुछ शक हो रहा था, पर बिना प्रमाण के रघु जैसे हमेशा फर्स्ट आने वाले होशियार लड़के पर आरोप लगाना उचित नहीं था।

कुछ दिनों बाद दूबे जी ने घोषणा की कि दशहरे की छुट्टियों से पहले एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करना तय किया गया है।

छात्रों में कुछ न कुछ करने की होड़-सी लग गई। कोई कविता पढ़ना चाहता था, कोई वाद-विवाद प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहता था, कोई गीत लिख रहा था। 'क्यों न हम कोई नाटक तैयार करें, जिसमें राम-रावण के युद्ध के प्रसंग से लेकर उसकी मृत्यु दिखा कर मंदोदरी का विलाप तथा कुंभकरण, मेघनाद और रावण के पुतले जलाने का भाग प्रस्तुत करें।' अनुराग ने सुझाव दिया।

सब उसमें जुट गए। संवाद लिखे गए, पात्रों का चयन किया गया और जोर-शोर से अभ्यास शुरू हो गया। राम के लिए अनुराग को चुना गया। बलिष्ठ देह वाले रघु को रावण बनाया गया, तो हमेशा नींद में रहने वाले मोहन को कुंभकरण बना दिया गया। अभ्यास के दौरान रघु उसे थोड़ा खोया-खोया सा लगा। वह जानता था कि माता-पिता न होने के कारण वह चाचा-चाची के सहारे पल रहा है और बहुत-सी चीजों के लिए तरसता रहता है।

नाटक के मंचन में राम-रावण का युद्ध दिखाया गया और राम को रावण का वध करना पड़ा। तब मंदोदरी का प्रवेश होता है, 'हाय... स्वामी, यह क्या हो गया? एक मानव आपकी हत्या कैसे कर सकता है? आपके क्रोध के समक्ष तो कोई टिक नहीं सकता था। राम कोई साधारण मानव नहीं हैं, बल्कि स्वयं विष्णु के अवतार हैं। आपने सीता के मोह में अपना नाश कर डाला। आपको राम ने नहीं, वरन आपके अहंकार और पाप ने मारा है।'

रुचि के विलाप से दर्शकों की आंखों में आंसू आ गए और मृत रावण के रूप में लेटे रघु की आंखें भी बरसने लगीं। दृश्य बदला और पुतले जलाने का मंचन किया गया। पर्दा गिरने के साथ ही मंच पर स्वर उभरे-

'असत्य पर सत्य की विजय
अधर्म पर धर्म की विजय
विजयदशमी का यही सच है।'

तालियों की गड़गड़ाहट से हॉल गूंज उठा। रघु बहुत बेचैन दिख रहा था। दूबे जी जब कक्षा में सबको सफल नाटक मंचन की बधाइयां दे रहे थे, रघु की आंखों से आंसू बहते देख उन्होंने पूछा, 'तुम्हें क्या हुआ?'

'कुछ नहीं सर, आज रावण का अंत हो गया है।'

'इसमें रोने की बात क्या है? नाटक में ऐसा होना ही था।'

'नाटक में नहीं, उसके बाद अंत हुआ है सर।'

रघु की बात अनुराग समझ गया था। वह बोला, 'गलती का एहसास होने पर ही असली विजय प्राप्त होती है। आज तुम भी विजयी हो गए हो।'

'मुझे माफ कर दें सर, चोरी मैं ही किया करता था, क्योंकि मेरा भी मन करता था कि वैसी चीजें मेरे पास हों। पर मैं सब लौटा दूंगा और वादा करता हूं कि जीवन में फिर कभी चोरी नहीं करूंगा, बल्कि खूब पढ़ाई करके सफल व्यक्ति बनूंगा।'

दूबे जी ने प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरा। सचमुच रावण मर गया था। ❑

कविता

प्रयाग शुक्ल

आए कबूतर

उड़ उड़ इधर कबूतर आए
दो ठो घर के भीतर आए
कुछ बाहर कुछ छत पर आए
आए कई कबूतर आए।

पानी पीते चुगते दाने
आए अपनी दौड़ दिखाने
धीरे चल कर कुछ सुस्ताते
बैठे बैठे ही सो जाते
उड़ कर आए पंख खोल कर
जाने क्या कुछ बोल बोल कर
उड़ जाते हैं फिर आते हैं
फिर आते हैं उड़ जाते
फिर आते हैं दौड़ लगाते
रुकते हैं फिर हैं सुस्ताते
आए कई कबूतर आए
दो ठो घर के भीतर आए।

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

खंदक / खुंदक

लंबे और गहरे गड्ढे या खाई को **खंदक** कहते हैं। पहले के राजा-महाराजा अपने किले या महल को सुरक्षित रखने के लिए उसके चारों तरफ गहरी और चौड़ी खाई बनवाते थे। जबकि **खुंदक** का अर्थ खीझ, कुढ़न, भड़ास, झुंझलाहट होता है।

स्रोत / स्तोत्र

किसी वस्तु या तत्व के उद्गम या उत्पत्ति स्थान को **स्रोत** कहते हैं। वह स्थान जहां से कोई पदार्थ प्राप्त होता है, उसे स्रोत कहा जाता है। जैसे सूर्य अनंत ऊर्जा का स्रोत है। वहीं किसी देवी-देवता की स्तुति या उनके गुणगान में लिखी गई कविता को **स्तोत्र** कहा जाता है।

प्रस्तुति-

खुद बनाओ

खिलौना हवाई जहाज

अनूठे सच

इटली के महान वैज्ञानिक और खगोलज्ञ गैलीलियो ने 1609 में टेलिस्कोप बनाकर साबित किया कि कॉपरनिकस सही थे. लेकिन उनकी खोजों को तत्कालीन समय में सम्मान नहीं मिला. क्योंकि वे चर्च के धार्मिक महत्व के मामले में मान्यताहीन मानी गईं. और तो और उनको जीवन के अंतिम दिनों में अपने ही घर में नजरबंद रखा गया.

दुनिया उल्टी-पुल्टी

सच है या झूठ?

दुनिया भर में मछलियों की 2100 किस्में हैं. ये गर्म रक्त वाली प्राणी है, सच है या झूठ?